

॥६॥ श्रीगणेशमायेनम॥ अथहमीरासोलिखते॥
अमरपुरीबीरचलो कचचसतपकठनकराये॥ अथ
श्रीनयेसोमकबसकहाये॥ जननीउद्धनअवतरे
दपरेनआये॥ अनिलकुडउतपतनये॥ चारिनुजाध
चाहि॥ १॥ दोहा॥ चारिनुजाआवदसहेत॥ तेजपंजा
स्वंडसुरहरषकंपेअसुर॥ अतिहुतेनवपंड॥ २॥ य
रामआसापुरा॥ ऐदोनेबरदाश॥ गरुचंपआपादई
नूअसुकुलचाहि॥ ३॥ अमरअसुरकुलमेति॥ सुर
माबधाये॥ राषसकंठिकदुसटा॥ पहोमिपरहननमा
ध॥ मंडलीकचारिचकवै॥ ऐतेनयेचुहांन॥ सूर
तउदौतलै॥ फिरैचक्रुदिसिआन॥ ४॥ अथमरथ
ल॥ तहलोचक्रचलाये॥ कररावरापेलीये॥ जग
तिनेकराये॥ ६॥ अतेनृपनवपंडके॥ लसेपायकज
राजजोगदौनकरै॥ अजैपालअजमेरि॥ ७॥ चोपई॥
सीसलबीसकीरोडिजोडिजलमांदिधराये॥ आनत
किरोडिबिलसिषरचओरषाये॥ कोकोनयेन
लीअपनीअपनीठोरा॥ आनूचीसलदेनैयेमंडल
नसिरमोरा॥ ८॥ अतिधरासिरसेसकै॥ बगबलिल
पंजा॥ दुठीमांणिकरावकै॥ सकतिसंनरामाई॥
९॥ सुरनरमुनिसंकसहित॥ अबहीआसिकादेतक
राजनहचैसदा॥ तुमसंनरीनरेस॥ १०॥ आदिछानअ
मिरिगाछ॥ सांनरिनगरनिकासतवरमेटिदिलीतषत
रोराजप्रथीराज॥ ११॥ पूरवपश्चिमदध्यएततराधरि
तआये॥ शत्रीवंसश्रीआयसबसरनरहाये॥ धनिम
सचुहानकेआसापुरासहाय॥ शत्रीयतिपतंसाहि

जनपकरिलगायेयाये॥१३॥ रावसूरदोयवेरसाहिगोरी
गहिलगाये॥ नडलआलप्रमालमहोवैषतप्पसाये॥ राव
जैतकरलेगाहिअबओरकोउधरतनधीराअल्लादीन
सोजंगकोरेगाएअबवहमीरा॥१४॥ करिऐकठेरावसूरसा
मसरलाये॥ जिनकेचहूननचलेपदमकेआसनआये
॥ ऐकतासंपटतपकोरेजबप्रसन्नयेमहैया॥ जबसंक
रसिंधोरकोराजइहोजैता॥१५॥ जबमिलेनीलमछ
येपायलंगिचचननुचारो॥ हमसेवगतुमप्राप्तहैआ
धीनतुमहारावनवावासीसबमिलेनरतीरयनकोह
डा॥ बारसनीअतीजतथिरच्यैजैतगाएन॥१६॥
प्यारासैर॥११॥ सोतरपुष्पनअचवैसाधोदोए
छीरणअंचकरिबारसअपच्यपसीराज॥१७॥ चक्र
साचक्रंघोतकै॥ करकोनाहनकुचोए॥ अबकछुरा
वहमीरको॥ बरनूगुननवघोना॥१८॥ पहिलोसाहि
बसुमरीया॥ सबकोसैरजनहारा॥ पाछेकहूहमीरगु
ना॥ होसाहिसौसारा॥१९॥ इजैसमरौसखेतीपारो
सुतबंधवीराअल्लादीनकलिजुगनये॥ सतजुगारा
वैहमीरा॥२०॥ कछूचवोनीबर्दयो॥ कछूअपनीपु
धिअनुमान॥ कछूचचनसुनिंदक॥ कबिगुनक
होवघोना॥२१॥ सीससाहिपायेजरी॥ आदिजब
नीअबिवाका॥ बरदेसरस्वतीमशी॥ आलादीनहम
रकेकंककछूगुनगशी॥२२॥ जुगकीरतिजसवा
के॥ रागसुरगजोरमीरा॥ नाथिरहअनवदी॥ लाए
रहहमीरा॥२३॥ रातनवरदपदम॥ नगुतपने
मगनीइंद्रासतडिगमोसुरतरतपसकषाघा

इसहतसबदेवता॥ देसरापकहीयेवरसमहसतुम
 पदमराधिरहोसंयकीदिह॥२४॥ तासअंससौनयेवे
 होरिरिषियेतेनयाये॥ जनमजोगसंजोगकरमकर
 तारलिषाये॥२५॥ जरथेनयेहमीरा॥ नयेसूरदेउक
 राणये॥ महिमासाहिहमीर॥२६॥ गपारासैचालीसमे
 ११४॥ मकहादसी२२सनीबार॥ तजिविषहरकीदि
 ह॥ पदमरष्ययङ्गचेसुरपर॥२७॥ अतानयेताअंस
 सौ॥ महिमासाहिहमीरा॥ हजरतिसाहिअनाबदीदोय
 जरबीसहमीरा॥२८॥ कातीपथिलेपाथि॥ उस्तमदाद
 सीमुकलपष्यदिलीजनमनयो॥ मोहीरावगढरण
 थंनवरपरि॥२९॥ चूपसमातननवनको॥ बंदीजनद
 नीरा॥ परगढनयेचुहानकुल॥ जनमतरावहमीर॥३०॥
 समैएकपतिसाहि॥ सिक्कारखेलनवनजा॥ अति
 साहिकेहसमसकलवनमनरमाई॥ डुरमसाहिकेसं
 गसौसोबनाईनुलाई॥ लिषियालेषनसिक्कामिले
 जमहमासाहि॥३१॥ असाकरसंजोगडुरमदजरतिवा
 सरहाई॥ ओसमुदकरमुदकवसानयामीरमतिमंद
 ॥ सिरमारिकरिसैषसाहिकीरहो॥ डुरमकेसंगी॥३२॥
 नयोकोपपतिसाहिरोसनहीअंगसमा॥ धरोसैषक
 रजोरकरोहजरतिसनचाहे॥ पतसाहिवचन॥ मउचर
 करौतुम्यतकबीरा॥ पारदनकुदनकबूलिकरि॥ परीतरु
 तकसीरा॥३३॥ सैषदेउकरजोडि॥ साहितनसनमुषच
 ह॥ श्रुनीहाजरपरा॥ करोहजरतिपुनचाहे॥३४॥ डुरमव
 चन॥ मउचर॥ सुनिबेलीपतिसाहि॥ पारदनप्रथमुक
 बूलिमुक्तपीधेमहमासाहि॥३५॥ कहांहमकहांसेष

किन पसों मपठाया॥ जुरीया जोग संजोग कर मकरता
रतार लिपाया॥ ३६॥ कहां फंद कहां पारधी रहत मृगव
न पंड॥ तेष मिलै लिलाट के॥ परत छाव जहां फंद॥ ३७॥
मुनि हजरति ऐब चन॥ फिकर करि निज रे छियाई॥
जाहु सेषत मति रहो॥ अतीह सारी यत साही॥ ३८॥
साहिब न अमि उचर॥ सनिरे महि मायेष॥ इसा तुम को
गषव॥ चार घूंट चड्डे देस॥ ३९॥ कीन्ह कुत परा बहु
बधि हजरति कहतेरी॥ ऐसी सेस कैसी सअन हजरति
कहनेरी॥ चारि घूंट चड्डे देस मै घूनी कहां समई
तुम पासि कोरषव॥ मुजे बली बतायो॥ ४०॥ तुम सौ बल
बुदा॥ अर हजरति नही कोरी॥ न लिखा मोहोई
साहि पै मिटन कोई॥ ४१॥ सर नर हजरति सुं कहां अ
सामु न टकुण मूर॥ दीसत मुह दुनीयां बिचो हजरति
कहं मीरा॥ ४२॥ सेष कह कर जोरी॥ जाह जारति की पों
उं॥ दिली बडुरि नही आय॥ साहि को सीस मवांन॥ ४३॥
अती अंत पतिसाहिकी॥ हजरति रुं न कोई॥ जुरे जे
गस फर जंग जहां॥ हम तुम मिल न होई॥ ४४॥ दिली ब
डिक रिचले॥ बडुरि न लटिन हिचाह॥ मीरा बरु मिल
त पर धर पर मूरत॥ ४५॥ बडुरि बचन समुचरो॥ हजर
ति हस्त जिजाह॥ कद मूरही पराव दमी के॥ कैम का
की बर गाह॥ ४६॥ फिर फुपांत सुलतान॥ फिर डंस ब
हिंदवांत॥ कास मेरा जरात॥ ४७॥ देस बंगाल॥ ४८॥
दसो दिसा फिस्त्राईये॥ अब न पाय कै से करौ॥ कह
सेष हमीर सौ॥ अब तो सरणागत बरुं॥ ४९॥ जब हसि
कह हमीरा॥ पुरष जोही बचन निजाव॥ परे सीस धर

यजबकोउत्तेजाव॥५२॥यीशिमसूरीजिगवै॥बोलवच
नफिरनोफिरौ॥हमीरावइमउचरतोहितिमतिसाके
करो॥५३॥अत्तादीनपतिसाहि॥सोतोअसैफुरमावे
अतीसिसकेसीसअतिधररहननपावे॥५४॥नृपदेये
दसौदेसके॥काहुमुषनहीनीरा॥करिसलाममहंमं
साहिकहै॥मूसममिराष्याहमीरा॥५५॥तजैदेमरा
दकोटा॥लोचजीवकोनहीहोइ॥अत्तादीनसोताग
वाधिराषोतोहिकोइ॥५६॥नृपदेयेदसंदेसकेकोन
धरतनधीरा॥अत्तादीनकंअंगव॥असाकोनहमीरा॥५
७॥पतिसाहिहतरावहमीरयैजेजीया॥रावहमिरके
हतआया॥हतरावहमीरसंकदताइ॥दोहा॥अत्ता
दीनअलीया॥चहुदसिफिरतदुहाइ॥रावमेघमति
राषोहतवचनकहाइ॥५८॥निबलमवलमोवावक
रि॥कहोकोमुषसंचर॥सोइहमीरकरीयनदीनोदिव
डुरिजीवमुसकलिपर॥५९॥गयेदेवघरअडि॥तेजके
चनठहराय॥अत्तादीनपतिसाहि॥अप्तिमोतजसवा
ये॥६०॥रावसमदविचिसाहिसो॥धरधरतनकेइरेय
नीपतिसाहिको॥राष्याअंगगदोइ॥६१॥जातमुरनं
सारसव॥रावणगदित्राये॥रामचंद्रदेमयेदिकाइ
यीशिमूषपाये॥६२॥मायरमारसरहैतनदी॥तर्दीकं
पकोतीरापतिसाहितसंजंगकरि॥कोजीत्यानहमी
रा॥६३॥रावहमीरपतिसाहिहतरावमंकदतनये॥क
हतहमीरमुतिहतवचनमत्पयमत्पनहीनये॥नु
नबिनअरतकोय॥मेयकोमरणगवे॥६४॥ग
पतिसाहिसो॥जुरेजंगअडो॥नदवाकहो

जायके॥रहीयोसेषरणयेनाठ॥६५॥बृहमीरके
 बनसुनिहतपतिसापैगयो॥मुनिहमीरकेबचनहृत
 दिलीदिसिधायो॥करिसलामहतसाहिबुं॥जोरिक
 रिमीमतवायो॥६६॥नतरदधिणपूरवपछिम॥सबैसेष
 फिरिषकीयो॥कोलबचनकीन्हौहमीर॥गाछरणत
 नवरराषीयो॥६७॥हतकेबचनमुनिपतिसाहिसुं
 जीरकताहै॥नजीरपतिसाहिसौंकहै॥समदरपरै
 गयोसेष॥चारहजरतिकीअंननही॥चारहजरति
 कीअंननही॥रावसेकौराष्यौरहतहजरतिहदमां
 ही॥६८॥अैसेबचनपतिसाहिसौं॥हतबचनकहि
 वो॥होरगोफिरगो॥नहीतुमसुधिसेषकी॥तूषवरदार
 रनहीबेसवरि॥६९॥पतिसाहिउजीरसौंकहताहै॥ज
 वपतिसाहिउजीरसौंकह॥लिपदजरतिफुरमांन
 उलटिएलचीपठायो॥हठमतिकरोहमीर॥चोरमति
 राषोपरायो॥मुलकमालचाहोजितो॥कहतसाहि
 सोलीजीये॥फुरमांनबाचिहजरतिक्है॥चोरद
 मारादीजीये॥७०॥फुरमांनपतिसाहिकौरावहमीरये
 पडुंच्यो॥जानप्रलटोफुरमांनलिह्यो॥हजरति
 फुरमांनोबाचिकरिगवरिसाये॥महिमांसाहिनदेहु
 कौनहजरतिचछिआवो॥७१॥बाहबचनदेराषी
 यो॥करेकोलकबहिनफिरौं॥अबअल्लादीनसा
 हिमौं॥मारबाधिसनमुषलहं॥७२॥जबहुकौंफुरमां
 नपतिसाहिलिह्यो॥जबहुजौफुरमांनकोपमतिसा
 हिपठायो॥केतागाछरणयंत्ररावजिसपरगरवाये॥७३॥
 मदसौंदिसाजीतकरि॥सबयायलगाये॥पतिसाहि

बचन ५५ उत्तर मै ओलीयापीर ॥ महमासाहिनरघ
 ओजं समहिदमीर ॥ ७५ ॥ हतके बचन सु निरावहमी
 कोप्यो ॥ तदिदुतदिलीगये ॥ पतिसाहिरे दूतनक
 तदिपतिसाहिकोपकरि फुरमान नदोयो ॥ फुरमान
 बतति सु लियो ॥ लिपिदी ज्यो फुरमान ॥ कोपियति
 हि पठाये ॥ तुमसे कि तेदमीर ॥ पकरि कै पाय लगाये
 ७६ ॥ पतिसाहिनमों तेगाह ॥ यदुहमीर हठमतिव
 ॥ मिलो अयागदसेधकैं ॥ हं नू करि पायन परो ॥ ७७
 अपना नवनूहमीर ॥ कि नू पावक लेजरो ॥ अत्ता
 नपतिसाहिसौ ॥ राखे बचन नुचारो ॥ ७८ ॥ करोरा
 रणधनक ॥ वहोरिहमीर हठमतिकरो ॥ गिरपर
 तबित जुगजर ॥ नीरपावक सौ नदी जरै ॥ ७९ ॥ दधि
 देसन तरपछिस ॥ पूरब धरलीन ॥ कदमै लार करन
 त ॥ किन मुन सरनरकीन ॥ ८० ॥ मुन अत्ता वदी साहि
 कुन साहिसं जंगजुरै ॥ सुनिहमीरदरीयावकी ॥ को
 लिता सरनरकर ॥ ८१ ॥ हमीर फुरमान पतिसाहिकै
 लिदो ॥ जुगपावसौ जरै ॥ नीरपावक नदी जरदी ॥ मु
 अत्तादीन साहि ॥ काल विन को नन मरिदी ॥ ८२ ॥ सर
 राख्यो सेवदैं ॥ मूरजितो लज्या पर ॥ लिपिये बचन
 ॥ साहिकौ नमसीस कि नृपरा ॥ ८३ ॥ घेरघेर फुरमान
 हजरतियठवै ॥ याहि पकरि जो देडा बरु रि को सर
 रहवै ॥ ८४ ॥ पछिम मूरजि नगवै ॥ नलटिगावह
 ॥ कहीये दुत पतिसाहिसौ ॥ योदुष्टा डनदमी ॥ ८५
 दीयो पद मरधिराज ॥ करुं जव लगज्जसोदी जिअ
 ॥ ८६ ॥ ममत ॥ पित्रे नोपेदो को ॥ ८७ ॥ को ॥ ८८ ॥

मिटे॥ अनिहोत बत ही होत॥ रुजिक मोल करतार बिन
यहन ही साहि कै हात॥ ८७॥ हुतराव दमीर जे जे पति
साहिकन॥ मिलो साहि सो आश॥ जो रिकर सीसन वा
घो जे आघ पति साहि॥ सारचो गांन समंज॥ ८८॥ अ
लादीन पति साहिके॥ लिमियराव कुरमान॥ महि
मा साहि अमीर को॥ लिषन दे कुचि तरांम॥ ८९॥ गां
जमन दोनु नीरा॥ पछिम दिसन लटिज बदावा बच
न टेकन ही षडु॥ साहितुम सेमू आवा॥ ९०॥ रकत ने
न करि हत दसि॥ नाये बचन रिमाये॥ कहरावरण थ
न दि सि॥ करिये बेग पति साहि॥ ९१॥ हुतराव दमीर के
बचन सुनि पति साहिकन पडुं चो॥ दोहा॥ चलो ह
त मुराई दिली दि सि कीयो पयांनू॥ गछरण थं न ह
मीरा॥ साहिकी॥ संकन मनै॥ ९२॥ नये दे सद स मदी ब
सा॥ हरे सकल नर नारि॥ कै पति साहि अलाव दी॥ के
प पति साहि दमीर॥ ९३॥ हुत दोनु कर जोरि॥ साहि
कौ सीसन वाघे॥ हठ छडन दमीर॥ र्हि क्यो मुज पठावे
महिमा साहि दमीर दोनु तुम सौ कही मलांम॥ जो क
शूलि प्रिया॥ दमीर साहिकौ पछि दे घो फुरमान॥ ९४॥
मुनि हत के बचन॥ साहि जब मन मुय चाह॥ किते करा
ज दमीर करा॥ हठ करि मोहि बुलाव॥ ९५॥ जतन जतन
समझाये॥ बचन बचन बडु बखे॥ दमीरा वचन
कौ॥ केतो दस मदल संग ले चढे॥ ९६॥ हजरति राव दमी
रा बहोत नांति समझाये॥ मुनि महिमा को नां ब रोस
करि रावरि माये॥ ९७॥ केतो मार न मेटिये॥ जीने
नही संजोग करि॥ दमीरा वचन॥ साहिको सोचनि

मधनकरै ॥ १५॥ पतिसाहिदूतकौयूषधै ॥ अरेहमी
रकैसांमानकेतोकरैसोमुनसौकहै ॥ सोदूतकहता
ह ॥ सतरिसहसलघतुरी ११०००००० अबलघअरसम
बा ॥ मदबहतगजराजप्रचीसै २५०० पटागरणत
नचरचीतोराठ ॥ नलवरगाठचालेर ॥ १॥ वहांनहीहु
कमपतिसाहिको ॥ करैराजहमीर ॥ तुरिमुहसइक
तीस ३१०००० ॥ अैसेगजराजसमाने ॥ २॥ सुखीरहस
सहस १००००० ॥ तेग ॥ काहुकीनहीमाने ॥ एतौहसम
रणधनगठ ॥ एतौरावरणधीर ॥ ३॥ दूतवचनइमनुच
सोहजरतिहुठकरोनहमीरसौ ॥ ४॥ पतिसाहिदूत
न ॥ छै ॥ अरावहमीराजकिसतरकरताहै ॥ मदजीदम
सीतमेटिहरषिहरिमिंदरकीज्ये ॥ वंगनिघाजनहीहो
ता ॥ कथाहरषिश्रवणमुणिज्ये ॥ ५॥ अस्तिबदमुनि
त्यागिये ॥ सत्यकेवचनसुधीराकलिजुगआइसकन
ही ॥ जहालगिरावहमीरा ॥ ६॥ अनअरुनीनसुंयुरस ॥ र
हसकरिमवनकोश ॥ पितापुत्रऐकठाहरैचैठै ॥ सरनरन
हीहोता ॥ ७॥ आंयुरषकीअसत्री ॥ ताकोडारतमारिज
हांजहांराजहमीरको ॥ तहापतिनरतानारि ॥ ८॥ रोज
बांगनिघाज ॥ कुरानकलमानहीनणीये ॥ मुसलमां
नकानावा ॥ वहाकबहुनमुनीये ॥ ९॥ नहीदीनदर
गाह ॥ साहिनहीपकंवरपीरा ॥ कलमांकोननकहस
का ॥ जहालगिरावहमीर ॥ १०॥ दोलघ २०००००० बकंद
ज ॥ रहतचोकीनितिगछकी ॥ ११० सतरितोपरणधन
गसजअसमानधरती ॥ १२॥ सहणसूतसोर १०००००० दस
लाघमण ॥ दोयसैमणधातवधानीये ॥ क

दुतसाहिं॥ यामअस्तिजानंयि॥१२॥ ६००० षट्सह
 महारणयंन॥ सुषीसबदुषीनको॥ १३॥ सबहीअकर
 महारावकरलेतनको॥ १४॥ ता'लपचरणयंन
 गढ॥ नाहितवनकाधेव॥ सर्वनंडारसूनरनरे॥ ओर
 गणसगाछदेव॥ १५॥ मणहादसचुगोपेड॥ बनपंछी
 हेजाकौ॥ आंधाबिधअपंग॥ सबरावकैमोजिनपा
 य॥ १६॥ कहलोकडुहमीरगुन॥ कहतनआवषेह
 ॥ दातारसूरहमीरसेतहीसाहिकैओर॥ १७॥ सवापं
 चनितिकनक॥ गणदाननितिदेह॥ अतिरावकैधैर
 साहिदिनगगतहीकीज्ये॥ १८॥ पारसिकीपदानि
 ति॥ मालनंडरनसंचर॥ हजरतिरावहमीरकी॥ ओरके
 ननसरनरकर॥ १९॥ बंदीजनदरवार॥ द्वारकौनबिद
 बषांन॥ आवदाननित्यदेत॥ मागतजनमुषसौमंगे॥
 ॥ २०॥ दातारसूरकलिजुगकरण॥ पुनचडुंदसिजस
 करे॥ अतिप्रवीणविद्यामखे॥ अस्तिबचननहीनचर
 ॥ २१॥ पतिनरताकैधर्मी॥ अतिआमानितिसाधतांरणी
 ऐककैसुत॥ देवलराजिकवारासूपतिरत्तरबिरछप्रक
 नवरकरंगुजारा॥ २२॥ काषबायनिकलंकजतीजोग
 आरनसाधत॥ ऐतेरावकबोहोबिडदा॥ माराहधेतनबा
 डत॥ २३॥ राजनीतप्रजासुषी॥ अरमेटतपरपीड॥ बरषअ
 उषैवीसदोयऐतीनमरिहमीरा॥ २४॥ गढप्रादरणयंन
 साहिनहीचडुंदसिशनं॥ बिनोडुंदकोसौरावकहाल
 बिडदबषांन॥ २५॥ नवननंडारकुंमरमे॥ जहारधिसिधि
 नोनिधि॥ हजरतिरावहमीरकौलोहाकंचनहीत॥ २६॥
 बीसर००००० महसधतनिकव॥ १००००० महदसकफ

गहनारीकरसार पुस्तक संगान छाडत

७ जीपर वाणरण धेनका ॥ मुनि ये साहिब्रवै ॥ प्रनसं
 मानहमीरकै ॥ ६११०००० ॥ इकसै ठिला महरदस ॥
 २८ ॥ दोहा ॥ मालती मरवो कैवडो ॥ कंदली कैलि मुग
 धा ॥ चक्र सिवागहमीरका ॥ जिन बिचि आछरण धेना ॥ २
 ९ ॥ मुनि दुत के बचन ॥ साहिब संप्रकाश ॥ करि अ
 लख दीरोस ॥ सात कोपी पतिसाही ॥ ३० ॥ बहोत जन
 न समझाये ॥ नलटि मछी तीर ज्यो ॥ कोप बचन हरति
 कहा ॥ जुरीया जंगहमीरसं ॥ ३१ ॥ पतिसाहि दूत काब
 चन मुनि कोप कीयो दसौ दिसा के न मरावा ॥ बुलाया
 ॥ अवे पतिसाहि घासान मरावा ॥ कोप करि बुलाये ॥ दू
 हमीर मुहसौ कीये ॥ सेहराषि मार समाये ॥ ३२ ॥ नत्र दि
 क्षण पूरब पश्चिम ॥ फिर हमारी आण ॥ कहत साहिराण धे
 नको ॥ कहहमीर चुदांत ॥ ३३ ॥ घरे अमी दीति मीर
 सब हरति दिसि चाह ॥ अपनी अपनी मिसलि ॥ साहि
 कौसी सनवाये ॥ ३४ ॥ कहत बचन सब साहिसे ॥ कास्कि
 रिमीर सलाम ॥ बेर बेर हमीर आवकुं ॥ मति ते जो फुरमान ॥
 ३५ ॥ जजीर मरहर मघा पतिसाहिसे ॥ अगली बात कता
 है ॥ पतिसाहि सुनताह ॥ पहल हसन झुसेन ॥ सयिद चु
 हान चछि आये ॥ सात बेर प्रथी राज ॥ साहि गौरी गहलाय
 ॥ ३६ ॥ बीमल देखे जमेरि गद के ते साहि गद वसि कीये
 करि सलाम पतिसाहि कौ ॥ महर मघा ॥ मन चर ॥ ३७ ॥ गीद
 र संध मिकार ॥ साइ एक मति जांनारणत नवर दिसि नृ
 लि ॥ साहि मति करो पयान ॥ ३८ ॥ मासूरण धेना दातु
 म अलख दीपीरा अज मति ममार जरा दोन ॥ हरति

रहमीर॥२॥ कालबूतकेसेषहजरतिबणिआवे॥
 अबषासाकरिषरा॥ नयेगरदनमरतावे॥३॥ घूनीपा
 सिहमीरके॥ जोततदुतीयंछरदीन॥ हजरतिरोसबिस
 रीये॥ करीयेमांनकुंदनी॥४॥ पतिसाहिउजीरकाब
 चनसुनिफुरमावताह॥ हजरतिकहउजीरसुं॥ क्यामा
 रीहमीर॥ पलमपायलगायहुं॥ घूनीमहिमासाहि॥
 ५॥ उसदिलीगाहत्यानं॥ एकरावरणंनका॥ ऐता
 क्याअनिमांत॥ कोपेसादिनांनजब॥ दसौंदिमाफुर
 मांत॥६॥ पतिसाहिफुरमांनदसौंदिमाजेया॥ ज
 बदसौंदिमाकामीरआया॥ कोहोदामुलकपंजाब॥
 मीरघरेमुलतांती॥ लोदीपतीपठांतओरतगाहनअक
 ददवांन॥ बरुराइचीघरेसबदलजोरि॥७॥ मयदमुगल
 बिलाइती॥ इकलषअदमघोर॥ बाइमीरबिलेचाधु
 रमीकायमघांती॥८॥ मदकैतिषबहलाम॥ मीरजादप
 रांती॥ किलानोरलाइरधीरइसबेजीआसांम॥ लोया
 यपतिसाहिकै॥ ऐतामुलकअसरांण॥९॥ घरेचहुंद
 सिदसौंदसा॥ कहांलोकरौचघांन॥ कोपेसबैहमीरपै॥
 मुसलमांतहीदवांन॥१०॥ मिसरादेसघंदारा॥ घराज
 नीलेआये॥ धुरकाबिलधुरसांन॥ कोपिपतिसाहिवुल
 ये॥११॥ अरबीअरबअबदेलदल॥ दिलीआयेतैजु
 रे॥ करिमलामपतिसाहिकै॥ करजोरैहजरैघरे॥१२॥
 रुससांमकासमीर॥ इरातुरादलआये॥ हबमीबंकम
 बदलघरे॥ जबसाहिरणंनचलाये॥१३॥ गढकोटदे
 मपरलैकरौ॥ मुफ्तअलावदीतांम॥ हजरतिकहतह
 मीरकै॥ अबदेघनमुफ्तचाह॥१४॥ सोरठागढगिरता

रि॥दधिणपूरवधजेते॥लगेसाहिकैपायाअलाअन
मिलेहजरतिसेते॥५३॥अलादीनयतिसाहियो॥को
करिमकगुमान॥हजरतिकहजुरिरि॥चलीयेदेसहि
दवान॥५४॥पतिसाहिसमस्तदेसकीफोजलेरणथे
नवरचलतनये॥साहिसनीश्रवारकोपिरणथेन
चलाये॥दसौदिमापायलाय॥साहिकौसनमुषमिल
ये॥५५॥पारामेइकसटिये११६१चैत्रमासचंदराज॥च
दीयेसाहिअनाबदी॥करिहमीरपरोसा॥५६॥भरीयेमीर
अमीरसबरणथेनदिसिधाये॥धरअंबरसजशायचल
तकोनुपंछनपावे॥५७॥बांधीतेगाहमीरये॥जगतसाहिज
गदीसा॥सातलायहीदूहसम॥मुसलमानलखवीस॥५
८॥परमानयेतोहसमको॥डाकपेकदसमेहस२००००
षबस्विडुंदिसिकीलयाव॥बेलदारलख४००००००च्या
रि॥पोमेषनितीरपावे॥मीरमीरकीमिसलियरि॥कल
फिरजसूलहिमतबहादरअलीषा॥दोइइरानीमहसु
ला॥६०॥इकलखहाटिबजार२००००००दुनीयाबनीये।
योब्यापारी॥नटीहारेलख१००००००ऐकानानापक
दाननटीयारी॥घरबोगोरषचरदेवलपिचले॥गस्ता पकाव
गरलख४००००००ऐतेहसमहोलसंगि॥हरवलहसम
अपारा॥६२॥दवागीरलख२००००००ऐक॥साहिकौदवा
सुनाव॥लगरघोरीनितिबटो॥सजिकहजरतिकयावे
॥६३॥नरबिषीयारी२००००००दोयलख॥चलतनेव
नकैताबीन॥ऐतेहसमयतिसाहिकौ॥कोपिपयांतुकी
ना॥६४॥लखपैतालीस४५२०
दलप्रवान॥वाटघाटसौदिन४पत॥गिंगन

न॥६॥॥॥ इकमकीयाहमीरा॥ सूरहजरतिदिसिधाये॥
 किलानोरकेमीरा॥ सहस १००००० दसपिसाये॥६॥ मग
 लवारतिथपंचमी॥ लग्नोफागुणमांस॥ पहलीराडिम
 लारण॥ हजीन ५ बनावस॥६॥ लीनोसूरबुला ३॥ मेरोक
 रिरावरिसाये॥ तुमनेज्येकिसकैगये॥ इकमकरिकि
 नपठाये॥६॥ नापेबचनहमीरयम॥ सबसूरनहि
 सिचाहि॥ अबहजरतिकेहसमदिसिबडुरिनधरो
 पाव॥६॥ फुरमानपतिसाहिपैहमीरनेनेज्ये॥
 नाकाघाटापतिहीबडुरिनदीबधकराउ॥ हसतुमरे सा
 हसरीतसारणयंनसमान॥ मेषगदतपतिसाहि
 कुंनेज्योरावहमीर॥७॥ लीज्येसाहिप्रलावदी॥ दो
 यकुबाणदसतीर॥ घरेकिलेमदलकिते॥ मनमेघ
 पावसरित॥७२॥ चडुदिसिमीरअमीर॥ आपहजरति
 पिलचीपुरा॥ नाकोउमुहमौजंगजुरा॥ मुसलमा
 नहिदवान॥७३॥ तेमुहमौबाडीबेम॥ तेराकितान
 नमांत॥ नहीसूरबीकोई॥ रावतुहकौसमजाव॥७४॥
 सोमतिकेरेहमीरा॥ बडुरिपीछेपछिताव॥ गहरेसायर
 बीचतीरहुते॥ जीतिलगायेपाय॥७५॥ कहहमीरक
 रतेगाहो॥ कैकदमोमदिसासाहि॥ चढोदीलीसुर
 कोपरावपरकरीसा॥७६॥ दसजोजनप्रखानपरत
 दलधरनसमा॥ चलतसाहिजबकुंचकरी॥ सूरजिमि
 रदछिपाई॥७७॥ धनिधनिकहहमीरसौ॥ अलादीनप
 तिसाहि॥ सातबीसलखहसम॥ तीनलखिसूचलाये
 ७८॥ पाचसहसगाजराजचलत॥ एकसौएकसवाये॥
 दसाहिले॥ चछौकोपाछसौअरौ॥७९॥

रावहडहडहसै॥मानूएकदोडोपड्यो॥८०॥दसों
 दसाकेमलेश॥धरेआयेपतिसाहि॥कहहमीरमुन
 दिसा॥असोसोदागरसोसाहि॥८१॥फुरमानपतिसा
 हिराचहमीरयेनेज्यो॥ममकाकापीर॥दिलीसुरसाहि
 कहानें॥मुसलमानहिंदवांनादोनोएकराहचलांन
 ॥८२॥चारिबीरचोइसपीर॥एतेरहमुनपासि॥महि
 मांसाहिहमीरराधिको॥अदिलबसाइहाथि॥८३॥फु
 रमानजूनदोहमीरपतिसाहिकोंनेज्यो॥हजरतितुम
 मकेकेपीरमैसूरलोककहां॥हमतुमएहसरीतिसारु
 रायेंनसमान॥८४॥जतथाडेजोगीनही॥सतथाडतर
 जपूत॥सेवनसौयोंसाहिकों॥जबलगसिरसाबूत॥८
 ५॥हजरतिअबनहीकरों॥डरअैसीहोआइमुसलमं
 चुहाना॥आदिअैसीचलिक्राइ॥८६॥मीरांअैपीरसे
 धिसेधेतअजमेरि॥असीसहैपरिरेकलवि॥८००००॥
 उलीमकागयेनफेरि॥८७॥असुरमारअजपालाचइ
 दसिचक्रचलाये॥बीसतदेअजमेरि॥पायपंडितकै
 लगाये॥८८॥प्रथमीराजगोरीगहरो॥आहिदीयाकर
 देचूरी॥एतेसेधपरिहठकीयो॥साहिवुधिकीनहरी
 ॥८९॥मिलेसहजोसूरा॥मिलेनुदियाअसतराह॥उ
 डिगितसेतआकास॥आयनोलैगतिपहोमियर॥९
 ०॥हहमीरतोननतजै॥मुनिदिलीसुरसाहि॥पहली
 सीसहमीरको॥पीछेमहिमांसाहि॥९१॥धरअंबरवि
 चित्राश॥साहिधिररहनको॥गायजजोधनदसक
 धसे॥करनअजनसेको॥९२॥स॥
 यनह॥

वही॥याधरपरिज्ञेजधूलि॥॥रापनसूरकहाया॥प्र
रनहीकायरगिनीये॥अपनोजसमुषत्राये॥साहिक
बहुनेहीननीये॥॥३॥लिष्येल्लेषकरतारसे॥हजरति
मिटनको॥॥कोजांनरणथंनगाढ॥हजरतिकेसीहोय
॥॥५॥हमीरदूतजैनही॥जबपतिसाहितजबीजैराडि
कैसेकरनी॥तीतसहसनीसांन॥धुरतअंबरजथहा
॥॥५॥रणतनवरचक्रवोरा॥पहोपयहोमीपरदलनस
मा॥चक्रुदिसिमाहिअलावदी॥बचनएकमुषचवर
॥देप्रोबुबधिहमीरकी॥एकसेषकेकाजिमुकिमोफिरे
॥॥६॥पतिसाहिकेरावहमीरकेएवाताडुई॥अब
रावहमीरसहासिवकीस्तुतिकरताहै॥गटरणथंन
हमीरदोनसेकरसिरनवांन॥अबेसाहिकिनकरो॥
सातकोपीपतिसाही॥॥७॥गजपतिकोध्यानधरि
॥उचरतबचनहमीर॥राखेअबरणथंनगाढ॥बूडत
हैबितनीर॥॥८॥सातबीस२७००००००लखिहसमे
संगलेहजरतिआये॥तुमारैमेजप्रतापसेषहमसरन
रहाये॥॥९॥होआधीनहमीरकहा॥करीयेमदितम
हसा॥आयेसाहिकलावदी॥दसौदसकेमले॥॥१०॥
॥हमीरकीस्तुतिसृनिसहासिवकहाताहै॥द्वादसप
रहोयबरस॥रावतोहिविधननको॥जबरासेमैवसए
क्रमसाकोहो॥॥११॥एकदसीअसाहबदि॥मुष्पनक्ष
त्रबै॥॥१२॥संकरकहहमीरसौ॥गहोसाहिसौसार॥
॥१३॥सुनिसंकरकेबचन॥रावकरसारसमाये॥जबह
मीरकेबचन॥रहेसरणधीरकहाये॥॥१४॥जोकाकेकन
वजकरी॥सोअबजांणिहमीर॥परपहोमिअलावदी

जापीष्टेरणधीर॥४॥हमीरणधीरमौवातकही॥पद-
लूजंगपतिसादिसौहमीरहोफिर॥जवदमीरणधीर॥
सादिदिसिमनमुपध्याये॥पात्रजमतिग्रमनग्रधनि
प्रथमिदोपपहोमिमिलाये॥रथ्राकरिदमीरकी॥मंक
रसकतिग्रोरनोन॥दग्रमीमंदसमवान्नपयोगिनंनप
हसचुदान॥७॥नयोदकमवदममम॥मिदिगयमीर
अमीर॥कैरेयादियतिसादिजव॥गजनीगठकेमीर॥
४॥चंगतमप्राधरदोपत्रात्रावदपवमंज॥कीयाइध
मपतिसादिजव॥चंदलंचंद्रेमिचजे॥॥॥अयैकाप
हमीरये॥गदतिगणधीर॥वीपमदमपार्दममं॥अ
रवाजीदषांमीर॥१॥नयोमोचनीवमादिक॥जीन्या
जंगदमीर॥मातवीयनचिदपमम॥जुदमर्क॥यारग
धीर॥१॥रणधीरमंदन॥जंगदगिठपइंच॥चनीरण
तिसादियेवातकहतदि॥कैरमदममं॥जीगसादिक॥
वचनकहये॥निच्योरावदमीर॥मेपादकहदं॥न्या
ये॥कसिमलानपतिसादिक॥जुगनल्लनननीग
गदतिगपतिसादिमो॥वदिमतिननंजदमीर॥३॥अ
जुगनगदिसादिमीमम॥दिदकुदराय॥गठदियद
चंद्रोप॥फेनियो॥जंगदगिठ॥१॥तांगदल्लन
वजी॥चंद्रमिमिलममम॥अजगदियदमीर
की॥चंद्रजंगदगिठ॥जंगदगिठ॥जंगदगिठ॥
जंगदगिठ॥जंगदगिठ॥जंगदगिठ॥जंगदगिठ॥
जंगदगिठ॥जंगदगिठ॥जंगदगिठ॥जंगदगिठ॥
जंगदगिठ॥जंगदगिठ॥जंगदगिठ॥जंगदगिठ॥

बिन कह्यो॥ साहिब कह्यो दिसे जीति॥ अब गाछ गच्छ न आ
 ये॥ अब हमीर सौ बचन रहसीरणधीर कह्यो॥ १५॥ अब न
 धाम न छाडिये॥ अमि तु चर तरणधीरान सिबा सरिपति
 साहिसे॥ अब करीये जोग हमीर॥ १६॥ हमीर रणधीर सौ क
 ह॥ को कायर को सूर॥ दोस बिन दिष्ट न आये॥ बिन स
 रज की साधि॥ सार छत्री न समाव॥ २०॥ बीर फिर फिजोर
 जोगनी॥ रणि चरण पहो मि न धर॥ हम अलादीन साहि
 सों॥ रणिसार क ब्रह्म त घेरु॥ २१॥ रणिरणधीर कह्यो है॥ न
 पति साहि सूरि बाहमारे लड़े॥ दोय सहमतो पकिर वा
 निक के नरि नरि तां॥ सत मुख लड हमीर साहिकी संक
 न मान॥ घाट घाट साहिके मारि मेले हमीर॥ राव जंग दि
 नय रिकरे लड़े रणिरणधीर॥ २३॥ जब पति साहि अजमे
 रिके पीर कौ मन आवता है॥ जुमारा नि पति साहि पीर अली
 याम नाच॥ रणत नर की फते दे कदमूँ कौ हम अग्ये॥
 कर जोरि साहि बंदगी करै सुनितारा गढ के पीर॥ नाव
 टरण छे न गढता मुन मिलि हमीर॥ २४॥ जब मीरां साहि
 साहिकी मदति पठाये॥ सिर न तारि करि लीयारा वप
 रिसत मुख ध्याये॥ आइ मदति हमीर की॥ उतरे अस
 सौ च्यारि॥ परे साहिय दनूषेत बिचि॥ सुर लोकाये मा
 रि॥ २५॥ अब दलः हमनः रही म॥ सहियदः सुरतांतीः म
 की॥ आदिलः अदिलः हकीमीः आरसूल॥ मिल गये
 मिठी॥ रहे साहि सुर नाय जब पदोम परे तो पीर॥ जब अ
 निकह अलावदी॥ अजमति अधिक हमीर॥ २६॥
 ॥ उज्जोरि पति साहि सौ कह्यो है॥ करं महर मै पीर साहि
 सों बचन कह्यो॥ तारा गछ के पीर गये बिन नीर बहाये

ये जंग जुरत हमीर यों किन डून देवे साहि॥ मारि फिर स्ताने
गये वृत्तिस्त पङ्कचे जा ॥ २७ ॥ बरस अरु जम हेठ साहि गढ
हाथिन ब्राये॥ उलटि छंणि परि जाइ मीरनुमराव बुलाये
॥ बकसी अमीर मरघां करै अस जसाहि प्रमिकद॥ हस मल
षनुमराव ऐते साहि सद कै नये॥ २८ ॥ सुनि बकसी के छच
न॥ सोचइ जरति अतिलंपाये॥ कहत बचन हमीर चेसर मे
ही निरजाव॥ २९ ॥ महिमा साहिः हमीर गढा ऐती नूं साव
त धरे॥ बाजीर ही हमीर की॥ मुफिक रिकरि कां ना परे॥ ३०
॥ पतिसाहि सोच कीये॥ जब महर मघा पतिसाहि मूक ह
ता है॥ महर मघा इम उचर॥ साहि दिक्मतिये क की ज्ये॥
पहले छंणि करि फते॥ बहोरि गढ सौ जंग की ज्ये॥ ३१ ॥
रणतन वर गढ हलि वलि परे॥ सुतिसाहि रणधीर को॥ मि
लावो मेघ को॥ यों सत घटै हमीर को॥ ३२ ॥ छंटा धरी॥
राडिकरने लगे॥ पतिसाहि जु जी मूक हता है॥ यों कहु पतिसा
हि॥ राडि रण यं न सौ मतिकरो॥ चंदरो जगढ छंणि फते
करो॥ कोपि पतिसाहि गढ छंणि लगे॥ सेरा सेह सेनी
सांनदल साहि वगे॥ दाय सद सफ्रावो ते ज धूटे॥ गिरन
गिरै मरघां घट्टे॥ उडै सोरादारुन हता चलगे॥ गये वन
छाडि सिंहु जतन तेजे॥ छवी सल पेह सम चंड पार फरे॥ अ
सीनां ति पतिसाहि गढ छंणि घरे॥ कह पतिसाहि विल
मन कीये॥ चंदरो जगढ छंणि फते की ज्ये॥ रणधीर कहु
साहि मन धीर धरीये॥ मिलि चोगान विचिस फरजां करी
ये॥ नीसांन सो साज सब दल वजे॥ जवरावर रणधीर अ
वध से ज्ये॥ जहार् सरराग संधूज कीने॥ सहस्र १००० २५
तीस दल संग लीने॥ सरस हद सफ

बराधिपरिमारपेले॥ अबतोरणधीचोगानअये॥ नडि
 गिरदअसमानथये॥ अबदलकीरीमषांकेपतिसा
 हियेले॥ मीररणधीचोगानचोधानपेले॥ बढबानकर
 वानचत्रचले॥ रणधीरकेसूरअवअापिले॥ जहासाहि
 सौंसूरसनमुषजुरिये॥ जहादबसीकेमीरदससहेम
 परीये॥ ट्टिसिरमीरधरपहोमिलगो॥ ऐकसहेसपरेस
 रनुडिमिरननये॥ रावरणधीरअपनेसयापे॥ अबदल
 करीमषापहोमपरे॥ योसाहिरणधीरसफरजंघजुरीये
 पतिसाहिनलट्टिदोयकोसपरीये॥ रणधीरकहसादि
 विलमनकीज्ये॥ चंदरोजगायेवीतिगट्टिणिनीज्ये
 ॥ गढकोटकबहनीनयोहाथिआव॥ होकोपपतिसाहि
 दिलीकोषिसाव॥ ३२॥ दोहा॥ बरसपांचगढछंणिकौ॥
 नाहिसिटैपतिसाहिदोयडादसरथंनगढ॥ निरधकल
 रोपतिपतिसाहि॥ ३३॥ धनिसरावरणधीर॥ साहिमुमुषअ
 पसिरये॥ मुफिदिसिसनमुषअथिकोयअनसरसमाये॥
 साहिवचनश्मज्यरा॥ मुनिमहरमषांमीर॥ जंगजीत्योवो
 फिरिगयो॥ योधिंरावरणधीर॥ ३४॥ मसलतिबात॥ अब
 सफरजंघराडिमेटि॥ अराबेकीकरनेलागो॥ जबरावरण
 धीरहमीरसोकहे॥ बरसआठपतिसाहिसूंअपनीजमीति
 सौलरो॥ अबषंडहिदस्यांनकेमीरबुलवो॥ ऐकफुरमो
 नगढचीतोडधीनावो॥ रावचतरंगकोबुलावो॥ लखि
 फुरमानबसशतीसबुलाये॥ उमरावसूंहीरकहतहो
 ॥ दलचड्ढेवानकेजुरे॥ नमोजिमबादलशारे॥ करजो
 रिसवहजारिनये॥ कहतबचनश्मराव॥ मेगाहीतेग
 पतिसाहिसो॥ कोजीवनकसोजाव॥ जबकहकोपिरण

धीर॥ रावमुनिबचनहमारे॥ अबशांडिकोजायघायकै
 निमषतुमहारे॥ अलादीनपतिसाहिसंगठशडिचौर
 लरौ॥ एतेहसमपतिसाहिकेमारिषडंगकितकिनक
 रौ॥ ३७॥ रावरणधीरकेसगोकरेऐतैमजमीतिचीतोरगठ
 कीआणयकुंचीकैवरषानबालनसीकहा॥ पहिलैजंग
 पतिसाहिसौहमकरै॥ नबजाइनाइदोनहमीरसौमिते
 ॥ देषिहमीरबहोतयुसिबषतनऐ॥ कैवरमजकूरहमीर
 सौकीया॥ श्रद्धाधरी॥ चतरंगकेकवररंथेनआये॥ ५१
 मुनमांतकरिरावनसुकंठलाये॥ कवरदोनबचनन
 षा॥ रावधनिसिषतुमसरनराषे॥ एतेदिनसाहिरणथेन
 लरीये॥ रावतुमयादिहक्यौनकीये॥ पतिसाहिसौराव
 दठनशे॥ डंग॥ अबमीरचक्रानकेबंसचबौ॥ निठरमत
 सफरजंघकीज्ये॥ रतनकौराजचीतोडदीज्ये॥ बचनमु
 निरावमुरमायरहे॥ बिछरोमतिजाइहमीरकहीये॥ धिर
 हनकलिकेयगिरिमेरचंनै॥ बिछरैहमरावसुरलोका
 रै॥ रणघासमितेदोनपरणामकरीये॥ निरघिनरनारिज
 लेनैनरीये॥ मोरधरमीसदोनकवरहरये॥ इसगणैस

वपरसे॥ बजतनीसोकप्रसमांनगरज्ये॥ कोपकले
 तमनसुरबंधिविचे॥ दोहा॥ करिसलांमरणथेनकै॥
 लगेहमीरकेपाइ॥ चलेकवरचतरंगके॥ जितैअलावदी
 हि॥ ३८॥ चीतोरकेकवरहमीरथेइकममगिअरशाणि
 अऐ॥ किलाकैबाहरिडैराकीया॥ तदिपातिसा
 पृथलावै॥ चाकीकिलेबाहरिकिसकीहा॥ एनोवतिक्स
 बाजतीहि॥ षवरिइनकीलगावै॥ जबप
 ॥ सारीषवरिलेक पातिसा मांक

वरचतंगकवर ॥ कवता ॥ ताव तकोनादहम
 दिसिहजरतिचाह ॥ कौरअलावदीयादिमीरअरबीबुलाये
 ॥ वरदंतासूरैकेकताराधिसनोकरदेह ॥ ऐमितेपतिसादि
 नकवरदेउगदलेह ॥ ३९ ॥ पतिसाहिमीरअरबीसोकह
 ॥ तुमसोवतप्रथीराज ॥ गहगजनीगढल्याये ॥ तुमगौरी
 पतिसाहि ॥ दिलीकैतयतबैराये ॥ ४० ॥ पतिसाहिक्वत
 इमउचर ॥ सनिजमीअरबीमीर ॥ अबगहोकवचतरा
 के ॥ यौकहेंमूलगदमीर ॥ ४१ ॥ करिसलामपतिसादि
 कौ ॥ मीरअरबीपराये ॥ गहोगहोगदलेह ॥ कोपकस्य
 रुंदिसिफिरीये ॥ ४२ ॥ यतकवरचतराके ॥ उतअरबी
 केमीर ॥ उतरावसिराहैआपमुपै ॥ अतिसाद्यसिदमीर
 ॥ ४३ ॥ रावहमीरसूरसंधरसोकह ॥ ऐदोनवीरसारकबड
 नसमाये ॥ रहरावचितसेमीरलोचननरिआये ॥ कौरज
 बसोचहमीर ॥ अबजुरतजंगपतिसाहिसोबिलमनकरी
 येवीर ॥ ४४ ॥ सतछाडिग्रहेचलेबडुरिचितनलटिचला
 वै ॥ नुतमितेसतलोकइतपदइतपावै ॥ बिनसेकायाजी
 वअमरजुगसमकृतनहीअजाना ॥ रहतअमरजसपुरषके
 जितेमीअसमान ॥ ४५ ॥ यहहमीरकेबचना ॥ संधरकवर
 सौकहीये ॥ सुनतबचननहिकवरा ॥ कोपिगजराजचल
 ये ॥ ४६ ॥ सतरिसहसअरबीमारिकरिपहोममित्ताये ॥ करि
 नछाहअश्वरबसी ॥ बरेकवरदेउआये ॥ मूरलोककैले
 चलीपडुपमालपहराय ॥ ४७ ॥ कवरधोनबालनसीको
 छंदइकरंगी ॥ बालनसीमानदेउधरां ॥ रागेडपवारचक्र
 नलारां ॥ बडेमूलबलवंतलोहासिंधारां ॥ पतिसाहिकेदल
 नबिचिजुलमपारां ॥ कैलेसूरहस्तीनकेसीसारां ॥ कैलेमीर

अजाने

हजारनको एक मारं॥ बहै सेल सम मेरवातर विहारं॥
 धरान प्रराच बह मेघ धारं॥ सावंत लरि होत सी सनपारं॥ त
 हाहर पिअ पश्रा के ते लूनि वारं॥ बरागत आई करि करि
 संगारं॥ लिय हाथ बरमाल न नी हजारं॥ चह्वांन दोन कव
 रम सिच वरारं॥ बिमान बैठिले वली हजारं॥ गइ गावत
 चावती गीत गारं॥ बसी जाइ छे कुंठ इअ प्रवारं॥ ऐतीज
 मीलिक वरन कीषे पत पडी॥ आठ सहस चहान तन बिब
 धिज कची गाये॥ पांच हजार पचार ५००० रावरण धीर सि
 रहे॥ सोला सहजर राव के॥ स्याम काजिन साहीये॥ सतरि
 सहसै दल पे लि साहि के॥ सुरलोक सिधो॥ बरस पांच राव
 रण धीर प्रति साहि सौ लये॥ गछ शाणिको सावन अनिम
 डुं च्यो जबर वरण धीर सेत मअ निषेर रहे॥ रहेषे तिरण धी
 र॥ सी ससर जकौ नवाये॥ पातिसाहिरा वरण धीर दोन
 सन मुख बत लाये॥ रण धीर राव इम उचर॥ सम सिसाहि वि
 तली जीये॥ गछरण धन हमीर का॥ हजार तिहठन की जी
 ये॥ बहोरि चन पतिसाहिरा धीर सौ कह॥ यह वातरावर
 ण धीर राव कौ किन सम जावो॥ करोराजर धन सेष
 गहक दमुं लावो॥ होनहार कबहुन मिदा प्रन होति व
 नही होय॥ जो हठ रह हमीर का कहन साहि मुनि को ई
 ॥ ऐग छ च्यारि हमीर क कम किम कै तै पाये॥ कबहुन मि
 र कब सी सनवाये॥ गिर परवत पलित पडुमि को दिव्य
 कहो को॥ सेष शाडिन लडिन फिरो एक बहून ही होइ
 ॥ सब सरसार कर गह शाणि गछ सौ सरन ग्रंथि॥ श्री धर
 प्रको समोरि साहि परिसन मुख धाये॥ क
 को॥ संजीया आठ ० ३

सफरजधारावणधीरसूखासूकहा॥ हमारे
 तोगछाएिमरहे॥ औररणधनकोज
 रणधीराकोपकरिसारसमा॥ लाषरुम
 केगिरदमिलाये॥ बरसपाचमैहुकीये
 ठकरिरहे॥ आयेमारिचुहानबरोअपछर
 सनमुषगयो॥ लाषरुमधरपरे॥ साहिकीम
 हरषिअपछराजतरी॥ मूरवरिलेलेजा॥
 तसुदि॥ सोतथितोमीसनीअवाराबीर
 रेअवलाजरीहजार॥ बहोरिरावहमीत
 जुरीए॥ असीसहसपरिवीसमीरमरिवै
 सहसअचीपरजचरतबचनहमीराजे
 जकरी॥ सोछाणिकरीरणधीर॥ ६७॥ दे
 सठिदोयलषिहसमा॥ दोपरिवीसअमीर
 करी॥ धनीरावरणधीर॥ ऐतेमीरणप
 समारे॥ करहुजरतिदिसिजोरिदूतरेबच
 हिंदवानकेधरतजधरनधीर॥ अवननवै
 तिजारतकरैहमीरा॥ ७०॥ सातबीसलप
 धीरनसमा॥ सलितानीरनिवांसुकति
 ये॥ तिथिनोमीअसोजसुदि॥ करगह
 पेसाहिअलावदी॥ मूरनवनपरिसाहि
 राव॥ जोरिकारबचनसुनाव॥ यहअला
 जअजमतिजवाह॥ जोगनीनैसबीरस
 हाथि॥ पौमीरपतिसाहिकेअलणपुरु

डेरुयंटसेषवजाइ॥ मारिमारिनेरुं करै साहि पुदाय
 दाय॥ ७३॥ नारदवचन पतिसाहि सौं कहै है पातिसाहि
 हं हं का धरम साधो॥ स्तुति देवतां की करो॥ ७४॥ जुरा मरन न
 यकाल॥ साहि संग चलि आयै॥ हठ करि करन राहै॥ कि
 ते को न धिर न रहायै॥ मुनि नारदनाचै जहां॥ गावत वैन वज
 ५॥ तजि अनिमान प्रलावदी॥ लगी सुरन के पाइ॥ ७५॥ प
 तिसाहि देवतां की बंदगी करता है॥ तजि हजरति अग्नि मोन॥
 ग्यान नुर अंतर लाये॥ सब देवन कुं साहि॥ जोरि कर सीसन
 वाये॥ अजमति देधि अनावदी॥ रहे साहि सिरनाय॥ अवनु
 मोर नवन दिसा॥ कबहुन धारो पाव॥ ७६॥ गणेश देवता पतिस
 हि सौं कहता है॥ सो पतिसाहि सुनता है॥ अजमति चाद अर
 साहि मति बिलम करावो॥ संग ले मीर अमीर॥ को पिब फु
 रिषरे होय आबो॥ ७७॥ गवरी सुत पतिसाहि सौं॥ गद्दी गण
 सइ कटेका॥ हजारति आलन पुन पुर दिसा॥ अयनि सक म
 ले ३॥ ७८॥ दोहा॥ तजि सुबुधि अर कुबुधिक रि॥ नरपीछे
 पछिताये॥ न चरत वचन गणेश ५॥ अवन जाव जाव पतिसा
 हि॥ ७९॥ अवराव हमीर पतिसाहि संग चन नुचारा॥ पुदाय
 मगरी किस की नदी दे पिसकता है॥ ८०॥ देवदायत जसा
 हि॥ करो को इ दिन पतिमाही॥ हिम तव दादर नली॥ अ
 जमति दइ दियाय॥ कद कद मीर वेंदुरो अमी॥ हम तुम जे
 य पतिसाहि॥ ८१॥ होयारी संचरुत॥ मूलक पाय क पाज
 ॥ बिना दोष पतिसाहि॥ कौन काहू को मार॥ ८२॥ तन चिन
 से कीरति रह॥ ये को जानत नही मनाय॥ आइ अवि अर
 वदी॥ ताहि को मेव साहि॥ ८३॥ करि दे
 कौन मुम पाव॥ जाल दरदस के दन मनै गिरद

न जल धिहु सम पिसाइ सुरते ती प्रन साहि को

॥८६॥ कहत हमीरपति सा सु
 जरति कै बिमर अख ॥ हमर घ्यो नरपति सीसा ॥ ८७ ॥ दोहा ॥
 पूरष घटै घटिक रिबध ॥ कायर बंधन समाया ॥ नचरत बचन
 हमीरय सा ॥ अब हम सम सनारी साहि ॥ ८८ ॥ जब पातियाहि
 हय मम आश्रय झुंझ्या ॥ साहि निहार हम सम दिसा ॥ अब न
 र धरत न धीरा ॥ चले रावरण येन दिसि ॥ हरषत हम सत हमी
 रा ॥ ८९ ॥ महर ममांख बचन पातियाहि कहता है ॥ हे अब न
 या कौन बिजोग ॥ न नल घिमीर घिसाय ॥ दोनु दल सार न बह
 नां को न सरसन मुष आये ॥ ९० ॥ हिमति बहा दर नुली घाना दो
 य धरत परे हमीरा ॥ करत रागत कल प्रचमन ॥ गिरत न जोग
 नीबीर ॥ ९१ ॥ दोहा ॥ मरि गये मीर अमीर ॥ हम सम कै हरवल
 धिरते ॥ हिमति बहा दर नुली ॥ सार सम सेर न डरती ॥ ९२ ॥ म
 हर ममांख मुसकलि परी ॥ करीये कौन नुपाय ॥ इरांनी एक न
 रहो धून सो सपति साहि ॥ ९३ ॥ बुधि अपनी कौ साहि ॥ आ
 प कै आप पछिताये ॥ हम बर ज्ये राण येन को पिह जरति प
 रि आये ॥ ९४ ॥ हरति हिमति न हारीये ॥ धरे अब मन धीर
 ॥ चहु दिसि निरधै करै ॥ कबल गालरै हमीरा ॥ ९५ ॥ जब पाति
 साहि महर ममांख के बचन सुनि ॥ बरु रिगठ निरध कराये ॥
 चारि दर चोरामी घाटी बंदो बस्त करी ॥ आप पति साहिरा
 के डंगर डेरा कीया ॥ ९६ ॥ साहि न दीअ
 संग अश ॥

॥ ९७ ॥ कहत हरति स

५

दि

पगई

सिब

फुरमानहमीरके निजरकीया ॥ १० ॥ मुनिदूतके बँनरा
 वजदिसनमुषचह ॥ तोहिदोसकोइनहीसाहिकेनेजे
 आवै ॥ लायबचनसाहिउचरतजिटकेएकन्हीचिन
 धरौ ॥ रहसरएरणथनकोपमुपंछीनहीहाजरिकसौ ॥
 ३०० ॥ बालनसीरागधीरा ॥ घातसेप्रेतषिमायेकौनमानप
 पतिसाहि ॥ मुफुरमानपगये ॥ ११ ॥ लिखिहमीरइनने
 जीये ॥ बज्ररिदूतकैहो ॥ थिदो ॥ फिरिफुरमानोननेजीये ॥ १२ ॥
 दूतवरबलेजाय ॥ जोतुमारेजीवनाय ॥ जेनेजपतिसाहि
 बज्ररिकझुमतिआवै ॥ ३३ ॥ कहहमीरदूतसाहिसं ॥ कह्यो
 बज्रसमहाश ॥ अबहमतुमफुरमानकी ॥ कहरहीपतिसा
 हि ॥ ३०४ ॥ दोहा ॥ नरपंछीजेतेपिम ॥ अरोहमहमासाहि ॥ जे
 तेजीवरणधनगाछा ॥ पकरिनदेहुपतिसाहि ॥ १५ ॥ आजपुनह
 माअराबेको ॥ पतिसाहिरावहमीरकोपातिसा ॥ हिमहरमं
 सूकहतोहै ॥ बरत ॥ ६ ॥ जपतिसाहिमहरमंसां ॥ कह्यो ॥ गछ
 कौनेहिकमतिसौहा ॥ थिआवै ॥ जबपतिसाहिसौमहरमं
 कह्यो ॥ पहाडबिकटारो ॥ हतोपचछिसकैनही ॥ होयतोधंदा
 यकैगछकौगोलादोगो ॥ जबपतिसाहिफिरंगकैकरीगर
 रयदिदीया ॥ जबनेबघडा ॥ गछकौगोलादोगो ॥ जबगछ
 मषपल्लपचुची ॥ जवरावहमीरकीतोपपतिसाहीकीतो
 पकैसनमुषलगी ॥ राडिसारीधीदोनल्गी ॥ पतिसाहिमन
 सूबाकर ॥ रावहमीरकीतोपकौनिकसंकरे ॥ तिसगो
 जकौबडाकरौ ॥ जबसलांमपतिसाहिसूकरी ॥ गोलंदा
 रावहमीरकीतोपपरिपतिसाहिकीतोपदोगी ॥ तवरावह
 मीरकीतोपकोमहरोनिकसडुवै ॥ अंसेने
 गोलंदाजकौयादिकीया ॥ जबया

हि की तो प को जषम करो ॥ तिस को जो त बड़ा करो ॥ जब राव
 हमीर की तो प तै पति सा ही की तो प जषम करो ॥ जब पति
 सा हि महर मषा संकही ॥ या ह हि कम तितो गरी ॥ अब हि
 कम ति और करो ॥ महर मषा पति सा हि संकही ॥ दर नरा
 दो ॥ जब दर नरा ये ॥ गछ को पुल ल्य ला ॥ के ते क दिन मे
 पुल ती या र डू ॥ जब राव हमीर के फिकर डू ॥ अब ग
 छ तां इ काम डू ॥ त ही ॥ जब राव हमीर के पद म सागर स
 प नै प्राये ॥ को इ वा त क रि पुल क ॥ फिकर म ति करे ॥ क
 जित पद म सागर का ॥ सा य र सा त हमीर ऐ ॥ बि चिर रा यं
 न च लो न ॥ पुल बा धी पति सा हि या ही मै फ जर ब हं ॥
 सा त स मंद नो स न दी ॥ ए ह रा व मु म सीरा ॥ पुल ये लं पति
 सा हि की फिकर न करो हमीर ॥ ॥ ॥ पद म सागर की बलि
 पति सा हि की पुल पद म सागर बु हा इ ले गा या ॥ जब रा
 व हमीर के बहे ॥ त यु सि ब ष ती डू ॥ पति सा हि के बहे
 त फिकर न य ॥ महर मषा ये नी द कि म ति का ज अ इ
 न ही ॥ जब महर मषा पति सा हि सौ कही ॥ ये ग छ ल ड ए
 का न ही ॥ इ ला ज अब को इ न ही ॥ रा डि हो ए मूर ही ॥
 रा व हमीर पति सा हि की तर फ मि ज ल सि करा व ज हा
 चंद क ला पा न्न नि र त करे ॥ पति सा हि को ये डी ब ता
 इ रा व हमीर के स ला म करे ॥ जब नि जर बा ज पति सा
 हि सौ कही ॥ और ति पति सा हि को ए तो नी अ द ब न ही ॥
 कर ती है ॥ पति सा हि को तो ये डी ब ता व ती है ॥ अ रा व को
 स ला म कर ती है ॥ जब पति सा हि मीर संक ही ॥ इ सा को
 स्ती रं ज हो य ॥ और ति तो जी व सौ ब च ॥ अ रे डी मै ती र
 लगा व ॥ जब मीर गा व रु न पति सा हि सौ स ला म करी ॥

मनमैओकूपकीय॥ मैतीरचलांनुं बातो नाइकातीरनुल
टाआवगा॥ इसचातकरिनाइकीषवरिआवगी॥ जबमी
रगावरुतीरंदाजकरि॥ पात्रकापावमैतीरलगाया॥ मुरझ
इचीयारावकीमनामपरी॥ कंबितः॥ मीरगावरुतीरंदाज
॥ इचरज्जय्याहमीरः तीरजब्याछपस्त्रियां॥ जबचुंदिसा
चाहिः सोचकरिसेषबुलाया॥ मुरझिचीयाधरपरीः जये
रावचितनंगा॥ कहहमीरअमानुजीः कितिसाहिकैसंगी॥
३०८॥ महमांसाहिरावहमीरसौबचननुचार॥ ऐकमेरनाइ
मीरगावरुहै॥ नसकीसरनरपतिसाहिकीहसममअरको
इनही॥ ॥ कंबित॥ महमांसाहिकोतीरंदाजकोकरसा
हिसं॥ जबमहमांसाहिकहै॥ इकमहमीरकापांनुतोनुस
तितषतमुधानुडंनै॥ १०॥ जबहसिकहहमीरा॥ अक्असीक
बहुनहीकीज्ये॥ प्रजाप्रसतापसाहियैघातनकीज्ये॥ हज
रतिसाहिलगावदी॥ येहसरीखलाय॥ बचैमीसपतिसाहि
कादीज्येअनुडाइ॥ ११॥ करिसाहिवकौयादिकोयक
रिकवरचलाय॥ अंडलपेघअंकासमै॥ नईअवाजहीक
ना॥ मुरझिसाहिघरतीपरे॥ नडेअअसमान॥ १२॥ उजीरप
तिसाहिसंलहताहै॥ जबपतिसाहिसुहंरमघोकदी॥ म
हमांसाहिकातीर॥ तीरंदाजकातमासापतिसाहिकौनिज
रअया॥ अगलेनिमषदीदूकासति॥ पतिसाहिकीज्या
नबकसी॥ असजकरिमहंरमघोकदी॥ जोहमीरकाइक
मासुसजोहजरतिपांज॥ तुमपकरिजरलंगरस
न॥ हठछे॥ डोसाहिराणयंनका॥ करीयेकूचलीजे
॥ रावहमीरकीपतिसाहिलनलगी॥ १५॥ दोहा॥ चक

हाइ प्रायो जीवसौ जाइ ॥ १६ ॥ महरमघां इमनुचर ॥ वगुनहुये
 साहिके ॥ अचट्टिधरतीपडे बकवरमहमासाहिके ॥ १७ ॥
 अलादीतहठछाडि ॥ नलटिदिलीदिसिधाये ॥ पिताबै
 रनदीनीसरे साहसुरनप्रथिताव ॥ रतनयांचलेपेयकस
 मिल्योसाहिकौजाइ ॥ हजरतिरावहमीरकौअनिलगां
 नपाय ॥ १८ ॥ जेतोराजरणधीरजतोहजरतिहुंयांनारण
 तनवरगाछफलेफुलमांफकराने ॥ बहजरतिहसिबोलीये
 अरसुरजनप्रायेप्रावतोहिदीयाराजरणधीरकाफिर
 बडोकैरौनमराव ॥ १९ ॥ जबसुरजनकरीसलांमसाहिके
 बीराघाये ॥ जबजैराजैराघासैमैअनिकरिचांमनघाये
 ॥ फरअनिहाजरिनयौसुरजनकरीसलांम ॥ मिलोरावप
 तिसाहिकौगछबीतोसांमान ॥ २० ॥ सुरजनछुपिकरिपति
 साहिसुमिल्यो ॥ किलाकोनेददीयो ॥ सांमानराघिचां
 मनघाये ॥ रावकौगछनतरदीया ॥ सांमानबीत्यासुरजनक
 ही ॥ रावकबहोतफिकरहुवा ॥ अरसुरजनसांमानबीताकि
 सतरहजाणीये ॥ इतबारअंधादेघ्याहीपड ॥ जबरावह
 मीर ॥ नकैसंगिजोराजैराघासपरिप्राये ॥ सु
 रजनकौ ॥ रीतेचरेकिसतरहजानीये ॥ रावजीइतमे
 थरनघा ॥ इतबारलहु ॥ जबप्रथरनघाये ॥ जबचांमेरक
 भुरकाहुवा ॥ जबरावहमीरअपनेकांनोभुरकासुन्या ॥
 सीसछोतिनलटिरणवासकौवअया ॥ जबसुरजनरा
 वहमीरसौकही ॥ अबमहमांसाहिकचूलिकरिपतिसा
 हिसुमिलो ॥ जबरासकरिरावसुरजनसौकही ॥ बेरबेरयेह
 वचनमतिकहो ॥ २१ ॥ दोहा ॥ हठतोरावहमीरको ॥ अरराव
 णकीटिक ॥ सतराजाहस्येदको ॥ अरजनबांणअनेक ॥ २२ ॥

सिकहहमीरा॥ तो जनसमताजानना॥ मुनि
 ॥ साहिकौसीस ॥ १२३ ॥ असावचनतनाभीधिमुनि
 सकपूत॥ गदटिकवैशडिदिवाकैसोरजपूत॥ २४ ॥
 जनकीहरामबोरीमुनिरावसौमहमांसाहिकहतोहे॥ २५ ॥
 कहमहमांसाहि॥ झुकमरावजोपांजुंमिलींसाहिकौ
 जाय॥ दिलीकौकंचकरांजुं॥ २६ ॥ पाछकोटराजऐरायी॥
 ये॥ साहिसौंजागतकीजीये॥ मिलूंसाहिकौजाशझुकमरा
 वमुहकीजीये॥ २७ ॥ महमांसाहिकावचनमुनिरावकहतोहे
 ॥ जबहसिकहहमीराअमीकचझनहीहोइ॥ वचनशडि
 कापुरस॥ सदानहीजीचकोश॥ २८ ॥ महमांसाहिनचंतर
 हो॥ अबसेचजीवमतिकरो॥ हमीरावइसनचरेजीचज
 इपणिसरदै॥ २९ ॥ गदटिकशडनही॥ ~~कहसोचमुनि~~
 जीनचंचजरिजाशमीवो॥ कहाअंगारकोताहिचकोरचु
 ॥ ३० ॥ बोहोरोसुरजनजाश॥ साहिकौसीसन्त्रायो॥ इ
 दसकोसोमातराषिकरिरावतुलाये॥ ३१ ॥ चंदकलादि
 लकवरि॥ पारिसमहिमासाही॥ हठकरोऐतोहमीरपै
 मागोपतिसाहि॥ ३२ ॥ सुरजनजाइपातिसाहलंकली॥ इति
 हिफुरमांनहमीरिपैजेज्या॥ मुनिसुरजनकेवचन॥ सादि
 रमांतपगये॥ रगतनवरदराज॥ जोरिकरकदमुंसावोअं
 लादेवलकवरि॥ पारिसमहमांमीरा॥ मांगतसाहिअनाव
 येलेमिलोहमीरा॥ ३५ ॥ मुनिदजरतिकवत॥ रावजीयव
 ररिसाई॥ कहाअलावदीसाहि॥ कहासातापतिसादी॥ ३६ ॥
 ॥ चंदकलादिवलादिवलकवरि॥ पारिसमहमांमीरदज
 तियेकचझनमिले॥ जै ॥
 ज्यो॥ ॥ ३७ ॥ रावहमीरपति
 नमादिनकेफुमा

अब दिलीकत मत ॥ साहि किन फित दुहा ॥ ५५ ॥ चिमन खेगम
 मर्चिता मणि ॥ पाय च्यारौ वीरा ॥ दिने जौ साहि अलावची ॥ माग
 तराव हमीर ॥ ५६ ॥ यह हमीर का फुरमांन ॥ बांछि पतिसाहि मर
 जत मुरि साइ करी ॥ असे वावद मोहरा ॥ मघेरी करी येन ही ॥
 जब करी बदन मलीन ॥ राखरण वास प्राये ॥ हसि राणी कस जौ
 रि ॥ राव कौ सी सत वाये ॥ ५७ ॥ पाद बीता सांमांन ॥ अब नंडार कै सै
 नै ॥ बचन छाडि पतिसाहिके ॥ कहो सेष हाजर करों ॥ ५८ ॥ मुनि
 राखे के बचन ॥ बदन राणी बिलखा ॥ लरत नै जुगना जिगये
 अब कौन तर माइ ॥ करे बचन बहुरि न थाडीये ॥ राज पाट सुष
 जावै ॥ ५९ ॥ आसा कह हमीर मुं ॥ साको करिये राव ॥ ६० ॥ ब
 डुरि राव सौरोल करि राणी जाये ॥ बचन याद करि सेष जब सरण
 कौ राये ॥ गहो ते गपतिसाहि सौं ॥ सरके सरन सेषा ॥ राणी रा
 व हमीर कौ यह बीनानुप देस ॥ ६१ ॥ कहा जग देव पवार सी
 कर प्राप समये ॥ कहाने ज बिक्रम राव जिन पर दुष काटे
 करन कतक बिभन कौ सवा नार निति प्रति दीये ॥ आसा
 कह हमीर सौं कहो राव वै कि तिगये ॥ ६२ ॥ बचन काजिद
 सकंधरांम सौं टेक निनाइ ॥ पदम अगार चखे जीव संधरन
 काइ ॥ बचन काजि बलिचक चैन ज्यो राज पाताल पसे ॥ तजे
 न सत नृप हरि चंद बचन काजि प्रापन बिके ॥ ६३ ॥ जामन मर
 न संजोग कौण सौं अंति मिटाव ॥ कितरां वन नृप गये अमर
 कोन थिर न रहाव ॥ कब दठ कर अलाव ॥ की रणत न वरा
 ठ आइ ॥ कब सेष सरन रह बोहोरो मह मासाहि ॥ ६४ ॥ कहा
 जेत कहा सर काहा सो मसुरे अने ॥ कहा गये प्रथी राज साहि
 गह गजनी प्राये ॥ यह चकै मंडली कहा दस कहो राव
 कित गये ॥ राणी राव हमीर सं कहती रते न नरये ॥ ६५ ॥

धतिप्रागदरण्यं न देस धनिमातापिताकुल॥ जिहदिनजनमु
 रावधनिद्विषसंघे घरीरैणिपल॥ होतिवमिटनपलएकअनेह
 तिबनहीहोया॥ आसाकदहमीरसंअवदमतुमनयाविशेद
 ॥५१॥ धनिपतिनरतानारिरावमुषणपसिराहै॥ ओरकोन
 तुफिचित्तरीया॥ येवचनमुनीच॥ सरनराघोसपदोकुलला
 जैचऊंयोन॥ थिरकोनरहनरावद॥ प्रवथिरहनकोशपुरन
 रमंडलीकागयेचकवैचलिचोउ॥ धनजोबननरकैसेये॥ स
 दाऐकबेहये॥ पधियाकससिकीकला॥ घटतवडुरिछधि
 जाइ॥ ॥५३॥ दोहा॥ अतिद्विदइआसीसा॥ ऐतेनयेसदाय॥ गदोति
 गपतिसाहिसं॥ अवसनमुषसारसमाश॥ ५४॥ ऐदोउसरनराधि
 सेधनतजि॥ तजोसीसगढदेस॥ दठंतजोपतिसाहिसं॥ करग
 होतजोनसेष॥ तुमसाकोगढकीजीयनिरधियाहिनीसान॥
 ५५॥ मुनिदमीरकेवचन॥ पौरधरपरमुराश॥ निरवचनक
 दराव॥ तजोरणवासरजाश॥ दमपतिनरतानारिपुरयतजि
 अवकौनदिसिचितधो॥ आसाकदहमीरसंतुमपदलीमा
 कोकरै॥ ५६॥ जैकरीमीरदमीरमालनंडोरनकीनी॥ वंदीज
 नवनविप्रलेजायजायलन्है॥ शाडोअवदमीरपव नचनरी
 यगढग्राम॥ सुषसंपतिरणयंगढअवदमीरकेनदीकामि॥
 ॥५७॥ मुनिराणीकेवचनरावसतवछमवये॥ चरेसनादमीर
 मूरसवदजस्त्रियाये॥ दस्तदमीरमज्जरमुनिगवचतगो॥ तु
 मरेनअवरतनकीहमकरैसाहिसंजंगान॥ मुनिवचनरेद
 यनवक्तप्रपनकोध्याये॥ कटवसेयमवसेय करदलेअदलि
 पगये॥ वडुरिवक्तकदरावयो॥ नेवचननरिकरिनीर॥ पुण्यप
 तिरणयंगढतजियेवगदमीर॥ ५८॥ नुरककायाधममद
 कोवथिरनरहायेजेतीछिल॥ अनमक॥

जीवनको जगा कह मरत कह न को ॥ सती मूर सा पुरष के मंग
गल मरता दो ॥ ६० ॥ कै सरियो धेरा वः मूर सो वत चरचो वै ॥ अ
लादीन पतिसाहि बहोरि फिरि क बिआवा ॥ सहसा ॥ अंतर दान
दे जदिसिखांधी मोरा ॥ चतरंग राकर तन सीये ने ज्येची तोर ॥
६१ ॥ प्रथम मूर दस सहस पैतरा गथं न प्रियाय ॥ पांच सहस
सहसंगिक चरचतरंग चलाये ॥ पचीस सहसरा गथं नदिसा
षिः ॥ असी सहसले संगि ॥ चढेरा वढ मीर ॥ अत्र जुरे साहि संजंग
॥ ६२ ॥ कमधज को रमंग वै रतै वरि कै चरि पतिहारी ॥ नील
नुजये लचबं संपुंडर ॥ ओर चुहान सब ॥ छती सब मथ ॥ चिचछे न
नूपाव सब दल छये ॥ दल देषिरा वढ मीर को ॥ साहि जीव च
रज नये ॥ ६३ ॥ जेठ मास बुधवार चौधौ सै ॥ इकोतरा सप्तमी पा
ष अंधेरी ॥ करि मूर जिको नव निगाव कर सा रस मा ॥ हरषे
मूर ह मीर के उत को पे मीर ॥ अमीर ॥ जुरे जंग पतिसाहि सं सन
मुखरा वढ मीर ॥ ६४ ॥ रणरास क कर चीतो डभी बाइ गट को त्यागि
करि पतिसाहि सं जंग जुरे ॥ दोहा ॥ होद च छिह मीर साहि परि
सत मुख ध्यावा ॥ ली ज्ये महि मां साहि तुल टिह जरति एअ
वा ॥ ६५ ॥ राव ह मीर अलावदी लर दोन सफर जेध जुरे ॥ एते मूर
र ह मीर संग ॥ एकरे क सौ आगरे ॥ ६६ ॥ अपनै हाथि ह मीर मूर
र सारन करि दीन्ह ॥ देवी रासिर पावा ॥ बिदा ह जरति पै कीन्ह
दुपहाद स संग दस ॥ जम धर कर द कुबाण ॥ मजी ये मूर ह मी
र कै रहे अचर थनांन ॥ ६७ ॥ गुपती फर सी बांण ॥ चक्र आ वद
सब लीने ॥ जो हठ कीयो ह मीर ॥ कर को उकरि प हो मि परि ॥
॥ ६८ ॥ इक इक गज मूर दो ॥ नो नो तरंग सती ॥ घरे मूर पति
साहि दिसि ॥ पीछे न देत ह मीर ॥ ६९ ॥ दोहा ॥ पावक जल ज
ल सं बुझ ॥ जल जरे काहे सं बुझा ॥ एते ह स म पतिसाहि संगि ॥

ऐक एक बडु रिबुलाई ॥ ७० ॥ अथै छंद पाधरी ॥ सूर मन मुषमि
 रनन बाँधै ॥ अब डुक म करो राव साहिग हिल गोवै ॥ गवद मि मु
 ष बचन प्रमि न चर ॥ साहि सं जंगपी श्रद मारो ॥ पति साहि पै धा
 त को न न बिचारो ॥ मीर अमीर कि न प हो मि पारो ॥ बचन मु मि
 सूर अंगन समाये ॥ सार सम सेर अंग जरि लाखे ॥ दस सद सग
 जरा जहर बल ह काले ॥ मनु मे प ध पाषाण के पाय चलि तैल
 संहर चर चि सिंधारे ॥ जब को पेग जरा जदं त गद मीर पारो ॥ जहां
 बजत ती सोन अस मो नगर जे ॥ बहत अमिसार जल तीर बरखै ॥
 जहां गुन गुन राग श्रुती सगावै ॥ खर मात ले अप शरावर न आवै ॥
 सूर और मीर ल रि प हो मि पारीये ॥ जहां दंत सू दंत ग जरा जजुरी
 ये ॥ साहि ह मीर सफर जंग पुले ॥ जब को प अरब के मीर पिले ॥ क
 हत यो ऐद ल अली डुक म पाने ॥ राव गहि साहिक द मुत्ताने ॥
 दै रण थं मग खनु त न पाने ॥ लडा लिकु बांण ह मीर खाने ॥
 जब साहि साबा सिदे डुक म करीये ॥ जब को प अब दल के मी
 र पारीये ॥ जहां परतरण मीर धासी सट्टे ॥ जहां प पर न रि जोग
 नीरु धिर नये ॥ सी स विण सूर ल र र क नीणे ॥ साबा सि साबा सि
 पति साहिकी ले ॥ जब को प ह मीर के क वर स मारो ॥ अमीर ह
 दर अली प हो मि पारो ॥ अमि साहि ह मीर सफर जंग जुरीये ॥ जहां
 सह स दल दुनी अब दल पारीये ॥ बीस द सती सग जरा जधि
 साये ॥ षट सह स परे सूर उडि गिर मन नये ॥ सार ह मीर गहि श्र
 त तोरो ॥ जब न वनिक रि सैष कर दो जजोरे ॥ ह मीर की आन देखन
 टेरे ॥ अथे देखी ये राव बै ॥ सफर जंघ मेरे ॥ ७१ ॥ दोहा ॥ धरे सेष दो
 च दल न बिचि ॥ सिर ह मीर कुनाय ॥ अब कि न ग हो अलावदी
 म भूनी महि मा साहि ॥ ७२ ॥ जब को पे सेष पर साहि ॥ मीर पेले
 सां नी ॥ नो वति तुंग नि सां न ॥ सुदिकी सी हजर तिक ह ॥ अब

वजान॥७३॥तीसमहसपुरमान॥ ॥महमाय ध्याय॥क
सलांमरावको॥सेषकरसारसमाये॥७४॥नचरतसाहिकेवन
इम॥सिरहजरतिकुनाश॥ठठानपरहमबसिकीये॥एकेतो
महमासाहि॥७५॥दोहा॥सदकैपरहमीर॥पकरिगहीतेगि
साश॥लांनंपकरिहमीरको॥आरसंगिमहमासाहि॥७६॥धनिध
निमहमासाहि॥जंगसदकासौकीन्दु॥पुषणघटमहसपरेकर
वांननलनि॥हजरिषरेहमीरके॥दोउदलकरैरिसाई॥अबहम
तुममिलनांहीयगा॥फिरसाहिबकीदरगाह॥७७॥सेषदोउक
रजोरिरावसौबचनकहाये॥सरनराषिमुहिराजतजिबचननि
नाये॥बकुरिबचनबिधरतकहै॥लोचनजरिकरितेना॥अबजन
नीकबजनमदे॥कबफिरमिलैहमीर॥७८॥सूरनकरैसनेह॥
जबकरसारसमाश॥बिधरणमिलनसंजोगा॥आदिअसीचलि
आई॥७९॥ज्यौजामणज्यौमरणजुगा॥तांकीज्यचितनंगारहसूर
केलोकमे॥हमतुमहजरतिसंगि॥८०॥तजियश्चारथलोअ
मोहकाहुनहीकरीये॥देहधरपरमाना॥स्यामकैकारिजसरीये॥
८१॥कोनतसौलेआश्ये॥कोनतसंलेजाशरहकीरतिअब
रहलतनमांटीमिलजाइ॥८२॥यहसुनिहमीरकेबचनसाहि
परिसनमुखध्याये॥मीगाबसुधीरा॥अनिकरसीसनवाये॥८३॥
८४॥मोदिससाहिअलबदी॥तुमदिसिरावहमीरअपनाअ
पनानिमषकीनांतजीयेतासीरा॥८५॥हसिअलाचदीसाहि
सेषसौबचनकहाये॥दिलीछाडिकरिबकुरि॥मीसमुखको
वनवाये॥८६॥साहिबचनइमनचर॥मिलोमुखतजिरोसकु
मदइहजरतिकहै॥आरगोरषपुरदेसा॥८७॥गदेसेषकरसार
हितनहसिमुखकावा॥अलादीनतुमयादिबचनहमारोसु
आवा॥८८॥जोजननीफिरजनमदे॥बकुरिनधसफिरदे

॥ न तज्यो ह मीर को ॥ जो पति साही दिदा ॥ १० ॥ ये मुने बचन दमी
 रा ॥ मदति मह मां की ध्याया ॥ अलादी ते पति साहि ॥ सेव घात विर
 नाये ॥ ११ ॥ कहू ह मीर इक बचन ॥ ह माही साहि में ते गा ॥ लो
 न न करी ये जीविका ॥ रहत साहि की दे के ॥ १२ ॥ कायर छाड
 धेत दो न कुल लज्या लाव ॥ मुर अप धरा बरै ॥ सी सहे स्यां निति
 नाव ॥ १३ ॥ सार बहत साहिका यर संका ॥ मूर सार दश कहत
 बचन पति साहि में ॥ सो अब सेष नि नाय ॥ १४ ॥ मीरा गाव सूक्त
 ह मारा हो नाइ मह मां साहि ॥ हुकम धनी काय ह ॥ अदिल
 सिर न पर आय ॥ १५ ॥ मोहि स माहि अलाव दी ॥ तो दि मराव
 ह मीरा अपनां अपनां निमष की ॥ नात जीयता मीर ॥ १६ ॥ अ
 पनां उत न नुजा ल ॥ अर कुल कल मच दाये ॥ मुख कुरान प
 ठि दो न ॥ सी स साहि ब कौ न याये ॥ १७ ॥ हजरति राव ह मीर को
 सेषन कीयो जु हारा ॥ अपनां अपना इश्य रि ॥ गहै दो न न क
 र सारा ॥ १८ ॥ दो उ बीर जंग जुरे ॥ सार मिलि सत मुख चाहै ॥ धनि
 धनिक ह ह मीर ॥ साहि मुख आय सिरा दे ॥ १९ ॥ चलत मह मां
 बोलै लीया ॥ मुनि अलाव दी साहि ॥ ह मतौ पडूं चे निस्त को ॥
 दिली नुल टितु मजा हि ॥ २० ॥ मुरति रह्यो न मां हि ॥ दिसि रा
 वत न फेरि ॥ धनि धनिक ह ह मीर तर ॥ रह्यो की रति कलितेरी ॥
 २१ ॥ ज्यौं आय ज्युं जाहि गो ॥ कोइ न अ मर कलि मां हि ॥ धनि धनि
 राव ह मीर नर ॥ तुम वार नि नाइ वां ह ॥ २२ ॥ दोहा ॥ कर कुंघाण से
 षन गही ॥ सिर साहि ब कौ नाय ॥ चढे बि मां न दो न उर बरे ॥ नि
 स्त पडूं चे जाइ ॥ २३ ॥ राव ह मीर पति साहि सु पारसि करी मह मां सा
 हि की ॥ दोहा ॥ क्या और तिके बचन परि ॥ तजे सेष पति साहि
 नो कर मह मां साहि मे ॥ फिर न मिल पति साहि ॥ २४ ॥

एथं न करावो॥ राम रही म एक ह॥ ऐदो न क बड़ न जाइ॥ बड़ार
 म डूम क बड़ न करौ॥ ह म तु म बी च कुराण॥ दिली होय पति सा
 हितो॥ बड़ारिण एथं न आच॥ बावन प्रगनाराव॥ धरि चैठाही
 पावौ॥ ह म पति साहि मां नीये॥ ह म रे बचन प्रमाण॥ मुसल मां
 न दिली त घत॥ ज्यौराण एथं न चहां न॥ ६॥ राव ह मी र पति साहि
 को ब न सुनि ब हो रि कह ता है॥ राव ह मी र पति साहि साहि सौं कह
 जब कौ न चेतै॥ साहि ग्रंथान प क्य लाचौ॥ कर म रे घ न ही मिटै
 अबर सार स मावौ॥ ह सिह मी र अ मि उ चै॥ मुनि दिली सुर साहि
 पाच पक्ष द स दौ स बिच अ दिल प डूं ची आइ॥ ७॥ बड़ारि ह मी
 र पति साहि सौं बचन उ चारा॥ बेर बेर पति साहि॥ कहा मुख बचन न
 चारो॥ हो ति ब मि ट न साहि॥ को टि स्यां न प क रि हारो॥ कहा ह मी
 र एथं न गाढ॥ कहां दिली पति साहि॥ कहां बिसर करे साहि सुं
 सरने से घर दाय॥ ८॥ अबरा ब ह मी र पति साहि सुं कह॥ साहि कि स
 म ले षे दे त॥ उ ब र क न प ह ली षां न॥ र ए त न व र को र ज सा हि को
 दी यो न पा न॥ ह सिह मी र अ मि उ चरा॥ मुनि दिली सुर साहि॥ गिर प
 र ब त अ स मा न धरा स दान थि र पति साहि॥ ९॥ अ म र न हं क लि
 को श अ म र की र ति जो करीये॥ ह सिह सि क ह ह मी र साहि स न मुख
 चित धरीये॥ पाये ज र जो ध न द स कंध मे॥ जुरा संधु सारि मे ब ली॥ अ
 ब च लिये साहि सुर लोक क कैं॥ गढ कि स का कि स की दिली॥
 १०॥ ह ज र ति ह म तु म एक ही अं स॥ ऐ क रि न प द म न पाय॥ ह म ही
 दुं तु म मुसल मां न होय साहि साहि कहाय॥ देव दौ ष न र धारि कै
 रि ष सौं न ये म ले ष॥ त जो दिली होय दे व त॥ च लो सुर न कै लो
 का॥ ११॥ र ए त न व र ग ष डि सा हि स न मुख ह म अ ये॥ जो ह ज
 र ति सौं कह्यो॥ सो ह म बचन नि नाये॥ संगी ह मारे स ग के सुर
 पुर प डूं चै जाइ॥ ह म तु म तु म रहै अ ला च दी सारा हो कर सा

5

[illegible]

सौ देसम ॥ परे जात हधीरः कह हमीर अब नो जमै ॥ मूर नही सिं
 ग को न ओर ॥ २० ॥ कह गयो समी पी नो जः अब को दिल की जं
 न ॥ अमर रहे कलि तीलः राघ मुषम पति बघांत ॥ हो दल गीर
 हमीर केः करता करे बिजोग ॥ अप घरावरि मुर पुर बसे दोय
 सह मैमौ नो ज ॥ २१ ॥ जिनि सि कंदर मीर राघ पारसन मुष
 ध्याये ॥ तजि कुबान गहिते गमी ससूरन को ताये ॥ अमै बांम तिअ
 रस परि चमक चङ्ग सिजाइ ॥ अमै ते गहमीर की मिर बही सि
 कंदर साइ ॥ २२ ॥ धून सी मसाहिक राह सि कंदर मीर न गये
 दई को न बुधि दइ ॥ जिम दिन राण पंत दि सि प्राये ॥ परे म बाल
 यषंदार गज सतरि सि कंदर मीर ॥ कीयान अब को न करये स
 र जे घह मीर ॥ २३ ॥ गज सतरि म बाल यतुरी सि कंदर मीर बिसा
 ये ॥ कर हमीर गहतो गसाहि दल नुल ठिच लाये ॥ हासिमः हस
 मः हसमः मुराह मो बिलः मुद फर मीर ॥ मीर जानूर ॥ अस कर
 न ली न जु मादी न ऐद स परे अमीर ॥ २४ ॥ लष बल विरण पंच
 प्रथम गढ पो दि मि मिलये ॥ लष रूमरण धीर शंणि कै येत
 बिसाये ॥ अरबी मीर अमीर सहै स गये ॥ कबर ले मारि कह स
 हि हमीर तुमः पाली करी घंदार ॥ २५ ॥ परे मूर हमीर मीरः नीर
 ज्यौरागत बहाये ॥ जोगिनी नैरुं बीर ॥ गिर कि न बिले ले जाई
 सबा पहरि पर घी मूर ॥ नये आ पन को तिग निहारि ॥ परे घंदा
 र म बाल बिमूर परे अलि चारि ॥ २६ ॥ हसम आठल बिमतरि
 घेतर पंच बिसाये ॥ महर मया के वचनः यादि हजर ति को आये
 मिर टै सै है स गज परे ॥ दो सतरि अमीर कहत साहिर बिसेष
 को ॥ श्चेर जन या अमीर ॥ २७ ॥ जुगरे कबर घदोय राघ मुजस
 न मुष लरीये ॥ मुसल मान ल बिआठ ॥ हि हस हस दस प
 रीये ॥ ऐते ल विरण पंच गाद ॥ ऐद त मे टत हमीर ॥ २८ ॥ देह

जरति साबासि॥ दिशि दिली दिमि केरी॥ कलि मअमर हमी
 ररही के जननी धनि तेरी॥ गये साहि दोय निस्त कौः महि मां
 साहिर मीर॥ अब जंघ किम घातरि करै लेने दे फिरो हमी
 र॥ ३०॥ जब राव हमीर कचन पात माह से कहीः पातिसाहि स
 नता है॥ येत बिच दोन घरा हैः पहो मिय लट जो होय॥ मूरज प
 छिम जुगवा॥ कुत बनु तरदि मिश्र डिः दयिण दोत कराव॥ अंड
 ल पंछ आकास तजि॥ उतर चुगत धर आये॥ हजरति अब ह
 मीर के पौरन पीछा पाये॥ ३१॥ रहे आग जी करावः दीन दोनु
 जब धानै॥ किते नर पचलि गयेः जत किन ऊन ही दियेः कचन
 त ज्यो न हउत ज्यो॥ करः गहत ज्यो न सार॥ हजरति कदह
 मीर तुमः अमर रहे संसार॥ ३२॥ गछ चौरासी जाति दसौ दि
 स पायल गाये॥ तुम से राव हमीरः और को नुन मुक्ति मिल
 ये॥ ऐसी करी हमीर तुमः येका ऊये नही होय॥ जस की र
 ति जुगमै रहीः नर धिर रहन कोइ॥ ३३॥ ऐते कचन मुख न
 चरे॥ सो सब जये घवान॥ अस्ति कचन कव ऊन कहे॥ धनि
 हमीर चुहान॥ ३४॥ उलटि साहि दिली फिरो राव जव ग
 छ कौ आये॥ करि करि नारद निरतः राव नुपदे मल गाये
 रणत नवर सा को नयोः सोचन करीये राव॥ सिव कौ सी
 स चढाय केः मुर लोक कौ जाव॥ ३५॥ जब राव हमीर नारे द
 सो कहीः गढ पर साका किस तरह से दूकाः जघरे राव हमीर मंत
 रद कहता है॥ मीर अमीर हे मीर केः चले सब मिरनाइ॥ तुम दि
 न ऐसी को करः रणत नवर के राव॥ मुरग सब जरा जरद
 निर धिराणी मुर नाइ॥ राव कचन मुनि कहः पलम अइ लि
 प ऊंची आइ॥ सिवावरी पृथ्वी संग्राम करि॥ दोस मह सं
 मधी लिसंगि॥ यति यहली मुर लोक कौ॥ त

न॥३६॥ द्वादसदोयचरष॥ संमतपङ्कचो आश॥ टे
 नसेकरकाबचन॥ कहसूरमुतिराव॥३७॥ सूरियां राव
 हमीरकौ बक्रिसंला देताहः पातिसाहि दिल्लीकौ चले
 अपतुमबेगागठकौ आवादांन करौ॥ हसमरतनगठदे
 मरावकिनबक्रिसमारो॥ कहसूरबक्रबचनः रावम
 तिसीमनतारो॥३७॥ दोहा॥ सिंघबिमनमापुरसूबच
 न॥ केलिफलइकबारा॥ चीयातेलहमीरहठ॥ चढेनह
 जीबारा॥३८॥ हठतारावहमीरको॥ अररां॥ वणकीटेका म
 तराजाहरचंदको॥ अरजनबाणअनेक॥३९॥ सूरवांसे
 रावकदी॥ असीपधिरहमारीकीनी॥ असीपधिरतनकीकी
 ज्यो॥ अपतुमागठचीतोरकौ जाये॥ ओरहमारेसंगीहमा
 रीसंगिचिले॥ ओरसेकबंयासकैपाधैरहो॥ मनमुषराव
 हमीर सदासिवकौसीसचढये॥ मिलेपारघतआयः अप
 धरासंगलगये॥ पहेपमाललेनरबसी॥ सोमेलतठरआ
 य॥ सिवकौसीसचणायकै॥ अबसूरलोकचलेआराय॥४०॥
 जबसीसूबचनसुरजदसूरजनसोकही॥ पातिसाहिमहर
 मषांकोलेआये॥ जोउतसेतीबातकरै॥ जबपातिसा
 हिमहरमषांपासिसुरजनाये॥ जपातिसाहिरावदीर
 कीसुपारसिकरी॥ साबासिदेकरिषेरहे॥ पातिसाहिक
 हताहै॥ धनिधनिरावहमीर॥ धनिसजननीजिनजाये॥
 मोहीमोहितबचनसूरसोहीनिरनाये॥ आपकाजिस
 बकौमरापरकाजमरतनकोइ॥ धनिधनिरावहमीरनर
 दूवानअबकोउहोय॥४१॥ द्वादसवरसहमीरतुमबक्र
 रोसमनाये॥ मेघनहाजिरनकहः बचनआपननरना
 ये॥ अमररहेहजरतकहः जबलगाउ ॥

[illegible]

भगतजात॥४६॥ मिटनकिसेहैकिमिट॥ जैसाजिसका
 होय॥ हमकोदो जुगंधाडिके॥ प्रापचलेसुरलोक॥ कहत
 प्रीसगढदीया॥ साहिचंपतामतिल्यावै॥ अबहमीसुहा
 नबहु॥ निहीसारसमावै॥ दोनकरजोरिअलावदी॥
 रहेसाहिसिरनाइ॥ धनिहमीरहतांतज्यो॥ एरणतनव
 रतजिराव॥४७॥ दोस्तहोयनमिले॥ मिलेदुसमनहोयअ
 य॥ तुमहमीरओलीया॥ मरनतुम्हारोनहींप्राय॥ गदाद
 बानीसाहिकहा॥ उपज्योअधिकसनेह॥ होयसुरीदसे
 वाकरो॥ सागहमीरमहुलेह॥४८॥ जबसीसकहतपति
 साहिस॥ कहीयहमीरओलार॥ याहसरनरहीकोइ॥ उ
 डगनकोरअनेक॥ मुरनहीसरनरकोइ॥ सोअघाजअमि
 नचर॥ मुनअलावदीसाहि॥ जोतुममिलेहमीरकुं॥ ममद
 नाफलेजाइ॥४९॥ सीसबचनइमनचर॥ साहिसनमुषल
 ज्यो॥ सेतबंधमिरनाय॥ बंदगीकिसकीकीज्यो॥ उपजघिन
 सेसंगदोन॥ जोसमदनाफलेजाइ॥ मिलिहैसुरकेलोक
 म॥ हमतुममहमांसाहि॥५०॥ दीयासीसधजोया॥ सदासि
 वलोकपगये॥ सुरतेतीसकोडिरावकदरसनप्राये॥ ये
 तेसूरसरलोकमे॥ मिलेसबमिरनाय॥ बहोतबिलमकी
 न्होहमीर॥ तुमरणतनवरागदजाइ॥ लग्योसादिनपदेस
 सुरतिसाहिवपरिआय॥ तज्येयजानांमुलक॥ तषतदिली
 पतिसाहि॥ मिटीकुबुधितनसाहिकी॥ प्रगढीसुबुधिसरी
 र॥ हजरतिप्रायेहसममे॥ कहतहमीरहमीर॥५१॥ सोही
 हसममप्राय॥ धरियरतिकैराव॥ बढैयजानामाललेहजे
 तोजोचाहै॥ महरमयांमहराबयां॥ हजरतिलीयेबुलाय
 दिलीतषतबगानीया॥ अलघरदीकौजाइ॥५२॥ महरम

मघांपतिसाहि सुं कहै॥ रिति पावस विन नीर॥ साहि को ज
न सुष पाव॥ जो आरति विन पुरषायाही किस सरनर दाव॥
महर मघां इम नचर॥ दधि न दे सत जिनाइ॥ ज्यो रण थै न
हमी रविन॥ ज्यो दिली विन प्रत साहि॥ ५३॥ कर महर मघ
जोरि॥ साहि सौ बचन कहाये॥ हठ हमीर कारहा॥ पिसी
सा तो पतिसाही॥ हम म अठल थ मुर पर॥ सह स संग
जरा ज॥ घर चष जो नां साहिके॥ नइ थपन को डिद सल
४ ५६२००००००॥ ५४॥ हिम तिग हो हजरति कहै॥ साया
सिमुनी ये मीर अमीर॥ जात हराव हमीर अवा॥ मुज न जी
क सो दुरि॥ ५५॥ अपनो अपनो देस॥ साहि दल नल द्य
ये॥ दधि न दे स पतिसाहि॥ कंच दर कंच चलाये॥ परे साहि
अलाव दी॥ स्वेत बंध सो जात॥ मम दना फ हजरति ड॥ ५६॥
रम सेत पतिसाहि॥ ५६॥ मिले रावर एधीर॥ धां न वतन
ए सी नाइ॥ मह मो साहि हमीर मिले॥ हजरति मिरनाइ॥ पी
छे मिले अमीर को॥ अलादी न मिरनाइ॥ हजरति मिरनाइ॥ पी
र को॥ गह कदमू करि लाये॥ ५७॥ धनि हमीर चुनन आदि
कुलै अमी चलि आइ॥ यायाहि चकीरा हराव हमीर
मुपाइ॥ भर पंड नूच कुंदि सिदे प्याम प्रजुग जाये॥ तुम
येन राव हमीर नर॥ तुम निस्त सिलान कोइ॥ ५८॥ निडा
थान काल जुरा व्यापन हीं कवली॥ प्रकृत्ये जाइ हमी
गहि आर मर मयही॥ आमाद वल आर मठ मद मो पा
मीर मिले सव मुर लोक मो॥ हजरति ड्रु मद मीर
मिले गाव आर माहि पीर जो नीर चहाये॥ जोया पा
पर मित्र ज कंच न हो नाइ॥ अलादी नद मांगे
हरि न होय इम॥ कवि मदे ५९॥

एथंनवराठहमीरासौसपूषी॥लीयतसीताराममहज
न॥ ॥मीतीनादबादुधबुधवारसबत१८४६॥



अथलामाफुलाणीकीकीबातलिखते॥

सिंधिमुलककै॥ तठैफूलजीराजकरै॥ ऐतामुलकांमराजफु
लजीकरा॥ गुजरात॥ मोरठा॥ जंगल॥ कछै॥ फूलबडोसिरद
र॥ स्पंधकोराजकरै॥ पहलीफूलजीदेवडांकेपरणप॥ सेव
डीपठराणीडुडी॥ आपकोबहोतप्यार॥ पहलीतोएकबेटो
देवडीकेडुवै॥ कलूककरा॥ पाछैएककन्याडुइ॥ सोनूं
मरकोटपरणाई॥ मोठासबराज॥ इहीनांतिफूलजीराज
करै॥ स्पंधमैआपएकसमयछेलणीनप्रबठाछा॥ आधी
रातिकोसमयोछे॥ माहकोमहंनूछे॥ जाडोबहोतपडै
छे॥ आपसरापपीवछा॥ देवडीपाघेछी॥ ननीनरिनरिदे
छी॥ जडानकाप्यालासूंपीवतापीवताछका॥ मंदाराडु
वातबगिरमीव्यापिनठी॥ उनाडुवाःबाहरिआया॥ आ
पकोषासाघोडोलीहचाबैछे॥ पेसा॥ ठाठीजातिःदरी
याई॥ आपअसवारहोइबाहरिनिकसा॥ डीलमेसुरति
कोइतही॥ जिहमारगिघोडोलोगै॥ तैठीहीनषडीया॥
दोयपहरमघोडोजैतारणिगयौ॥ प्रनातिडुवै॥ आपसी
सूंनरिगया॥ तठैमदरकैवारणैचोकीदारउनाछा॥ देवि
रनजीकआया॥ देवैतोसोनांकीसपतिमौरजपूतचवै
उनाछे॥ देवतेउप्रहीमतगसमानहोगयौ॥ तबऐबगडो
रिपकडिबैचिलेगया॥ जैतारणिमबाघोअहीराजक
र तिहनजाइजगयौ॥ देवोजीयोडोअसवारनजाणंक

हासो प्रायो॥ तब बाधे जी बिचार करि फूल जीन मोही ल
गया॥ महल मजा इसुवा एणा॥ सीको बहोत जतन कीयो
यो डोमो दिवांधीयो॥ बहोत जतन कीया॥ इहना तिया
रिपहर गुदरा न होगइ॥ संप्राइइ॥ तब बाधे जी बिही वि
चार कीयो॥ नलानलारज पूतान पूछे॥ बकरो योन सी
व्याप्यो॥ कोइ प्रसोजतन बतावै जीह सो एह जीव॥ त
बसगलां ही कह्यो राजिवतावै सोही जतन॥ तब बाधे
जी कह्यो॥ रजपूत की बेटी वडी कवारी याने नै लले
सोया॥ चैंकाडी लकी गिरसी व्याप्ये॥ यजीव तो पर एा इदी
ज्ये॥ मरतो संगवन करै॥ तबसगलारज पूत मोहमूद को
रहा॥ कोइ बोल्यो नही॥ तब बाधे जी ठिमाही गयो॥ प्र
पका जोडा की सौ बतलायो॥ थोकी बेटी यां हन दोहा
जीव तो व्याह करां॥ मरतो लारय झुं चावा॥ तब बाधे जी
की ननु बोली॥ राजिही की बेटी आयकी यातरिम होश
सही करौ॥ तब बाधे जी कही न होत नलो॥ बाइने महल
पधरावै॥ तब ईही राज कवारनैः उबटणों कराई सपडा
ई बागो पहराइ॥ एक नो जाइ महल लेगई सोनां की स
टकहई सीध कोइ मां हहै॥ तब इह प्रपूटी फिरि किवां जु
डिलीया॥ मालू बो लिपूटी महल्यो॥ घाघरा की काथमा
डी॥ थोहैं का कपडा बो लिनाय्या॥ निमंक होइ प्ररवां
कै संगि सुती॥ धाती संलगइलीया॥ अंतर कोइ राधा
नही॥ महल कै आगै सगली बिरां नुनी कह्ये॥ रामजी
कांइ करैला॥ बारली कां नी नचाघोजी सगला साथ स
कह्ये॥ बाइकोइ सोही निमत आं लि चले॥ इनां तिकाय
सिकरै॥ प्रवराति बदीत डूई प्रनाति डूई जव प्रमेसर

२॥१॥६

जीरुपाकरी॥ घानबाहुडरा॥ कसमोडोत
 किदेकतारासौंनुठिअरसालूपहरौ॥ दि
 अरसाथएपामैपसिगरी॥ सुस्यालथकी
 डिगरी॥ तबबाघोजीबाहरिषराषाजीन
 सुस्यालीहुश॥ बधाईबटी॥ दिनकोनदरो
 तबईहमुहडानपरसूफडकदूरिकीये
 रहीमहलमसूतोछे॥ तबमनमकैहरोप्र
 कुणसोनहुचो॥ अबकहोआयो॥ तबबाघ
 षवासहजूरिषीनायो॥ तजाईचाकरीक
 सअ॥ मुजरोकीयो॥ आपनुठिरगादीबठ
 योः पाघबांधी॥ बागोपहरिहरीयारबाधि
 घजीआंषिमजरोकीयो॥ तबआपनुठिरि
 तबबाघजीनुठिअरअरजकरी॥ साहिबः
 तबफूलजीबोल्या॥ डूंफूंजीजाडेचोस्पंध
 तबबाघोजीबग॥ फूलजीबोल्या॥ आपहै
 तबरेबोल्या॥ नांचसाहीबाकोयो॥ बाघोअ
 कोधणी॥ तबफूलजीकहीनहेतनलाम
 संतोषहुचो॥ तबबाघेजीकही॥ साहिबते
 हिबछे॥ डूंरावलोरजपूतछे॥ बटीमैसा
 तबफूलजीकहीनहेतनलो॥ मूनसुन
 अबबामहणबुलाइसाहीकछावो॥ तब
 बाजबाजीयाकोडहुवा॥ ब्राह्मणबुल
 टायो॥ व्याहरोप्योः मंगलचारहुवा॥ दोहे

८५

गलीहीडि कै छै॥ मनमयुस्याल होइ छै॥ बहोतयुस्या
लीमांन छै॥ इहनांतिरातिबदीन करी॥ परमेसुरजीकी
किरपाइइ॥ तबहीरजवीरजकोमेलहुवोजीमीकैजं
वणलागी॥ ईनांतिफूलजीमेलवोकरमदलहीमौराति
दिननेलाहीरहै॥ तबपाछेफूलजीबाघजीनबुलाइक
ह्यो॥ सिंधकतीरपरधाननैकागदलिआवो॥ बाघजीक
हीसाहिबबहोतनला॥ तबकनीरपरधाननैकागदली
म्या॥ थैबेगाआवोफूलजीजेतारणिछै॥ थैमगलीचात
कीमुस्यालीमांनज्यो॥ साथलेप्ररघगाआवो॥ जैठआग
मिधमबहोतदुचताइछी॥ कहथाप्रमेसुरबकहांगया
यांकोबहोतसाधोकीयो॥ पणीकहीषघोरियाइनदी
तबरेकमादजाइपहुता॥ वहुतयुस्यालीइइ॥ बंधाइये
टी॥ तबकनीरपरधानसाथलेजेतारणिआयो॥ आनि
फूलजीकापावांलागी॥ अरहतकितायेकदिनहुवा
वा॥ अकआयदेमपधारा॥ तबफूलजीवायाजीनबुला
यो॥ तबहुजूरिआयो॥ तबआपफुगमाई॥ मांदनआजरे
होतदेसजावो॥ जदियाहकहोसाहिबबहोतनला॥ तब
चलावाकीतीयारीकरी॥ अठवायजीकीबटीनकर
ए॥ वैहीरातिकोपरातारी॥ तबफूलजीआपकामदल
काटमदलमेसाधमांगी॥ माहांनआपदोहज्योमदच
ला॥ जदियांदकदप्रमाण॥ आपपधारा॥ मूंनअटमेलाछे
मूंकाटराखलीजाव्यो॥ तदकेकोणचिचार॥ तदिया
प्रकदीनहोतनला॥ फूलजीकदीआपगर्जदियो
मोहीकरम्यो॥ तबआपविचारकीयो॥ माथाकीमा
थांकीपरदी॥ दाथकेजुडवकामदहोदीयो॥ इन

नगदीया॥ तब यांत सलीम करीलीया॥ कहीयेयां कांठ
 सहतां एराघो॥ यों करी फूबलजी आग्या मागि स्पंधन
 चाल्या॥ बाघोजी फुं चो बाचाल्या॥ उजारा घ्याम
 नहारि करी॥ बाघजी बारबार यादिकी ज्ये फुं रावल
 सेवम घ्ये॥ उजारा घ्या आघ्या घ्या चाल्या॥ सिंधजा इप
 फुं ता॥ बहोत बधा इबटी॥ अब अंठलाघा
 कोद सवै मास जनम फुयो॥ बहोत बधा इबटी॥ सुस्य
 ली इरी॥ लाघो ओतारु पज्यो॥ दिन दिन अंतराले दु
 पोछो फुवो॥ तब कवां एप कडी तीरंदाजी करै॥ मुठ
 मप्र वै सो सो मारि नतार॥ चडोही तीरंदाज॥ इना तिला
 पोपेल बोकरै॥ नानू मांमू नानी॥ कदंबः सगला हीया
 पाकारी॥ देस मुल केलाघो असो सहसकार लेलाघो
 नपज्यो॥ अब सिकार कै चटर मलागो सिकार पेल
 बोकरै॥ घोड असवार एका एकी जंगल में उजार करवो
 करै॥ असी चां तिला पोपेल बोकरा एक समय सूरक
 पाछे फुवो॥ सूर पछे लगा इलीयो॥ सूर धाती आगें चालो
 जा इछे॥ प्रनाति को दो डो दो परां सूर मारो॥ अब आभब
 होत काहिला फुवा॥ गिरनी व्यापी तिस लागी॥ बिया
 रकीयो॥ कठै जल होय तो पीज्ये॥ तदि पहाड मांही जो
 गी को आस एछो॥ तठलाघो गयो॥ आगें आस ए आये
 तठे नतरा॥ मांही गयो॥ आगें जो गी जुरडि बठो॥ ताली
 लगर होछो॥ तब यो बोल्हो॥ गरु आदेस तब जो गी प
 ल कड्या डिकहो॥ ५ बाल आदेस आदि पुरस कूं॥
 तब जो गी बोल्हो॥ बाला कहां घे आवण नया॥ तब ल
 पो बोलो॥ गरु जै तार ए छे आया॥ बाला कुणहो॥ गरु

४

जयूतहो॥ जब इंकही गरुन पावतहं॥ जब जोगी चिला
बालोयो कुंड नरोह॥ तहां पीवणं॥ तब लाघो देयतया
मणकी पूठो एक घडो होदनरोधै॥ तज जाईपीयो॥ अंधि
शंटी बहोत जो धयायो॥ जब घोडान पाणी दिपायो॥ मुहमे
शंटी॥ तब घोडान बांधि जोगी कांठ प्रायो॥ जब जोगी ईक्ष
मूरति देखि बहोत ललचायो॥ मनम कही ईसी मूरति॥
कही देखी नही॥ मूरति देखि मनम रुचि मानो॥ जब जोगी यो
ल्यो बाला इहा आया करो॥ गरुन लां करगा॥ तब यांकही
गरुन होत नला॥ मोक्कू आया हो इच्छ॥ तब ही नाथ मुपी
राधै॥ तब लाघो घोड अमवार होय घर आया॥ लाया धै
लाघा को चितला गो॥ जोगी कांठ जाबो करै तब पाधै जो
गी का मनम बैठी॥ लाघा बती सलपणें॥ जे लाया को न छि
एक रुं तो अमर डूं मरुं हूँ॥ तब जोगी लाघा मो कही॥ ई
हो एक शेली का बाकरालाघो॥ तब यांकही न होत नला
तब लाघो जीवा करो ल्कि प्रायो॥ अं ए जोगी नदीयो॥ त
ब जोगी लोमू कही॥ इस कै नटका बाहि॥ तब लाघै नटको
बाहि बाकरो मारो॥ तब जोगी नमंत्र पटि जिवा इलीयो॥
तब लाघा नश्चर ज डूवो॥ गरुयो मंत्र मून मिषावो॥ तब जे
गी कही गरुन लां करैगा॥ होली कै दिन मिषां नगा॥ जब यांक
ही बहोत नला॥ इनांति जोगी की मेवा करवो करै राजक
वारचटर मला गो॥ तब लाघा मूकही इहा एक कडन
ही लावणं॥ ताम बहोत ते लमावो॥ तब लाघै वार्द विधिक
री॥ ते लकडाही पोदवा इदीम॥ होली को दिन प्रायो॥ त
ब जोगी कही अजिराति इहा हरहो॥ तब यांकही बहोत
नला॥ तब लाघो घरिस मयो साधिर

पा

क

षा

तब । ॥ कह. डू. चणदणा ॥ तब लाषकडा चढा
इदीन्ही ॥ तब लाषकडा सणदेर तेओ दायो ॥ कडा ही पल
नली ॥ तब जोगी बोला सस दो लो फिरणो ॥ तब लाषजी
कही नोत नलाओ वी फिरा ॥ तब आगे लोषी पाछे जोगी फि
रण लागो ॥ ठीक प्राधीर तिथे ॥ चंडमांकी शया कडा ही माहि
दिशे ॥ यांकी शया मांही दिशि ॥ तब जोगी आप्राणो ॥
लाषान माहि कडा ही कैरालणो ॥ तब लाषो वती सलमणो
जोणो ॥ जोगी की शया देयी ॥ तब जोगी अपूठो फिरयो जी
ही जोगी लेर लाषे कडा ही मांही रल्यो ॥ जोगी सरब मोनां को
गयो ॥ पोरिसो सीधो ॥ तब लाषे देप्यो पोरिसो सीधो ॥ तब लाषे
जी कही परमेसुर जीया कुणस्वनां दुई अब आया होई त
ब कडा ही ठंछी करी ॥ मांही सेंका टो ॥ तब वैदीनाठी मांही पो
रा डो ॥ उपरिरीर लिरनठी आयो ॥ घरि आश्रयो इरहो ॥ प्र
नाति जाग्यो ॥ उंजा इदित कैसं नालि आयो ॥ अंठ आयक
तां ईरहा मिबणो ॥ तब पोरिसो घर मांही आइ मेल्यो ॥ अब थो
डारज पूत करन लागो ॥ ज्यो ज्यो वाट्यो त्यो बराबरि होइ यो
प्रनाव पायो ॥ तब लाषाको मन सवायो बधो ॥ घोडां की का
खान ही लेलागो ॥ ईनांति राजमिकर ॥ नाने मांमूं चाकरी
करन लागो ॥ सेवा आग्याकारी ॥ ईनांति हैदलः मैदलः ने
लाकीया ॥ एक दिन मासुं नूरि डुवो ॥ कटारी मोलि मोहडा
गैमेली ॥ कहन लागो मांजी माहारी एक अखज सुणो ॥ मूनतो
सगलानां ऐज कह्यो ॥ कुंकुणको बेटो थूं ॥ जदी मां बोलो मो
बेटा वैचडा देस का धरि ॥ दाहा ॥ मेजे हीर अहीरडी ॥ लो
पूत हाही ॥ कह कह बबु कडा ॥ फल लागो फूलहा ॥ २॥ बाबा
तब हैको बेटो थो ॥ तब लाषो पुम्याल डुवो ॥ माका पावो धोक

देवाहरिआयो॥ अबचलावाकीतीयारीकरी॥ मामौकद
 अबैआयांआपणेंदेसचालां॥ तबकहीनोतनलां॥ ला
 पोजीतीयारीकरिवाधजी॥ आगेसीयमांगी॥ लायोआप
 णदेसचाल्यो॥ मानैलेचाल्यो॥ बडीजमीतिकस्चाल्यो॥
 मूढआगेहाथीकोतिलचाल्याजा॥ पाछेंनोवतिवाजत
 जाशी॥ आगेफूलजीकैयेजावतो॥ सिंधदोलेंपांचकोसमे
 कोइदलमानूदेसबापावनही॥ तबलापेसिंधकैगोरवेंच
 जाईनगारोकीयोडरादीया॥ तबनगारोमुण्णिफूलजीसता
 जागिनुया॥ कहीकनीरपरधाननैबुलावा॥ तबआदर्माएक
 जाइकनीरजीनबुलाइलायो॥ कनीरआइमुजरोकीयो॥ मे
 वआपकहीअसोकुणथे॥ अजमहारीसीवमआइनगारो
 दीयो॥ देषोषवरिकरोतोकुणथे॥ तबकनीरअसवारदो
 इअरयांकाठआयो॥ आगेआपआइदेपतोआपदरीघान
 इचारकीयांचठाथे॥ घोडामोहआगेफिरथे॥ रामरामहोइथे
 कनीरदेष्पोजोकोइमबलोवादीथे॥ तबनतरिजाइमु
 जरोकीयो॥ देषतोआपफूलजीवठाथे॥ तबयानश्चरजड
 यो॥ परमेसुजीऐतोजांएजेफूलजीथे॥ अबझंयांमूकांडी
 कंडू॥ तबअग्यामांगिडेरआयो॥ आण्णिफूलजीसोकही
 राजिकोइवडोसाहिवथे॥ पणिराजिकैनोलपडथे॥ जांणे
 कराजिवठाथे॥ मूनतोवडोअनोडुवो॥ राजिआपचालो
 पधारिआपनीमिला॥ तबफूलजीआफआया॥ लापेदेषी
 फूलजीआफआया॥ तबडेरातांइपांचडाकीया॥ आपनुटिमामे
 पधारया॥ माथेवाहीपेरदीहीथे॥ कडरावादीकचारथे॥ हाथि
 वाहीमुदडीथे॥ आण्णिपावांलांगो॥ तबफूलजीनेटही
 हाथमेले॥ यतीमोलगाइलीयो॥ ११ ॥

श्रीकोबेटोछै॥ तबयाकहीइंसाहिबकोबेटो॥ त
 जीकहीछातीसौलगाइलीयो॥ दोन्युअंणिएक
 ॥ तबयापुछीथारीमाकोठ॥ तबरेबोल्यासाहि
 पाछै॥ आपमाहिपधारो॥ तबफूलजीमाहिपधारा
 बाबहोतसुस्यालझुवा॥ तबफूलजीबोल्याबडोर
 नेआया॥ मेहयांकीकाइमहमाकरां॥ तबकहीमह
 हिबकी॥ साहिबपारिसकुलोह॥ साहिबसंपरसिद्ध
 नकुई॥ इहनांतिबतलाया बरुतसुस्यालझुवा॥
 एकदोयअठहीरह्या॥ पाछैबाहरिआया॥ लाषाजी
 रहीअबसिंधवालो॥ तबयाकहीसाहिबबहोतन
 तबबापबेटाएकहीसुषपालमैबठा॥ सिंधमैजाइ
 मकीयो॥ रतिरहाप्रनातिकुवो॥ दोहा॥ सिंधध
 रिआबीयो॥ बासोबसीयोराति॥ लाषोलाषमीपीये
 हरेपरंजाति॥ २॥ लाषेलाषदानदीयो॥ देवडीसौंमिल्यो
 इकालूसौंमिल्यो॥ बाइबहणसौंमिल्यो॥ सुषसा
 नदीयो॥ जुदीहवलडिरोदीयो॥ जोकोइमुंडाआ
 वडी॥ मेहलतीहीममहारमेल॥ सालानगरमै
 रजकुवो॥ नाइकोइअतारछै॥ इनांतिलाषोफूल
 नेलारह॥ बहोतसुषकरै॥ फूलजीदेधिदेधिअजस
 नांति॥ फूलजीआपाकारीरहलाषाको॥ लाषोफूल
 नेलारहै॥ लाषोमेवगाआपाकारी॥ फूलजीकितरायेक
 नेलारह्या॥ पाछैफूलजीमुहीमनचालो॥ तबलाषा
 फूलजीकही॥ बाबाहेचालांछा॥ पाछैतूनसमथै॥ पा
 ॥ इछैसोमूनजांणत्योंहीजांणज्यो॥ कालूकवरथारोना

म

इच्छे कतीरपरधननमहारजाशंजोएजे॥ देवहीतूकाल
 नजोए॥ त्योंहीलाषानजोएजे॥ कालतूमुनजोएत्योंही
 लाषानजोएजे॥ कतीरतूमोनजोएत्योंहीलाषानजो
 एजे॥ घणोंकोइकदुं॥ याकहकरिफूलजीचाल्या॥ लाषो
 प्रंठरह्यो॥ लाषोबेलबोकरो॥ सवारांदरबारप्रावघोडा
 त्रौउतरिमांइकीहजूरिजाइ॥ मुजरोकरोबहएनाइबत
 लावापाछेप्रांणिबनबंदरबारबठोएकबषतमांइकीह
 जूरिजी॥ तबपाछेसोढीसेबरोपाइलोहूवो॥ उंमरकोट
 सोसिंधप्रायो॥ जबयोव्याहोतबलाषोप्रंठनशेप्रबल
 प्रोजीप्रएमिल्याबहोतरसकुवा॥ कोइएकदिननलार
 हराबहोतबेला॥ पाछेप्रागपामांगी॥ तबबाइकहीलाष
 नंमरकोटपाइलौंहेजे॥ तबकुजांलौंमोसूंप्यार॥ उंमरव
 टबडीजाइगाछे॥ देखिबासारिमोछे॥ तबलाषकहीबदे
 तनला॥ कुंश्रवस्योयेसुप्यालीमांनूं॥ तबयांसंमरासो
 हीश्रापनीलाषासौकहो॥ ज्योप्रापणप्रापणैप्राव
 कहीबहोतनला॥ तबपाछेपावणचाल्या॥ मुकल
 होइवो॥ योहचानकुवा॥ सुंवरकहीपधारिजे॥ लाषज
 नाराष्या॥ प्रापसिंधमश्राया॥ प्रांणिमांइकीहजूरि
 वा॥ समचारकहो॥ एसमाचारफूलजीनलिष्यास
 ब्यारोलीष्यो॥ श्रारलिष्योजोमूनबुलाइयाथो॥ जे
 फश्रागपादेहतोर्नंमरकोटजांनी॥ तबवांकहीनोत
 येलिप्रावो॥ तबपाकिताएकदिनरदिग्रस्नापान
 टगयो॥ सुंवरानघचरिदृइजेनायो
 पुरीलौसांहमूंप्रायो॥
 तरलीयायतकुवा॥

मुनाथकीया॥ आगे पाटवरकी बतिर पावडाकीया॥ ला
 बाजी मंदिर पधारीया॥ संघाको समयो हुवो॥ तब आपमं
 हिय धारया॥ आगे देखे तो एक बाई की नणद बडी कवारी
 सो नाकी साट होई तिसी॥ महला के मूँमिके आनि जरे
 घाम हांकी॥ तब लाषा को चित चोरिलीयो॥ चित नृमहोइ
 गयो॥ तब बाई की हजूरि आयो॥ तब देखत ही पायो॥
 लाषो मुसायो॥ तब लाष कहि अज कुंत जांणें छू गला माहि
 असामो काई तछै॥ बाई या कुण छै॥ तब बाई कहि बीराया म
 हारी नण देखै॥ तब लाष तसली मचरी नण देखै तो मो
 न देखो॥ तब यां कहि बहोत नला॥ पणियां के ऐक अ
 डषला छै॥ एपरण वन्ही बिटी होइ सो मारिराला॥ इहको
 कोई न पचहुवो सो या मारी गइनही॥ कुंयूछिसं अठंन
 परा लिकां ईछ॥ जब लाष कहि महारोका इदे रि नलो
 मनावोला॥ असी बिस्त ओर कां ईछ॥ जूम न मुसी करसो
 तब बाई कहि मोत्यां का आषाले अहं नि छरावली करी
 अर कहि अज कुं थारा बहणे इन पूछिसं॥ तन समचार
 कहस्यो॥ नाइ नृसाली मां निज्यो॥ लाषो हजूरि हीजी॥
 मो॥ बहोत नाति कुइ॥ पाछे आप डेर पधारा॥ राति या जा
 डेची सुबरा के महल कुइ॥ तब हाथ जोडि न नीरही॥
 तब यां वृथा कां ई कहो छै॥ माहि बाकी बहण राजिकुछ
 रः अठ महल लाषानूजे॥ अणन महल मचनी छी॥ तब लाष
 नण न देखी॥ सो साहिब सो अरज करी॥ अब आप लाषा को
 नलो मनायो॥ जब यां कहि माहार तोइ एबातरी तला
 कछै सो छे जांणें ही छै॥ तब यां कह्योः अब यां दरी तला
 लाषारो नलो मनायो॥ त

पणिएक

दोनूनों का आजीमदुखः ॥ १ ॥
 एकनतरबणोचो ॥ ज्योआपणोहोसनतराषिवांनयाकहोहड
 प्रमोण ॥ बाइथांनदीही ॥ पणिएकअडवीअसंगोतोप
 रणोचो ॥ जिणदिनिमाहोहोश ॥ तिणदिनिमहरोबोमण
 थांनप्रनातिकहा ॥ अजिकेराशे ॥ नंमरिकोटपधरो ॥
 तिणदिनिअणिं संघारेममयअणितोरणोचो ॥ योक्हो
 तवयोक्हो प्रमोण ॥ राजिअवप्रनातिकुचो ॥ तवबहणनाइसै
 लाइचा ॥ तवयेसमाचारलाघासोक्हो ॥ लायकंहीजोतन
 लां ॥ तवलाघानदेणीकरी ॥ आपामांगिकुंचकस्चाला
 सोढोपकुंचानुडुवो ॥ अवननाराष्ठा ॥ कहरोवेगाहीपा
 कुणोहो ॥ लाघेचालो ॥ ऐननाराष्ठा ॥ आयसिंधअ
 या ॥ अरेअअयअसोबिचारकीयो ॥ पांचपांचसैका
 श्रीसोहणीमहचाकानीपज्या ॥ सिंधपुररातीपज्या ॥ त्यांह
 रानंचाकांधा ॥ दोषाबालघा ॥ मोरकोसीगरदन ॥ पोडनेली
 येसंगीधठी ॥ असीअसीकोसनप्रनेल्ह ॥ सोनारीसाघतिसो
 सिंधवीचि ॥ अरुंमरकोटवीचि ॥ ऐसाहीहजूरिलोहचाव
 बोकरेयांचसै ॥ यासांतरिलगाइराधी ॥ कोइककुंवेलांअ
 णिकहो ॥ इहनांतितयारीकरराधी ॥ अवनमरकोटसोबां
 मणरातिअणि सिंधमबासैबस्यो ॥ प्रनाकिअणि लाघन
 कागददीयो ॥ अजिअणयएकानंमरकोटपधरो ॥ तोर
 एबोधो ॥ पांचसैकेसरयांमंलाघेअसवारडुवो ॥ सोना
 रीसाघतिर ॥ १५ ॥

॥ असासोएकदोडिदोडिनंमरके
 तोरणोचो ॥ एकनंठचोली ॥

ब्राह्मकरवाये॥ लाघरी को डकीयो सो माइ न मुहा
 यो नही॥ अथ कैसा सरे महारौ वे दो परणयो नही॥
 पण्यानजाण अण्यपानबोलाघो नीठ परणयो॥ सो लाघो सं
 ज्यो कै न घत हजूरि गयो॥ बहै अणणी बडारणि सुं बिचारों क
 रिराष्यो॥ दो परां ही॥ लाघो महारी हजूरि आवस्ये ज्यो रे सं
 घोष्ट तब कह ज्यो॥ लाघो जीयो डासो न तरि॥ मां हि पधा
 र॥ तब बूझो माई जी को ठै॥ तब याह बोली साही बचा
 कोडी लनही छै॥ तब अपपधाम्या अरो गिर॥ तब पाछे व अ
 रोगपा॥ तब पाछे वंषला दोहरा दूवा॥ तब पाछे नहि चढी॥ म
 थवां छै॥ सो यो दूरा छै॥ तब अपबोला॥ मां हां न घचरी दी
 ही नही सो कै॥ ईक हो सा दिव मां त डुक मनही॥ कहो
 मति वै दुषपासी॥ जव अपवत दि कह ज्यो॥ हजूरि ले अज्यो॥
 अफ अपपधाम्यो॥ लाघो मां दि गयो॥ पहली तो ऐक सल्लमो
 यो॥ पाछे एक बोरा माग्यो॥ आंणि र हजूरि न जो रह्यो॥ नां वतो
 लीयो अषमा के॥ अपसिं गार करि मृती॥ देधिर न डकत
 ठिनी रह्यो॥ तब वां कही बैयो॥ टोलाणी न परि मां को न ले
 मना बोछे तो बैयो॥ तब ऐ अमूषा मुडरा॥ देष तो कि वा डनु
 डरा छै॥ तब लाघो कुण को रो क्यो रह्यो॥ अजाण वाह॥ बती सल
 १: अपणी को यर॥ तब कि वा ड के लात दी
 रचा ल॥ चालता को दावै ऐ घै चिर फा ड्यो
 १० मी॥ लाघो बाहरि आयो॥ घोड चढि चाल
 पण्डे अणि न तरा॥ पाछे रावला मै गिले
 कपडा फाडि नाष्यो॥ माथा का के मयो लि
 गे घे मूमा डे कूं राष्यो नही॥ बुला बो कनी रप
 तीर पर धां न से कही थान माही बुला वछे

येमाहिगायादेपतोपडदोदीयांबठाछे॥विपरीतिबोलछे
 कतीरजीदेपिलोपेतिकोकरी॥लाघोमहारमहलिआये
 मूनदायषघालो॥महारोबोछणोफाडिनाघ्यो॥कुंना
 जिषी॥येदोडिआपसौषवरिकरी॥तबकतीरकदीषो
 दीकैरी॥करहोतीहोमरो॥पलपलाटकरतो॥अंतिरा
 नांबीबावलै॥तिहकतीरअसवारडुवो॥करहोचुटक
 फूलजीदिमिनदोडो॥अरलाघोअसवारहोईअरडरअ
 यो॥उतरिमहलिगयो॥तबऐसमाचारसोछीसौकह्यो
 थेसुण्णाम्हाकीमाईजीमाहासौंदकोकीयो॥तबयांकह
 साहिवकहो॥काईकीयो॥तबकह्योआपतोरहामिम
 पोठिरहा॥अरकहीलाघोआवतबकहज्यो॥साहिव
 आपकोडीलनही॥थेहजूरिचालो॥हेहजूरिगाया॥तब
 किवाडजडिलीया॥आपनुजुनाडुवा॥मूनकहीत
 दोलणीबैठी॥तबमैकहीपरमेसुरजीयाकाईडुई
 तबपाछेफिरैतोकिवाडजुड्राछे॥तबकिवाडतोडि
 रवाहरिनिकल्यो॥येसमाचारडुवा॥तबकहीसाहि
 वआपएकगांवकाबयाःनेला॥जैचोदमांहरितना
 पेतीताकैमैलहोवानही॥बैहिनौडादीषसी॥साहिवतो
 निरमलछे॥कतीरफूलजीकाढगयो॥तबफूलजीबू
 रिसोदीछी॥कोइतोकतीरसारिषोकरहोमाराआव
 छे॥तबहजूरिआश्रकरहोमिकायो॥माहीजाइमुजरा
 कीयो॥पावांलागो॥बोहा॥कछकतीरधाडीयो॥कोदे
 डकुसलालोफूलमहलीयां॥बिणदेवरबिणयुत॥
 ॥४॥॥बोहा॥कतीराकूडोय्यो॥प्रस्तनार्थअजोण
 लपोपुवनचूकवै॥जैबूकतोछांण॥५॥तबफूलजी

कपडी॥ कही कतीर मारी कांई ॥ महारो

लिषो होला घान नजूमहारी धरती ममतिरह

तां वसुए इतरी धरती ममतिरह ॥ तब कनीर काग

लेखर विदुझ्यो ॥ अष्टोही षड्यो ॥ मिध अंयो ॥ अई

या ॥ देव डीयु स्याल झुई ॥ पणि अच कोइ लाघा

कह स कै नही ॥ साहिब नै का एको झुक मअयो छै ॥ ॐ

नही कही की जो लाघा संप्रतनी कह ॥ लाघो जी जी न

इन पावै ॥ सो कागद लाघान दि पावे नही ॥ जीव म

लांत प्यारो ॥ साल जां ऐ ॥ पणि लाघो न जां ए ॥ फूल जी

कोयो लिष्ये अयो छै ॥ तब महल मअय दो लणी न प्रव

० ठा ॥ पां क अरौ गौ ॥ तब रांणी सोटी कही ॥ साहिब नै क

षवरि पणि छै ॥ तब अय कही माहान तो षवरि कूं नही ॥ त

वयां कह्यो ॥ साहिब न दे सनिकाले अयो छै ॥ तब अय

बीडी चा बैष सो ना षिदी जी कह्यो ॥ थमहान मो डो क्यो

कह्यो ॥ थान तो तब ही कह्यो छै ॥ थान कह्यो ॥ हे साहिब मे

डर प्या ॥ तीचा स्तमूं छपडिस क्या नही ॥ तब थान कह्यो ॥ चहो

तै ॥ और डर प्ये ॥ थै कौ डर्यो ॥ महारो रजपूतो लो का डरह

अप न छिवा हरि अयो ॥ तब झुक मकी यो ॥ जो डिरा वाद

रिदी यो ॥ अप वाद रि अणि रह्यो ॥ मवार झुको ॥ वस्ती छमि

सारी नी कैं कलि अयो ॥ लो ग सग लो लाघा की लार झु

वै ॥ सहर सग लो सूनूं होइ गयो ॥ लाघो मारी माय लया द

रिती कल्यो ॥ सहर म को ई क करो विला ॥ चीर दी नही ॥

कालू कवर की धाई धान रह्यो ॥

पर धांतर हो ॥ लाघो य

लाभाफ.

कुणरहे॥ यपेरुशसोनीचूणिनाषिलारऊ
कणीरजाइराणीदेवडीमोकह्या॥ लाषोदि
गोरखेरह्यो॥ पाथेंकूचकीयौ इन्नातिला
करिचाल्यो॥ कछमोरठकीधरतीमैतुंचोच
जीकोमनविगमचाल्यो॥ थांत्योथंतही॥
काईकीयौ॥ बेरकैकहेमैआग्यानलाषाना
यो॥ अबइंकहांपांते॥ वासूरतिइंकहां
पाथेंकरिस्यो॥ फूलजीतबहीकूचकीये
तोमिंधसूनीपडीछे॥ कागलापडेछे॥ त
धिरकहीछकरोलाषोन्ह॥ संधसंतीदी
वेतोदेवडीलूस्याकाअलहीइजिसीबैठी
रधानुछे॥ फूलजीदेधिईतामाहीअपूठेबा
पाकाडेरदेधिरयाटिपडे॥ चालतोहीइ
पाकाडिराहोताजाई॥ पाथेंसंजाइरबोही
गैलाषोनचाडेरकरतोजाइ॥ जछजाइत
डिदीज्ये॥ आगंतवाडेरहोताजाई॥ एडेरान
जछआपकाडीलकीरहासिजठकीजलूरि
पालाः सीसीः डावाः कुजाः सिंदलीः बिछ
णीः सालीमसंदः ज्योकीज्योः मेहलजे॥
ईतोतमनोतमडेरहोताजाई॥ तछेआपज
पाथेंछेफूजीजाइतर॥ दूरसोंडेरानिजर
लजीकोजीवसुषपावै॥ अबकैलपोपा
वतोडेरालीछे॥ लाषोन्ह॥ वैहीछेल

गुणनकछपाइस्यो॥ पाछिलडिरांरेउतरताजाई॥ प्रनाति
 कुंकरै॥ आगिलाडिरांजाई॥ तवनसाहीडिरापावैइंनो
 तिआगिपेछेचात्याजाई॥ आगैआगैलाषोडिरानराद॥
 शेडणलागो॥ फूलजीकोआंतिरोनागैही॥ तवपाछेलो
 पेजो जरीनदीनप्रजाइडिराकीया॥ लाषजीकहीयाजो
 रीछै॥ इहनतोतमकरो॥ इहनसिंगारकरायो॥ तवकसजर
 कस॥ गुपसीकलातेनदीनपहरावणीचरी॥ नंदीनप्रनुषाद
 कीया॥ प्रनातिहुवाकुंचहुवो॥ तवयाजवाजजोकांत्योर
 हवादीया॥ पाछेसुफूलजीआया॥ तवदूरिसौदेष्वाःअच
 केलाघोपायो॥ आगैआवतोडिराननाछेआरकोइन्हो॥
 तवहीद्विषिरुणरतिआशीरहांसिमंजाइंतया॥ सोरठा॥
 हेजो जरीजुराह॥ पेपंधीविलाईया॥ कोइदीगंनणहो॥ ल
 षपतिसरघापोइण॥ ६॥ दोहा॥ लाषासरियालषगया
 अनडसरीयाप्राठ॥ हेमहडातुसारिया॥ बलेनआयवाटे॥
 ७॥ योजो जरीनकह्यो॥ तवफूजीलेमोटाउपरिदुपटेली
 यो॥ रामरांमकहीरप्राणछेडिदीया॥ फूजीतेअठहीमृत
 वसिहुवा॥ तवैपाछेलाषोजीजाइरदुवारिकाकादेसमे
 कजगलदेधिरुतराडिराकीया॥ सहरचसायो॥ नवोन
 गरनांवपाडो॥ नवोनगरपडोपुरपटणतठजाइमहलाई
 तकरी॥ बडादस्वारकीयो॥ तठलाषोराजकरैअकअ
 ठतोलाषानकह्यो॥ मृततोफूलजीमूवोनीसुणावोम
 ति॥ तिणरीजीननुयाल॥ सोकोइमूवोक्कहसकेहीअ
 सीहदीसषाधी॥ लाषोपेठवोकरै॥ तवपाछेराणीस
 ठीमनजोलीयासौकही॥ तूआपनैफूजीसु॥ ८॥
 हिस्साकरिलेस्या॥ तूनदोसलगणद्यानह

नोलीयेटटमगाईसुणयो॥ दोहरो॥ फूलसुंधीबहा
 यो॥ योमनामीदिकसीमारा॥ तोबिएरुहीसिंधी॥ बलि
 लभामहारा॥ ५॥ तबआपकहीनोलीयाफूलजीमूवा
 तबनोलीयेकही॥ महाराजिआपहीकहोछे॥ झुंतहीके
 हेंछे॥ तबआपबोल्यामहारीजीनउपालो॥ तबसोछी
 कहीमहाराजाकदेजीनकढा॥ जीनसोनांकीकराई
 रखलणादोह॥ तबआपकहीनलां॥ तबजीनसोनांकी
 कराई॥ बांमहणंनदीही॥ तबपाछेलाषजीबहोतपुन्य
 कीया॥ फूलजीकोहोतलोगारकीयो॥ तबपाछेदेसदे
 सदेसउप्रकटकबिदाकीया॥ नौमीयांमारा॥ अरध
 रतीलीही॥ ईहनातिलायोदोडिबोकरे॥ एकसमयदोन
 ५सोलंघी॥ दोन्युघोडाअसवार॥ दुवारिकाजीजाईनगूं
 णीधरतीमेंआया॥ आंछुणीनजाई॥ तबऐकदिनपरना
 तिकैसमेआल्हाणपुरआयादिननुगातां॥ तबकहीनाई
 जीउतरो॥ अठपाणीरीजोषछे॥ घोटकोषोल्हो॥ तबउत
 रिदतिणकुरलाकीयाअसलषाया॥ तबपाछेदुषी
 पारबाध्या॥ घोडाअइअसवारहोवानड्ढवा॥ तबऐक
 भाईचाबकोचूल्हो॥ दांतिणकरछेतिठ॥ उठेकहो
 सनाइकउनोछे॥ तबइंकहोनाइचाबकोपकडाजे
 तबवैर्नंवासंबगाइयो॥ तबइंकहीफटिरैनांडाबछे
 राकीआषिकांणी॥ घोडीसूनरशी॥ तबउंठेकरजपूत
 औरनीउनोछे॥ दांतिणकरछे॥ त्यांहपूछेजुआपकांई
 कहोछे॥ योमहांकबिसलांतोछे॥ सोमंनअपकहो
 येकांईकहो॥ तबप्याकहीघोडीकापेटमबछेरोछे॥
 तिहकीआषिकांणीइई॥ तबवांनकहोडोइचरजफूवो

[illegible]

धाफु

सोएबतलाया॥ तबयोगकरांतबूझ्या॥ सजिमहारोघोडो
बीगडिगयो॥ तबयांकहीमहांतघोडोदिषावो॥ तबआंणि
दिषायो॥ घोडोदेघ्यो॥ तबयांकहीबिदतपाई॥ ईहकही
घोडातरातिसपनांमैधकोडुवोछे॥ ईहकसपनांमैघावो
लागाछे॥ तिहसोघोडोमनमारिरहोछे॥ सोएकहकह
सोएकरो॥ गांवकैघारिलैकिनारैजावो॥ घोडातरादि
दिषावो॥ मैचकबरावो॥ घोडाकीआंचाटनीकलि
जासी॥ तबवांहईहांलिहीकीयो॥ घोडराडिदेवीआ
छेनिहकेवलडुवो॥ तबबडोहीइचरजडुवो॥ राजाब
लाइधीदाया॥ डेरोदिवायो॥ मिऊमांनीकरी॥ तबपो
छेएकनाइतआपणीबेटीदीई॥ देसप्रगनांबताईदीह
आपरजकरै॥ बेटीकोइन्ही॥ बेटीछी॥ घरजवांइकरिग
घ्यो॥ दूजोनाइफूलजीपरणायो॥ आपणीबहणपरण
ईस्मिधपरण्यो॥ तबदोन्युहंजोरावरडुवा॥ घरतीमारिली
एकबेटीचांवडीकैडुवो॥ योबहोतजोराचरीकरैणैला
गो॥ तबलाघैमारो॥ बेटीइहकोअणहलपुरनांनकैआं
णरहो॥ तबइहैबिचारकीयो॥ जडुंनानांनमारिराजले
स्यो॥ तबइहआपणैकाकोबुलायो॥ जाडेचाकपरण्यो
छे॥ सोनीमीयांनपरीदोडछे॥ सोआंषिआंधेडुवो॥ याव
लागपाछा॥ तिहनबुलायो॥ दोन्युबाबाबेटीमतबैग॥ ईह
पूछेडुंनानांनमारिराजलेस्यो॥ थैकाईआगपादोह॥ तब
इहकहोबेटीमारिहीलमतिकरै॥ तबईहकीमासुणी
तबचाबोली॥ जेछीमहारोवापकोमारिजे॥ तबआघोबो
ल्योयाकुण॥ तबईहकहीमहारीमाछे॥ तबईहकहीईह
ननीमारिनाथि॥ तबबेटमाकैमटकाकीदीन्ही॥ मारिनां

धी॥ तब कहि नां नानै मारि॥ पाछे जाय नां नौ मारो॥ चा
 कोरा जलीयो॥ अणहलपुर कोरा जाइयो॥ तब ऐक
 डेजे चोई ड्यो॥ पाछे लाषो दो ड्यो॥ सो आये को फूफे
 धो मारो॥ अलहणपुर मारो॥ इहं को को इनीर हो
 तब या नूवा अणि न नीरही॥ लाषा घर मै पाणी दे दोर हो
 ऐक यो थारो नाई छ॥ ड्यो थारी नूवा छ॥ मूने कांचली मछो
 वदे प्यो गोदी मांही वही तद साधरी॥ तब लाष कहि इ
 नां वर साइ च॥ योरा सो॥ तब पो लो आ पणी नूवा न लेय
 न वै नगरि॥ जितरा धरती मै नो मीया छ सो लाषे मारि न
 दीया॥ तब सिंधरा वजे संघ दे सो लंघी सिंधपुर को धर
 है सो लाषे राडिली शिलाषान तरवारि पाक डो को ई पू
 लाषो वडो बली॥ तब लाषो सरज की चार दो ड्यो॥ य
 काली दतु न मा स्यो॥ यो ह सरज न देह वो कर॥ तब पो
 धणी घोडा चढि दो ड्यो॥ तब आगों धूंहरि॥ आगों म न
 इनही॥ तब आसो मपुरा तै अ पूवो वाइ ड्यो॥ तब गला क
 को इनही॥ तब रज पूतां कहि साहिब घर कठाने॥ तब
 कहि घोडी की बाग दीली द्योह॥ यह घर को जांणै तब
 छै तब नगरि आयो॥ तब पाछे द्वारिका कक नौर जाई
 सरत लाव करवायो॥ सिंधरा वल डिबो करे॥ लाषो
 णी वारमी दो॥ लाषान पूज नही॥ तब राडि करतो वेठि र
 लाषो वडो बली॥ आसो गप डे नही॥ तब लाष वर तम
 ज को धणी जाई तिह लाष दी ज्यो॥ बोमण मही नूवा
 करै घडी के ठह को दे॥ तब ही हे लो पाडि दे॥ कहै
 जाइरै॥ लाषा जो शीघरी नी कली जाइ छै॥ यो कक म

लाघोबडोहीसाहिब॥ रघाश्चसौनोतप्यारगोषाप्रायन
 लैजीव॥ रघाश्चनशेडनही॥ समयअणममयहजरिज
 श्रीमहलकोपारवास॥ रघाश्चबराबरिकोइही॥ तबप
 छेलाघोएकंतजाईगांजाइबै॥ नगरदनकरोएकएक
 दूसरोमिनयनही॥ तेबहोतरोगा॥ रोइरहतबषवासद
 जूरिजाई॥ तबअंधिधूवाव॥ तबपाधेंबाहरिअंगिब
 ठापाधबोधे॥ बागोपहरो॥ तबरघाश्चजाइहजरिमजरो
 कर॥ वैसमयअरकोइजाइनही॥ कोइबूजलाघोजीको
 रोवो॥ तबवहनगरदनिमरवावै॥ कहनही॥ इहनातिवै
 समयरोबोकरो॥ तबपाधेंदरबारकरो॥ तबएकदिनरघा
 श्वःमांहीजाइधे॥ तबदरबारसगलाबठाधे॥ सोनरिन
 नारहरा॥ पडावडापटाइत॥ बडाबडानुमराव॥ ७त्पा
 हहाथजोडिअरजकरी॥ कहोरघाश्चजीअरजसुगो
 तोअरजकरो॥ तबऐननारहरा॥ कहीअरजकाइकही
 तबयांकहीरघाश्चजीमहांकतोराजिलाघाजीकीज
 शगांछे॥ जिसालाघाजीजिसाहीराजि॥ ऐसगलाठकर
 ० अरजकरैछे॥ राजिलाघाजीनपूछे॥ राजिकोरोवोछे
 औरकहीकोआसगानहीजोपूछे॥ तिहसौराजिपूछे
 ॥ तबरघाश्चबोले॥ गकरोछैनलीकही॥ पणीमूंमूं
 हीकांईरजपूतपणोरहोछे॥ लाघेमहरोबापमास्यो
 महरोकाकोमास्ये॥ नाइमास्य॥ सगलालाघमास्य
 हुंऐकनुबस्योछु॥ तिहकोमहारीमाकाचलीकोमा
 गिलीयोछे॥ लाघानतकोपूछे॥ तिहैकधणामाथा
 होई॥ महारोऐकमाथोछे॥ ऐसमाचारघायचकर
 तबयांकहीरघाश्चजीथांननेठहीमारतोराजिकील

रमरां॥ देसनिकालोदे तोरांजिकी लारछे डो॥ रमदिन
 जगारनमो॥ साहिवांकीचाकरी करो॥ राजिपृष्ठे
 राजिबिनांकोइपृष्ठे नही॥ तवरषाइचकही नलांयाव
 रोइपृष्ठे सौं॥ तवरषाइचलायाजीकी हंजरी गयो॥ ग्रा
 माधेवांधिवटा॥ बीडीआरोगेछा॥ तवअणिमूजरोक
 यो॥ मुजरोकरिकटीपोलिमूछांअगेमेती॥ तवअ
 कहीकटारीनगइत्यो॥ तवयातसलीमकरिकटारी
 याइलीनी॥ हाथजोडिनारहरा॥ तवअपकहीकह
 तवरषाइचकही॥ लायाजीसाहिवाकामनमैअवा
 रविलाइतनही तोमगलीगुजरातः साहिवकैछे यग
 लीकछेः सगलीः मोरठः॥ विलाइतअपकैछे साहि
 कीसीकहीकैछे नही॥ नाई विलाइछे॥ घोडानदी तो
 जिरादीयाकहीकैजाइछे॥ घोडायालाजीगयाकही
 कछे नही॥ अरघोडाहारछे॥ अरहाथीनदीछा॥ तोगजि
 रादीयाकहीरैजाइछा॥ कजलीवनसगलाराजिदंकि
 छेहाथीराजिकासाकहीकिंही॥ अरनाईहाथीन
 छे॥ अररजपुनछे नदी॥ तोखडाखडापटाइतराजिगंछ
 असासूरवीरगजिअयाकहीरिछुर्ही॥ नाईरजपुन
 हीमहसंछा॥ डूंडीलारजपुननदी॥ तोमिंधगवमान
 पीमिंधपुररोधणी॥ मोराजिअगोपाधेयतीकइवार
 मिटारजपुनलायाजांमागिवाकोइडूनदोकोइडोया
 तरवारिपकइआगजितकोइपूजत॥ नाइरजपुनदी
 छेव्हातारनदी तोराजिघडीघडीलापदंछेव्हातार
 राजवरावरीकोइकी॥ दिवा॥ जुगजावतवपदे॥ अर
 ववाकेव्हाचुयवगिनेतोतगांनददोइदेवा॥

दमडाहीछै॥ अरमदारपजानंछेही तोराजिरपोरसौछै
 प्रजानंराजिरोसोकहीकही॥ अरराजिकासामदल
 कहीकछही॥ नंमरकोटपरछाछै॥ अरसाहिबक
 हड्डंसममंछही॥ आसारंजाण्योही॥ तोसाहिबचोद
 बिद्वानिधानछै॥ अरकहोसूपवंतही॥ तोआरामो
 कजागंकजीछै॥ साहिबांसारिषासुपवंतआरकोइह
 औरलाषाजीःवो छतिमहंतः रावतैः कहीबातकीदी
 सही॥ राजिजीवदोहरोकरोः सोकोणवास्तो॥ योहम
 हांकोबिलंतोछै॥ आपकेमोछकोईपडिसकेही॥
 आपकुणवास्तजीवकाहिलोकरो॥ तबलाषाजीक
 हीतोतनला॥ येसमाचारहेथांतआंथणराकहस्यो
 अबयेडेरजावो॥ सगलांहीनसीषछै॥ तबरषाश्चज
 बाहसिआया॥ सगलारजपूतनुठिननाहुवा॥ तबरषा
 श्चबोल्यो॥ ठाकरोहेलाषाजीनपूछोछै॥ सोयामहां
 सौंकही॥ येसमाचारहेथांतआंथणकाकहस्यो॥ अ
 बतोसगलांहीनसीषछै॥ डेरजावो॥ तबसगलांःआप
 ऐःआपऐःडेरगाया॥ तबलाषाजीकासासामदलदरी
 यावमछ॥ सोमदलबुलाया॥ रषाश्चआजिआवछै॥ थं
 कोठ॥ तिहनमहारषासनवाडैबगणिलेजावो॥ समद
 मवाबीटकछै॥ नंमेलिआवो॥ मेलिआयानहीतोथां
 नमारौलो॥ तबरषाश्चदरबारआंथणरसमयागयो॥
 तबलाषाजीडोछीमैसामुंदीमिल्यो॥ रषाश्चमुजरोकी
 यो॥ जबलाषेजीकहीरषाश्चजील्यो॥ तबयांहाथअधि
 कीयो॥ जदिलाषेजीहाथमदीया॥ तदिआपकहीदेखो
 कोईछै॥ तबमूछीमोलीरदेषतोकही॥ साहिबच्यारस्त

नष्टे॥ तव आपकही ऐरत नती पजै छै॥ तिकी जागां देधी छै॥
तव याकही साहिब न देधी॥ तव यां कही सांहां के घासा
नाव डो छै॥ तिहै बैधि जावै॥ देधि आबो॥ महे मलहां न डू
कम की यौ छै॥ तव यां हजूरि सौ मुजरो करि असवार होइ च
लता डूवा॥ जाई समंड की तीर न तरा॥ मलहां आंणि मुज
रो की या॥ आय न तरि जाइ नाव डै वठा॥ तव मलहां कही
साहिबें आंणि बैठो॥ तव यां कही नाई एला याजी रावि
छावणो छै॥ महारी हदनी कांई हूं आपका बिशंवणो छै
ठो॥ तव यां कही बठो धात डूक न छै॥ तव तसली मकरि बैठ
तव यां नाव डो छै॥ जाइ समंड मची टक छै॥ तिह की तीरां
आयो॥ तव मलहां बोल्यो साहिब न तरा॥ तव न तरि आय
गया॥ तठै लाघाजी का घासा मल लखा॥ तव मलहां कही सा
हिब अब आप दधी पार मोली पोछो॥ सवारै जाई गां देधी ज्यै॥
रघाइ चतसली मकरी बिशंवणो न तरि जाइ न तरा हो
ऐसा हिवां का बिशंवणो छै॥ जव यां हकही धात डूक न
छै पोछो॥ तव दधी पार मोलियो छै॥ मलहां ठवै ठानी क
द आई जिदि छै डिनागा॥ नाव डो छै चिले गया॥ रघाइ चने
समंड मै मे लि आया॥ आंणि लाघाजी सौ मुजरो की यो
साहिब बानै मे लि आया॥ तव सवार डूवो तव जा गया॥ देख
तो कोइ नही॥ तव उठि न डूवा॥ दधी पार बांध्या॥ लाघा
जी नया दिकी यो॥ तसली मकरि कही लाघाजी महारो व
डो तो घरायो॥ इसा हिवां की कांई मदि मां क डू॥ नलो
ई लाघा नलो॥ साहिब असा वृमि ज्यै जैसा हिब छै ठं साहि
ब मारता तो दस मांण मर जपुत विसर करता॥
रि मारता तो महार कां ठ मरता जैरा

शोडता॥ अबराजेबहोतब॥ अत
 अरजपहुंचाछो॥ बिचारकीयोमनमे॥ नाईमरणेअ
 लागो॥ किसीनातिमरसी॥ जैजलमेडुबिमरतोमरण
 लोसोनही॥ नृधामरिमरुंतो॥ नलोनही॥ जैबिषया
 मरतो॥ नलोनही॥ रजपूतीकरीमरतोही॥ बणिआवे
 ब्रह्मनृसोचकरि॥ अरुठिननोडुवो॥ ऐमनतूदेधि
 तनकोस्यज॥ मिलतो॥ जैसोमृमि॥ तबआध्याचा
 आगैबरकडीसी॥ काकडीसी॥ आई॥ तबवैहीराहचाल
 ब्रह्मगैऐकरडकलीसी॥ आई॥ तबनपरिचिगयो॥
 जाइदेष्टोपाणीकी॥ बृंदनही॥ कमदस्तमदांनष्टे
 रबडेअचंनोडुवो॥ ऐपरमेसुरयोकाई॥ जोजलक
 यो॥ नीचैदेष्टोबडो॥ एकनंदबागै॥ तबबागनैदे
 होतपूम्पालडुवो॥ देष्टोचोगिरदानपकोकोटै॥
 बैनीचैउतस्यो॥ आगैदरवाजोपूटो॥ तबमोहिधस्यो
 देष्टो॥ शाहगचकारीरस्तालागिरहा॥ बडासमा
 सूदीसै॥ जाइगांजाइगां॥ नलधूटिरहा॥ मोहिअ
 फलफूललं॥ बिरहा॥ मोहिबडीमहलाईतै॥ ऐ
 डोहोदनस्यो॥ योहोददेधिरपाइचमोहिधस्यो॥
 करंनामाही॥ सोसांमी॥ आशीयांसै॥ कहीरपाइचजीरा
 म॥ तबयांकही॥ आचोरामराम॥ तबबोली॥ धलाघोजीर
 धन॥ तबऐबोल्यालाघोजीसमाधन॥ तबयाब
 आबो॥ ध्यानमाहिबुलाया॥ तबयांकहो॥ छेला
 कांईजांणो॥ इतनूबिचारकरिआधाया॥ आगैजा
 तोअनेकरंनानी॥ त्यांमजाइतनारहा॥ तबयां

मरा म। तब बाबोली लाषोजी समाधि नै। त
या कह्यो लाषोजी नी को छै। तबरयाई चकली पर मे
सुरजी ये लाषान काई जां ऐ। तबरयाई चर्जी पृष्टो। ऐ
लाषानै काई जां ऐ। तब बाबोली लाषाजी का मन्त्र
छै ये। तबरयाई तजी पृष्टो यां को नांव काई तब बां क
ही यां को नांव ऐ ही। ओर ऐ इह की सहली छै तब बा अ
पष्टरा बोली। रयाई चर्जी आप पल को कम हल मां दि
या लो। ज्यो हि मां पडा। पा छै बुलाई ली म्या। तब यां क
ही बहो तन लो। तब आप ऐ करं नान दुक मकी यां।
ऐजा बो यां न ऐ कम हल मे वयाई दाद। तब बां दक दी
पक्षरो। तबरयाई चर्जी वी की मा थि ज्यो। जाइ म द
ल मे बठा ऐ दीया। गदल मे मंगली छिया क दी ल
नही। तबरयाई चर्जी कही यां मदल कु ग का तब
बां क ही यां मदल लाषाजी का। तब बां क ही थिं
लणी त्रयै यो तब यां क ही इ मां दि यां क छिया
नुपरि को बैठो। रुमे वा अग्न स्कार। तब बां क ही न
न दुक मे छै तब यां तमली मका क दी। न को छ प थो ग
वै छि म्यां बाउनी दी वत ला व छ। अगे क को र य ड निवे
मे व छर फल लयाई अगि द ज निर्व य न ग क र दे व
गो। अ थो की मद मां नी क रं मो ठ की तब बां क ही प
थो ग मदरी तमली मका क दी इ म्मा छ लो तब बां
थो लाई म्या चला या क र म ज नी क री व दी क रं
रवार डे डे न र्क या क दी न न न न न न न न न न
वली कां ड मि प नि मि प नि मि प नि इ य जो ए न नि ग प
ये ली। अत्म क दि क र न दे य यो क र व र्क य नि

जीनबुलावो॥ ऐकरनाअणिकहीयांनबुलावधै॥
 ठिननाझुवा॥ आगैजाइदेवतोतयारहुइनेनीछै॥ बि
 एनतस्यो॥ तबसिरदारबोली॥ रघाश्चजीअवो॥
 ब्रह्मानाग्याहोय॥ तबइकहीराजिआग्याकही
 तबकहीहेइइलोकजांवा॥ तबइकहीमूनकां
 ग्या॥ तबकहीआपुनारहो॥ यांकहीउनाकठर
 महारीतोगमीनही॥ तबयांकहीमूनसाथिल्यो॥ त
 कहीछेमिनया॥ वैदेवलोक॥ इतनेकहिचैबिमं
 ठी॥ तबरघाश्चविमाणकोषूटोपकड्यो॥ विमाण
 चालतोहुवो॥ जाइइइलोकउतरा॥ तबवैबिमं
 ठीउतरी॥ तबवडीमहलाइतरी॥ तबवारघाश्चसै
 रो॥ छेअंठवैठो॥ हेइइकप्रषाडजांवा॥ तबरघाई
 कहीमूनसाथिल्यो॥ तबयांकहीबृहदेवतांकीमि
 सिछै॥ छेअंठहीरहो॥ तबरघाश्चकहीएकतोह
 वाकीसक्य॥ तबयांकहीबुजो॥ यांकहीयेम
 कुएरा॥ यांकहीलाघाजीरा॥ तबयांकहीनेनोन
 याचलो॥ अबझंराजिरीकांइमहमांकड्यो॥ वार
 भीही॥ तबवांकहीहेजांवा॥ तबयांकहीएक
 औरषबूबाकी॥ वांकहीपूछे॥ ऐनइमहलाइ
 याधोल्यामहलकुएरा॥ तबवांकहीऐनीमहल
 जीरा॥ मृत्यककैतांइ॥ तबयांकहीलंगीमृ
 इही॥ इसोकुएअजोलाघानमृतकरे॥ लाघेक
 त्यनही॥ सोकहोवोमृतकुएछे॥ तबवांकहीमि
 गजीछे॥ ऐमहलहोइछेसोराजिरेवास्तहोइछे॥

तब रषा इच मन मव होत अंजस्यो ॥ लाषा जीरा बहोत बघा
एकीया ॥ नलो नाई लाषा नलो ॥ डंरा जिरी काई महिम
कड्ठा धणी हो इतारा जिसारि पाहोई ॥ मून बहोत महगो की
यो ॥ तब बां कही अब महान आया हो इतो हे अब डजं
बां ये बैठो ॥ तब रषा इच कही महारे कस वधा और छे पूछ
वाकी ॥ जब बां कही पूछो ॥ तब कही लाषो अब कदि आसी
तब बां कही लाषो मरै जदि आवै ॥ जीवतो आवही ॥ नव
होतरं ज्यो ॥ तब वै कही को एनांति मरै ॥ को इज पाव मर
एरो ॥ तब बां कही को इज पाव नही ॥ मनि धरो मास्यो म
रनही ॥ देवता मारनही ॥ तब बां कही को इज पाव बतवो
किसन पाय मरै ॥ तब बां कही रषा इच ऐकन पाव छै मर
एरो ॥ सी होरा ठोड कनोज को धणी हारिका जाई छै ती
का प्रनातिस वारै डेरा स्थिध पुर छै ॥ स्थिध पुर स्थंधरा वसोलं
ग्री छै ॥ सो लाषा आगो सो बरीयां पाधरै येत नग्यो ॥ सो वै को
माथो वडी छक छै ॥ सीवी सीहा संजा इ मिले ॥ मनहारि
करि राघो रोटी बुलावै ॥ वो तोर हसनही ॥ एहि हसिनांति
करि राघो ॥ वो हजिवा ॥ सते दीवह संकहे ॥ राजिमहारे न
पर करो तो ॥ लाषा संवेछी करों ॥ हरिनातिकरि वनराये
तो लाषा ने पाधरै येति मां ॥ सी होमहा देवको सिय छे दे
वता सगला सीहामे आवै ॥ लाषाम को ईजा इ नही ॥ फल्ली
लाषाम जाता ॥ अब कै सीहाम आवै यो लाषो मास्यो जाई
तब बां कही अब महान आया होई मेहे इडक इवार जां
वाछं ॥ छे अंठ वठो ॥ तब बां कही नलां ॥ अब आय पधायो
तब बां कही रषा इच जी एक की ज्यो ॥ या सो मे कोट डी जड छि
सो बोली ज्यो मति ॥ ज्यो कोट डी छे मोड्यो लो मति वैठनि

चलारहिज्यो॥ मेहेवेगाही आवस्य॥ तबयांकही प्रमाण॥
 आपपधारे॥ तबएतो इंदकै अषाडाई॥ तबरषाश्च आ
 पणं मनम विचार कीयो॥ तबैठो कांकोरे॥ घोलिको टड
 गो बिंद करै सो होई॥ तबरषाश्च कोटडी घोलि॥ बडो
 ही तो छंछाल बहतो गजरज सांवरणी घटा हो होति सो बडो
 बहतो मद मो कलै॥ च्यास्यो पावज कडो॥ आठौं पटा बह
 तो॥ असो एक अरापति बंधो मूल छे॥ दिषबो ल्यो रषाश्च
 जीरा मरांम॥ तबयांक हे जीरा मरांम॥ तबयांक ही लाषो
 जी छै समाधाने॥ तबयांक लाषो जी समाधान छे॥ तब
 यांक ही आचो आघापधारे॥ कहो समाचार॥ तबयांक
 हीरा जिलाषा जीनकां ईजां रें॥ तबयांक ही मेहे लाषा
 जीरा छे॥ महान बोधि गया छे॥ तछा पाछ पधाम्याही॥ अ
 सो को ई नही जो महान योल॥ तबये बो ल्या मुन दु कम
 करो तो इं योल॥ तब कही मुन घोलो तोरा जिन इंदको त
 मा सो बतंनं॥ और बडी बडी जाई गां दियो नं॥ इंदको तल
 चम सो सर छे॥ बडो तार बड छे॥ पहलै तो नं छे॥ लिड बो
 देह॥ मुन सपडाई ल्याह॥ जो तन बडा बडा कमल छे बती
 सपाषडा का॥ तिको तन ले दे स्यो॥ ब्रह्म लोक दिसा स्यो॥ अ
 ब मुन घोलि॥ तबरषाश्च घोल्यो॥ बालिरिका छो॥ तब क
 ही अठ सोनां की साषति छे ती कौ माडे॥ सोनां की साषति
 मांडी॥ पाछे कही जडाव की गज बाग छे॥ ती कौ ल्यो ह॥ सम
 स्त मांडी गज बागली॥ अबरषाश्च असवार दू दो॥ बैठि कि
 ला वैदरी याचन माल कि कल्यो॥ तबरषाश्च लाषा जीरा
 बषाण कीया॥ लाषा जी ई अरापति न परिचछ इंदलो
 क तोरा जिदिषा वो॥ तब हाथी सरोवर आयो॥ रषाश्च ह

देष

धीरकपड़ायो... रमाहिं धस्यो॥ बोहदीयो धारदास्तीकर
 केइ दिनारोत्रालखे॥ मुषयायो॥ तब बडा कवल तोडिर
 षाइ चन पड्काया॥ तब दोनुही सुसाल कुवा॥ फूल बैः घे
 लवै॥ तब हाथी कही रघाइ तजी अक्चछे॥ तब बाहिर
 या॥ रघाई चन तस्या॥ पुष्पी हाथी नसावति मांडि॥ अब क
 पडा० पहरी हथी यार बाध्या॥ कही अब प्रसवार हो॥ त
 अब प्रसवार कुवा॥ पहली जाई इइ को तमा सो देख्यो देख्यो
 तो इइ सिंधा सण बैठे छे॥ अने क प्रपहरा निरत करै छे
 देवतारि मजल सीम डिरह छि॥ वो मुष देख्यो॥ कही अब व
 लि॥ पाछे जाई नृमल लोक दिषायो॥ पाछे कही अब विसन
 लोक दिषांनि॥ अकरारो दरमण दिषांनि॥ तब यां कही चिह
 त नलां॥ अब क्यौ ही तथारही नही॥ तब विसन लोक ले
 गयो॥ कही अब नतरो॥ अब नतस्यो॥ कही दरमण करि
 बेगा आवज्यो॥ रहो मति॥ अकुरन अमृत कौ प्याले आवल
 पछे जठ सुदरमण चक्र तमांम करै लो॥ तब ये दीदार की
 ज्यो॥ अमृत रो प्याले आयो॥ सुदरमण तमांम करण लो॥
 तब ये दीदार करि आनि नारहरा प्रसवार कुवा॥ तब
 ध्यो छे॥ नंठं आयो॥ कही रघाइ चजी अक्चछे॥ तब रघाइ
 चन तखिड पंकड़ा इवाथ्यो॥ पाछे रघाइ चहू सरी को वडी
 बोली॥ तब देखतो माहिरे कहं संबध्यो छे॥ तब वो बोली रो
 इचजी रां मरां म॥ तब यां कही रां मरां म॥ तब वै कही लाये ली
 अ समाधो न॥ तब वै कही छे समाधो न॥ तब वै कही आवां आ
 या पधरो॥ कही समाचार॥ तब यां कही ये लायन कोई जं
 रें॥ तब यो बोली मेहेला मारी॥ शैव महान्वाधि गायो छे
 तय

कही मून रुक म करो तो कुंघो लें तब कही रषाश्चजी मून
मोले तो बडी बडी जाइगां दिषां गे ॥ कुमेररी पुरी दिषां नें
नली नली जाइगां दिषां गे ॥ तब यां पौ ल्यो ॥ तब वेबो ल्यो
मोनारी सायति छे आपकी असवारी की तीकें माडो ॥ वो
ही साज माडो ॥ जाडि पूछि बाहरिका ठे ॥ रषाश्च अस
वार रुच्यो ॥ तब ही गुडि चाल्यो ॥ अणि नवानगर के गोरगरलि
दीयो ॥ आप बिलाई गयो ॥ तब रषाश्च देष तो हंस बिलाई ग
यो ॥ तब देष तो हंस बिलाइ गयो ॥ नवानगर के गोरगरलि
गयो ॥ डील जाडि पुंछि पिचतां बल लागो ॥ देषो महारी बुधि
हो बज्र छे ॥ अब आप डेर आयो ॥ डेर आई महल मत नोर
हो ॥ तब ही लाषजी कही ॥ रषाश्च नबुलाई ल्यावो डे
र आयो छे ॥ तब ही बुलावो आयो ॥ अणि कही रषाश्चजी
थान बुलाव छे ॥ तब रषाश्च कही ॥ नलो नाला लाषा नलो
अब रुंराजिरी कांई मह मां करौ ॥ मून तो आवता बार नई
ई नही ॥ आप कही बेगालावो ॥ रषाश्च तजी तब ही अणि
हाजिर हूँ ॥ मुजरो कीमि पावो लागो ॥ तब ही लाषजी पू
छी ॥ कही साचार कौं देषो ॥ तब यां कही साहिब मगले
देषो ॥ तब लाषजी कही ॥ रषाश्चजी वै ही गोड नरो
वांछ ॥ तब रषाश्चजी कही ॥ मसाहिब रो पार पायो नही
अब रुंसाहिबरा कांई बघाण करौ ॥ तब आप कही जा
वो सोवो ॥ अब थान सीष छे ॥ तब रषाश्च चारों त आ
यो ॥ पाई गामे नोर हो ॥ साहणी मांहां नघो डै जीनक
रुंदे ॥ आप महान रुक म कीयो छे ॥ घोडे आपरी असवारी
को घोष की जाति पेसंगी ॥ जगदी जाति दरी याई नावती
ह असवार होई सिंध पुर आयो ॥ राव जै संध देस्यो लें

धीकीडोडगानतस्यो॥ कहीनाईरावजीसोमहारोजुहारक
हो॥ तबवांपूछेरावजीकणसोपंधारा॥ राजिरोनांवकोई
तबयांकहीनाईकुंतवानगरसोप्रायोधूरषाश्चमहा
रोनांवछे॥ तबयांजाईकहीरषाश्चराजिनजुहसकदछे
तबयांपूछेराषाश्चकछे॥ कितोएकसाथछे॥ तब
यांकहीराजिडोछाननोछे॥ एकलोघोडअसवारछे
तबकहीजावोमहारोजुहास्कहोवाहरहेरमिलबारीको
दृष्टे॥ तबवांकहीरावजीसो कहछे॥ तबयांकहीरावजी
सोमिल्योचाकुंछे॥ महारोसाथतोरानिदेख्यो॥ महारीवंत
लावण्ये॥ मूनहजूरिबुल्योवो॥ तबवांजाईकहीरावजी
यो कहछे॥ हजूरिबुलज्या॥ तबकहीबुलज्या॥ तबबुला
इहजूरिलेगया॥ जाईजुहारकीयो॥ मिल्या॥ बैठा॥ तवरषा
श्चकही॥ राजिसोबतालायोचाकुंछे॥ लखेलाहोतो क
हुं॥ तबसंगलाहरिकीया॥ दोनपुरहारा॥ रषाश्चकही॥
रावजीलाघमहासेकबीलोसरोमास्यो॥ कोईराख्यान
ही॥ हुंमहारीमानकाचलीकोवकस्योछे॥ महारोना
वरषाश्चयोडो॥ सोमूमरजपूतपणोछेमोराजिजाणोदो
छे॥ अबराजिरेगाईपरनाति॥ सीहाराठोडगडेगछे॥ मो
राजिवांकीमहमांनीकरो॥ बोहतोरहमीनही॥ पणिरा
जिवांहनहरतांतिकरिराषो॥ अरकहोरानिमहारोनप
रकरो॥ जोकुंलाघासोवैठीकरो॥ सीहीराजिमांदिआवलो
तेकअसवारीकरिनवैनगरिआवो॥ नुंहीसोलाघानअ
सवारीकराइल्योनुंछे॥ तबवैठीकीज्यो॥ लाघानपा
धरेषेतिमारिस्यो॥ तबवांकहीविहातसुडाअकत्राप
पंधरो॥ तवरषाश्चजुहारकसिअसवार

गरिअधो॥ अणि घोडो पायगा बांध्यो॥ आपआपरेमह
 लजाईसूतो॥ प्रनातिहीसीहाकाडेरामिधपुरहुवा॥ त
 बरावजीतयवरिअणिहुईराजिहीहजोअणिनत
 या॥ रावजीअसवारीकरेजाईजुहारकीयो॥ मिला
 मिधरावजीअरजकरी॥ राजिमूनपावनकरो॥ महार
 रोटीषावो॥ तबयांकहीअवारतोहुईद्वारिकाजीजोउं
 धू॥ बाहुडतोरजिररोटीषास्यो॥ तबयांकहीबाहुडत
 रोचरोसोपडनही॥ मूनमुनाएकरो॥ हुंरावलोराजयूत
 धू॥ तबयांकहीनोतनलोरोटीकरो॥ तबरावजीरा
 टीकरी॥ डेरपधास्य॥ पात्यादीया॥ पुरसगारीहुईरावजी
 उनाजावताकरथे॥ पुरसगारीहोइचुकी॥ तबसीहो
 जीबोत्यो॥ रावजीअवोनेलाहीजीवस्यो॥ तबयांक
 टारीषोतिमूखअगोमेली॥ तबसीहजीकहीयोकां
 ई॥ तबरावजीकहीहुंराजिरीसाथिअवारीचालि
 स्यो॥ मूनसाथिल्यो॥ महारमाथैलाषारोकरजथे॥ ला
 षारोदेणदार॥ सोकरजसाहिवसोउतरे॥ अबहुंगु
 हडाथयो॥ आगलोगंवनीडोआयो॥ पाछिलोद्वारि
 हो॥ मरणरादिननीडोआयो॥ तिणवासरजिरामू
 ठांअगोमकटारीमेली॥ अबराजिमूमाहुंआवोतो
 लाषासोबेछकरो॥ तबयांकहीबहोतनला॥ मूनद्वारि
 काजीजायअबाद्यो॥ पाछेबेछिकरस्यो॥ तबयांक
 हीसाहिवद्वारिकाकानीहीनवोनगर॥ सवाराप्रनाति
 असवारीकरो॥ लाषासोबेछिकरो॥ जेकांमिआव
 स्योतोअठहीद्वारिका॥ अरलाषानमारिवचांशंत
 पाछेदुवारिकोपधारिज्यो॥ तोकटारीबाध्यो॥ नहीतो

राजिश्रौगैमेली॥ तबयांकहीवहोतनला॥ कदारीव
 धो॥ आवोजीवा॥ तबनेलाबेठिजीया॥ कदारीवांधी
 प्रनातिप्रसवारीकरी॥ आणितवानगरकाकोकड
 मेनंगारोदीयो॥ तबलाषेजीकहीबुलाईल्यावोरषा
 ईचनै॥ तबकहीरषाईचजीयांनबुलावधै॥ तबरषा
 ईचमुजरोकीयो॥ तबआपबोल्यारषाईचस्योकुणै
 ॥ महाराकाकडमेनंगारोवजायो॥ तबयांकहीसा
 हिवयासिंधपुरकीफोजै॥ तबआपकहीप्रसवारी
 कीतीयारीकरावै॥ तबआपकीप्रसवारीकोधोडो
 आणिमूखआगफेस्यो॥ आपप्रसवारहोएलागा॥
 तबआपबोल्यासाहणीइणैतोवनसैसिंधपुरी
 रंजलागी॥ घोडोकठ्यै॥ तबईकहीसाहिवनाइरषा
 ईचप्रसवारहोयगयाआ॥ कालिरीरातिहजूरिसोवज
 ड॥ तबचछिपधास्याआ॥ तबआपरषाईचमांडेदि
 रकहीरषाईचजीयोनीचोकीयो॥ तबरषाईचजीकही
 साहिवप्रबआपकहीरहिस्योनहीकोइदिनतबर
 षाईचकहीसाहिवप्रबपधारिजे॥ प्रबचालिजे॥ त
 ठारासुषलीजे॥ तबआपकहीवहोतनला॥ प्रसवारी
 करो॥ प्रबप्रसवारहोईप्रणिमूल्या॥ लोहडुवोरीठमा
 मो॥ पहलीहीलाघाजरोसीहाजीरसेललागो॥ लाफ
 अरसीहजीआपसमैलोहडुवोपछेलाघोजीमूलिवो
 दैरहाथिनतस्या॥ लाघाजरापवाडोमूलिराजिनप्रायो
 लाघोजीकांमिआयो॥ पदरासेसोलाकैसालिलाघोजी
 बेतिरहा॥ दोयहजारपहलीफोजमोहैकांमिआया॥ अ
 ठसै७०॥ राठोडा॥ बासासै१२००॥ सोलंयी॥ ११॥ ॥

चावडारजपूतरषाचकीलारका ॥॥सार॥॥

ज्याहीलासोमारीरीयो॥ जेजागासोसोवारा॥ पडीयेसी
हकारकडोपचारोमचार॥ १०॥ कबित॥ समतनमैये
कमी॥ कातिगमासंतिरंतरी॥ पिताबोरीनलछीमद
संगरभाईवसंमहरी॥ नडिस्यांमं सोपंदरकेमप्रसो
लंभी॥ सोकदमावेड्या॥ उगणीसेमूवारणकुजिदि
एवढा॥ पतरसेचनलमदलपरसेलसीनामोरसे॥ वि
एव्याठकोटपंचनंदी॥ मुलिराजलघोमर॥ १२॥ वि
हा॥ इणजाडाहरवंसमैरतनजघोनिमजाडीफूलस
रीपानीपेजे॥ बललघोफुलाह॥ १३॥ दोहा॥ मइण
रहीअपुत्रणी॥ पुत्रतजडेची॥ बरत्रीवेदोईघीयाबिया
लाघोजायोतिहि॥ १४॥ दोहा॥ करमाएंदयांएंद
हो॥ प्रापरिमंतकहबासकीथाह॥ केघोराणेलघोघो
वोदोईयो॥ रलकीपायअथाह॥ १५॥ दोहा॥ इंतोन
ज्यांतमांणीयो॥ लघीकहसुजटा॥ गिणीयांलनदोह
डा॥ कारीदहकाईअठ॥ १५॥ दोहा॥ राणीसोछीक
ह॥ फुलांणीफेरोघणो॥ दहमहअमदोईजोमदेघो
नावणिमोअथवणिनहोई॥ १६॥ दोहा॥ बेटीकह
लघोनूल्योलघवर॥ अंमोनूलीमोई॥ अंघ्यातणोफस
कडेनजांणंक्याहोई॥ १७॥ दोहा॥ टटणीकह॥ सास
वलंबदीवडा॥ जोलोइणयेसुलन॥ कीछेबीचबिलं
वसी॥ तोवारीकहसीसबै॥ १८॥ स्त्रीलायाफुलां
लीकीवातसंपूर्णसमासा॥ मीतीनदवाबुदिश्ववि
सपतवारसंवत१८४५का॥ लिखतराजिश्रीवपुरा
साहिबनाहरसंघजीकाखारपीसदारासमहज

नेजातिसुखवर्गी अजमेरा ततपुत्रसी तारां म॥ येनाये
 राजि श्रीगवुत्ता लाहिबना हरस्यंधनी अधि॥ तिपीकी
 । लाये डारिका वध्या ॥ वां बनी नरा नमं चं च्या ॥
 दोहा ॥ जादये पुस्तकं दृष्टु ॥ तादये लिखितं मया जादि
 सुधं मम सुधं ॥ मम दोसो न दीयते ॥ २ ॥ जतेरत्ने धनेर
 चारत्ततेने प्रियल बंधवा ॥ मृषे हस्ते न दातव्या ॥ वंठे
 दितव्य पुंसा ॥ २ ॥ सुते मस्तु ॥ कल्याणतु ॥ श्री ॥
 ॥ ॥ श्रीग ॥ त्रायतमः ॥
 अथ ह ॥ शोलि चिते ॥ ध्ये धंद ॥ गारी नव आनंद चंदन
 तंमि ॥ चतुर नुं जेकर फारम मर मस्तु पत गारा गने ठा
 कं रवं ॥ मावला वव हो वमा पुद्गले ॥ कदम दामन
 वि ॥ म्पद नुगंध म्पडि मे चस्ती आनंद आ मस्तु
 यधसन मुद वधनी ॥ प्रो कथो काय प्रवीर्न ॥ सुधं
 ॥ सुमरि सुमरि हर मंधी माता ॥ दम वा नन कर वं नं ॥ कक
 स्तारा ये वीनी ॥ ३ ॥ विमलगुन विमल वितन वं नं गुं वन
 षतु म प्रसाद गमो च्यो ॥ देरु सुमति मे दिन मे कथे कथ
 रण थं नकी ॥ हमी रराय मस्तु गडा ॥ ४ ॥ दोहा ॥ म्पद नुगंध
 मारा प्रवही न अयाग ॥ कना कना कथे नन कर वं नं ॥
 सतारा ॥ ५ ॥ अथ ममान चो दोहा ॥ मं नव ॥ नुं दृष्टे न नन
 त आनंदा आनंद मन वं कदं दृष्टे न नन ॥
 नेकु हावा ॥ ६ ॥ श्री विषय पुत्र कल ॥
 ॥ जी देवे जी हतन मस्तु कथे ॥
 श्री प्रमन दृष्टे आदि देवे न न ॥
 चो दंत गंधि मधिवरी ॥
 अदृष्ट नंदार मायति कथी ॥

कं

करदीही॥ फागुन बुधित थिचतुरदसि॥ स्पवरात्रीयतरोदि
 यो॥ सबतथैसै ३३ नये॥ बसदेवनराजकीयो॥ १०॥ क्वचित्॥
 श्रीफलडोगरजहां केरानी हकमाला देतां मां॥ तुरीएकसे
 पाचदेवअंगमोवतजामा॥ फिरिदेवी कह्यो मागीजको
 तुमअष्टाष्टावै॥ मनकीचाहिनराखिजेसकलबोछैफ
 लयावै॥ ११॥ बारा॥ जिनमागीचाहिनामनकील॥ सां
 नरिलोतबिनायतेबरसपचीसलोंराजकरी॥ समैमाय
 करिजाय॥ मानसंघचौहातकी॥ कितेकपीछीयाहित्यर
 हपातिसाहिसौलरबोकरी॥ अजमेरिकैचोगडदारद
 बोकरी॥ सातसैबरसपाछै॥ सैतीसीपीछीराजजैतसंघ
 घमालवासूंआयो॥ जैतपुरगांवबसायो॥ क्वचित् जैत
 संघचोहानगांवजतपुरबसायो॥ जहांघृतीसपेनिबसा
 यचोगडदागटकोटकराये॥ तेरासैचिडोतरासलराज
 थाप्यो जिहजागां॥ तेकरैरा॥ जहचलसत्रमुलिदूरिसौ
 नाजै॥ बारहपुत्रजाकेडूव॥ एकसोएकअर्धीको॥ नीसी
 हीमहमांकरकीजैसाहीदोयबधिक॥ १३॥ दोहा॥ जह
 छेवीचिबलेचोगडदानदी॥ तंचाअनलपहाड॥ डांगज
 बनीअसीरहै॥ कोईकाटिमकनहीनार॥ १४॥ क्वचित्॥
 जैतसंघचौहातजहारषबैठेधरिराजगुदारा॥ चाकरके
 श्कोनीहीनहीकोइकेसारे॥ तेबारहदुरंगमाअशोर
 यतनतसोआव॥ कैरैमहरअष्टअष्टकरदोरकरावै
 ॥ जहअशोरसरीकतकोइनहीजठसाहिसरीकी॥ कोईही
 दअरिगिषेनहीबंधीबडांकीलीक॥ १५॥ दोहा॥ आदिअ
 तैअडेवल॥ महरकरंताराज॥ ज्याराजजैतसंघमाथ
 सबसिरताज॥ १६॥ महराराधोबांहदे॥ ज्योसौवाकोल

ड॥ पूछे जा कौ या कहै॥ यां की सारी मांड॥ १७॥ चोपड॥
 जैत संध चोहां न चहौं दि सिध्या व॥ जिहि विधि आये जिहि
 विधि न्यावे॥ सो तो राज प्राय ही लिख॥ हाथ न चाय और ही दि
 ५॥ १६॥ इहि धि कर तां बडुत दिन बीता॥ जव स कल सांथ के
 न छल्यो पीता॥ हम कुमाइ करिया कौं धोवां॥ ऐह विन सै
 हम मूढौ जीवां॥ १७॥ दोहा॥ मारा साध मि लिम तो करै॥ ऐ
 कामो चूद होय अंग॥ आयां आयां ही दो डिम्यां॥ छोडो
 यां को संग॥ २०॥ चोपड॥ सब ही पंचै प्रेम करि बोलै॥ विते
 रह राज कै बोलै॥ इहि विधि कौ करि वण सीना॥ एह चिल
 सै हम करै कमाई॥ २१॥ इह तो आयाणो धरै करई॥ यां कै मा
 रै न सां मरइ॥ सरब सां मिलि इसी विधि की ज्यो जै सो यां कै
 उतर दी ज्यो॥ २२॥ दोहा॥ जीता इता सब एक है॥ यो बाल
 लीयो छनोए॥ माहां यां कै नाही वण सी॥ मुणि हो राजा
 रोए॥ २३॥ तब नो एणो कह छै लो॥ सोरठा॥ नोए कह हका
 लि॥ मुणि नाइ वात जम हां की॥ एक पेट परिवारा कां इमुति
 बह की यां की॥ २४॥ सोरठा॥ आदि अंतिकै वासा बला म
 धि आयां रहां वां॥ मेहे यां की शंवां हा॥ हिमिरदार कहां वां
 ॥ २५॥ दोहा॥ माहां काम न मै कौ नही॥ यां कै जीव कुन वी॥
 ये माहां सो दुविधारा घिस्यो तो॥ माहा का सिर परिराव॥ २
 ६॥ यां का सिर परिराव छै॥ माहां की नही॥ एति प्राय प्राय
 कै दो डिम्या॥ माहां यां नही वणेत॥ २७॥ मार माघ विचार
 यो॥ बोली दस वणाय॥ जो जा सौ राजी नयो॥ तोहि कै संग
 जाई॥ २८॥ रालोः मालोः धी वसी॥ धीनुः अघराज॥ नदोः ददो
 : कुसलो॥ हरीयोः अरहर राज॥ २९॥ चोपड॥ कहुं पांचमैः
 कहुं मात सै हात्पा॥ कहुं महेश्रः

हथैरोठरोएपातपरह्य॥ मोरजीकरिगादारेहे
 पई॥ आयआपहैदोडिमां॥ दरिदसकोधन
 ॥ जोयावसेअणिमतिआणो॥ यहलीआयराव
 ॥ ३०॥ दोहा॥ रोएणो नोएणोसाधिले॥ पङ्कचोप
 कोहकाफचतयंडज्यो॥ नहीकहीकीगम॥ ३१
 तठएकबराहजसृतो॥ तठरोएणोआयपङ्कचो
 टतीरकीतीक॥ नरिमोरंविचिवैठीजिकै॥ ३२
 द्यौरुडकैघोटै॥ रोएणोआयोतिहिवाट॥ बराह
 ॥ मगादिजाई॥ सकलसाथमिलितारकराय
 श्री॥ वनधारापराय॥ तिहैकैघोजलगतैजाय
 फिरतसरनयोसुमार॥ कहीनहीपायोपंथन
 पङ्कचोजायसरवरकीतीर॥ पाणीपीतिणत
 धरनीपरतयस्योमुरशाय॥ जठसाथपङ्कचोआ
 हरोतालसीतलजलढीठो॥ ताकोकातीरदी
 ठो॥ नुचाइमसबबनराय॥ जहाकोकिलाक
 ॥ ३६॥ कोइलकागमोरमोरनहांकरै॥ मधुकर
 नरै॥ चहुदिसिइममालतिलपटाई॥ सबवन
 महकाई॥ ३७॥ लैचकमकबैसांडकीनही॥ का
 लजिहछीनी॥ बुगदोजिहपाहणपरिधस्यो॥ पि
 गजपीलोपस्यो॥ ३८॥ सबहीश्चरजहुवोसाथ
 कांइकीनहीनाथ॥ कदीछुरीजोअोरमिलाइ॥ व
 हायपणिजाई॥ ३९॥ रोएणो नोएणोचतरदोननाई
 न्होहाथिनचाई॥ अतिआनंदमनमचीन्हो॥ अ

पीछे असवारी कराई ॥४१॥ दोहा ॥ दिखण दिसे दोषी हन
 बांही निकस्यो जाई ॥ ज्या घाटी उपस्विट्यो ॥ तिदथे नून
 स्यो आय ॥४२॥ जदि मनमै न पाय करी ॥ या जाय गांचो घी
 मन माहि विचारी ॥ जो यागदबसावरां मा ॥ हि पारस अंठ
 लह्यो ॥ तिहथे करस्यां कांम ॥४३॥ मुणि नो एणो रो एणो
 कह्यो ॥ पायो पारस माल ॥ कह्यो कौं करि पचि सीयो हा ॥ मंद
 की बोधी घाल ॥४४॥ जो एणो न तर देख ॥ जो एणो न छि करि
 बोलीयो ॥ मुणि हेरो एणो बीर ॥ धाम्यां ॥ घर चस्या ॥ माण्यं ॥
 ॥ करस्यां नाया की नीरी ॥४५॥ रो एणो न तर कांई देश ॥ दोहा
 ॥ जो एणो तू तो बावलो ॥ वेस मफि वात कहाई ॥ अग्रसं
 पिडव्य कै से दुडै ॥ नल देखा पांही घाय ॥४६॥ जदि फेरि
 जो एणो कह्यो ॥ दोहा ॥ थाका मनमै जो वस ॥ सोही की ज्ये
 कांम ॥ ग्राम स्यां एणो सोही ॥ जोर ह्म प्रापणी मांम ॥४७॥
 जदि रां एणो कांई देश ॥ सोही कांम नमै या वस्यो ॥ पारस
 सो पाराव ॥ ऐस पदम पदस सी ॥ जोर ह्म प्रापणी नाव ॥
 ४८॥ जदि नो मोकही ॥ दोहा ॥ या वात थो अशी कही ॥
 जुग जुग रसी नाव ॥ जोर जपूत मन बदलसी ॥ तो कांई
 करसी दाव ॥४९॥ फेरि रो एणो कह्यो ॥ दोहा ॥ करस्यां
 कोल घरां घरी ॥ वाचा बंध कराया ॥ रां मरुड दो नवी चिदे
 ॥ जदि सो पिस्या जाय ॥५०॥ फेरि नो एणो कांई देश ॥ दो
 हा ॥ थां नली विचारी जीवसे ॥ जोर मिश्राव वात ॥ जोर
 जपूत मन बदलसी ॥ तो थां पोटा गावागत ॥५१॥ फेरि रो
 एणो कह्यो ॥ दोहा ॥ अंधा तिदिव सरहतां झुवा ॥ वरपां
 च दित सात ॥ महा कांम नमै या वस ॥ वां को मन विमवस
 ॥५२॥ जदि फेरि नो एणो कह्यो ॥

तोयांकीसाथि॥ जोयांकुंस्तवारथै॥ तोसोपोज
 थि॥ ५३॥ जदिरौणोंकांश्कहथै॥ दोहा॥ राजामन
 लसी॥ महोंकौथैस्तवार॥ धास्याः परचम्या॥ म
 करिमहांकदरवार॥ ५४॥ दोहा॥ कोईकदिवर
 थै॥ कहौरावसौजाई॥ एकजागारामेकमे
 रोम॥ ५५॥ बचनका॥ वाकौणदिसाकौणठेरथै॥
 थांकैदाश्चाई॥ जकेसोपणिदेयामेहे॥ चोपई
 गांमेहेदेवीअसी॥ महांकाचितमैचुपकरिवसी
 जाजीचटिकस्वित्यो॥ सोसामूंमासमाछलीव
 ॥ ५६॥ जदिराजामौणीलीयोबुलाय॥ कहोसो
 किमोयकनाय॥ योसगननलोछराय॥ अछ
 वलराजा॥ ५७॥ दोहा॥ फागुणसुदिचतुरदसी॥ व
 छैराज्य॥ तकोदरमणकीजीय॥ बिगचलोमहा
 ५८॥ चोपई॥ बैठीमारनतमथैराम॥ जिठ्ठाजिव
 म॥ नछरातिजागरणअजिकीज्यो॥ मनबांछित
 ललीज्यो॥ ५९॥ जठसरवरगाहरादोई॥ जोकोइ
 तोअरहीहोय॥ महाचंद्रदिसिकरिदेयोसोई॥
 रदुजोनहीकोई॥ ६०॥ राजाजठगयोचलाय॥ मे
 नपेइंच्योआई॥ गनुमुषसौअसनोनजकीन्ही॥
 डवतअकंमांदीन्ही॥ ६१॥ पाछेचढीयोगदपर
 अगौरौणापाछेराय॥ मारागढनैफिरिफिरिदेयो
 जनमसफलकरिलेयो॥ ६२॥ देखिदेफिरक
 ॥ फिरिफिरिराजाकरमराही॥ राजाअतिहीराजी
 ॥ ६३॥ गतागी॥ फिकदइयव

रसराह होत युसी ॥६५॥ दोहा ॥ मुणिकरि रौं यो कहि
जो राजी द्वे वारा व ॥ करो वास मा भे जुगति ॥ ति जुग जुगार
हसी नांव ॥६६॥ हि धिये सिर अंछा ॥ श्या ॥ ये दे राघ्या नाथ
महां न पैं दं ॥ म को ठै इत ॥ था को द पि पाया ॥ धा ॥ थो व ड
नागी पुरष छे ॥ अंछा पूर्ण रां मा ॥ जो अंठ व सी करो ॥ तो थ
लो ही कर यां कां मा ॥६७॥ रौं पां थानी कां कहि ॥ थो न ह
छे थो डां कां मा ॥ अंठ व सी जब डूव ॥ जो ला पां लो गो दं मा
॥६८॥ जदि फेरि रौं ए कही ॥ दोहा ॥ महे डूव्य थो ही ल
व स्या ॥ जो महां दी ज्ये बां हो ॥ या ग ट बां धो हे म सौं ॥ अरपी
छे किते क पां हि ॥७०॥ जदि राव कह छे ॥ रौं ए सो ॥ दिहा
॥ था महां कां ई व फि सौं ॥ जो थो कै अ ई दाय ॥ थो न डूव्य
सूँ क ठा तो न थ ड क वा स कराई ॥७१॥ जदि रौं ए राव सौं
कह छे ॥ दोहा ॥ एक को ल हम सौं करो ॥ न ल टो न ही ज राव
॥ व ठा धरती नू गति स्या ॥ थो को र ह सी नांव ॥७२॥ जदि रा
व रौं ए न कह छे ॥ दोहा ॥ थो कि सो को ल महां न पैं ल्या ॥
सो महां न कहो सम नाई ॥ कि ह कार णि मे हि न ल टि स्या
॥ सो थो कह ब्रणाय ॥७३॥ जदि रौं ए राव सौं कह छे ॥ दो
हा ॥ बत्वा दो तो मे हे कहां ॥ वी चि द्यो ॥ स्यो ॥ रां मा ॥ को ल
बो ल चू को न ही ॥ तो अ सै ब्य च ता वां दं मा ॥७४॥ राव
रौं ए सौं बो ल नो द थं ॥ दोहा ॥ व र म सा न र द तो डूवा ॥ रा
द्वि स ए क ठा णि ॥ महां को जी व थं मे व मे ॥ थो न ही च
को बां णि ॥७५॥ जदि रौं ए राव सौं कह छे ॥ थो धरती थ
ण ॥ अ प ति ॥ मे थं की डा जूं णि ॥ थो कर ण म तो मो ही व
रो ॥ मां मे हो य न स के को ण ॥७६॥ फेरि राव रौं ए सै व
छे ॥ मे हे वा चा जो ई दी या ॥ जो थो कै अ वे दाय ॥ अ व ज

बध्यागधियो॥ तो कूनीतरकपडाई॥ ७७॥ केरिरो लो
 रावसौ कह्ये॥ जदिरो लो न ठिबोलीयो॥ अब मेहे वीन
 हस्यो सांच॥ कुबिसन झुवामानियो नही॥ जो थाह
 नदी हांचाच॥ ७८॥ रो लो बो लो॥ दोहा॥ मे थां न वा
 चादीया॥ परो कह्यो सबो झु॥ जाको महा को धरम
 ॥ ये जां लो मो ले झु॥ ७९॥ रो लो बो लो॥ कौं धर की वस्त
 मां गां नही॥ मां गां आइं ग॥ थां को कौं नही बीगड॥ म
 हां को रहसी नां ग॥ ८०॥ राव बो लो॥ मे हे थां न वा चादीया
 ॥ ये यो ही हठ कराय॥ जो अं थ्राव तुम्हा॥ थां कूं वाही
 दाय॥ ८१॥ रो लो बो लो॥ दोहा॥ हाथ जो डिरो लो कह्ये॥
 जो वा चादीया राच॥ अं ठवा सब साय ज्ये॥ ज्यो रह ज्याम
 हां कौं नां वा॥ ८२॥ राव बो लो॥ दोहा॥ ये नी कां जां लो
 करो॥ महान पृथे काय॥ थां कामन मे जो वस॥ ता के
 रा मो नां वा॥ ८३॥ न लो न लो राजा कह्ये पाछे कि
 बात॥ जिहि विधि पेर जी झुवा॥ तो मे हे सुष पायो गा
 त॥ ८४॥ राजा रो राजी की न्ह॥ झुक म झुवान गारो दी
 न्ह॥ जब गाछ सौ न त र चली या ध्याय॥ जैत पुरन ग्रय झु
 च्यो आय॥ ८५॥ जदि राजा बघे दरबार॥ पुत्र एक न यो
 हवार॥ मां ले सा पि बध ई दी नही॥ रो लो राजा वा ता
 नही॥ ८६॥ राम रू वी चही दीयो॥ बीचि दीया तो नाथ
 वो लं बचन दिछय के॥ जब पार स दीयो हाथ॥ ८७॥
 रो लो नौ लो पा धर को दीयो॥ दोहा॥ सज्जक कर्म
 र्थ लिधियो॥ मन बांछित नये उग्रह॥ इत हमी र दे ज
 यो॥ कीहनी रुड सहाय॥ ८८॥ हमी र वर को जन्त
 रूवो॥ झुवा बधाव अति घना॥ धरि धरि मंगल चार॥

तिहूवो॥ बाधिजवादरवाले॥ धाराजप्रति
 आनदीयो॥ मनमनुपज्योष्टेदोरोरपाराजाएकह॥ मग
 वोमणदसलोह॥ ४१॥ मणदसलोहमंगा॥ ५२॥ नेदघ
 इतवार॥ जोपरतत्तहीकंचननयो॥ होतनलागीवार
 ४३॥ राजापार्थकोइतवारलीयो॥ अररावरोएयांनील
 मोकहे॥ जदिराजानठिचोलीयो॥ यहतोतुमलेजाव॥
 तुमहीकोषसादछे॥ करोपरचप्रोरषाय॥ ५४॥ रोएण
 वोल्योदोह॥ करजोडिरोएणोनएण॥ यहतोमदोकाघरम
 हि॥ करिअरजहुंलेजाइस्यो॥ जदिघरिहोसीचादि॥
 ५५॥ जदिराजवोलेयो॥ चोयई॥ पहलीतोथेसोणमन
 वो॥ मणदोयचारिघरिलेजावो॥ एककहकहोमोदो
 कोकीज्योदिसदेसकोचीठीदीज्यो॥ ५६॥ मुरतापंडिता
 लेजुबुलाय॥ घटद्वोनहदोनदिवाय॥ पहलानीतिपु
 न्यकीकरम्यो॥ पाछेएकहोसोमोकरम्यो॥ ५७॥ जदिरो
 एपलीयोसाथिलगाई॥ नंडारड्डकोदीयोबुलाय॥ रु
 पपारोकसाथिसब्दीया॥ दिदितामाराजीसचकीयो
 ५८॥ मर्वलोगसो कहोबुलाय॥ एककांमथेकीज्यो
 नाय॥ जठेगेगाथांचलिजावो॥ जोबसहैजिदैयरचीदि
 वांवो॥ ५९॥ जदिनलामांणसबसवाहालातलेचाचल
 चोयई॥ चडुदिसिलोगविदाकरिदीदुनू॥ देसदेसके
 कागददीन्हा॥ दुरिदिसंतरिपडुल्पाजां॥ मुरतापंडिता
 पृष्ठेसोई॥ ६०॥ ४८॥ दरसणसो कहोबुलाय॥ कोकरा
 जाकहो॥ जोजा॥ जोकोइरजपूजही॥ वासकरखे॥ जो
 विद्यामोगोसोहीपावो॥ ६१॥ ज्यांमंकहचातसमजाय॥
 लोगाप्रपूरवपृष्ठेश्या॥ कोगराजाकोयवतुमचांमी

कोठवा स अबन व करा सी ॥ १० ॥ जब जत कहै ॥ च
 ॥ ११ ॥ जेत संध चौहाण नेर स ॥ आडो बलोनी कां दे
 ॥ नुने गट एक न वो बसा वै ॥ जो आय बसे ता को घर
 वी दाव ॥ १०० ॥ पहल बहना ट जो आया ॥ जो जन द जि
 को नाया ॥ बडा धडा दु करा ला आया ॥ राजा से ती आ
 ने मिनाया ॥ १०१ ॥ ओर पोणि जो आ व जोय ॥ जो जी ह वि
 मे मांगे सो पाव सोय ॥ रच्यो आर न बडा जिगि सो ॥ उर द
 गि एति सक न को सो ॥ २ ॥ ज बरा व म नामै बठ आइ ॥ म
 ता पंडिता लीये बुलाय ॥ पुरान न मै मं अपा आवा ॥ इ ब
 साग की बात सुनाव ॥ १०३ ॥ अठ को एर दछे आगे ॥ बडा
 ट बडी ह जागे ॥ पद म ग ट नाम को करी बागे ॥ आगे
 जो एर दछे ॥ १०४ ॥ सुरता पंडिता बोल्या ॥ चो य
 ॥ जब सुरता पंडित बोल्या ॥ तुमु लो राजा चित दय ॥
 पर हरार मी श्वराय ॥ अठ रा म च ड ओ धारा पाय ॥ ५ ॥
 अठ रुड आ पर हायो ॥ अठ ह नू मान पणि आयो ॥ अठ
 अष्टि म ए सी तां ॥ ले आयो ॥ अठ ल्यो कु स दो न ना य
 ॥ ६ ॥ के रिरा व वू नो पंडितान ॥ दोहा ॥ रा म कि म दिन आ
 या ॥ क दिलि छि म ए ह नू मान ॥ कु सिल्यो कु सिक दि
 दिज नी यो ॥ ता को कहो बघां ॥ ७ ॥ के रिये डिल
 ने ल्या ॥ चो य ॥ मु णि रा जा सी तां ज दि ह डी ॥ ज दि रा म
 या ति ह घ डी ॥ ते ति र बेणी त ट व न म आया ॥ ति ह घे
 म रा मे स्वर पाया ॥ ८ ॥ त हा ह नू मान मं ॥ अ ये क
 तु म जा इ सी तां करि आये सही ॥ लं का जा इ ह नू मान
 रे आये ॥ जो कि सो रा म जी ह स क ल सु णा ये ॥ ९ ॥ ज
 रा म च ड अ ये न ए ॥ क सी र ह सिले का छे वणी ॥ रा म

चंडइणिविधिकहीया॥ हनुमानवनेसागरचटिगया
 ॥११॥ यादेघोलेकाकीवोणि॥ अष्टपर्वतनरुपोंणि
 जीदिनिरामचंडजीअष्टाया॥ श्रीरामचंडजीसंक
 हसुणया॥११॥ अठसंजदिगायावहोडि॥ षष्टमांसज
 दिसं ~~वहोडि~~॥ समदवांधिलंकातटिगया॥ जहठ
 जुधअपर्वलनया॥११॥ रावणमरिकदंडसिघास्यो
 लेकावकसीनजीषणत्यास्यो॥ सीतांलिरामचंड
 रिअस्या॥ ऐकदृष्ट्योवचनमुनाया॥११॥ रांसंडुनवा
 च॥ जदिरामचंडनिष्मणनीयोवलाया॥ ऐककांमघोकोरो
 नाया॥ तुममतिमाहाकोकहो॥ नपेल्यो॥ सीतांतुमजाई
 बनघंडममेलौ॥११॥ निष्मणनुवाच॥ सुणतलक्षिमण
 गहनरिलीड्यो॥ ऐदतोमतोकडयांकीड्योड्योतोपाको
 गपाकारी॥ तुमकहस्योसोकरस्योनारी॥११॥ रांसचंडजी
 फिरिफुरमाई॥ चोपई॥ रांसचंडजीकहीयाहसचनो॥ फिरि
 नकाजेअसावचना॥ धलेमणनुवाच॥ हनुकड्योतोकै
 सीको॥ अबकोसिधिवणहेमोण॥ पातोकुचुधिविचु
 री॥ नूपतजैकोघरकीनारी॥ असाकांमकचडुनहीकीज्यो
 कुचुधिमतोकोजीवधरीज्यो॥११॥ रांसचंडजीनुवाच॥ चोप
 ई॥ वहोडिरामजीबोल्यायड्यो॥ महाकोकहोफिरिजिनदे
 ड्यो॥ महाकोकहोवचननमेहोकरह॥ तीहकारणमहाक
 वड्यो॥११॥ लक्षिमणनुवाच॥ चोपई॥ जवलक्षिमणबोल्यान
 वणिकराया॥ योहतोडुकमकरोनहीजाजीवैसीकरीयां
 असीविचारी॥ कहिविधिकारणिथोलंकाकारी॥११॥
 जदिरामचंडजीविजिबोल्याअसै॥ अबकैमहाकोकहो
 करिजसे॥ अबतकतोतैकहो॥ नपेल्यो॥ अ

नलटिकरि को प्यो॥ अब धारा मने मे ओर ही आई॥ फि
रि ओ हो दी बात कह आई॥ पातो बाद मा डोइ ठोर॥ थोइ रि
हो महे ने जं ओर॥ १२०॥ जिदि फेरि लि छ मण बोल राई॥ ह
थ जो डिअ अर ज कराई॥ जै सो डुक म करो श्री राम॥ ज
ठ कराया को बिस राम॥ १२१॥ राम चंड उवाच॥ जहा बन पं
ड नु ज ड होय॥ आसि पासि बस्ती नही होय॥ जहा सीता मेल
हो जाय॥ पाछे बेग आचो धाय॥ १२२॥ सीता माता को बन मे
ल छिमण ले चाल्यो॥ चो पड़ी॥ ल छिमण लीन डूर छम
गाय॥ ताम सीता ल डब आई॥ सारा बन पंड फि रि देष्य
सकल ठोहार बस्ती हीयेष्य॥ १२३॥ चल्या चल्या तब ईंद
ठ आया॥ यो बन सारी नु ज ड पाया॥ इत धं धे डो नु त नाग
चाल॥ सरव सनां डंगर असराल॥ २४॥ इक बन पंड अ
र डंगर मोही॥ अन ड पर बत प्र नंचा ताहि॥ जल छिम
ण र छम गायो॥ आप च ल्यो बन सागर आयो॥ १२५॥ जीठ रषी
श्वर खै तप कराय॥ गहर कुंड सो नीर न राय॥ जैठ सीता
राषी आंणि॥ आपण करि गयो अं जो धातांणि॥ २६॥ जहा
कुस लो कुस सीतां कै नया॥ जिहि परि रषी स्वरंग रषी म
या॥ तहां छे नया दुवा दस माहि॥ दोन वीर अहे ड जां हि
॥ १२७॥ दोन वीर नया अति बलवत॥ तिण तो करी राज को
मत॥ ल्यो तो गोवनी बली बसायो॥ कुमि जिन कुच तलो
बसायो॥ २८॥ एक मंडली बली मधे॥ जहा सीता कै॥ ल्यो
कुस जो धा नये॥ दोन नै नीति॥ १२९॥ इती प्रथम अध्या
य॥ २॥ अब पद रघिर है सो कथन कह जे छै॥ सुरता पं
डित उवाच॥ जापी छै पद मर गिर ह जहा॥ जीको पहर
बंदो तह जहां॥ ताकी बात सुणै जो राय॥ जाकी मद्दम॥

नाय॥ ३॥ जीकैकुतोपार्थपायो॥ ताकैरही
 नहीकाहुकीचाहा॥ जठपदमरघ्येकतालवेंका
 यो॥ ताकाव्याहवकोठाठरचाये॥ २॥ वोरधिलिछमी
 सौअतिधायो॥ जिननुठबडोएक॥ जगिथाप्यो॥ मोअ
 थदिसामषवरकराई॥ इतेरषीसुरतेसकलबुलाई
 ॥ ३॥ ओरदेसदेसकेराजाप्राय॥ जुरीयादलजोतंकाठ
 ये॥ जहअंशनोजनवहुदीजे॥ फिरव्यालूकीबुताकी
 कीजे॥ ४॥ तहारधीस्वरअतिसुषपाये॥ हरधिरधित
 रिकेगुनाये॥ षट्दरसनवहैअनंदकीन्हा॥ राजारा
 वअतिसुषलीन्हा॥ ५॥ स्योहोमअगपरीनईइंडु
 रीन्योबातागाई॥ मुनिराजजगिपूरनकीन्हा॥ पदमरघी
 श्वरअतिसुषलीन्हुं॥ ६॥ जवरधिराजपहेरावणीकी
 न्ही॥ सबकाहुनअपादीन्ही॥ सवरधिराजयकमते
 बिचास्यो॥ यहबननामअरहीधरो॥ ७॥ माराक्वन
 यकयोनाथ्यो॥ इनकोनामपदमगाढरायो॥ तवतं
 नामपदमगाढवाज्यो॥ अंठरपीस्वरपदमविराजे॥ ८॥
 रषिकोसीषइकराजाअहि॥ सवरधिमयाकरहेतोहि
 रेनिदिनसेवातेकरे॥ नाक्नक्तिहिरदे॥ मधरे॥ जिहरा
 जहपाश्वीदीन्हें॥ पदमगाढकोराजाकीन्हें॥ ९॥ दिहा॥
 तठबेठोरजथीअधरारी॥ नैससेनितिहनाम॥ सना
 नोजकीसीदियै॥ कैरेक्कमज्योकांम॥ १०॥ जाकोराज
 वरनोकोसकै॥ च्यास्योदवमिकीन्ही॥ धरतीजितीथ
 कैपडे॥ ओस्रापणोंजसकीन्हुं॥ ११॥ चोपई॥ जिदैकै
 जीरसैच्यारि॥ सौंप्योराजइतनूइतचार॥ राजाकैरा
 णीमैसात॥ कैरेबिलासदिवमअरराति॥ १२॥ मकल
 राणीराजाकीविदीत्याहपरिओरमावकेति॥ तराज
 अतिकामीनयो॥ कामचसिति ॥ १३॥ कां

मीरेण दिन कांम बिसारे ॥ नलीबुरीजी वन्ही बिचारे
॥१४॥ कांमीत कै बिगानी नारि ॥ कांमी कहे हीरां मस
नारि ॥ कांमी कहो को को न बिगोयो ॥ ऐड्कांमी ल
कापति मुचो ॥१५॥ नरु से निपद मगट राजा ॥ बच
नका ॥ नरु से निपद मगट को राज करता बड्कत दिन डुव
तव देवी एक मका सौ अंड ॥ सले मान पकं वर सौ ह
रिक रिआई ॥ अर राजा कै पछे रही ॥ पाशं संपै कं वर नी
आय कि रि कह्यो ॥ माहों को रछे सौ निका लिह्यो ॥ ज
दिराजा चोर तो दीयो नही ॥ अर लडाइ करी ॥ सो राजा
हार्यो ॥ जदि देवी तो नगाई दी ॥ अर अपसो गनषाई
सराय लीयो ॥ जीका सराय सो चार सै वर सज्ज डरह्यो
॥ तो दई ॥ पुत्र बिना आगे घर मुनू ॥ पुत्र बिना पां नो होय
सुनू ॥ जिहें को राज बिजन सिगयो ॥ जिह पाछे गट्ठ जड
रह्यो ॥१७॥ जिह न डूचा चारि सै वर स ॥ बधिगयो बर
आगे ये सरस ॥ जब का अंठ सहर बसाया ॥ ईधर तीन
एही बाया ॥१८॥ अंठ निकट राज ली होय ॥ एगठ है फिर
बां सहे सोय ॥ सत जुग ने ताहा पर हूवा ॥ बडा बडाराजा
हो मुचा ॥१९॥ जी पाछे कलि जुग आय ॥ ज्यारा जं जायगा
सहर बसाया ॥ बिकट जायगा धोवा करि छोडी ॥ सह
ज जोइ गां वस्ती करि मांडी ॥२०॥ चौयई ॥ या जायगा को
यो नही देखी होसी ॥ जी की बात कहे था जोसी ॥ राजा अ
ठ अमानया ॥ सब का हू परिकरता दया ॥२१॥ या जाय
गात पसी की आही ॥ आदि अंतरि घिरा जकराही ॥ जिह
की कांणि नचू के कोई ॥ जिह न लई रषी स्वरयोई ॥२२॥ जो
रषी सुर अठ रहता ॥ नरण पोषण क्यौ करि होता ॥ राजा प
डित न पूछे ॥ ये तो कहो अंठ वस्ती नही होई ॥ वैर रहता
ते बाया ताकांई ॥ इवन मट मेवा बड्कनाति ॥ कदम लह

ताकइजाति॥ देवतागायजोमेवाजीगया॥ कलिसारूप
 लपदानया॥ २५॥ चोपई॥ बडावडायेपंडितआया॥ सर
 तापंडिताकोकिबुलाया॥ पुरातमपुरषआयजववेध
 षट्दरसनजवनयाप्रकेठ॥ २६॥ अबसारा मिलिकरि
 मझुरतदीजे॥ ईगदमेजोतांगलकीजे॥ नक्षत्रि
 चारिनलीतथिसोधो॥ बनफलदेदेवताप्रसोधो॥ पंडि
 तमझुरतसोधनलागा॥ सारामिलिकरिबटाआगा॥ जे
 पारबहमनमोहिचीचीन्हो॥ गणेशसरस्वतीतांबजन
 न्हो॥ गणेशदेतासमैजवही॥ पोथीपंडिताकादी
 तवही॥ २७॥ करपडीलेपदोधरिआगे॥ ओरविचारहाय
 तिहजोगे॥ जयअजयनक्षत्रहरो॥ हम्बचक्रनिजरिन
 रिकेरो॥ २८॥ बारहलागनिमिलिकरिसोधाजहां॥ ने
 ग्रहपूजालीन्होतहां॥ रबिसोमबलदेघोआया॥ पुत्तन
 क्षत्रनृत्यमठहराय॥ २९॥ जहां॥ सकलसनामिलि
 वठिके॥ राजाबोलएड्डा॥ मझुरतकादिनदेधीयो॥ सो
 सबहमसोकहेड्डा॥ ३०॥ पंडितनबन्ना॥ नतिममासव
 साषको॥ आषातीजगसुवार॥ पुत्तनक्षत्रमिधिजो
 गकह॥ चलोदुपहरीवार॥ ३१॥ तजरोएमातकोड्डा
 हथे॥ जबरजरोएमासोकहै॥ एकवातसणिएड्डा॥ नि
 तरोलोगएकठोजयो॥ तेसबकोसीधदेड्डा॥ ३२॥ काड्डा
 नजाणदेड्डासति॥ आडादिननांगलजिता॥ जवला
 राषोअरजकरि॥ ओरबुलावोकिता॥ ३३॥ चोपई॥
 जवनांगलकीसोमपीकीन्ही॥ देसदेसकोचीठी
 दीन्ही॥ वडाराजाचलिआया॥ चारणनाटघण
 हीआया॥ कीन्होसोमानजगिकासो॥ ३४॥ जुडगामनि
 क्षगएतीन्हीकोइ॥ ज्पानमुक्तासीधादीया॥ जोविधि

मागैसो विधिलिया ॥३॥ महैदसचून पिमायो ॥ दोयसहंरै
 मणघितमगायो ॥ च्यारिसहसेमणतंदुलप्रायो ॥ पांचसह
 समणचणंदलाये ॥ मोठमसूरमृगजडदलीन्हं ॥ मिशंन
 मगायकैकहगलकीन्हं ॥३॥ सकलसोमंनवोहरएक
 कीन्हं ॥ सहसैकमणतैलवषाणै ॥ पांचसहसमणसो
 नरिजाणै ॥ औरचलायोबडुतहीमाल ॥ तेराचैतेराक
 मालै ॥ राजापरिजापडुंच्यात्राय ॥ सबलोगनेनाडुवाजाय
 ॥ आषातीजतेआनंदकीन्हं ॥ पुत्तनत्तचगरुबारसली
 न्हं ॥४॥ बारासैसाबलजाहकीन्हं ॥ सहसबोलरजपू
 तांदीन्हं ॥ ब्राम्हणबेदधूनिजहाकीन्हं ॥ कैरहोमआडु
 तनुचार ॥ चारणैनाटविडदावलीनण ॥ जाचिगजागा
 चोगडदानै ॥ ठामठामरसोइहोई ॥ गछमैसाच्यागहोई
 सोई ॥ तबजीमिरसोईबठादरवार ॥ राजापूछैकरोबिचार
 यागढकोनांवओरहीधरावो ॥ आगिलोनांवपेट्टरि करावो
 ॥ वैदोनाईबठाईकठावराण्यै ॥ नोण्यैकाछैकोनांवै ॥
 मोपंडितबैल्याजाम ॥ राषोगछरणयंनकनाम ॥५॥ इहि
 विधिमेतीनांगलडूवो ॥ गलगजसूदीनांसात ॥ राजाप्रजा
 वनणसहीषटदरीणजीजात ॥६॥ जबसकललोगविद
 कीयारुडादेमिरयाचै ॥ ज्यांसुराजायौकद ॥ अठवसि
 ज्योसबवेगात्राय ॥७॥ जेताकारीगरलोगजेकद ॥ सो
 वसायासारागछमांहि ॥ सोदपारजैहारीआयाघरणं ॥
 जडावघडाचैविधिबिधितणं ॥८॥ दोहा ॥ वारहबेदा
 रारवाकै ॥ ज्यांकोसूणैजनांव ॥ वडावडाजोधासूरवां
 वडावसायागांव ॥९॥ लोगावबडाकिसाकिसावसा
 या ॥ चौपई ॥ अहलादः नीवः अरबसदेव ॥ नरतस्पधः चै
 रीमालः बीरमदेव ॥ बलिदेवः बिजैपालः अरकुनराज ॥
 बीहलणदेवः बीरमदेवः हसीरदेवः श्रोतबघराज ॥१०॥

मोराजासैंजौलारहै॥आपआपकागांवारहै॥राजागढप
 राजकराई॥जाकीदूरिलगफिरदुहाई॥५१॥अहलादम्य
 घआलहणपुरबसायो॥नरतस्येधनदलाववसायो॥
 नीवनीरहौनीहरणजाय॥वासदेववावईवसाई॥च
 लिदेवरःवीरमरहौवलौवणिवसाय॥बैरीमालतेवस्व
 डोवसायो॥बिजैपालतेबिचपडीश्रायो॥५२॥कुंजारा
 जावसाईकुंजलमेरा॥वीलहणदेवसायोवौलीगाढ
 धरि॥नरथस्येधगांवहजोवसायो॥चूरीपहाडीनोवरषा
 मो॥बोतोवासतेठजायकीन्डु॥जदिनदलावहमीरदेदीनी
 वषराजरहौहजरि॥नघेंसंराजाकैरहीदूरि॥५३॥दोहा॥
 गढतटवागवोहोयणा॥कूवावावडीताल॥सवपरवत
 जलसौनस्यौ॥जहांवहसदाहीताल॥५४॥राजनमौअति
 रावकौ॥वीत्यावडुतवरस॥जीकाप्पारअपेटमं॥राषजीव
 थसरस॥५५॥एकहिरणतितसिंगको॥तासाधीरहेंवडी
 डारि॥सोरहनागरचालमै॥लीयोहिरणमै॥५६॥
 चौपईतेनागरचालको॥मालसद्यपायो॥सबैरतिमिलि
 मतोनुपायो॥गोडूचणोन्होपाय॥ताकोरतिमलि
 मतोनुपायै॥मारामीलिकरियाठहराई॥राजापामिपु
 कारांजाई॥जायहकीगतिसकलमुतावो॥जेचढ
 यकैअहल्यावो॥५७॥सोमिलिकरिसारागढपरिगया
 राजासेतीकिसाजनाया॥हिरणएकमालसारोहीषा
 यो॥अनजानतफिरतगणानजाय॥धाराजाधरतीका
 धणी॥चटिकरिचालोथांकेहारे॥जठयेलोआपमि
 कार॥६०॥राजामुनिकरिअसवारीकीन्ही॥स्वानडो
 रिमगायकरलीन्ही॥६१॥

५३
 महर्मेतेजेताअया॥६२॥चोपई॥तिगडडगरीचढीयाजा
 य॥तेठैहिरणगाननिजरियराय॥कुताछेडिकेरिलोरदीय
 दोयच्यारिहिरणमारिकरिलीया॥६३॥जबराजाजीप्रजा
 लोगसोकह्यो॥अबथेजायनचिंतारहो॥दिनिनुठिसी
 कारअठह्येआस्य॥साराहिरणमारिलेजास्य॥राचक
 हयाहीछेदोली॥लोगकहयातोछेवैली॥कहपंसक
 झुसतरिरहे॥कोएकमतदोयसरहे॥चेतीनसीगीकीवरी
 छेडारिजीकीनेघेरहेपाचसैलाग॥६४॥जीनमारोदसु
 जास्यो॥महाराजितिनकोकांडंसारो॥राजाछेल्योथेसार
 घरिजावो॥अठफिरादिकेरिजितिआवो॥थांतघेहेयाये
 जेदा॥अबमारिस्योमारोषेदि॥६५॥दिनकैजायराजाअब
 दो॥सोकदेतहोयराजातनेटा॥तीनसीगीकदेदायिहीआ
 वे॥अरहिरणमारिमारिसोल्याचे॥६६॥इहांकरतकरत
 बरुतदिनघीता॥घणथोकतोकीन्हारीता॥तीनसीगी
 कीसापिघोडोडार्यो॥वोतोनाजायेअरघोडोहस्यो
 ॥६७॥चोपई॥जबराजासनामैबैठेआय॥जदिहीहिरण
 कीबातचलाय॥याकोपंडितकरोबंबेका॥अबहिरणज
 देष्योतीनसीगीकोएक॥६८॥अबतांडहेमुण्योनदेष्यो
 अबदिनकैदिननिजसजयेष्यो॥झुचसौपचिपचिहास्यो॥
 सोतोनहीजायछेमास्यो॥६९॥तदियंडितबोल्या॥ताहि॥
 वाकीषालाअतिनतिमतहि॥वाषीषालहायिजोआ
 वै॥पंडनरतांपिअतिसुषपावे॥७०॥नपरिवैठिजायजे
 हाशीमीक्षमुक्तिसिधिपावसोशीवाकोमांसनरजोषाय॥
 तयबोल्बजुगजुगल्ये॥७१॥चोपई॥राजाबडेकबरजहावि
 दाकीन्ड॥अहलादसंघबीडोदीन्ड॥अर्नहिरणतमारि

चो

५४

२

ज्यो जाया॥ तोमहं केसपुत कह्य॥ ७०॥ दुंपणिजीवमुप
नं नारी॥ अक्खि लिवा तरह जासी घारी॥ दुजणि सो गट
यां निसीतही॥ टीका को घांव व हो सी ज हि॥ ७१॥ अत्रा लग
सी कवर हिरण मारि वा परि दिवा कीया॥ चोपई॥ वहुत म
थे दे दिवा की नु॥ महाराजि नोग साथि सव दी न॥ जेच
ठि आगे होय ना ला करता॥ मीराजा की साथि ही जाता॥
७२॥ जामि लिघेरि कर श्रम गौ॥ सारा साथि गया तिहु जोगे
जेठे च हिरण चरे वहु तेरा॥ जयै जाइ कवर ने की न्हं घेरा॥
७३॥ सोचो गडदासूनी न्हं घेरा॥ तीन सी गी को काघो देरि
जो कवर जीनि जरि वताये॥ कवर देषि वहुत मूष पाये॥
७४॥ जी परि बागे मे लि करि धुटे॥ मानूं पंछी परि सिधरोट
टो॥ दोडो हिरण पंछी की नोडी॥ घोरो को पोहो चै लिहै कंता
ही॥ ७५॥ घोरो डाए नरे अति नुंची॥ जी घोडा लीखो डी पृं
हिरण नागिदस्यो घन मंही॥ जहां घोडा को वसय पंजें ता
ही॥ ७६॥ कवर न तरि कै पालो नयो॥ करि काश वन मे धासि
गयो॥ जब देख्यो हिरण नुने आगे॥ महा देव गोर तिहि जा
गो॥ ७७॥ जब महा देव को दरम एनयो॥ पाप दोष मचक दिा
यो॥ जव जाइ रुड को मेक जदी नही॥ दोनु हाथ जोडि कै
सेवा की नही॥ ७८॥ बडी बार ल्यो नुनोर हो॥ तव पार्वती
वोली रुड सो कह्यो॥ थां कीराजा एक कर छे सेवा॥ किदि
कारणि ताको पूछे निवा॥ पारवती की सुणी छे वोली॥ मा
देव जी तव पलक पोली॥ ७९॥ श्री महा देव जी कवर म
पूछे छे॥ चोपई॥ महा देव रुड जी सेवता लाया॥ तछे को
एक हां संप्राया॥ थां कै गट जोराजार
रयो एक है॥ जीत मो हिरण मगायो॥

कौयहृदिनकैडरपावै॥ तोहीन्याययोनागौआवै॥ थारैह
 पियौकैकरिआवै॥ ६४॥ मागैमोहीनरिपावै॥ इनकीबात
 नफेरिचलवै॥ थाकोइलेस्योइतकैतोई॥ योतोथाकैजीव
 नाही॥ ६४॥ कवरमहादेवजीसंअरजकरछै॥ थाकोबक
 सोमबेघरमाही॥ कोइबातकीचंताछैनाही॥ गोवप्रगनाह
 थीघोडा॥ सोनूरुयोकपडाजोडा॥ ६५॥ योहिरणगापिता
 मुषपावै॥ नहिरिमृतअपजमआवै॥ इसणकोफलमृकप्र
 ह॥ मोनपिताबहोतकरिचाह॥ ६६॥ सोमहादेवजीबोल्या
 नही॥ अरपारबतीजीनुबाबदीयो॥ ६७॥ विधिफेरिकही॥
 चोपई॥ योहिरणगहकरिंदीजे॥ इनकोबोलतुपरिजोकी
 ज्ये॥ याबतीकनुपजीदया॥ महाराजियोकीज्येमया॥ ६८॥
 थाकादरीणकाफलपावै॥ थाकोपितायनकोचावै॥ ६९॥
 जदिमहादेवजीबोल्याअसै॥ योहिरणलेजामीकैसे॥ हिर
 णतोमरिजामीजाताहीअसै॥ थाकोजयइननहीआसी॥ था
 कोताहकपापहीआसी॥ योहिरणदेसीयाकोसरापजाके
 याकोलागोपायै॥ जोकवरकामतमेनाछै॥ सोतेबस्तहाथिन
 हीआवै॥ ७०॥ चोपई॥ थातोआगमकीबातकहाई॥ सोतोइ
 नकैचितनहीआई॥ थाकोचितहिरणमजोई॥ थातोबकसो
 योजाणसोई॥ ७१॥ जबमहादेवजीअपादई॥ हिरणलेघरिचे
 गाजाबोमही॥ कवरमनमउषाहडुवो॥ करिडंडवतहाथ
 ॥ हलीन्हो॥ जीवमेअतिआनंदकीन्हो॥ ७२॥ कवरअसवा
 रघोछेडुवो॥ हिरणहाथिकवरकेडुवो॥ आगोलेमिलिचा
 ल्यातबही॥ वोप्राणमुक्तहोगाजबही॥ ७३॥ चोपई॥ जय
 कवरअतिहीमुराजयो॥ सारोसाथबहोतपिष्टतायो॥ जदिक्
 वरकहेबगारीआवो॥ जाकेसिरयेदेगाटिपडुंचावो॥ ७४॥

कितराहीवरसलडतोडुवा कवरनमरावसाराचलिगया
 अरकितराहीदिमलगाया वडावडारजपुतमराया
 मेहेतोगटिनहीजाम्योनाई॥योमिरासोयोराजाजाई॥
 लेहिरणवेगारीचल्या॥गलामैदमीरेमिल्या॥१७॥हमी
 रदेगाहोतपूछी॥पूछेकवरकोठामेंल्याया॥धिगाम्योद
 ही॥मंआया॥वेगारीकवरनैजुवातदेछे॥वडेकवरया
 आपकहाई॥योराजाहैसोपोजाई॥जदिहमीरदेगास्या
 कोज्वावसंगिछलकीये॥हमीरदेहिरणअगोधरि
 लीन्हं॥मूजरोजायराजामोकीन्हं॥मिरगनिजरपडतराज
 सुषपाये॥सुसीडुवोअरयोचमिदाये॥राजाहसिहमीर
 सोबोल्हो॥हिराकोपटेजदोहीघोल्हो॥२०॥राजादमी
 रसंपूछेछे॥राजापूछेछोरहाथियोकोकरिआये॥हमी
 रनुतरदेछे॥महाराजिकापुन्यमोल्याये॥जदिराजारा
 जीडुवोअरमोताजदाही॥दजारमेहिरमिरापावदीन्हं॥
 तेजादवापरिविदाकीन्हं॥जदिहमीरदेराजासुअरज
 कोईकरछे॥सोरठा॥हमीरदेकहसुगिरावतीजोकोई
 नासंग॥डुकरमोइकदाववैसराडुमारिये॥२४॥हमी
 रदेजदिवीडोलीन्हं॥जादिनहीनदलावडेगदीन्हं॥को
 डुसेतीन्हीवातचलाई॥महजसहजदीयन्यामिजाई
 ॥५॥योजादवनकोतांगजोसोईजदकीगिणतिनरा
 थिकोई॥६॥एकदिवसमामांकेगये॥दाथजोडिकेठाजे
 नयो॥करिवातगरीवकीनाई॥कहयेपालेमदारतांई
 ॥७॥येसारीवातांजांएषेवठाअधमनजागोदोको
 या॥माहांसराजामूछेबोल्होनाडि॥८॥
 दि॥९॥मामेकवरनैदिला॥मार्दी

नीकीनीकीवातनकान्ही॥जौजाणैजौआवगोगामै॥तोवे
 ठोगुदरांनकरैगोमहामै॥१॥थोटीलनकरैजिनबेगाजा
 वो॥सारीलोगबसीलेअठेआवो॥नंठकोथेथेडोनाव॥
 थोनअठहीदेस्यागांवै॥१२॥जदिहमीरसोसोदेकाइकहै
 ॥महारीएकअरजछैसोसो॥हुंआनेधूआकागामा॥नगसे
 हुंघोष्टलो॥तोयकवारथेनुठवाले॥१३॥एतीकिरयाम
 हासूकीज्यो॥एकरसोइमाहोकेजीज्यो॥थोसकलजाद
 वेहीन्योतिबूलवो॥नंठहोयमृतलेअवो॥१४॥थोराघोषे
 माहापरिमया॥तोजीवाकीकीज्योदया॥अरसोमोजीइ
 तोकीज्योसोजादवाहुन्योतादीज्यो॥१५॥हुंजोनंठेनंदीन
 गो॥सोमानकरैछेअगानअगो॥जोकोइठहीआवैतोअछी
 नहीवातदिषावै॥१६॥सामूहमीरदेसाएजानकाइकहै
 मामूकहैमुणैरनाएजनाई॥थोसिवायमाहाकैछैकांई॥
 थोलेवाहैआस्यासारा॥हेतोचाकरछापारा॥१७॥हमीर
 कहै॥अजिजोकहीछेमाहासू॥हुंतेकोकह्योकरिस्प
 थोसू॥हुंतोथाकोसदाहीसास्यै॥सारीबसीलेअठेआस्यै॥
 ॥१८॥करिसामूकांईकहै॥बलनका॥जदिमामैकहीक
 धाडआस्यो॥अरकैसैदिनलोगनबुलाकैवो॥जदिमामहं
 कहै॥अजियोचोथेदिनआज्यो॥अरसाराडीलाडील
 हील्यज्यो॥जोथेमहारोजलोमनावो॥तोएकडीलाछेडि
 जितआवो॥थोडआवोतोजोघरिजाज्यो॥मूनचाहोतोसब
 हीआज्यो॥जदिहमीरहमीरकेसोमैउतरहमीरनैहीजो॥जो
 पई॥थेकांईकहोछेवारुंवारा॥हेनानामोटाआस्याम
 रा॥एकहमीरकवरनधलावहीअथो॥मातासेतीमतोक
 रायो॥१९॥मैन्योत्याछेसारामामो॥हुंजोनंठेवाकागामो॥

वनौष्टेयवेगाश्रयो॥ताकेताईसीधोकरावौ॥२१॥दहिव
 कजा॥दहिव॥कैजाणैहमीदि॥कैजाणैरोवे तजिकाति
 नहीपडी॥इसडोकीनुदवि॥अताठासीधाककीन्हा
 गोफुमगायापीसणदीन्हा॥चावलघाडघृतमगायाच
 एमगायवेसणकीन्हा॥ममकेसीनूलीयोमगाय॥शालि
 मारलिअरदालिधूवाय॥अरचीटीवराकीन्ही॥मोमडा
 ईगांवादीन्ही॥लावातीतरअनंतमगाया॥अरवनाम
 कामाशलाकछवाया॥सारावनकापंशीआया॥लागा
 मारिवेदिसवकरीया॥न्यारेन्यारेमांसरधायो॥सर्वका
 इकैघृतथपय्यो॥२२॥मादसुलाकीन्हान्यारादेदेमुसले
 घृतमोहराया॥मासवाधिकैचक्रतलीया॥पकोडाकेइक
 दधिमात्तीया॥२३॥वाटि०मासपकोडाकीन्हा धोलापी
 लाममात्तानीना॥२४॥छतीमनोजनवेसणकाकीन्हा
 चावलमृगमसूरखडी॥जडसोठचोलाकीवटी॥अचु
 लयचलातलायाधीमै॥बहोतमृगांकीदालिदीजीमै
 माअरिंटीवाटीगोला॥तेतोमुक्तिधीरतचनोल्या॥२५॥अ
 रवणाकाडीराहुवा॥मेथीवैगणअरवणवानाडी॥नरी
 तोनटाकोतेआण्याकीफली॥अरमुणवालेलीफली
 मृगांपालिकासिरघोगडी॥वाडीकोसागराधीचांनाईनी
 बूआबअथालेंआयो॥आदेहलदअन्कलात्तय्यो॥२६॥
 पकोडाअरपीपलिकोथोणो॥मुक्ताकेरअरअचलअ
 णो॥अंधिवंधईअरमादोन्यारे॥पाठेमठेअरधुकोरो
 २७॥पीरयांडमीटोपचधारी॥पुरीकरचोरीनूझ्यारे॥फुल
 दामकीजाठीदोडो
 २८॥मात्तादायचुवाडी॥गुलमुक्ताकीजड

गीतिजारोगोली॥ देदेपुटधतूरोघोली॥ सीमीमहरोविषु
 वायो॥ आकलकरहअरजायफलन्यायो॥ अगाडीमह
 रीमडहोकीन्हो॥ वीधीओबलागुथिकैलीन्ही॥ ३३जीम
 हाथनहोयपसारा॥ जीयेचढायामुक्ताफारा॥ बडीचोडा
 यमदोडरघाया॥ फलसादोयमोदकमबेधाय॥ अरहि
 नूडीलसोलीयाबुलाया॥ कङ्कंमसोकीज्योनाई॥ ३४॥
 दोहा॥ मगलाषडायेबाछदेसिकलकराया॥ मुक्तादां
 मदिवाया॥ सकललोगराजीकीया॥ ३५॥ सोरठा॥ येम
 राहजूरीरहो॥ जबलाजादौजीचुकै॥ दिनदोयलाअंठर
 हो॥ कङ्कटलोमतिदूरिही॥ ३६॥ अबजादौहमीरकैजीम
 बान्नाया॥ अंठजीबाआवालागाजादो॥ नमणिचल्योघट
 जोनादू॥ चाहायातेसगलाआया॥ सबनहोनांमोटासा
 पीलगाया॥ करिमनुहारिअमलमगाया॥ रचियोतिहते
 तोहीयाया॥ नहोतजतनकरिहीडोकीन्हु॥ जिहकैकाजि
 बेठनूदीन्हु॥ नदिचलेजीजीमरमोई॥ हाथयावथाधोडारो
 धोई॥ आधीनहोयकरिङ्गवाप्यार॥ लावोधोईधेरुधरोह
 पीयार॥ सबकाहथीयारयोयकैलीन्हा॥ सोसबकबजि
 आपणैकीन्हा॥ न्यारीन्यारीपातिजकीन्ही॥ पातिगसा
 रुबैठकदीन्ही॥ डीलडीलवैन्याराकीन्हा॥ जामेअोर
 बैठवान्हीदीन्हां॥ आडेलोगसबकीन्होन्यारो॥ चाकर
 लोगसबपरहोडारो॥ जाकीकेश्यांतिकराई॥ पातलि
 जाकैहिकधराई॥ घालकचोलाअनंतमगाया॥ सोडी
 लांकैअगोधराया॥ ३७॥ हमीरकवरमामांमांकीपरू
 सगारीकरैछे॥ अरमामांकीतिमनहारिकरैछे॥ अरअ
 यकाडीलबुलाइसमस्याकरैछे॥ अबकवरअमलया

लीमांमोनैकरावैशै॥अरहायमैप्यालोदीन्हू॥फूलकदाए
 नजामृकीनहुं॥रहरअमजयुवावैशैअगो॥फिरवतकै
 हेठोकैलो॥सबलाग्यादासुकैतांई॥ऐकऐकतरकारीप
 सतलाइ॥ताकोपरुसतपहरलाइ॥मघहैअमलप्र
 परवलअये॥४८॥हधीरनआपकाडीनबुलाया॥जीदि
 नजामृवातचलाया॥राजामृतवीडोदीन्हू॥जिहिकाजि
 इहिसौहठकीहने॥डीलईलितेवैछान्या॥थाडीलह
 मारोमारा॥ओजीमणजीमैसोईजिहिमैऐकांमजोदो
 या॥५०॥जीदितजामृवातचलाया॥होतालोगतैसकलबुलो
 या॥सोनीयादीकहसमजाया॥अठालोगतैतोजावादीज्यो
 डीलडीलधांसाराजीज्यो॥५१॥देवूधाकादायजनाडीरदमी
 थांकीवातजसवाडी॥राजामहोसुंदोसीराजी॥अररदजामी
 आपणीवाजी॥५२॥सकलसाधसौअसैकदी॥वांमथाउ
 नारहो॥दीडाकैमसिनेलाहोजावो॥इकमकरिस्पोसोदी
 करस्या॥हथीयारचिनौकोइ॥ऐककांमथांकीज्योसोई॥
 सबहीलोगजायकरिनित्या॥वैसबदासुकाशल्या॥मोको
 ईउनापोननुडाव॥कैइनरिनरियानील्याव॥कैइप्याला
 बतकनई॥कैइउनाकैइमसकरीनई॥कैइतरकारीले
 अथ॥कैइउठिनोजिनदीआव॥मारानुनावरीयांताकै॥दा
 सैमैवैनरिनरिषाकै॥५६॥चोयई॥पुरसतपुरसतपुरोनये
 जबजीबाकोदूवोदीयो॥कोइहंमिहमिगसजोयायो॥को
 ईटुगटाचोघेलाय॥कोइलेटिआसुसोव॥कोईसोबदु
 लिहलिजाव॥कोइहसबाकीटिगलाइ॥कोईरोवकोइ
 करैदेरागी॥५७॥घोलादेयरामदीरी॥यछेउई
 री॥जोयेऊडाऊडिऊटकावहो॥५८॥नार

मह

सब लोग मारि एक बाकी न्हा ॥ और लग सव जा बादी न्हा ॥ वासारे
 न दग दिवायो ॥ वचिर हौ ते लोग जिवायो ॥ ६० ॥ इसो ना एजे
 की न्हो काम जी मा मा की तो डी मा मा ॥ जी घरि राज दरबारै जो
 ई मील के बिरति तिह के घर सो ई ॥ जिह धरि ना एजे नी पटा
 वै जो राघे ते ए पटा वै ॥ कोटि जत न करि देयो को ई ति धा
 नि ना ए जो इस डो हो ई मातारो वै हस की नी नी ॥ और हमी
 त ई सडी की न्हो ॥ सो तो छ डि ओ धै मूछे पडी ॥ जबै हमीर अस वा
 री करी ॥ ६१ ॥ हमीर सो सो ते मारि मा मा के देस जा तो डूवो ॥ ज
 य देस मै धूम मचायो ॥ मा मूडू वो सो ना घो मां री ॥ आय
 मिल्यो सोली यो नवारि ॥ ६२ ॥ क दिवाय को ॥ धणी बिन
 कोणै केर चढाई ॥ धणी बिना कोण ले लडाई ॥ धणी होय
 घर को रघुवालो ॥ पराइनो मि सें चाहे चालो ॥ धणी होय तो
 देस हरायो ॥ धणी बिना लोग हीणति नाये ॥ धणी बिना धरि बा
 हरि मृत ॥ मति को इहो ड्यो धणी बडुंग ॥ ६३ ॥ चौरई ॥ जा
 दौ मा स्याक वर बुलायी ॥ जा की सुधिरा जा सव पाई ॥ पछे
 देस मै गयो चलाय ॥ जाय जा देवाटी बडुत पजाइ ॥ ज्यो जो
 राजा प्रवरि सुणाई ॥ घुसी होय राजा सुष पावै ॥ जी का जीव
 म कुवर वसलो ॥ जी आवा को न्हो लीह नृगलो ॥ ६४ ॥ चौरई
 ॥ जै जाय हमीर न अनडन वाया ॥ माग लोग न घै डड मगाया ॥
 सब जा दौ वाटी की न्हो जेर ॥ जठुहा इ आयो फेरि राधिक
 मेती अमल जमायो ॥ दाम ले अय नै धरि आयो ॥ मकल दा
 मले माथि जली न्हो ॥ जाय राजा मेती वात जकी न्हो ॥ ६५ ॥
 हमीर राजा रंघाय मिल्यो ॥ अर राजा की निजरि करीये
 फेरि राजा सो वार हमीर संको ई कहै छै ॥ राजा बोतरा जी डू
 वो ॥ हमीर कर जो डिही घे हवो ॥ डव्य सबै हमीर ही दीयो ॥ अ

तिआनेदहिरदा मैकीयो॥ जवराजो कचातचनाडी अच
 थांमारोजसयाल हैजाडी॥ तोदुयमिदहमारोनाडी॥ पांदेमो
 गढकोटीको॥ ६८॥ हमीरकहछे॥ जवहमीरकहोगाजोमे
 ती॥ एकचातथांकीज्योएती॥ तीजाकैकानियाचातननय
 क्रांक्होथे महारैतांडी॥ मवलोगाआगेकुजमकरीज्यो॥ मा
 लिकादिअररोमनरीज्यो॥ दरवारमोममनदकरावो॥ मा
 रोआगेअयजसगावो॥ ६९॥ चोपडी॥ मुणोचातजसयालव
 थाणि॥ राजाकीन्हीमांनोआण॥ कौरवामैतमोहीकरिडो
 कडूकैजोनहीसोरो॥ बोहीनंछराजकुमावै॥ मवमोग्द
 बरावरिदावै॥ कवरनपरिरायैजोर॥ जीहकोकहीनमां
 नतोर॥ राजाकहजेवातनमांनै॥ राजासंवृजेकहकु
 बुधिवधानै॥ वराजाआयषरोमयांणै॥ मवमोक्हथेक
 ईजांणै॥ जधराजाकामरमेकटिकटिजाय॥ जेदेयैवते
 मारापछिताय॥ सकलउमरावजीमोवराजी॥ सकलर
 हावणैकोइन्हीराजी॥ ७०॥ चोपडी॥ वटाभैयतरागुणह
 य॥ जैहकीचातनमानैकोइ॥ जोबूढामुबुधिकीचातन
 पावै॥ जीहकीचातनकाहुनावै॥ बेटापोताओरबडान
 सबकोइकहयाआधीउछान॥ जैठवृजेबठाहाय॥ जिदै
 कीकांणिनराथेकोय॥ ७१॥ चोपडी॥ नाहनामोटाजि
 तराआवै॥ देधिदेयिमसकावै॥ जेमनमैजोवोलैआडी॥
 नैकामरमेकटिकटिजाया॥ तमणोतमणीसबमसकरी
 णै॥ बालककरिवहकरिजांणै॥ असत्रीपुरघरावरंकमोई
 लेपप्रमाणवृजसबहोइ॥ ७२॥ चोपडी॥ जसयालैकैधरि
 धिनैजेतो॥ राजाकैधरिनहीजएतो॥ जीकामनभैनीवोर
 है॥ चोदाभैवृछिनयरे॥ ७३॥ चोपडी॥

सायायहो जाहो ॥ जीनयेसंकरै नन्यारा ॥ तेपलपलमाहिक्
 रेसंजाता ॥ जिहैकैकरिदरबारजोहोई ॥ राजकीगिणतिन
 हीकोई ॥ कदेहीसीराजाकैआवै ॥ करिमुजरोजबहीनठि
 तावै ॥ दोनुजोलावैठैजाई ॥ तीजोकोइनयेहीआवै ॥ जेती
 खसईराजाकैहोती ॥ अखसइकवरकीसमेति ॥ जीमैप
 हकरैतेसही ॥ औरनचलैकइंकीकही ॥ जेहैकैहमेरदे
 जीदितकैजाय ॥ आपकोदुषमुषकहसुणाय ॥ मजाणस्यो
 मलोमानसीराजा ॥ होंकीबातहोयलीताजा ॥ कौनने
 दसो जादोमारा ॥ जीहकारणराजादुषकास्या ॥ महाका
 दिनआयाछेघोटा ॥ कोइकदिनदेष्टूबैठा ॥ १५॥ चोयई ॥
 जोकोइइहदरबारमैआवै ॥ जाकैआगेदुषहगमावै ॥ मूछे
 छूटोगालीबोलै ॥ महोसंकहतफीटोबोलै ॥ थाहीमह
 कीजलीकहोला ॥ थानैसुणीहोसीकैसुणला ॥ औरइंनग
 काछिदुचायै ॥ दरबारमाहमूमनहकरायै ॥ १६॥ जसपाइ
 हमीरसोंकहथै ॥ चोयई ॥ जसपालजोबोल्यो जखही ॥ था
 कीबातसुणीमहासबही ॥ जकैआदिमीबूछेहोय ॥ मुति
 निष्टहोयछेसोई ॥ बोतोरानाहाथीविकानं ॥ जीसोंकर
 पणोंजानौ ॥ थाकाईबुराईकीहीवाकी ॥ जिकोसपणि
 दीन्हुथाकुं ॥ कितराहीबरसलडताइवा ॥ कवरनुमरा
 बरारचलिगया ॥ अरकितराहीदामलगाया ॥ बडा
 बडारजपूतमराया ॥ सोजादवांसेतीकदेनजीत्या ॥ जोव
 छिगयासोहीआयारीता ॥ थासंधणमहेइवाराजी ॥ थारा
 श्रीछेमहंकीबाजी ॥ १७॥ राजाथांमैहीहेजानी ॥ बोहो
 परथबिकानी ॥ अबदिलहोयसोमहासौलीज्ये ॥ अबैको
 २१॥ च्यतामतिकीज्ये ॥ थातोकांमबडोहीराख्यो ॥ बडोदेस

मालेदीयो॥३०॥घोडोयिरोपावमगायकैदीयो॥बा
 हीदिसकौविदकीयो॥थांनंजागंवैठेजाय॥लोगावर्म
 कौलेकुबुलाय॥जहा०मुक्तागाडद्विवायो॥नलीजा
 तिसौअमलजंमवै॥कोइनुअराजाकैजाया॥ताकौ
 दीज्योमारिनुयय॥जोहासंजादंलतेलडतानुठ॥जीहरो
 थांमिलडोथांनुठ॥एकसमैयोइसोनायो॥जसपाल्म
 जानवैगयै॥जीनजायकरिवात्तवलाई॥जादंमास्याह
 मीरदेजाई॥मारोदेसपोमिकैलीयो॥नलीजातिसौरा
 जकीकीयो॥देवोलेवोथांकोरहो॥म्यावासितोवांसं
 कहै॥४॥चोपई॥सोसुनतराजानुगौरसाये॥वैकीवात
 थांनलीचलाय॥तनक्रमकीयोहीमारो॥नांतामा
 मासारामास्या॥वाकेमुषनदेप्योजाय॥वनैअठा
 मोदेककलाय॥वनैजागानहीछैअठै॥मनमानैवैजा
 वोजैठै॥५॥जदिलवरनुत्रदेअराजान॥थांनोकहेशोर
 कावोहो॥असीवातथांकोकरिकहै॥वांसंकेताधो
 कलहुवा॥कदेनजांदूएकहमूत्रा॥वरसकितराइलड
 तांहुवा॥इनमारिसांथराकीकौ॥६॥राजाकपूरननुजदे
 ॥वैकीमांसंमहासंनदीवर्णयो॥थांआपसीसापुत्रजा
 यो॥जोहमीरदेमोतांकोहोई॥मोपणिमदोरचादिनकोई
 फेरिकचरराजाननुवादेदे॥होहमीरजदिपारसपो
 यो॥गटवस्योसंवदेसवसायो॥वांसंमहांमंनीमतवी॥
 वांवातफेरिनकहो॥अोरवोर्नुगदीनुठिजासी॥मारोदेम
 पोसीहीपासी॥तोथांकासंदेसपणिजासी॥वांतमास्यं
 पजमअसी॥घोडीवहुतदिनामाकीज्यो॥पुछीछेपेना
 कुंदीज्यो॥७॥मेरिराजाजतपालकवरननुव

दोपदी अथवा अणवो ल्याही बैठार हो वैकी बात फरि
 तिक हो वो देस अणवो और पणि जावो वो अणवो कांटा वा
 वो पा पणि मूछे जिन लगावो दाय पडै जठ वोजवो अ
 र सारो की बात करी ज्ये वां मावे लो को नां वतली ज्ये ॥ २४ ॥
 दुतिक रिया हा परि विगयो ॥ हमी रदे नतुरत बुलायो ॥ ये
 कहि बिधिराजा सुकही ॥ राजा कै चित बैठी नही ॥ थां ते कं
 णित चोरी कोई जो बिनि लाली प्रीति होई ॥ महं को क
 हौ करी थां जाई ॥ आहा ल्या आहा ल्या करी थो कांई ॥
 पा अणवो लो कर सौं कांई रहै ॥ जब है असे कहै ॥ महं
 की बांजी थां सुर है ॥ थां की वाता जा ॥ माहा का तो थो थां राजा
 ॥ माहा है थां वो हो कै दीयो ॥ कोइ क दिन देषो धुंकीयो प
 थै कुं न छि जा स्यो ॥ थां कहो तो जाय कह स्यो ॥ २५ ॥ चोय
 दी ॥ अणो पणि साह करतो मया ॥ देषि हमी रदे होती दया ॥
 फे ॥ री इक लास न वो अथवो ॥ जिह रने दिन दरवार सो स
 ध्यो ॥ हिल मिलि दोनो कहो गया ॥ जब हमी रदे राजी कु
 वा ॥ जब हमी रदे एक मतो न पायो ॥ प्राय को साध स बन
 से बुलायो ॥ सारो दरबार वाही सुनर दी ॥ साह जा ऐ चक
 री करे दी ॥ साहा लोग सौगा फिल डूवो ॥ इक लास जणि
 के छी लो डूवो ॥ दोनु जो लां बैठा जाई ॥ ती जो कोइ न पेन
 ही जाय ॥ जी को निमत ज पूरो डूवो ॥ कोटि मया न नूल
 सोई ॥ २६ ॥ हमी रदे असी बिधिकी नही ॥ कवल लोग टा
 लि सब दीहां ॥ प्राय का साध सौ कहै ॥ बुलायो ॥ सा
 वधान होय ज्ये नाय ॥ जो डीया सुबात चलाई ॥ कुमरी
 धूवे न जाई ॥ हथीयार गहज्यो हनै थां मारो ॥ नागे जि
 हनै थां दो टारो ॥ २७ ॥ मिसलति के मिसलीयो बुलाय

५६

दोनुअकेलवैठजाय॥ वाकोकाललगौजकअय
 मारिकटारीदीयोहूलाय॥ जहनकालअयकैदवे
 ताकोदावएकहीअवे॥ कालहीअयविपरीतिनष
 वै॥ नहीविपरीतिकालहोषवै॥ १६॥ चोपड॥ मामीमासो
 गोठिबिनाही॥ अरहोतासोनागादीपीठि॥ पांचसातअ
 दमीनलाममाया॥ ज्याहमिलिघणाहीलोहनुडाय॥
 चोहोतअगौथेथोडाकांडी॥ वौपणिमारतंवहकीना
 नाशहवलीसाहकीकहनीघिरि॥ नाग्यातरसवकरीक
 वेरि॥ याषवरिराजाजवपाई॥ पोल्यानेजितहकीकक
 राई॥ सायजळवकुतषिनाया॥ ज्याहजेदमारोसममाया
 साहकीगुवाडीघेरीजाय॥ बंदोवेसकीज्योसोहकमजा
 य॥ जतनकवरकाकीज्यो॥ अठवेगामोकिज्योजाय
 लोगवहोतंतहांगयोचलाय॥ सोदीनुंचोकीवैठाय॥
 सावधंनसोचोकीदीज्यो॥ कवरकहसोहीविधिकी
 ज्यो॥ किईनुठिअसीविधिवतलाया॥ आकवरजीराजाबु
 लाया॥ मुनतकवररजानधायो॥ राजालीहनुंशातील
 गाय॥ राजाफूल्योअंगहीमाय॥ अतिअनंदहिरदनमस
 मनायो॥ धनिधारीमाजंकैनुतजायो॥ धनिवोदिनजिह
 दिनतजायो॥ १७॥ अथधनित्पुत्रशेम्हारो॥ तमणिधनिशरो
 वलहारि॥ इंदोदोषतोनलामिताये॥ ओरपुत्रसोबोहीज।
 य॥ २६॥ चोपड॥ हाथीघोडासोनूरुपोजोडा॥ देसधगना
 देनोसोघोडा॥ म्हारोधरमारोथंअगौ॥ वैठमाणंमपीजां
 गौ॥ जसपालसाहकैविजेजेतो॥ घूरमाणंममोसोप्योतेतो
 जिहविधिवाण्याकोदाव॥ जिह
 सोहमीरराजामृतमलीमकनिरज

हमीरतयलीमजोकीन्ही॥ धनिधनिपितादादिथादीन्ही
योकांम० मैकीयोधेकाई॥ थोकहस्योसोकरस्योसोई
जहठपसेवपडेथाकोई॥ जठमहारोलोहीपडई॥ रांमजी
करेथांसेवरसजीवो॥ रांमजीकरेथांसेवरसजीवो॥ गह
जसपालतोकोटचुणायो॥ मास्योमास्योमारैमुनायो॥ राकर
कराजीसबहुवा॥ कवरगहोचणोह॥ लखजुवो॥ माहमा
स्योसाराधुसिद्धवा॥ कवरबहुष्याहमीखधायो॥ रांमजी
रचनारचीसोहोई॥ बिहकात्तिनानमेटकोई॥ गाँवाल
कैवेठादोय॥ पनरासोलखसमसोई॥ जिहैकैवेटीषी
एकअनूम॥ तेपदमणीरनाकेस्य॥ मुनलपिणवरसबा
रामाही॥ कुवारीकवरिकहुवाहीनाही॥ तेहमीरदेय
रमेलीन्ही॥ व्याहत्हीपटराणीकीन्ही॥ जदिहमीरदेम
तोकीन्ही॥ सकलबोफराजकोदीन्हें॥ नलीनांतिमैक
मचलावै॥ देषमुनेतेअतिसुषपावै॥ रैतिसहतसवरजी
कीन्हें॥ नायासेतीअतिजमलीन्हें॥ सोवरसनुपरिजा
हुवै॥ हमीरदेनकरेनजुवै॥ ३६॥ चोपई॥ माराकवैरा
ठनुपरिहै॥ ज्याकामाणसगांवांमेरहै॥ ज्याहांच्यताओ
रनकोई॥ सुषमांणैबैठाघरमांही॥ आपआपहैराजपुद
रै॥ ओरन्हीकोइकैसरै॥ ज्यासुराजाराजीन्ही॥ चितकुनो
हमीरदेमही॥ ३७॥ चोपई॥ जोराजाकाअतिहीडकरै
खकहैजोहीपाधरै॥ सकलखलौजीसुराजीरहै॥ जीसो
गठसबनलोकेहै॥ ओरसबैसाधनराजीराधै॥ रावर
कसवधनिधनिनायै॥ अमैकरतवरसदोगया॥ राजाअ
अमचौपैतया॥ ४०॥ चोपई॥ जोराजासैकैमिलापीअ
वै॥ जासुराजाबातकहावै॥ दोयदुषबडाछाहांने॥ ज्यांकी

वातक रुंधे पाने ॥ एक जादो अरु दजो बाँलें ॥ या दोन्यो
 प्रतिनुकलाने ॥ कवरनु मरा वसो मर कहै ॥ कोय न प
 को मथरी नही ॥ वोपरि माग चढि कै गया ॥ दमडा घर छिप
 ऐ कितरा नया ॥ और माणस पणिकित गमवा तो पणि
 सरद कदेही रुचा ॥ उपर चोलन रुचौ कवही ॥ मोन चि
 कलागी छैत वही ॥ तन कवात हमीर मो कहै ॥ निमो कि
 मडी बाजीरही ॥ ४४ ॥ चोपई ॥ बाँलें नै मनी अति गदी माहा
 री वात न मान कही ॥ वोअपलें जालें कुरतो मोडो ॥ माहारी का
 ली न मानते कोडो ॥ मूनगे मछो मकरी ॥ कही वात कव
 मो मारी ॥ नमगवा मो कहै जपोय ॥ जीमै धीर जन कोडो ॥ ४५
 ॥ एमहारी बरावरिका वेटा सारा ॥ ज्यो को करौ छै जात न
 नारा ॥ अह कसर कुरु मनही ॥ वेअसु पै करै घर मही ॥ न
 मरा वधे छै ॥ और मिपाई अधिक वेअपछै ॥ काडु प
 हिमति रुई न इतरी ॥ ह मन व्याप्यो सूकीनी कितरी ॥ मेम
 बवेटा कपूत करि जाँल्यो ॥ वांमंते नै काकोइ चाँप्या जि
 हकी गिणति न करतो कोडो ॥ जिकी नही या देखी माई ॥ ई
 डाव डै नली सजाली ॥ यो करमी गच्छी रघवाली ॥ अ
 न कालि मूनै सुषद नै ॥ राजी करि इहि टीको लो ॥
 बरम अठार हराज कुमायो ॥ मास मात न परा तिलिवा
 यो ॥ ५१ ॥ राज जेत देव लोक दुखो ॥ राव हमीर नै टीको दी
 यो ॥ सवत १३२१ सरो ॥ फागुण वदि ॥ गुरवार रात वजो
 रजपूत रघाया ॥ और कवर जदो अछान दी पाया ॥ फिर
 फराय गया संदेसा कहै ॥ माया पटि कि पटि कनूर द
 ५२ ॥ चोपई ॥ गढ को राजा हमीर रुचौ ॥ जि
 मब मायो ॥ वागवगी चाकू बाया जीन

रजपूत

मो
 वा
 जरा
 रापंड
 १३२१

मवाय॥ मूठच्यास्योदराबधाय॥ घाटीघाटीकोटचु
 लाया॥ सोलाकोसतेबधोलंबाय॥ आठकोसदेवो
 चोरचै॥ पंधाचोपई॥ दिसिगूणीडमाजहोई॥ ताई
 लगीधनेडासोइ॥ दिसिआयणीऐतीधरा॥ बौलीवण
 हटोदोडापरा॥ देवदेवराभंडकमेत्या॥ चोगडदागळकै
 करैकोरला॥ गळकीतठदोनताळचंधाय॥ जांनिकां
 गोदिकनीरनराये॥ ५६॥ दुहा॥ सनरितरेसहमीर॥ न
 पदेवमहसूचै॥ जिहनावैअचचलकीये॥ रणतनवर
 गठपूर॥ ५७॥ दोयहोदतातटिदिये॥ मानसरोवरतुल्य
 जठेबागलगायोनोळये॥ रहपकैजहाफूल॥ ५८॥ ४
 दसोतीदास॥ जहाअचवाअचलीरघणी॥ कटहल
 बडहलतेचोरचणी॥ नीबुचाजंबुचागूलीया॥ बडपी
 पलमहीजणामूमरिया॥ तीडबकायणतीबजिके॥ मधि
 मोनतरोयअजीरनके॥ मरूकेलिषनरिसुपारीमहा॥
 आग्याअरुतसहैजनीया॥ फुनिदासबिदामधुहार
 नीया॥ जहापाडलपिजरितालेरघणे॥ पिसिमसिवहा
 षविरोजचणे॥ चिचिचंदणवाममहकतीया॥ फिस
 नफललेगाईलाइचीया॥ बोहोबोलमरीसीसपातु
 रीया॥ फुनिपीपलिबोलमहानरीया॥ लेहसवागुदो
 यातारसनलके॥ बरणांकरणांकैमनके॥ पिसिके
 तिकेवडाफूलफले॥ औरचंपाचंबेलीमेवतुले॥ मर
 वामोगराजुहीजायपिले॥ मधिमोनतकुगाजगुलावक
 ले॥ अबनावकडंगुलजातिनके॥ फुलवाबोहोनाति
 हजारनके॥ गुलवाबोहोफुलिहे॥ फुनिषेरुसूरजिमु
 षकहे॥ अबरुडववतमुषकमलीया॥ गळहलमोनाग

सीया॥ जहाना फुलवान अरदान दीया॥ कीनीयर फुति स्म
 लयंड कीयां॥ नरि के मरि क्यारी कमद किते॥ अरना
 गरवेलि के पान जिते॥ बाहो रुक रुंप महलन के॥ प्रण
 उपरि प्रण महलन के॥ महाजालि वलि एकनांतिन के
 रंगारी पिड कीतिन की॥ चितरा मकी यचित लायन
 हा॥ अधिवोवर साल हमा मत हा॥ जहा कारज म्प अनेक
 छटे॥ मानूना दव मास उवाहुट्टे॥ फिस्वा दरि छूटे
 अनेक चले॥ फिरि कोट निकट रह जिन के॥ करिक
 गुर मेति वुरजन के॥ चरनूक विसु महा गलते॥ कधि
 प्रमक हे मुति मार जेतें॥ ६४॥ दोहा॥ पंछी जाति अनेक
 जहां॥ मध्यक गूज कराया॥ नरणा टकरै जहां नंगानां॥ नो
 लख बाग लगाया॥ ७०॥ छंद मोती दाम॥ जहां कोयल बो
 होकुं ककरो केइ को किल बोल अनूधरो॥ जहां मैतां मासु
 ती ज्यै केइ जार बोल अमोल मरो॥ जहां फोदा बया बर
 रयाणी फति पाल के चात्रा फेलि घणी॥ महामे स्वकोर गो
 ल कली॥ केइ जाति कबूतर छीय कली॥ ब्रह्म लल मन अ
 रंजन है॥ बनाय जिन केइ अंज है॥ बोदिनांति चिही अ
 बुलबुलीयां॥ बोहो स्याह मपेद अरु रुंदरीयां॥ केइ पंडक
 पूमरीयां॥ ताहां गुगुली अरहरे लरीया॥ केइ म्याद चिडिअ
 रमो एचरीयां॥ फुति गड बोरिय पंगजती॥ अर के कको फि
 लकू ककिती॥ बोहो कुर विला घरी मार सीयां॥ तहां टुक
 लाचा गुलादी टेरीयां॥ कुही मि कगजी मवाज नये॥ जिन
 बहरी लगवा जये॥ आपरे छी जाति अनेक घने॥ जिन
 के कहा लागती बातन को नोनै॥ ७६॥ दोहा॥ रणत नग
 द अतरो वडो को स दोष पराय॥ साटातीन को स चोडाई

मूरति
 लपलप
 ५५

रे॥योगडदातैलफिराय॥७७॥छंदमोतीदाम॥असतबा
 सेसोनये॥तेलछलछेनोगीये॥छनीसपोणिमुषीये॥लेक
 टधजमुषीये॥अनेछबिपटीया॥सोहातमधिकोटडी॥अनो
 पजीवजोजडी॥अवासमेतवंगला॥तेसतषण्णसंनला॥न
 रोषाषेवजालीया॥तहाहेमकलसमोहीया॥चित्रामचिन
 मोहीया॥उतमतरपेघहि॥तेनूपसमलेषहै॥सोहतसाह
 हाटमै॥वैहीरामोतीठटमै॥कहुंतोहेमकटीय॥पाटंबस्वी
 रछूटीये॥जहाअथधातनोपारहै॥जरावसाजजोजरहै॥ते
 चीराजरतीलके॥हथीयारनातिनातिके॥सकेलसार
 जातके॥तबोलीयांनबेचई॥फुलादफलकेतई॥तयारसे
 गजोगरहै॥जोवहांजीवजोलहै॥जोगंमठंमचाघहै॥अनेकन
 वनावहै॥कहुंतोगीतनादहै॥कहुंतोवेदबादहै॥कहुंतोबे
 दवांचहै॥कहुंतोनटनांचहै॥पंडितबेदनादहै॥संगितछंद
 जोतिहै॥कहुंतोगोदफूलहै॥परफेरिफूलहै॥कहुंतोअषा
 डेमलहै॥तुलततेजतुलहै॥६६॥दोहा॥रणतनवरदुरादे
 धियो॥सबिधिनागकराय॥जठराजकरैहसीरदे॥ऐताप्रा
 नांषाय॥६७॥छंदनीसांणी॥सो॥किसाप्रगना॥ताकोना
 वा॥नदलाघः॥मलारणैः॥पाहाडीः॥जीरोतोजांणि॥मलेमपुरः॥न
 देहीः॥नजीरपुरः॥लालसोटकहाणी॥बौलीः॥निवाईः॥चाट
 मः॥धिरणीजबषांणि॥सारसोपः॥निवालीः॥बणहटोः॥टोडो
 टोकांण॥नचौनगरनेनचौ॥नणियारोअंणि॥मालपुरोः
 मोजावादिजिलायजिलाणी॥रघांधणैः॥छेयणः॥दीपरीः
 अलोदोपांणी॥बराईः॥मलेमपुरः॥मोगोदसुजांणी॥तला
 वः॥प्रातोलीः॥षावदोः॥दोलाडोदोणी॥नुहणैः॥करवरः॥बंडी
 दः॥लायेरीलांणी॥फुसदः॥गुरायोः॥धनवारो॥धाणी॥बंदीको

५५

दोः पलायणोः बुवडोदजोणी॥ मीसवालीः इटावोः लहा
 वदः सलमागरोलमहोणी॥ कंनराजमटगोडीः जलवाणी॥
 कहटः कुजोरः गूगोरः आटोणिअजोणी॥ योलीः मनुः मेदा
 णीयाः वेनोरः विहोणी॥ वातापेडीदुवलाणोः रीष्टईछोणी
 पातापेडीः चाचरणीः मांडगाळधोणी॥ मोपेरः घंडारिः धर
 जादौवाटीसगलीवसिणी॥ ऐताप्रगानांगहरेरगतने
 चरपोणी॥ ७५॥ दोहा॥ मांडगाळे मालचां मां हि॥ जहंराज
 करै मनमथ॥ जासौहमीरदेहठकरै॥ चटज्योकायवकंटा॥
 ४००॥ काकोरावहमीरको॥ जीकोरणधीरहीनांम॥ जीकोम
 ॥ गिलोरहै॥ तेकरै नितिमंग्राम॥ १॥ पातापेडीजोरदै॥ मनु
 मदाणोषाय॥ जोनुंठाकैथोणैरहै॥ जाकोमदाराजवाकंग
 नांम॥ २॥ चोपई॥ जीकैदागकोछकाषाही॥ मचकोईमै
 अराषतहैताही॥ दरवारहमीरकैवोजघावै॥ घडीऐकै
 वेवहीअहोदोजावै॥ जीहिकैवैकैमैछाटापाणीकाटी
 ज्यै॥ असीसुपाकाकाकीकीज्यै॥ यावातमहाराजमुलि
 पाई॥ कष्टकहनसकैमनमैपिष्टावै॥ १०॥ चोपई॥ जैवो
 नठिहीगयोप्रापणैछांनै॥ सोमांडगाळमौनितिजुधनैवे
 ग्रानुपस्थिचिकीतअवै॥ जोजितेताहीअहिटाफिरिअ
 वै॥ जिहनलडताकिताकवरमनाग्या॥ जवमनमथकैअ
 हैकारजलाग्या॥ महाराजिदेकागलनेज्यो॥ हिअंवांछेछे
 वठारहज्यो॥ १२॥ चोपई॥ जहनैअयमंजुवावलिषायो॥
 लगायचोपअरतुतबुलायै॥ कहालिअवैछांमोछा
 जिहीआवै॥ आययकजागोघेतहुडावै॥ महंतोछांमंघ
 रीप्रणामी॥ सकलघवरिनुर्दीपडिजामी॥ थांक्चनकहो
 तोपरोकीज्यै॥ कचनरहकोलजोकीज्यै॥ १५॥ जवमनमथ

राजाचणयो॥ देसवेसकीयेडकुलाई॥ मादाराजालिष्यो
 हमीरकौकीहौ॥ घणौसाथनेज्योयोलिष्योदीहौ॥ महा
 मतमथसूषेतहुडायो॥ मनमथअवकैप्रापचठिअथो
 ॥१६॥ घणौसाथरणथेनसौप्रायो॥ ओरसिमटिःमनुकोए
 कठोनयो॥ ओगोपणिनुठबहोतरहथे॥ जीकाचलसौजी
 तिगहथे॥ सारामिलिकरिगयाचलाया॥ तैपेलीहृदमैवे
 ठजाय॥ जीजायगौदेधीहुडायो॥ जमनमथकोकिबुब्बायो
 ॥१७॥ चौपई॥ जचमनमैथराजाचठिपूयो॥ समटिमालवे
 सगलोल्यायो॥ देवारीअसेरकोसाथबुलायो॥ मूरति
 धनायचसाथिलेअयो॥ सवमागठेचणैयाघरजेती॥ स
 गलमिलिकीहीमदितजकेती॥ मनमथचणौबिकैमैकी
 नोई॥ उडीरजधरअंबरथाई॥ दोनदलजबएकठानया॥
 दोनचफमंडूषतहुवा॥ जहांकायरकामुहमुरमाया॥ म
 डरकीजमीयतजहांबुटिप्राया॥ हयदपयदलजबनिजरि
 प्राया॥ नलावहलायताहरमदिषाया॥ तीरतुबकजबप
 डीलडाई॥ दोनदलपडीयाघमचाई॥ ॥१८॥ छंदइकरंगी
 ॥ कछीतरवारिअपारजिके॥ मडनचअसवारहकातिके
 हुडाहुडमारनईहुटका॥ अडाअडीहोयपडेकुटका॥
 कडाकडीहाडकरेकुटका॥ सडांसडीसाटबहसिर
 का॥ नडोनडीमचिरहीजनडे॥ दडादडिलेथिमौलेथि
 पडे॥ हुडाहुडिसारसौमारपडे॥ जुडाजुडिमूडमैमंडजुड
 ॥ दहुंदलमारसुमारकरे॥ नडसंग्रडेसारनपारिवहै॥ तनत
 रंगकषागमंडेतकरे॥ मूरमामकैकाममंडेतधरे॥ करि
 करिबुलीयायलीये॥ हकालिहकालिजुबावकीये॥
 नइरचकैनेचकमांचीयनी॥ नडालोहमौलोहजोवेन

ध्यो
 महा
 शय
 ते
 मौजे
 वै
 यो
 लव
 मुरति
 जेती
 म
 की
 ॥
 ॥
 निज
 रि
 ॥
 शंका
 तिकि
 ॥
 सिर
 लेलि
 डकुड
 ॥
 करि
 ये

२

अनी॥ नर नर नर ते ग्राय हसै॥ मुष मर के नूर महा
 घन घाव अघाय के साहे पडै॥ वर माल लीयार ना ते इ
 वौ ससार असवार कीये॥ पया दसौ पया दिजाय लीये
 डिकै सो डउ तरिलीये॥ इक मी कहोय हिल मिल लु
 जराज महाज पडै॥ तेनु चंदन चंदन सूखी पडै॥ वकी व
 धसौ जु धनये॥ गलगली ग्रजन नत्त लीये॥ चोहे
 होस टि धाय गई॥ रज पूरीयो मूर जै रैन नई॥ मन म
 यम हाराज लीये॥ महराज यो गाजिकै घाव दीये
 घेचिन इधरणी जम भेडो॥ जुड़े जुड़ी मल जो चाथ न
 पो टनये दोनु जुध महा॥ नेट पे टउ मत जिहा॥ वधो
 यमुहा यधै॥ गिर गिर पडै॥ उठि उठि न डै॥ मन मथ
 ही मारिलीये॥ मारिकटारी गिराय दीये॥ मन मथ
 बसाय नाग्यो॥ ऐकई ऐकथे छडि गयो॥ घेत सू
 राजिकीयो॥ पडै घाय अघाय दिन च्यारि जीयो॥ ३
 ॥ पहली साय बिदा कीयो॥ पाछे च छेह मीर॥ सकल
 इहो नकी॥ जव ग्राय पङ्गु च्योतीर॥ ३४॥ मन मथ
 चमौ॥ घाय नील्यो महाराजि॥ जीनह मीर ग्रायो
 यो बोल्यो गलगली॥ ३५॥ यो कहो जाय हमीर सौ॥
 चोछे कामै॥ मून ग्राय थोले चलो॥ तोछा डोरण ठाम
 चोपई॥ जवन तरिह मीरया लोडवै॥ जाय दई पग
 करी मनुहारि जो अति धणी॥ थाली नीज सलोको
 बैठे छिडकावतो॥ धरतो के इस्कनाम॥ जीह लोको
 इस डोधारो कोम॥ ३६॥ कबित॥ महाराजि पाग अर
 मुबुव से जन जै धणी॥ पीव पाव सवास॥ बसन व्याम
 लासै॥ अरि मोर दाचुरा मोर कार

कैहाथिदिवायो॥ राजाहंकीचेडीसमजाय॥ येजिमावो
 वहैअतीतहीजाय॥ वोतनपुष्पीमीकठामेअई॥ जदितूक
 हजेइंदपयई॥ थांमाणसदसमाथिलेजावो॥ वाकौदिम
 यनुसमतिजणावो॥ येइदसबीसयांनुरेदीरहज्यो॥ इदको
 आगोजावादीज्यो॥ ५५॥ चेडीआयसकाठहमीरनेजीछे॥ सो
 आयसमौंदुंदरकरैछे॥ चोपई॥ जदिआधीरातिचांदणीन
 ईमेचेडीआयसआगोई॥ घालीहीधैमेतिकरजोइगोदोत
 पूछैआयसतूखकोन॥ चेडीकहइअयधराइंदकी॥ ज्यो
 नेजीयोनेजिनदेरि॥ थांतपअतिगतहीकीन्हो॥ तीमोइंद
 जीथांमोदीन॥ ५७॥ चोपई॥ जदिआयसजीजीयसोचकरा
 याथोविधिहोयतोहोयएजाय॥ आसियासिदोकोसनुजा
 रि॥ असीवारकेअविनारि॥ अरनूषणकोईइसडोपायो॥ कं
 चनथात्तकठामेअयो॥ योवकलमिथानहोगयो॥ यो
 हीकारणयोपणिइवो॥ ५९॥ चेरीफिरितपसीनकहछे॥
 चोपई॥ फिरिचेडीयांवातकहाई॥ थांकीइंदजीकरवडाई
 जबहीकोडितेतीसूंअवो॥ तवहीथांकीवातचलावो॥ सक
 लदेवतांयोबहराई॥ वांनोजिनदेइथांगोपडाई॥ जबमूनइ
 इजीआपधिताई॥ वैठिबिमोणनोजिनलेअई॥ ६१॥ जकअ
 यशनकांसोजीयो॥ जीमिचूठिपाणीअरपीयो॥ मुखनहीबोल
 अरचलकराई॥ कांसोपषालिदीन्होसरकाय॥ लेकांसो
 चेडीफिरिआई॥ होतोमाथमिलीजुहाजाई॥ मिल्योमाथ
 जदिआईनारि॥ राजामेतीआइजुहारी॥ ६३॥ जीमतनोगीन
 होतनयेदिनकेरा॥ जवरजाजीवूचरी॥ कदेकलनवात
 नीकहछे॥ अकनेसमाध्यामोनूरहछे॥ दिहायजहअ
 रजकराईइंकनःप्रमैनकांम

अरच

कराये धोय पयालिको सो सरकाई ॥ ६५ ॥ राजा फे
 लाई अब घेर होनुं ठही जाई वैठि रहो ॥ ए जिअ व
 को स तथा जाय डिगावो ॥ दोय बालक वा मोनु प
 मो चिरत करायो जाय ॥ पाछे वा को ले गछि पै ग्राय ॥
 रिज जचे नी नैसी घदे ग्राय सकां ठजे नी ॥ चो पई ॥
 कसी मकी न्हो ॥ ओर फोली नरी दां मां की दी न्हो ॥
 रवे ठार हो ॥ अठकी को इवात तक हो ॥ आचो जा
 रिकरी ज्यो ॥ नेका मिग परिपालणें दी ज्यो ॥ थियो
 म्पो म्हा रो ॥ करों झुक मव डारणि थारो ॥ जब चरी
 को की न्हो ॥ जी दिन माय विदा करि दी न्हो ॥ मन म
 तो न पायो ॥ जठ जाय चैठी जाय ॥ चब्रां वार बडी स
 ग्राय सक है कों चैठी अजि ॥ पाछे नुठि कै ठाठी ज
 म्जी मय डहै मगई ॥ कहै ग्राय सै कों ओ हो दी ग्रा
 वि मां ए न्हो वी मगई ॥ तप म्पा को गुण अब कै की ज
 मो कों पडुं चाय के दी ज्यो ॥ ७१ ॥ जब ग्राय सक है
 ई ॥ तू तप डुं चो नुं ठा तो ई ॥ थको विमान कहे
 जिं छित् सुरपुरी जासी ॥ जै तो हि इंडरा व पठई ॥
 अब दो ग्रासी ॥ जब लग डुं तो बडुं तडुं छे ॥ कह
 कां ई कहें छे ॥ ७३ ॥ जब ग्राय सचे डी न कां ई कहें छे ॥
 य सक है य हो डर छे कां हं को ॥ अगि कुंड अय
 व जंत अठ नही को ई ॥ नृत पली तछ ल छे ड न हो ई
 की छे की छे ड सी न जरी ॥ स्पंघ व्याघ्र मव तो प्या मा
 टपा ड चोर न्हो ग्रायो ॥ राजा से ती व डुं न डराव ॥ जब
 मुराई वाता तो ली न्हो छे लगई ॥ कह म्हा र
 तप विन को मो न मे न कराये ॥ यो को जा तिको

कौणकैरेबाजैछैबाजा॥कांईछैईराजाकोनांवै॥किसोनाग
 रछैइकोठामै॥७६॥चोपई॥कहआयसमुनिरंनारि॥तू
 छैजेकदजेसारी॥याकीजातिचंद्रवाणहमरेदेताच॥गछर
 णछंनछैईकोठाम॥कोमदोयअदहसंआगे॥छेडोहीगाछ
 वडीछैजागां॥जठकोबोराजकरछै॥साराडंगरांमंहीछैर
 छै॥मरकतमरकतआगेनागे॥याकहमहारेजिमूनडर
 लागै॥अतीतकहैअठजाषोनाही॥तूडरपैजिनमनमाही
 ज्यौंज्यौंआधीधसतीआवै॥त्योंत्योंआयसपाछेमरकाये
 वातोनुकैपैडपडी॥बैठीजायअंगसौंअडी॥७७॥चोपई॥ज
 विआयमनएहचिचारी॥पडीरहोडरपेमतिनारी॥नारीक
 हेयांमामीमाहाक॥कहोतेचरनपलोदंयांक॥अतीत
 कहसंणिरंनामाता॥माहायंथासूंकिमडानाता॥तूरन
 कुजोगीकहंनु॥तोनधैकुंकेमैपगदवांनु॥७८॥जयहीना
 रीहायलाये॥षिजिकरिजोगीदुरिकगये॥कैरकटाछि
 अरमोहनपजावै॥कैरचितकरियेसवधावै॥अरमुरडा
 टामोहायलगावै॥जोरीकरिकैयांवदवावै॥जकआयम
 कहैकैकुंनुठिजोर्न॥इंआगेकैजाबापोनु॥जोरीकरिकैयां
 वदवाया॥अंगआयसकैकामजगाया॥नारीकरमरेदकै
 लागै॥निपटकामअपरवत्नजाग्यो॥अग्निकुंडनारीछ
 एहै॥घृतकुंडमरदकीदेहै॥रईअग्निहोयकैजागा॥मोते
 मिलगमिलगहीलागां॥७९॥मोमदोयलौंचीजयुवाई
 जेचीजकौपचिपचिजाई॥नईपुष्टदेहअतिमालो॥नयो
 मंगितेरंगहीगतो॥नयोमोवचेडीसैजोई॥तपस्याजोगी
 सारीयोई॥जोगीरसनारीसंगयायो॥जपतपस्यांध्यान
 बिसरायो॥८०॥सवरसमैनारीरमप्यारो॥चोषैमोतौहाय

नन्यारो॥ नारी॥ कोरसअसोमुहोवै॥ रेनिदिवसहीरसया
 वै॥ नारीसोजोतेहनिनावै॥ आठैजामजिहिनैतस्चावै॥ त्री
 पारसमैजोतरहोय॥ सोजांनजिहिनैवीतीसोय॥ १८॥ जोन
 रपरत्रीयामेपरई॥ कुलकटुवकीकाणितकरई॥ संदेह
 किमसुनैकनैडरै॥ दमडाजीवकीगिणतिनकरै॥ कोटी
 नदीजोगीतैपाई॥ चौकीपहरोलोपिघरिजाई॥ होयअ
 धरसमैतररहै॥ नलीवुरीफिरसिरपरिसहै॥ १९॥ बसोअ
 नगतीदजबआई॥ चियाजोगियोछिरहाई॥ वीतिनिमा
 नितिमारोनयो॥ जोगीनुठिसोपडवागयो॥ नाहायधो
 यजपतथकीन्ही॥ त्रीयाठेलिगुफामेदीन्ही॥ च्यारिपहर
 दिननृषांतयो॥ आइनिसिनांएषिपिगयो॥ जबजोगीत्री
 याबतलाई॥ पारोविमाणकदिसीआई॥ कहत्रीयाव
 रीयांजोहोय॥ अरधरातिआवैसोय॥ फुनिएकच्यंता
 महारामनमांही॥ कुंथांजेटीआवेकन्ही॥ २०॥ फेरिजो
 मीदालीसोंकाईकहै॥ चोपई॥ कहजोगीच्यंतानुपजाई
 कहछेविमाणनहीवरीयांआई॥ तूमोतैछेडिनहीना
 वै॥ जवलगिबिमाणथांकोअवअवै॥ जवलगिसूयअ
 गैपणिदीज्ये॥ गइरेणितलक्रीडाकीज्ये॥ नारीकैमनिता
 वैसोई॥ कहीवातजोगीनजोई॥ दोत्पुफिरकरिद्रवाजे
 ला॥ अरधरात्रीलौआरौषेला॥ २१॥ जबजोगीतमुरत्कि
 राई॥ जाईदेयोविमाणजोआई॥ जबअतीतनैअसैकही
 दसपैडजायठाछीनई॥ घईदोयलौचारलगाई॥ आइक
 हीविमाणन्हीआई॥ मूनैविमाणफैलकैसो॥ कुतोदो
 पदिननृगतीअसै॥ २२॥ थांकोविमाणन्हीआवई॥ या
 च्यंताअधिकीनुपजाई॥ अरहस्योतोषास्योकांई॥

कुतोपार्नवकलकैतांश॥ कहत्रीयाथंकहोबसेये॥ अजि
 रैणितोफिरियादेयो॥ आसीबिमंणतोजामेसहीनत्रीहं
 ठवेठीछूही॥ दोनुनेलासोयकरिरहा॥ प्रतातिनयाजो
 गीयोकहा॥ थंतोनृपाकांकज्ये॥ नारीकहरुपयेपोली
 ज्ये॥ जायकठासौसीधोलावै॥ करोसोइमुक्तीयावो॥ ज
 वजोगीनुठिठाछोनयो॥ रुपयोलैगुजमगयो॥ ४॥ चोपई॥
 दिनदमतोयारीमैगया॥ पाछेदोनुग्रस्तीनया॥ मठीव
 णायकैबैठसोईजीगीजोगिणीकहावजोई॥ दसबा
 राछेली॥ लजोलीनही॥ पचसातगनुपणिकीनही॥ जहार
 हतांवरसदिनगया॥ ताकैपुत्रजोएकजोनया॥ ६॥ मं
 धारीसिधकहावै॥ आयागयातेराबसुवावै॥ गछगुजक
 बीचमरहै॥ अहलापूजहाबासारहै॥ किंतोयकमल्लवे
 रीकोबायो॥ दोनुपुत्रकौगोदिमिलावै॥ मायामोहमरहो
 लपटाया॥ जोगीजोगसबनल्योगुसाई॥ तेकरिमुक्तरमो
 टनयो॥ छालीगनुबिनोबधिगयो॥ ग्यानध्यानसबनू
 ल्योसोई॥ जयःतपःव्रतःकष्टःनहीहोया॥ ८॥ चोपई॥ ते
 चेडीसेतीअतिरचिगयो॥ छालीगनुबिनोबोहोनयो॥ व
 रमएकप्रोसुसुषलीनुं॥ चेडीसोरतकोलजबकीनुं
 स्वामीवातकहाथोयात॥ योगछदिषावै॥ म्हाते॥ स्वामी
 नुठिकरिअसैकहै॥ रजपूतरावतनंरहै॥ थानैदेमिकरिप्रि
 थीहमिमि॥ जीमोमहांसंअणिवणिहोसी॥ थांकापनमैनुप
 जीकाई॥ कहादेवेलीगाछकैतांश॥ १०॥ दिनदोतोअणवोलीरही
 दिनदूजेतीजैवहोडिफिरिकही॥ माहांपरिप्यारकसोछेथां
 को॥ कहोकरोनहीकोइमहाको॥ ११॥ जोगीचैरतिफेरिक
 हछेवोहा॥ चोपई॥ थांकोकहोकिमोहीकीयो॥ थाकैव

चनिक्चनियगदीयो॥ माहंकोक्चननहीथांटात्यो॥ तोरे
 कबारगाठनप्रचालो॥ कहजोगीतूनूलिनारी॥ थांतेजीव
 मैकुबुधिविचारी॥ म्हाजोगीकुणीकैमारो॥ माहानयारोज
 गतजुहारो॥ नुठेथांनलीयांजोने॥ जीमौसोनानांहीपांने॥
 महांकाहेहाथलगावै॥ महारीसरमग्रवैहीआवै॥ इंदलो
 कमदीयोबिसरिडंरंनानश्योरैधरिनारि॥ कोटितीर्थ
 जोन्हावकोय॥ तोउनयावम्हाहैमोई॥ जायहियालेमंही
 गलै॥ कासीकरवतलेलेमर॥ १५॥ नोहरजांफजायकैलेई
 पुमिधूपमैघुटैतेई॥ अनेकनांतिकीतपस्याकरई॥ पंचअ
 गिमदेहजजरई॥ वैकुण्ठलोकमैनारीजेती॥ महांकैपटं
 तरदीज्येतेती॥ राजअरजीतपावै॥ तोउम्हांनकोउनरपाव
 ॥ १७॥ इंधोरैसहजिआइ॥ ताथैइंतूननहीमुहाइ॥ इंधोरं
 नाथारैधरनारि॥ जातिपांतिन्हीजानूंथारी॥ मकीनृइंडो
 घरबारी॥ इन्हहीदीसीहीणिकुमलाई॥ रूपनूषन्हीबुरीदि
 षाई॥ १८॥ जोगीदासीनउचदेष्ट॥ मैतोवातओरबिधिकही॥
 थेतोनारिनलटीहीबही॥ थांसंसमइंहीकरूंछं॥ आप
 काजिवैकोडरकरौंछं॥ इंजोगीनिरगुणनिरमोही॥ महा
 रीलारजोदेघैकोई॥ सबकोइमंहांसंवातकईजुवावक
 रंनं॥ जीअटैथांहेसमजांने॥ नारीकहसिषांनुंतेहि॥ क
 हज्योइंददीइहैमोहि॥ नहित्रीकोईसंवालजिनतुही॥
 जीसंजुवावकरस्योइंइ॥ त्प्रसीवातसौडरपैकमे॥
 षोसिलयेकोइकीजैमै॥ २३॥ फेरिजोगीनारिसंकहथै॥ चो
 षई॥ अठराजाघोटोरहई॥ तूतैदेघिवैलेइछिनाई॥ तोमहा
 रोमरणबणैलोआय॥ नारीकहैकुदरतिछैकांडी॥ राजाघो
 समहारैतांई॥ इसडीबातांनिधडकरहो॥ फेरिक्चनइंडो

जिन कहो ॥२६॥ तीको कोल तो पूज्यो आय ॥ तिह पर हो जे वै
 मेजा ॥ जीह को कहो जोगी ही कर ॥ राजा से ती डर्यो मरा ॥
 ७॥ नारी प्रति ही छंद सो डरो ॥ कर बोधा बोस वही छ डरो ॥
 बालक दीन्हो पर हो धिकाय ॥ आपण रह्यो धै मूषनाय ॥
 २५॥ नूषे बाल कर व नोरो ॥ तीह को जोगी करे तिहोरो ॥
 दाया ध्यान चो धै मूछ नही बतलावै ॥ चित चो ध्या बालक छि
 ललावै ॥ बालक च होत हलाचत फिर ॥ जाय नारिकै पाव
 पयो ॥ कह दी जे पान बालक तां ई ॥ अव थां को कह्यो न
 मेद कां ई ॥ ३१॥ दामि अतीत न फेरि कां ई के है छै ॥ चो पई ॥ जत्र
 नारी चोली सति राय ॥ इह थन दे सो गण पर जाय ॥ वो नूषो
 बालक बिललावै ॥ ज्यो ज्यो जोगी प्रति पछितावै ॥ नुप ज्यो
 मोह ही योग ह ज्यो ॥ उत नारी को ह छे ध्यो मरे ॥ जोगी वै
 लो अति नुकलाय ॥ उठि वै ही होया छ चलाय ॥ ३३॥ फे
 रि चैरी आगो राजा दूत प्रितायो ॥ जोगी जांण नही ॥ चैरी एक जाम
 मबुलायो ॥ यह आघ्यां दे धै पहलै समझायो ॥ तेव होत चि
 रत दे सिंसां ॥ आय सक हया बांज कान ॥ उह कै आगे वत्ता
 दीन्ह ॥ काहा लिचलां यो मोगत दीन्ह ॥ कोल बोल जहां
 काठे कीयो ॥ जवनारी बालक करलीयो ॥ जोगी की नुं
 को म दिधीयो ॥ जवली नुं जा मू मबुलाय ॥ कहरी जान वै
 बेगि न जावो ॥ इह बात मारी गुदरावो ॥ कह ज्यो कालि आ
 व छे चैरी ॥ दो पै रंग लग महारी फेरी ॥ आव मी आवायी इत
 विधि कह ज्यो ॥ थां दरवाज बिटार ह ज्यो ॥ ३५॥ मुणि जामूस
 अहो टोही गयो ॥ करि मला मजो जुनो रह्यो ॥ हाथ जो डि
 अर्ये सै कहै ॥ जोगी का
 वै हो ॥ जी मिर सो इको

महाराजि इवाने
 गिं अ व सि के य

सी॥ राजा है देधन को चावै॥ दरवाजै बैठे आय अग्र ॥ ३३ ॥ अ
 तीत जोगिणी दोनु आसी॥ सो राजा की दिख्य पराई ते हजूर
 राजा की निकसे आसी॥ सी मधव डो आय सचरी ॥ ३४ ॥ जी अ
 सी रत्न चन राजा को दीन्है॥ चरी लां वो घंघट लीन्है॥ अ
 य सचलिक सिचलै अघेरो॥ राजा को कि अ पूछो फेरौ
 जी सूरजा बात कह आसी॥ या थारै नारिक ठां अ ॥ तू तो
 हो तो सिधु गुमां ॥ या कुण्डी नही थारै तां ॥ ३५ ॥ ज बिनु ठि
 दो लो आय गुमां ॥ थो माहों की बात करो थो कैसै॥ थो राजा
 गरीब गुमां ॥ कां इवात वृमो छ महारी॥ लेष प्रमाण ज ठां
 आ ॥ इहि विधि संजोग मिटे नही जा ॥ एती कह आगों पा
 दीयो॥ जब राजा अ हो ते बुलाय लीयो॥ ३६ ॥ जा वो कहा थो
 उतार हो॥ महा सूचा त थो सांची कहो॥ मूठवो लोला तो
 थो ननाथ धूवा ॥ या थो कै नारिक ठां सो आ ॥ इ को सा
 रो कि सो सुणवो॥ जब अंठ सू आया जा वो॥ मूठवो लिमो
 तो रोकि रोषियो॥ अर काठी तुम कौ मार दिवायो॥ ३७ ॥
 चो प ॥ जब जोगी जीय बात विचारी॥ दरवार मांही सो चपी
 यारी॥ तव राजा सो की नही बात॥ म्हाने नारि इंड जी दी नही॥
 हेत पस्या की नही कठना ॥ बकल रौष का फुरहतो पा ॥
 तव इंड जी त्रीया पठा ॥ लेले तो जिन मोन घ आ ॥ ३८ ॥
 चो प ॥ वो लो राजा सांची कहो॥ थारी बात महां मानी सही॥
 या जोगणी तो महारी थोरी॥ तू आय सको ठां चोरी॥ नलीन
 इतू न्ह कौ ल्यायो॥ घरि वैठा ही चो ज पायो॥ माहां से क
 हौ इंड जी दी नही॥ करि करित पस्या इसी विधि ला नही॥ ३९ ॥
 ६॥ जब जोगी बिलो नु क लाय॥ इसी बात कौ काणे सय के
 तो महां को अदब करी ज्यो॥ जोगिणी हक चोरी काहा दी ज्यो॥

जोगीअंतरीवात कहाई॥ जदिराजाबोल्यो विहसीई बचि
डीकीनां वजलीन्हैं॥ अरराजाजीहलोदीन्हैं॥ सुणत प्रम
णदसीसैंबोली॥ अरयूघटजिहदीनां बोली॥ करीत स
लीमधरतीसैं लाय॥ जो जोगी है रावदिषायो॥ क्यों जो तू
कह छै रंन॥ दिधि जोगी अररहो अचंन॥ जोगी कहै यह
नहीं छै गोली॥ इकीत पस्या करडी बोली॥ मूनि मूरख जोगी
तयात॥ जदि हे थौर ग्राम एजात॥ हे तो जणांदर सण
करा॥ तू अहो टो मूजे करतो परा॥ मू जिहिका जिअ तो ह
ठकीन्हैं॥ थारीत पस्या को पर ब्योलीन्हैं॥ हे पहली रोप
मी ठेल पटायो॥ पाछे ई कै करि थाल पठायो॥ बालक
धरि सिन्हा पटकायो॥ अरराजा सैं इ ए विधिकह्यो॥ इ
फेरि चेत तो बहो॥ तू अरंन सीम न मै सोई॥ ताकी पूरी प
हु नही कोई॥ इसे सरा परा जान दीयो॥ जोगी जव बोहो
रित पकीयो॥ जीन जाइ सो हठ मांड्यो॥ षाबो पीवो अ
सोही छड्यो॥ जो अमर कुवो डंगर मांडी॥ निजरि नही कोई
देखै ताही॥ चैरी मुष माग्यो सो दीयो॥ इरो नराय सरा मज
ब दीयो॥ आपणो हठ जिह पुरी कीयो॥ पक्ष॥ राव हे अक
राव को अही॥ दूजो अक जोवन को ताही॥ तीजो अक पा
र स घर मांही॥ चौथो अक अरको इछनांही॥ अरान्दी
तो घर घाय॥ फीरवा कीत हलागी वागी वाय॥ बिलसिका
र अर मोज करै॥ सारा डंगर दिन नुठि फिरा॥ अने त देखली
ग छत टिकरी॥ पथर मूर तिधरि धरि धरई॥ ज्यो पर से वग
रा धै प्याते धूप दे निवाज बिसतारै॥ ज्यो कै राजा दस
एजाय॥ जाव न गतिक रिपूजा कराय॥ जह कै कन्या नही
कोई॥ अष्टा पुत्रक॥

ल्यो पा

लीबहै॥ ज्यहपरिपडानावडारहै॥ वैगाराजाज्यापरिधि
ले॥ दावपडेजिहिदिसिपेल॥ ५॥ कोसदोयेकसो॥ को
अव॥ जिहैकोकहैसबलेसरतांमा॥ ताकैदरमणराजाचले
अधवीचआवतमेवगमित्यो॥ जिहैपंडानघेंजपाती॥ ६॥
हकीषातीदेषराजातैधडकीषाती॥ जीपंडानघेंपातीही
पावे॥ जीहैराजादुषदिपावे॥ फैटैसिरकाफूजदीन्हं॥ जिरा
जाकैअगोंकीन्हं॥ जीमचालबालमाथाकोआयो॥ सो
राजाकीतिजरिपरायो॥ दिष्पोपंडैकमजोकीन्हो॥ माथा
मांहिलापोहोपजोदीन्हं॥ मेहेराजामहारीहदकांई॥ इ
सिरकादीन्होथांकेतांई॥ फूलमहैकेसकोठाको॥ सोचो
होघसादजठाको॥ महाराजिछैजटाधारी॥ ७॥ थां॥ मे
कीजटाचतावे॥ चालेअहोटावेगाफिरिआयो॥ अत
जटाकबसूंआई॥ कोइसमेहोइछैसोई॥ वोसमयोवे
वतावोहांता॥ नहिरिजीवांमारिसोथांते॥ अजि
छेदिनपदराजाई॥ तादिनजटाथांदेघोआयो॥ ८॥
लेपुरकेपुजारीराजातेसिवकैजटादिषाबाकोकरमकीयो
यो॥ राजासेतीकोलकरायो॥ करिदरमणराजाफि
यो॥ तापीछेदिनतेराया॥ पांडेसिवपरिधरलौंदीये
महरोपणराघोसिवजी॥ नत्रिमहारीहत्याल्योजी
राजामारैआयो॥ कैमारोकेकरोमहाया॥ नृष॥ प्या
जोदिनलीयो॥ जिहदिनकोलपूइवोआयो॥ ज्योः
डेघरोजकलाया॥ घईन्यारिमराजाआयो॥ पंड
मरवाकीठांणी॥ जदिसौवोल्होइसडीवांणी॥ ९॥
जीपंडानकांईकहछै॥ तइहवोल्होराजाआगे
महांपरिहित्यादेबालागो॥ अवतलचीतोरदजे

धारी चिंता पूर्ण होई॥ तजिन डर पै रहे सुप्री॥ अती कहत
 हीरा जग प्राये॥ देखि जटा हिर देखे मुख पाये॥ ७०॥ महादेव
 वजीरा वृहमीरन परचो दीये॥ पंडो बुनाय गजी जहां कीन्हो
 राजा एक गां वच छाये दीये॥ ते तां वाकै पत्रिलि पिदीये॥ वे
 ह को ले पन मे टो जाई॥ ऐक चुगल पावत चलाई॥ मोहण
 कै जटा का हो सं प्राई॥ या पर पंच की पंडे चिपाई॥ ७२॥ सक
 ल साध मांती घरी॥ राजा कै मति दुन ध्या धरी॥ जी की बात ज
 वाती सुनई॥ तीन जाय हाथ गहै॥ उपडी जटा रुध ज हो व
 ही॥ तब सिव की बांती निकसी असी॥ तिरो आरंभ्यो न हो स
 सी॥ दजो सराप जहा ड्रये॥ सकल साध को धड को हीयो॥
 यो तो होति ब्रयो ही प्राई॥ रचना रची मेटे को ताही॥ राज
 ति अजोरी की नही॥ करि कुबुधिसराप जली नही॥ कलिज
 ग अमल की यो ही चाहै॥ वेह को लिहो मेटे को ताहि॥ ७
 ६॥ सब ले सुरजी को रावृहमीरन सराप ड्रवो॥ अवराजा फिरि ग
 ठ परि प्राये॥ अररा जग्रापत मत नाये॥ कह्यो को इको
 नही माने॥ अतागत मंड पेल ही जांत॥ राजा कै घरी बड गजर
 रोणी॥ नां वही रादे मो पट रोणी॥ तिहै कै वाई देवल दे॥ ओ
 र सोलष एंणी कै केवले॥ ऐदो कं न्यारा व कै नई॥ जिन की
 बात चली अब कहि॥ ७८॥ ईती प्रदती घो ध्या ए म्मात्रा॥ २
 चो पई॥ देवल देराज कै वारि॥ ति फुलिन इरं नाओ तारि॥ जिहै
 कं न्या की कड क होती॥ वा कं न्या इंड पट रोनी॥ ७९॥ देवल
 दे कुंड की अपरा नई॥ वरमती मकी राजा हमीर धरि ओता
 रलीयो॥ नीव से ए एक पंडित नयो॥ अति गुणवंत जो तिगीर
 वो॥ जीन राजा दहल ओछाई॥ देवल दे निहू पासि पछाई॥ जीह
 जो सी अंक पणवे॥ मो अरि पहन

बोसबसी घिलीयो॥ जीपाछेनेमधर्ममैचितदीयो॥ जब
चाइकहैअनधनहैमेरो॥ घलाबोडंगारमोहीहिदीलो॥ प
रतातणौचडोतलावा॥ जठमहोततीजघिलाव॥ तंठराम
निकरियोजाई॥ याअंश्यामदारामनमांहि॥ १४॥ चोपई
जदिराजायोफुकमकरायो॥ जिहिघडीप्रधानबुलायो
जोजायगोआपानजायबताई॥ जठकुंदायदेझडाई॥
जैमांहीरुपाकीमांकलघलाई॥ जठहंदिदेवलदेबाई॥
तठराणीसहतसबअई॥ ओरअहलादपुरकीबनिता
आवै॥ घेलैःमूलैःकरैहिकरील॥ सरवनकीरतसबकरै
हीकलील॥ ठमठमजहोहोयरसोई॥ जोआवसोजी
वैजोई॥ प्रचंगणदेवलदेबाई॥ रैनिदिनाजोधरमकरा
ई॥ १५॥ चोपई॥ आगेतग्रअहलादपुरअैसा॥ अजोधरा
जीनबानारसीतेसा॥ गछकीमहिमांकहीनजाई॥ दे
वविचित्रियनकीनीडरहाई॥ ओरठांवकीबनिता
ई॥ सबकीबाईषबरिकराई॥ देवचितअरहंसहैसब
इतहीतीजसावणीअई॥ रविपचिचित्रमूर्तिबणा
जरीबाबपाटंवरपहराया॥ रतनजडतनूषनपहराई
सबहीत्रीयासंगारबणाई॥ रंगराकाचस्रपहराया
॥ १६॥ चोपई॥ जाहोबजैनोबतिघुडेनिमांन॥ ठमठ
बाजेमहदोन॥ तालमघावजछेलकबजो॥ नतमसि
रागिगनमैगाजे॥ ज्याहांछूलरानारिअलेषी॥ जायदेव
महीहीदिषी॥ मिलेत्रीयाजीसंबतलायी॥ थापणि
रकरोकिनबाई॥ १७॥ बाईत्रीयांनउचदेष्टे॥ चोपई
यांसंबाईबातकहाव॥ मूनसरमपिताकीआवै॥ १८॥
हीरहस्योयांमै॥ करौसिगारतोकोइधरस्यीनाम॥

॥ सब बालक हावा ॥ बालक बणी ठणी बुणी सब आवै ॥ क
 रियाही सब ही कौरो ॥ तोहार तीज कोई नो बधै ॥ ज्यो की बात
 चल दे मानी ॥ अंग नुवट नूकी न्हो अस नाना ॥ तेल फुले ल
 काय ई की न्हो ॥ प्रीर कर मोहि दरपन ली न्हो ॥ वेणी चित दे
 थै बणाई ॥ जै कै वी चिवी चिकु समल गाई ॥ मोती मांगो मे
 नरी यात्र सा ॥ स्याम घटा मै बुग पथ है तमा ॥ घमि कि स्तूरी
 गाई के सा ॥ अलक बणी शोना जो से सा ॥ ६६ ॥ चोपई ॥ वार
 प्रानूय एक बघाणि ॥ सोप हरे बारह अस घांन ॥ सिर स्यागा
 से लं जिन थजे ॥ जिह कानां मक हो लोवा जे ॥ करि मंजु न
 विर्यहरायो ॥ जरी पटंबर रंग रंग हरो ॥ बाल बाल मोती
 जिन सारो ॥ हीरा परथ मन के न्यारे ॥ ६७ ॥ दोहा ॥ सीस फूल
 हीरां जडौ ॥ चूनी कुंदन लाय ॥ सिम्य घटा के बीच मे ॥ नग्ये
 पूर जिआय ॥ ६८ ॥ कंचन के नूयन से जे ॥ मुक्ता पहरे हार
 जिन की जो तिष्ठि पई ॥ तकी जो तिअपार ॥ ६९ ॥ पौड सनूय
 मसाजि कै ॥ बरन स कै को सोन ॥ नवल अंग के सलता ॥ मान के लि
 की नो ग ॥ ७० ॥ सब नारी बनिठ निचली ॥ गावत करत अने द
 ज्यो कै बिचि देवल दे दिये ॥ ज्यो तारा बिचि चंद ॥ ७१ ॥ मोहि चं
 दरी वमति दे ॥ कौं का छिछो गारि ॥ चंदो मोहि कलंक छे
 हुं नि कलंकी नारि ॥ ७२ ॥ सकल नारि बनिठ निचली ॥ फूलत
 मांवन तीज ॥ एक सो एक अधिकी वनी ॥ तेरही कम बमनी
 ज ॥ ७३ ॥ चोपई ॥ जहां एक बिण जारो आयो ॥ नो मा मक जल न
 रे करि ल्यायो ॥ नैरु ताल परिउत गयो आय ॥ तिह की घवारि
 तीज मै पाय ॥ जहां उलटी त्रीया बादल की नाई ॥ नरिन रिनु
 गली अंजीताही ॥ ते सब ठिठान गमि गयो ॥ बिण जारो दे पि
 त मा मो नयो ॥ पहली आइते

रिगई॥ कदरैवैठिबिणजारोराजी॥ रतीएकसु॥ नोअंजी जि
 हबिणजारैलेषोकीनै॥ नोमणकाजलकेत्रीयादीनै॥
 हजारषीयासीलाघनीचारि॥ ४८६००० तोलतीसकैको
 बिचार॥ ४८॥ चंदेरीकोआयोसाहा॥ जिहैबिणजाराकैदरबि
 अथाहै॥ सोअठामंगयोचलाय॥ जिहैकीषवरिगवजीपा
 म॥ नोमणकाजलेनठिकैगयो॥ सोबिणजारैदामनलीये
 ॥ बिणजारोबुलायराजाराजीकीनै॥ लागतिफलायदाम
 सबदीन्हं॥ ५॥ सडीरणधनतीजजुडीईदेसदेसमेंनईब
 डाई॥ सोबिणजारोदिलीगयो॥ पातिसाहसंमालूमनयो
 ॥ जहांतीजकीबातचलाई॥ असीतीजकहुंदेधीहीकान
 सुनाई॥ ४९॥ जाहांदेकीमहिमांकीनहीं॥ अत्नाहीनजीवमै
 धरिलीनहीं॥ आठेंजामदेवलदेमांऐ॥ करणमतैसोहीकरि
 यनै॥ ५०॥ रणिवससोदामनुठवै॥ पहरेपरचैषायबुवावै॥ ज
 हनैसीलधर्मकीबातसुहावै॥ नेमधर्मअअमैआवै॥ लेद
 याअरकरैनलाई॥ कुबुधिकीबातकहनलाई॥ ५१॥ चोपई॥
 ॥ ओरहमीराजाबरननकहलहुं॥ ओरहमीराजाकोबरनकहुं
 तेचकवाचालैकरणीरहै॥ रातिदिनजिहजावसुहावै॥ पंडि
 तचातुरीगुणकीबाता॥ जहांगोवनबजावैरहनसूता॥ ज
 होआठेंजामचतुराईचाल॥ रहैअष्टकष्टकोमतिचवैको॥
 ५२॥ जहठैकबितागुणीसुरतिकरिआवै॥ वोहोतदेदानसु
 नमानकरावै॥ जिहैकैगळकीमहिमावोहोतबछाई॥ च्या
 रिष्टमधिकीरतिगाई॥ नुठैदुरिदिमाकासोदागिरआवै
 तेकरैबिणजलवधिबोहोपावै॥ फिराजाकैचलनसह
 वै॥ करतस्यावोहोतसुषपावै॥ ५३॥ चोपई॥ जहांलोगहमीर
 कीफिरदुहाई॥ राजाराजप्रजाचिकआई॥ जबअपजसण

रा

क

नूनहीरहे॥ बूझकी बात बटान कहें॥ होकीरति पाति स्याह
सुनावै॥ जिहै कमर मै नही समावै॥ ११॥ चोपई॥ अत्ना दीन
सुनि सोहरत सही॥ ते नही हमीर की पातरिमही॥ करे नीत अ
नीति नही जातै॥ लेइ न लाई युरो नही मातै॥ धमग त्याग दुसी
यार रहै सोई॥ जिहै कै सम तुलिस जाओर नही कोई॥ मुल
छिन से तीरा जकु मावै॥ जिहै परिचाडी निंदानही सुहावै॥
जिहै लछिन दोय अधिकामोटा अधिकारी॥ तामसिते ज
अंग नही समावै॥ जिहै परिगुनौ चूक परोवै॥ तिहै कौमार
तवार न च्छवै॥ रही हृदय दरति मूहोय॥ चोरी चोर करि
मकैन कोई॥ अरे सै करत निमिदि निराति॥ अतरै तीज दु
सरी आई॥ २०॥ ओरूं बाणिक न सोही झुवै॥ अधिकारी
ठवणै दुजुवै॥ जठवीस कोस लै दुणीयां आया॥ जुझ
तमा सोती जसि वाया॥ श्रीया बोहोत पुरष नही कोई॥ अ
मीध डकराव की होय॥ २२॥ चोपई॥ गावत बजावत लेगा
इनारी॥ नैरूं नाल प्रतीज नुतारी॥ तेहमीर धींचीन आइत
चारी॥ तेघो डै चटिले गयो जगाई॥ २३॥ अरे सी ज्जाति नई
अनेक॥ तेघुठिनही आये कोइ एक॥ सकल नीयां नइ चिल
यांती॥ सोराजा जी सुणी कहाणी॥ २४॥ कही गागुरोण कै
बीची चोरी॥ जिहै कै छेपाणी पथ घोरी॥ जिहनु प्रजा फोज
पठाई॥ नाजि गयो तेहा छिन आई॥ जो पावो सो नुकीं मारो॥
रूहो घोसो देसन जारो॥ फोज प्रहारी ही फिरि आई॥ दाथ
मसलिराजा पिछताई॥ २६॥ ईती श्री तृतीय अघ्याय समाप
ता॥ अर्बुन ठी उपद्रुते सुलौं वयांणः अत्ना दीन दिली मुलत
न॥ जंबूदीपमधिजा की आण॥ तेज प्रतापतप ज्यों नोण॥ मे
पति स्याही अस डी करै॥ अथ दिशाना ॥ २७॥ सक

री

तौ

धरतीवसिकरी॥ ऐकोकार दुहाई दीन्है॥ जबही स्याह सि
 कारही जावै॥ नडदा चोणी साधि चणवै॥ हथीर बांधे कर
 सोटा धरै॥ पहरिम कनू असवारी करै॥ ते असवारी स्याह दो
 ल्योर है॥ जवरद मत अति जालिम बदै॥ गयो सिकार को ई
 वन मियो॥ पात स्याह फिरी तो चलीयो॥ ३०॥ साथ में बि
 श्टि करम एकरही॥ पडी जगल में एक लीनई॥ जहा दूजा
 मनिषन दीस को या महिमा साहिज हं प्रायो सो या॥ सूरति
 देषिनारी ललचांनी॥ घोड़ा मसकी जायवत लांनी॥ एक ब
 तनर पूछै हि॥ हैरति दान की अंश्रु मोहि॥ ३१॥ तब महमांसा
 हिमम जावताहि॥ तुम पावदहम चाकर अहि॥ इति मषकं नृपा
 तिमाह केरो॥ क्यो करि दाव नगीर रुंतेरो॥ कह चीयाहम अति
 सुषपां वै॥ एक चेर तिदांत पां वै॥ जेतुम कह्य करो नही मोहि
 ॥ तो तौ मति देर मरं नंतो हि॥ तब महमांस मजावै॥ जोया जा
 यसाहिल गावै॥ तो मैनाहक मास्यो जां नं॥ इसकी आसा पूरि क
 रं नं॥ तब महमा कहै हमनि दै तुम आगै॥ करत जावै हमतु
 म लागै॥ दोन्या उतरि जीतयो मबिषायो॥ महै मांसाहि सो न
 ति मै आयो॥ ३५॥ सो इजातिकी समै मै॥ एक संध नृषो जह भ्र
 यो॥ चीया सांहां मूं हदिषि पायो॥ नारी कहै छे डिउमि यो
 तुम हारै पीछे ताहर आयो॥ आसन राधिमीया मुडि देख्यो॥ मु
 हनवावत आवत जो पेछ्यो॥ बीचि तीर सां हूं मूं हदीयो॥ मू
 लद्वार होय नी सरि गयो॥ स्पष्ट कडाय वै कैं गयो॥ तत प्रा
 त मुक्ति ही हो गयो॥ करम मनोरथ पूरो कीयो॥ महमांसा
 हि पणिकर लीयो॥ फिरि नारी महमां बतलायो॥ ईती कु
 वतिथे क्यो करि पाई॥ दारूषावो अकै॥ कौसाधन रायो॥
 जदि महमां नारि मूं कहै॥ हमहै जो सपडि कारहै॥ वोष दिव

टीकछूनघांते॥तीनवस्तहमसाध्यांजावें॥घेरगलेरीनीरन
 पीवें॥घांनारमवोहोतहीजीवें॥बैठून्हीउकडुपलक
 राय॥इतीकहरितुरागायोडकाय॥मनमूवोइकडूम
 जोकीया॥स्यंधकावीसूंनषकाटिलीया॥चठिघोडेना
 यांमै॥गईजायसाथमैनेलीनई॥जिहजायगांकरव
 लआयाजबै॥बैघोनाहरदेघ्योतबै॥करीचोटगोलीकी
 जाय॥मूवोनाहरहलालकराई॥जबकरीरतकरतक
 रवलदेघै॥विगारिपावमूवोहीमेघैजायतरवारिमेलक
 घावचनाया॥अपनैडीलमैनघपडाया॥लेमिलीयाप
 तिसाहिनजाई॥ज्याहदीनीबोहोतवडाई॥ओरुअधिके
 मनमववजई॥महिसुसीकूवोनाहरयायो॥बहस्यंधचोक
 मैदीयोरलाया॥अपतिमाहिमहलंमैजाई॥वाहीकुर
 महजरिमैआई॥जीपातिसाहिकीकमरिलाई॥अरअरजक
 रैमेरकिनसास्यो॥तिसकेनघमगावोसोरे॥पूछेसाहिकिस
 कांमिआवै॥कुरमकहेतावीतमछंनै॥४६॥जबसाहिदर
 यांनहकरे॥कहिआज्योजिहनाहरमारे॥जियकानयसि
 तावलेआवै॥टीलनकरोघेगदे॥जावो॥दोडिपयादास्य
 घपैगया॥जायहेरिक्केओटाजया॥जायमहिमंसीमनवाये
 ॥कहीसेरकैनघेकहीपायो॥४७॥फेरिसाहियोकुकमक
 रायो॥जायपूछेजोनाहरल्यायो॥जिमनमास्याजिमपैजा
 वी॥होयजहांतदकीककरावो॥दोडेपयादाकेईजहां॥
 होतेकरवलपकूतेतहां॥कहीहकीगतिजायजिनआगे
 उमनाहरकानयसाहिमंगो॥४८॥करवलांकहीस्यंध
 पैजावो॥हजरिआपकीजायकजवो॥पयादेकहेकह
 मदेपिकैआये॥मेस्कैन

रसबबुलाये॥ नाहरलयायतेसकपूछाई॥ कहीनपायाकर
 चलपरीया॥ फूलनोडसंघलेनरीया॥ जायसाहिसंकि
 मासुनाया॥ संघकैनघरेकहीपाया॥ सोसाहिनयाइत
 राजी॥ मूवासंघलेमिलीयापाजी जिसहनिकसिबोहोत
 दितजाईवाहीफुरमैसोनतिमग्राई॥ जिससमाहिसोन
 तिकस्या॥ जहोकटोराताकसंगिरा॥ सोओलचितग्रा॥
 हाटेफुवो॥ आसनछाडिहोगयोजूवो॥ धडकधडकछा
 तीजहांकरै॥ दिषिफुरमैहासीग्राई॥ पातिस्माहमनघ
 रोरिसाई॥ मैकपूतहसतहैडलौंडी॥ मारीचाबकांओर
 उधेडी॥ ५६॥ ज्यौज्यौफुरमअधिकीग्राई॥ पातिमाहिकरचा
 बकलावै॥ साचकहेतुमहसिहैकैसै॥ सोहीसाचक
 होतुमतेसै॥ जोजीवकीग्रमोपांन॥ हजरतिसेतीकिसा
 सुनानै॥ एकजुवनैग्रसाबलधारे॥ टलनहीग्रामनसेन
 हरमारे॥ ५७॥ एसबमहलनेचाग्रसराल॥ चौकीपह
 रालगौताल॥ इसजागांडरकिसकाहोई॥ हजरतिदि
 मकपडेहैसोई॥ तिससेमुजिहासीग्राई॥ इसजागांडरन
 हीषुदाई॥ ५८॥ देखसाहिकहअनबोलीरहो॥ संघमा
 प्रातेकहो॥ कितमाराततैदेष्टाकह॥ ककदेबात
 सुनीहैजहां॥ नारीकहैमैदेष्टीनही॥ मुनिहवातपुराणीक
 हो॥ जबसाहिकहैफेरोमतिबात॥ बिजकरिदोयलगा
 ईहोय॥ इसहीवातकदेहिनिबेरा॥ नत्रिकुटकाकरैदि
 तेरा॥ ५९॥ जबपातिसाहडरपाईनारी॥ कणनपलीव
 तबिचारी॥ अरहोतोबतोफुवोहीचाहै॥ नारीवातक
 हैअवताहै॥ हजरतिसिकारकरिफिरिआये॥ जिसदिनज
 बरेकहीपावै॥ ६०॥ सबअविग्रकेलीबनमैपडी॥ जुबान

एक आयाति ह्यर्द्ध ॥ जिससूमेचित चलायो ॥ जो जुवान मोन
 तिम आयो ॥ इत नैही एक नारु रदेयो ॥ उसपीछे मोन ज
 रियेयो ॥ मकह गछे डो मुहिह नाहर लेदे ॥ उसमुरि देधि
 फिरि जोह ॥ वह डेरै ही कर मै सरलीन्ह ॥ आसन मुधनाह
 के दीन्ह ॥ तेसर स्पंध के मुय मै लाग्या ॥ पूछत लहायनी
 परि नाग्या ॥ मरीया स्पंधतुरत जो सोई ॥ ऐ देयो जिम का
 न पजो सोई ॥ पूछे साहिनां वक्का जौने ॥ कोउ नमकी सूरति
 पहचान ॥ कहना ॥ रिमै नां वन जानूं ॥ सूरति देयंतो पह
 चानूं ॥ तैक छूछी कपाबत लाया ॥ झरम कह मै बोहा
 त ही पूछी ॥ चलत ही बात कह गयो छूछी ॥ उकड़ वैठि
 ताता नीजीनी ॥ घडे गलेरी नीर नयीनी ॥ इतरी कहि चल
 तोऊवै ॥ फिरि वचन ओहो तोही कह्यो ॥ जब साहिन म
 तो उपायो ॥ उमरावतुर कमवलीया खुल्यो ॥ कही जयतु
 मवोग दे आयो ॥ हजरि हमारी घाना पावै ॥ जैवै साहि नैकी
 चकरायो ॥ ओर दे ॥ गचादीया चढाय ॥ आपरों पेंवेण
 आय ॥ चिगदे अरु झरम वैठई ॥ ७५ ॥ जो आवै सोही कीच
 मै वैठै ॥ तातो पाणों पावै जठ ॥ जौबैठ उकड़ गाम दोय पाया
 ज्यो त्यों साहिका नला मनाया ॥ आवते पछितावत जा
 य ॥ नीचै कीचे विषोनां नही पाय ॥ सबही कै मति मां सो
 मड्यो ॥ साहिब लयो कांई कीयो ॥ अतीकरत मीर मद मां
 आयो ॥ तीन जुवांत आरमंग पाये ॥ जे देखे तो धरती आली
 काठि कुरबो एति है नुपरि डाली ॥ पालगथी मांडि बस
 बैग ॥ गरम नाज तो पयो जठ ॥ काठि रुंमाल मोयो न
 न डायै ॥ करि छंछ अं पां नोषाई ॥ ताकै देखि पाति म्याह
 यो कहै ॥ ऐ देयो कौन न जूहा ॥ जन मदे ॥

हम साहिब को दिया वताय ॥ ८७ ॥ तुम यूँ सो विचमै है सोई ॥
महमांसाहि पहचाना जोई ॥ मुतलब करि अंदा भरि नियाये
तत छिन न जीर कौ बुलाई लीया ॥ मिजल सि होत और बुला
या ॥ ता सो साहिन कि सा सुनाया ॥ ८८ ॥ अरक ही गरीब को न
ही ॥ सुनिकरि अंगुली दांत तलि दी नही ॥ साहिक है क्या नम
का की ज्यो एक कहै जंजीर नरी ज्यो ॥ एक कहै जहर दिवावै ॥
कै इ कह न सकत रत मरवावै ॥ एक कहै कहिये लिकै दी ज्यो
जो जानतौ माया की ज्यो ॥ साहिक है न सखे मरां नुं जी
र कहै इ कत पारतु हारा ॥ इ क म करो सोही मारां जाई ॥ अब
अलूषान सँ साहिक हाय ॥ नम कौ आधीराति तुम मारो
जाय ॥ सो बात डुरम सुएली नही ॥ सबै बात सुनि मिजल
सिकी नही ॥ सा सी सो नहि बिदा करि दी नही ॥ निधानि बात म
रन की ठई ॥ जब डुरम जाई नर को की नही ॥ सो महिमां साहिकै
डेर दी नही ॥ निकल्यो जाय तो निकलिकै जाय ॥ न हित रिमा
मां होय कै लडाई ॥ तुम परि बिदा अलूषान नयो ॥ ते करि
तीयारी डेर गयो ॥ वा आधीराति तुम परि आवै ॥ यो मनो जानि
छील न लगवै ॥ तुम निकलिकरि अबही जावै ॥ और न क
हुवा त चलवै ॥ काम की बस्त हाथिले जावै ॥ और बस्त प
डी छिटकावै ॥ यो महिमां साहिन नर को लिषीयो ॥ ता कौ
बाचि सोच पडीयो ॥ इस की सारै मुल क धूवाई ॥ किंच फल
निक सि जाई ॥ दधि न दिया मन मै ज बिचारी ॥ आगे जमी है ई स
धेत्यारी ॥ जिहन जिहै घडी चालो की नही ॥ निकल्यो महि
मां दिली सौं सोई ॥ देषान सुण्य जां एण्य नही कोय ॥ ८९ ॥ जहां
आधीराति अलूषां आया ॥ दछिहवेली अति पछिताया ॥ जबै
देस देस कौं पो जय गई ॥ चंद्र सि घाटालीया बंधाई ॥ महम

सोई
 गो
 बुला
 बैल
 नुस
 कैदी
 लीज
 ईअ
 मारो
 मिजल
 निवात
 साहिक
 हितरि
 तेकरि
 मतोतमि
 मप
 ताको
 रफद
 ईस
 महि
 ईजहो
 जव
 ईमह

साहिअहलादपुरआयो॥ सोहीदरामेरोकिरपा
 अलखानदिलीमहरछय्यो॥ कहीमहमांसाहि
 नपायो॥ महमासाहिकोजाणिजोमीर॥ तको
 एमीवीर॥ तेमतिवालोकलालकैपायो॥ घोप
 लखानकैआयो॥ सोजायसाहिये॥ मालूमकीन्ह
 गहवेडीमैदीहो॥ ६॥ जबमहमांकह्यो॥ क्यो
 ई॥ सोहमसंवातकहीसममाई॥ दरवानकहैअठ
 तिहैक॥ ऊकमसंग्रोगजह॥ कौनजायराजायेजे
 लगहमहैछीलजहोई॥ राजासिकारथेलवजावे
 बाततेजुनारहावै॥ ७००॥ जघेदोडिदरवानराजा
 सोहायजोडिगजेनयो॥ कहकोईतुरकदिल
 यो॥ सोथांसंमूजरोगुदरायो॥ नलाघोडाहजार
 रातेकीयांनुचालामाणसलार॥ उनादरामेअर
 वै॥ ऊकमहोयनोअगो॥ जावै॥ २॥ मुनिकरिराज
 कहाई॥ पिरिपूछेथांनंज्जाई॥ कोठरहोकोठज
 ठेथांअबबासकरावै॥ फिरिदरवानमहमांयेअ
 वकहीतेबातमुनायो॥ महमांकहदिलीसंघटे
 षणकीजायहैरुठे॥ ४॥ फिरिदरवानराजाते
 महमांकहीतेबातमुनायो॥ तासौराजाफिरिये
 उहजायपूछेजोअठरहै॥ जकोपावेलचठथां
 सवायेदेस्योयांही॥ दरवाननुलटिमहमांसंक
 नराजराखेतो रहे॥ जवगावमसंमहमांपूछेई॥
 जासंमिलियजाय॥ ऐनीघांवदजागाकाकाहै॥
 हिकाथगाकजूनोही॥ मीरगावसुमह
 बजलीघांतमिवाई॥ ऐनी

या॥ साष्टिजवांनदसश्रैरनीलीया॥ ७॥
 देषिरदोड्राकेशी कहवातां राजासूते शी
 मीरकहाये॥ सोअपनमिलबाकौआये॥ त
 कमकराये॥ नतरिछिछोणां दीया बिष्ट
 नतरिछेठाय॥ चल्याचल्यामहमोजाह
 हा॥ जमधरआगराधिकरि॥ महमांकरै
 अतिरानीनये॥ बताईकरसूठाम॥ १०॥
 कहो॥ नलानलासूपठेण॥ साहिकसौंवे
 सांचीकहोप्रमाण॥ ११॥ महमांसाहिकहे
 मेकीयाअन्नावसाहिकामारणफुरमाया
 डःफोडिहिलीघरआया॥ तुरककीसब
 दूनपकंठा॥ अल्लसोनअसिनयेतासबं
 बलगनुगअंथवै॥ कहरायकिमसरे॥ मुगे
 मुनिहमतुममरनागतिनबरो॥ १३॥ राजाह
 कबित॥ जामसागरणथनसीमजबलगध
 मनुजादोयडंडःचलनदोचलबिचरत॥ जाम
 जामेजाजाबडगजर॥ जामेजैतबीरह॥ सकै
 तडर॥ अबकीनमाथेजायमोहि॥ हमीरका
 सोतोमैतकाछीआतुहै॥ १५॥ महमांकहछे॥
 ऐतुमपासि॥ तुमआदिकरिछीन्हो॥ धनि
 मीर॥ नवसिरसीमजोदीनो॥ जाहसुनीये
 मैनेनादीठा॥ धनिजननीधनियिता॥ बे
 मीठा॥ नमछीपतिसाहि॥ तासोकहौन

यहै वरजी कै पांणी पया॥ सिर न चले चंचल कुंज
 या॥ जी कतौ यम माल ईसी ही चले॥ जी का सै मस
 प्रसन ने कजन॥ ओरां की प्रठा इस सैल कवू तरन
 रीती सा॥ तुरकी सैया चमाता मतंगा॥ जी कै पान के
 गो न पंघी रुमंती॥ सो जा मयें घरी कुना घी नो वै॥ इरो
 नी पीरां नी तुरां नी व॥ असी प्रारबी प्यारबी रुम स्यो
 मी॥ घरी व्याई घाडिते तो ही यन नो मी॥ सब दखिन दे
 म सुल ताने का॥ ते नला अस वाग परबत का॥ तुरी ह
 जार ऐक सै ऐक नला॥ जा की नो ति अने क के रागु
 ला॥ जी कला लपतें राक सै नलीयां॥ जी सजाव कह
 गल मुष मै लीया॥ जर दा हर दा तुन के मरीया हर ता
 ल मुष दे मरंगीया॥ हरी या वन न धान सकरी बर॥ के
 इल हर प्रली ला बर॥ तुरी से त मोती कुं नी फुल
 जि सा॥ के इ प्रवल य पंच रंग ति सा॥ के इ स्या हा न वर
 ग ते क जर के॥ पवी सा रु ने दो रंग बा दर के॥ व न्यो रंग अ
 ने क कहं लो पछै॥ जहा होय बधी रते का बिबोछै॥ अर रों
 वर पांच पदा हरते॥ वडा दे तन सें उंचा गिस्ते॥ निहै कै
 ती न सें गंठ अगादी असी ते नार अर बा सै साधि वि
 सी॥ २६॥ चोय ई॥ सोरा जानै न घेर घाया॥ ज्यो को ज्यो छा प
 य लिषाया॥ सागर ताल पै जा गादी नही॥ जठै जगि दै ली की नही
 जां दे गां व प्रा तां जा गीरी दी नही॥ तुम्हाय अमल जा हां की
 न्हो॥ जोरा जान न घेर घाया॥ ज्यो का कुरव बो होत व
 धाया॥ अस वार सतरा सै २७०० मह मां न पंहुवा॥ ज्यो
 का दो लो व्या ज्यो जूवा॥ दो उ पीर मह मां चल वेंत॥ त्या
 का बर न को न हन अत॥

और नइजो ज्यो कै जोइ ॥ असी विधि का ब्रह्मा पठा
 जिन का घाण पीण मुण बघाण ॥ अधौण धान तो
 नाइ घाई सात से रोग न जिमाई पांच बकरां को
 ति बपावै ॥ और ची जते कोण गिणं वै ति एक बा
 र दिन मै जीवि ॥ अधौण दूध च्चा लू पै पावै ॥ पांच मे
 जुवान असाही वण्य ॥ दोय नायां न अधिका गि
 ण्य ॥ दो न्युना यां न पै कछाण सारि धी रहै ॥ टां क
 बती सकौ चितो लहै ॥ अथ धात को सोटो कर मै
 पौ चै लटक बहत सर मै ॥ जम धर घां डो कर मै रखावै
 ॥ जी परि बह प्रवरति पावै ॥ ३४ ॥ चौ पई ॥ ज्याहां रहत वै
 होत दिन गया ॥ एक दिन या दिन गि जानया ॥ घां
 की कछू वस्तर ही पणि नंठ ॥ अक न्हां नी मोटी ले
 आया अंठ ॥ मह मां साहि जक प्रज कराई ॥ मुज सा
 रह राहित एक नाई ॥ बाह मसं विधि टिक लाल क
 रह रा ॥ सोम तिवाला साहि कै गया ॥ ३५ ॥ ह म साहि
 नां गि जा सोई ॥ मेरे कां मि दुष पावै जोई ॥ कोरा चण
 कोरा ति बपावै ॥ तेज ड्रा ज जीर मे दुष पावै ॥ धर म देह
 लीयार कहावै ॥ जिस का दुरे नि दिन संतवै ॥ वां हां प
 री वस्तर हम एक न छोडी ॥ सरूज बस को गने न जाई
 ॥ ३६ ॥ राव कह छै ॥ चौ पई ॥ अवे कौं क रिचू कै ॥ क्यू तो न
 पचार करो घां न को ॥ अंठा सं जा मू स लगावो ॥ चोरी
 जोरी कर लिखावो ॥ ३७ ॥ जदि मह मां साहि स्वात
 कहाई ॥ झुक म करो अवे वह आई ॥ देष को इव्यो ते
 जो पड़े ॥ वै अवे कह नी पड़े ॥ ३८ ॥ वै घा गछ मै मां
 म सोई ॥ और फिकर ज्याह नही कोई ॥ इते करत सांच

लीआई देवलदेरचीतीजवणाई जीकीषवरिग
 वजीपाई सोमाराडगरांचोकीरघाई कहीघाटीचो
 कसजायरघावो ॥ वीचोरमिलतोवांधिलेआचो
 ॥४१॥ वडावडारजपूतकुनाया ॥ समताइवाकअर
 विदाकराया ॥ महमांसाहिनदेष्पजोई पूशीवातरा
 जासंसोई कहांकूबिदाआजिलोगकराया ॥ सोरा
 जाजीधिसासनाया ॥ महमांकहजेआगपांयाने ॥ कुंक
 महोयतोऊनैजांने ॥ सोराजाजीनुवदीये ॥ थांजाचो
 तोजावोनत्रिघणहीगाया ॥ जवमहमांसाहिअस
 वारीकीन्ही ॥ एकदरेजाइचोकीदीन्ही ॥ जहसक
 लत्रीयाएकठीमिली ॥ गावतवजावतरमवाचली
 तेनैरुतालयरिऐकठीनशी ॥ अहनादयुरसूंआईनुई
 सोत्रीयाजीवमैडरपावै ॥ इतिगतिजांकैफिरिफिरि
 गावै ॥ ज्यांचोगांडाचोकीदिवीनशी ॥ जीसूंदेसति
 दरिहोगाई ॥ कोइहीदोवांधिहीडोल ॥ बेलरमअर
 किलाल ॥ ज्यांसिरसूतीजगतोरीजाई ॥ द्योचेरकि
 लकिलाकीनाई ॥ तेघोडीचछीयाजाई ॥ मानूघो
 डीपंषलगई ॥ सोससबचोकीकीनिजरताआया
 ॥ मरांसिलिघोडादोडया ॥ महमानेदिष्पजातो
 ॥ महमानयेघोडोनसोहीमातो ॥ चण्चिगडदा
 सेतीदोडगारा ॥ चोविललगघोडाजीनरता
 ॥४३॥ वोघोडोपाणीनपरिदोडगोनाईजीविधि
 धरतीलागोपावै ॥ जहासकलमाथमूकलाबाला
 गो ॥ महमांसाहिनयातिहैआगो ॥
 घोडोजीहास्यो ॥ तेयलमै

मीयाछंदचढिगयो॥महमांअतिगतिअडवडानयो॥४५॥ज
बलगाधकफेकीपडिगयो॥महमांनीषदीडेलीलईजवे
षीचीमुडिरपाशेदेव्यो॥आवतअमवारोकजिहयेव्यो॥
जहांजादतलोकलेऐकननोगुवात्यो॥जहैषीचीवरछो
टात्यो॥अरगुवालआवेजसिकहज्यो॥एहदेविआगैपगदी
ज्यो॥जबजटैमहमांनिकस्योआशिवोगुवालवरछोदीयो
अंतार्यो॥योआगिलोगयोवतायकैनावै॥एहदेविकैआघा
जावै॥हहटमहमांकैवरदीयो॥दुमारयेजडैति
सरिगयो॥जदिकहगुवालयेनीताजावै॥आपणितकैव
सिकदेनदीआवै॥४६॥जबरोमकरिमहिमांघोडोडास्यो
॥यझुचिरषीचीजायपशर्यो॥षीचीजबसामूंआय्यो॥महमां
हैतबषडगुचाय्यो॥तबषीचीनीकाछीतरवारि॥कहमह
मांतुमपहिडारो॥षीचीकहैचाहीवाहो॥महमांकहैतुही
करिघावै॥४७॥षीचीकीहीवाहसी॥सहैकवरलागी॥जी
कोसीसपड्योधरजाइ॥घोडोनयोपाचचिरगी॥जबआ
पहीनछलीतुरी॥षीचीअडतलदावीघोडीगईधरवैरि॥४८॥
गच्चास्योकरिलोवी॥जबमहमाकूदिरदूगयो॥षीची
होगयोकलानंग॥जबमहमासाहितलैसूकाछीकरीव
धीमसकबेछंग॥४९॥षुदायगतिअसीनई॥घोडीनठि
गाछीनई॥षीचीरालिलीयोतिहेनुपरि॥महमांपकडिली
योसोआवै॥षीचीबहणरहऐकगांव॥जीनघोलिकरिह
रधिदायो॥सोषीचीहैआणिपिलायो॥षीचीजहरअस
खबनयो॥तेमूकिकिहकिपडैअरजायनयो॥जबमहमा
साहिकरमोहोरिलीयो॥जीमध्यपोकैडोरकीन्है॥मोहो
रोपोकैमूछेमेल्यो॥गांधीगुदीपैदीहीज्याहि॥जीकोजहर

नतरिकरिजाई॥ तबमहिमांचावलिउतसौ॥ आय॥ सकल
साथदेष्वाआय॥ त्रीछा॥ नयामहमांतीहजागो॥ तितिकलि
अडानआगाकृवा॥ ओरमतिषजादनहीजूवा॥ धीचीचां
धिगोलमैडाल्यो॥ वाकौमेलिआगौरचाच्यो॥ सोमहमां
गठपरिपकृत्यैजाई॥ साथिलेआयोधीचीतिहेठाई॥ ६०॥
वाधोपकड्रोदेष्योजोसोई॥ दोदेषनैवोलेनउतरेआई
जवऐककोईअणिपिछांण्यो॥ योछेधीचीमोहिजांण्यो
तिनचायघोडापरिघाल्यो॥ घुमीहोयाछपरिलेचाल्यो
॥ अरसारांसिलिकरिमतोउपायो॥ योकहोठाकुरवीरम
स्यंघजीलयायो॥ सकलसाथनसोगनकजाई॥ इठाकु
रहथांदेऊघडाई॥ सारावचनऐकहीनाष्यो॥ पनकोवा
लनुपरजेराघ्यो॥ जीहूकौल्लेजानघआयो॥ राजादेपि
बेहोतमुपमय्यो॥ जववीरस्यंघसिरपावजंदेहैं॥ आ
रपटातैदूतंदेहैं॥ धीचीतिजंजीरेजडाया॥ घनातिन
याजबरावबुलयायो॥ जठसनासबचैठीआई॥ जेठधीची
लीयोबुलाईजीकोराजंदिष्योनावडुकमकीयोयह
तुराचछावै॥ वेत्तप्रयधानकोजोई॥ तेहिकौकोयलानां
पिारमकसोमोई॥ महमांसाहिदरबारजाई॥ सोघोडानपे
निकस्यैआई॥ जवमहमांकहैयोकांई॥ छेयाराजदिघो
डानधैलानैबोलनुचास्यै॥ कहैकालिषीधांचीजोपक
ड्रोआये॥ सोतिहिकेकारणिगारमकसई॥ ६१॥ चोपई॥
जवमहमांसादिपकृतोदरबारि॥ जायराजासेतीकैरेनुडा
रापीचीबांधो॥ देखैनसकसेति॥ जवमहमांमृषैराजामे
दिष्यवंधपुनीहकहांसेआया॥ थांपणिकहोकिम
संशानठा॥ योयाकहथांपकडिगयो॥

धीचीसुनिकरिमाघोलेन्यो॥ अकरालथकोराजा
 ल्यो॥ हतोबसिमीयांकैआयो॥ बिजेराजाचोघेमहमादिमी
 कहोयाधीचीबातकहैकिमी॥ जबधीचीकहैयापूछेकां
 ईजायहकाल्योमहोरताई॥ हुतोबीरसंघजीफूल्योवे
 ठो॥ सुनतबातधरतीमेयेद्यो॥ तेपणिराजादेख्योसोईयो
 रह्योनाडिनीचीकरिगोई॥ जबमहमानैफिरिपूछेराजा
 ॥ यांसांचीकहोयोकांईछेकाजा॥ कहमहमायो॥ चीहीकै
 हसी॥ जेल्यायोतेछियौनरहसी॥ जबधीचीकहैबात
 जिएमोडो॥ मैमास्योछेयांकोघोडो॥ हुंहाथबाधिगालमेड
 ल्यो॥ तूहारीघोडीचछिघरिआयो॥ योमोनौलासूंल्यायोउ
 चाईजीकीसोनाहैयोप्रणियाया॥ ल्यायोतेतोबोलपायो
 नही॥ योफूल्योरह्योमांहिलामांहि॥ ७६॥ चोरई॥ योकहैधी
 चीसुंदुराई॥ जबहोकैचक्रितरावकहाई॥ जबमहमांक
 हेयोजुवांतनलोहै॥ किमीबहकायेघोटाकांमकस्याहै
 ॥ जबहसिकैराजाबातकहवैदेयांवातोघोडीमगावो॥
 जबमहमांसाहिघोडीमंगई॥ देखिराजाबकसीसकराई॥
 ॥ ७७॥ जीषासाघोडाओरमगाया॥ सोमहमांकीनिजरिक्
 राया॥ बीरसिंघदसिदिष्टिरावजोतांणि॥ ताकोदरबारम
 नतस्योपांणी॥ बीरसिंघधिजिधीचीपरिआयो॥ कहैतूकु
 णीबहकायो॥ कह्योइनकोपैचिआगैलेजावो॥ अथधा
 तपरिजाईचछवो॥ ७८॥ अबमहमांकीमुणैबडाईहाथ
 जोडिअरअरजकराई॥ असाजुवांतनहीअजायांकीज्ये॥
 बांकीजागापेलिकैदीज्ये॥ आरतमासादिघोइसका॥ अरक
 हुकैयोहीबसको॥ राजाकहैयोहरहसीतांहि॥ कहुंओरजो
 योकेजोरिसीकांई॥ ७९॥ फिरिमहमांबोलनतलाया॥ इसकै

सौधो मेर ताई राव कहै ते घोटो पां स्यो ॥ ईतडा व्यमुघही
 पा स्यो ॥ महमां कह्यो चाकर की ज्यो ॥ ईस कौं पृब जागीरी
 दी ज्यो ॥ सोधी चीर जा दीयो छूडाई ॥ तेमद मां की ताबी तक
 राई ॥ तब महमां धी चीन प्येव सोयो ॥ जी सां राजा यावत ल
 यो ॥ थां कै यां कै क्यो करि वणी ॥ कसी नांति सौं बाजी अणी
 तब धी ची सब किसो सुणायो ॥ महमां साहि आका सच छाया
 ॥ जी को राव वधरो कीन्हें ॥ धी ची कौं मिरपाव जदीन्हें ॥
 थां वो पई ॥ तीज को जेतो सरा जाम होतो ॥ सोमहि मां सादि
 मां याते ता ॥ जो हजूर राजा की हिल्या ॥ सोराव पय ईवा
 स्पै दीन्हें ॥ जब बाइ महमां को कि चुलायो ॥ सोराजाने
 तुरत बिदम्यो ॥ जब बाइ कहै तूना इह मारो ॥ अब थां मां
 को प्याल मुध स्यो ॥ जब महमां बाइ नै एक रिचोली ॥ ज
 वेद वल देनो शावली कीन्हें ॥ अफ आपणी गांव दिवाया ॥ दिसि
 रपा कप्र घरा पढायो ॥ गठन प्रेरत दिन निकसि गयो ॥ तब मह
 मां यादि नो एजा नया ॥ जब दिल्ली जासु सधिनाया ॥ पवारि
 ले प्रअ होत अया ॥ सोमहमां सुनाव जकहो ॥ वां नही का
 नको दाव सही मै चो कस करि आयो सारी जागां ॥ कोठ नही
 दस्य जलागो ॥ मै देय्य महिका घोडा आयां ॥ अ प एजा की स
 थिल गायो सो अ एबां ध्यां हीं डंकि के सोहि ॥ जेवाय घूदि
 द सरा है जं हि ॥ जब महमां जीव मोही बिचारी ॥ एक व्याई घ
 डी पदा कीन्हें ॥ वाघोडी साधि आपणी लीन्हें ॥ अरसी प
 जई रावन प्ये मांगी ॥ आ जिमिकार हम प्ये लै जाई ॥ तेसह
 सतुरा सौं असादे डंग ॥ ता सो रह्यो हीं डणी दी घोडा ॥ जीदि
 नितो आराम करायो ॥ थां पारि वां पां दोण घायो ॥ आधी राति
 पडुतो जाई ॥ वाकी सारी पाय गाई लंगाई ॥ सो कहै ई बडि

गि वाव्याइ जै कि
 मसौरह्रासमाई॥ जागां पाई गालागी आगी आई॥
 गनु ठाठ नडकाई॥ जाहां देखै जहां लागी लाई॥ अरु दरवाज
 प्रसुलाई॥ घोडा हां कि सब वाहरि दीन्ह॥ सो घोड़ी की ल
 की नही॥ सहै स घोडा गछु प्रलाया॥ और हकालि मा
 आया॥ १५॥ मोरा जासे ती आइ मिलाया॥ मारा प्राय कै ल
 सुनाया॥ और घोडा मवनि जरि कीन्ह॥ मोरा जाब कसि अ
 ही दीन्हो॥ १६॥ हवा लगी रदिली गया॥ मोसाहि सो फिरा
 या॥ घासा घोडा सरब ले गया॥ महैं मांसाहि हराम घोर नय
 मा घोडा सरब ले गया॥ मुनि पातिसाह न घोरि माई मो
 पछी हजरि बुलाई॥ कहो से आया कहो वे गया॥ को
 म सं घोडा लीया॥ १७॥ अरु धराति वरहा ज आया॥ नुन
 री माया गादी रलगाई॥ वैरण घंन वरं मूछी प्रआया॥ चां
 जाय सब तुरी चछया॥ जब पातिसाहि अलखान बुत
 हजरि नजीर मोलण सी आया॥ हित मजल सिमवै वषय
 मोसाहि सब किमा सुनाया॥ मह मोहरा मघोर अरु त
 घासा घोडा अरु ले गया॥ सो गजरण घंन परि अरु रदै
 मकी बात न अरु कहै॥ सो आपही सं प्राव नया॥ मे
 रि जाछे डिदौ या कहगाया॥ अब न मन प्रअसवारी
 जे॥ न मही दुष्ट मज्या वरी दीजे॥ जब नजीर न ठिबोल
 मे॥ तुम अब ही असवारी करे ज कै सै॥ पहली ऐल च
 जव बो॥ करि बिशाले मुतल बल्पावै॥ १८॥ मुनि
 पातिसा अरु सै कहै मेरी तिसा को इतही॥ मोतूम मोल ह
 प्रजावै॥ तो मेरी प्रजमां करावै॥ तुम विन बात करै को
 और की बात न अरु बैदाया॥ १९॥ करि मल बबे गिद अ

कोई

औरत कसीर में देव लदे ल्याये ॥ वैदो पाकि प्रज व कुहाये ॥
 सोनी हजूरि हमारी आये ॥ चौकी में नुरी नाकर पाये ॥ कष्ट
 मकसद हरावो ॥ अतीव सतु ममांगो जाई ॥ और करो जेतु म
 संहो ॥ यमि वाई ॥ २३ ॥ जच मौल हण सी विदा कराये ॥ ते च ल्यो
 च ल्यो अहलाद पुर आये ॥ जह लो डेरो आरंभ कराये ॥ दि
 नद जैती जेगा छपरि आये ॥ वैठक चह डि फिरेनु डि जाई ॥ कष्ट
 नही काहु संवात चलावै ॥ २४ ॥ आवत जात मासद मन
 या ॥ सो मौल हण सौ यावत लाया ॥ थांचा कर छे अक कोई
 मुतल क प्राया ॥ जा सौ मोहल हण किस मुणाया ॥ मै दिली स
 माहि धिनाया ॥ राजा से तीह इक कोम ॥ मौल हण सी है मेरा
 नाम ॥ मौल हण सी नुठिठा छे नयो ॥ नो सिंदरा वन यंगयो ॥ ज
 यराव सौ प्रज कराई ॥ अठे एक बाँल्यो दिन कै दिन कै आई
 ॥ वैठे आई क चह डी मां हि ॥ अब लग ह मक वरु पृथ्वी ना
 हि ॥ वृक्षो अजिक या सौ प्राये ॥ चौयो बोल्यो नुठिठुं माहि धी
 दाये ॥ मौल हण सी है हमारे नाव ॥ राजा पाकि प्रायो यक का
 मि ॥ २५ ॥ राव ज दित ह की क कराई ॥ करि गवौ जी न आनि मु
 नाये ॥ राजा न तवै बुला प्रीदाये ॥ करि साधति तेग परि आ
 ये ॥ राजा फरो ये वैठे आई ॥ तलै मौल हण सी लीयो बुलाय
 पृथ्वी राजा थां कौं करि आया ॥ कसै कां मि थां माहि धिदाये
 ॥ २६ ॥ मौल हण सी पाति साह का कह्यो ममाचार यव सौ क दये
 ॥ कचित ॥ मौल हण की यासला मनी वटै सै सात तूषारा ॥ च
 द्य ही दतुर क चहै सव मन रिवारा ॥ ईम पृथ्वी कह्यो म
 मौल हण तू प्राया ॥ तोड़ दिली पति माहि साहितु ज्यो मिथी द
 या ॥ जो नुल वि आया ममंदर जुग पर लै होई ॥ कोपी वदी दत
 धणारी यवरावरि धिनाम कै ॥ मोरण छन गाछ मै वूडत मुण्यो

॥ राजा कह्यो कविता ॥ अरमल हणवसोठ ॥ काइतू अग
 नये ॥ जो धरि मारो दि ॥ तो कौण सरण गति रये ॥ उत्तवे दिली
 ने साहि ॥ इत फुं दिली पति साहि ॥ मन रिराज ॥ फेरुं जाई सरह
 साहिका ल्यो सब बाजा ॥ असवारी समेति बिग्रह अडं ॥ अरम
 को सामं ह होय धसै ॥ कै घोडी होय सुरतान की ॥ कै फुं हे मा
 हि परो ॥ ३२ ॥ मोल हण राव सैन प्रदेष्टे ॥ कबिल ॥ दिली
 लम साहि कुं वरिता कारणि दी ज्ये ॥ धारू बारू ॥ पतरि ओ
 ह मां जनानि जे ॥ लाघट काफि निदे दू देह कि तिला घतुषा
 अषध तफु निदे ह जीयो चाहे इह बारा ॥ तो जीये बिथाह
 हह सगर का पकी बिरह ॥ मोल हण कह हमीर मुंणि सो जि
 रिये पडै पतंग होई ॥ ३३ ॥ राव नुत्र मोल हण सी कै ताई देष्टे ॥ क
 ता ॥ मोहि देहु गण जनरी ॥ साहि मोहि सेवा आये ॥ अलूषम
 त मोहि देहु ॥ पक डिग ह बेडी पगूं ॥ ट्या तिल गा मोहि दे ॥ न
 सरह टी मगूं ॥ मुनि मोल हण सी चितरि ॥ कहियो साहि सुं
 य करि ॥ थोत्रा थोत्र लस्य नही ॥ सोरामण नारथ नरीया
 ॥ मोल हण कहै छै कबिल ॥ नमघर असी लष ६०००००० प
 द ॥ तुरुघरिल सन पूजे ॥ नमघरि पुरु चक्र चक है ॥ जुज
 रे एक ही सूज ॥ नमघरि चोधा सहस्र प्रदाल ॥ तुरुघ
 गाठ सौ वर ॥ मुनि हमीर चक वै कर का मघा डै बर ॥ तो
 न हण प्रष्टे वा फुटे ॥ मायर थाहन पुज है ॥ सुरतान सिचान
 बेडी सोनु डिहमी की मुख टि है ॥ ३७ ॥ राव कहै छै ॥ कबिल ॥
 राग वरा तै अधिकै ॥ सीह न्हान् सोला गौ ॥ नाहर करै गूजा
 कोटि कुं जरु ठि नागै ॥ बिस है ते बिस घणै त न्हो गरड हमा
 मिगदीर घ अति होय ॥ ताहि सी गो सय घा डै ॥ बिस न्हान् तै क
 डै काली गहौ ॥ अरक समारि ल गा जि ॥ जो सुरतान निज

पापदो॥ तो कलंग होवाज॥ मोलहण कहै किन समदल
 इथाहः प्रबत किनिकरमै ठेले॥ कौणतिरदरीयावः पड़त
 बरकुणहेल॥ सूरजिपडुचै कौणः कौणमेरगिरहै फांद॥ हो
 मप्रारबलछीनः जबकोई आवनसाद॥ घडै उठमावही ई
 तीचात किमनै नह॥ ४७॥ रावमन्ने देखै कवित॥ राव कहै मुणि
 साहैः प्रबकाई ही एति नोषे॥ होति व होय सो होयः जीने क
 हो क्यौ करिराये॥ नसो तो पतिजईः ठोडै कोठही पावे॥ मंन
 रिसे नरिरावः और प्रधीरा नसुजावे॥ हिलड स्यासा कोक
 रां उमेद आबो कदे॥ रणयं नमंदल स्यान्हीः कहा कोल
 थासौ बदे॥ ४८॥ मोहलण कहै॥ कवित॥ पूरब करी सारः
 अग्नि कौणि आयनवतौ॥ दिक्षिण देश देपसः नशरति नव
 चुवत॥ पश्चिम दरब मबदेय॥ बायल छमी नति आवै॥ अ
 शदि साकर नयजै॥ सोसव आवै साहि पगै॥ मोलहण कहै
 हमीर मुनिः सोसकल आण जंबू दीप लग॥ ४९॥ राव हमी
 र कहै॥ मोलहण सीस॥ अरे वाकै जंबू दीप महारै थोड़ी सी जा
 गा॥ वात लै धरावे होतः थोरी रणयं नहै लागै॥ वाकै लछि
 मी अन्तः महारै थोरी नाही॥ वो तो गरब कराई आजि
 कुण छे महारै आगै॥ हम तो हाथ घणां ही दिमा स्या॥ जेरे
 कबार आवै अगै॥ हमीर कह मोहलण मुणिः पडै यव
 रि आयां अठ॥ ५०॥ मोहलण कहै॥ कवित॥ नोल घति
 सकै तुरीः महै स दोय मै मंत गाजै॥ महै स एक उमरावा ता
 लिये ए स हस पेघा॥ पैदल कान्ही छे हवः के अघणवां ए सी
 गणी दिखै॥ और नउ नीड को गिण॥ धडक पडै समंद॥ मोल
 हण सी कह हमी मुणि॥ उम सो डै फुनिंद राजा कहै की चान
 जिह कै धरती सीस

मोलहण कहै किन समदल
 मोलहण कहै किन समदल
 मोलहण कहै किन समदल

रणहागयावससा॥ मूरप एण कोइ डरा॥ मूरन डर रहने
साहि सुंडर ससो है॥ माहां नचाव छै जुध को॥ मुणि मोल
नारां मरा॥ जव तव मरणै छै छतो॥ होति बसेती क्यौ डरा॥
॥ मोल हणसी कह छै॥ कबिता॥ रावण की न्हिट क निपटा
काषोडी॥ करि जजोधन टेकः साहिगहिगहि जिन छेडौ
कहुं नली तोहि करै मति जिन की होडौ॥ अलादी नपति सा
अतरोगार जन की जीये॥ मोल हण कहै हमीर मुणि॥ म
क्रमै करि छंकीये॥ ५१॥ राव कह छै कबिता॥ जव को प्यो है
ः क्रोध के सबद मुनाये॥ हूँ बैठे राण छे नछः कहै किम
मत वाये॥ छीठे ईशम कहैः सोक मन मै नही आनै॥ तूवे गि
रि किन जाई॥ सबद मेरो इक मनै॥ चौहाण राण इमनुच
हीनति क्यौ नाषाधीठ॥ श्री को ध्रुव की यो सोरण मै न
पीठ॥ ५३॥ मोल हणसी सीष मांगि दिली को चाल्यो॥ जव मो
ण दिली गया॥ जाय साहि सुने लैनया॥ करि मलां मअ
छिवाय॥ कह साहि नो होत दिन लाये॥ जव मुसी होय सा
त पुष्टये॥ कहो कछुं तुम कां इठहराई॥ इतरे राज का तु
पीया॥ तव मोल हणसी साहि सुनुतर दीया॥ ५५॥ कबिता
नैस कैः लेन डंडः लेन दिली नति आये॥ मूछाह क मरी
राव सावगौ नही मावे॥ मांगै प्रभु मांनः नारी मर हटी मांग
गाछा जनई रह चौहां एजै अटी॥ चौहां ए समेति बिग्रहै
॥ अर मूत कौं सांभू हे स्यध से॥ गाछुं परिराव हमीर देखे
है चवर हड हड हसे॥ ५७॥ चौपई॥ मुणि पाति स्पाह जव
मो अतिही॥ कहो मुज संग छ की गतिही॥ तलै मैदान न
पाहाड॥ बेहड जंगल बनी न जाडि॥ केतानुवा केता चोड
बोगिरदा केता फिरियाव॥ हमै जमी बिधि चछाई करी॥

यहाकदाइवहजायपडा॥५॥मालहणसीसाहिमगाळकी
 तहैबतावैधै॥दोल्यापाहाडमतमुडतारहै॥कामग्राहति
 नकोचोडावा॥नाबोलगौसमदमोजाय॥जिनकैअदरि
 गछहैवण्य॥उंचाबोहोतविकटहैधण॥कोमपटगव
 नीहैवै॥पलीत्रफधंधेअपरा॥६॥जिसमपहाडएताबंध
 कीया॥जजीरबणयागठबीचलीया॥जोजिनच्यास्तौचं
 ध्यालंवाया॥दोजोजनबाधाचोडाई॥घोहाघाटीमववा
 ध्यादजय॥च्यारिराहाप्रतचिरहाय॥राहातीनविकट
 सिरपाहाड॥एकराहाबाजारसीबहै॥६॥जिमकैआगे
 एकमहरबिलेद॥जिहैदेध्यामषपावैज्यद॥जाहातीन
 सैसाठिकवाअरवाया॥तीनसैदेहराबण्यमिवाई॥जोज
 नएकदोरामहोगा॥जिसमैदेध्याछपननामा॥गाळकीम
 हिमाकौणगिणावे॥मानुइंद्रराजकरावे॥६॥फरिपातिस
 हमोलणमौबोल्यो॥तवैगरदराकगाळमैडोल्यो॥क्याकैईव
 स्तकहीयिअधकाईतिरीनीकषूनजरोआई॥नुसलडक॥
 कीमहमांघणी॥प्रारमुघडदोयपातुरवणी॥कहीयिदेवलदे
 काजुदाअघाड॥जिसकामेदसुणानुसारा॥६॥सवैया॥हने
 लडकनीपणिहिरेकीमीवतीहै॥बसैत्योंकीरीछोरी॥नेरीने
 रीबातकरै॥नाजिकतनंगातवतीहै॥चंचलचकोरमीनधंज
 नइगमगचलतअणियालेनैनमेलकीमीअणीहै॥चटमुप
 मोतीदेतसवानांकडनूलंकचालगजलीयारनाकीमीमणी
 हैकीधोतैजकीबीजनजेनजेनमाहधलीहै॥हतेलडकनी
 पेहरिकीमीकतीहै॥६॥केसरिकीक्यारीन्यागीपकनु
 जियारी॥लीलकपहडमाडित्रीयार्जुनीभंममै॥सृष्टकेमे
 नैनअनचंदमधीपीकैवैत॥

घाममै॥ नजलीबतीसीसारीरनासीननिहारीप्यारी॥ चाल
 लगजराजकटिकेहरिहैगाममै॥ ७१॥ कबित॥ त्रीयनम
 धतेधवलधवलहीवसुसुहवै॥ अलपनूपतिसअल
 पनैनबोहोदिनअवै॥ धवलकुसमसिंगारधवलहीरा
 षेनूपण॥ धवलठोरसौप्यारधवलतटरामतिरुषण॥
 मषीसहलीधवलसबअरबैनरागाकैअसी॥ कहुंमुणी
 नदेवीचतुरदेवलदुसरनातिसी॥ ७३॥ कबित॥ पदमणी
 रूपसोतोदोयपातुरापै॥ चातुरसबगुणनचनैनीकां
 मकंदलदेयो॥ नरिजोबनकैबीचिदेवीतमितपटोर॥ सु
 रनरमोहपीरजवरंगारागनुचारे॥ औरपाचमातसोनीनली
 नरनटवानीकेईवगहै॥ कंचनजडतलिछिमीईसी॥ सोये
 षतनूपनलगहै॥ ७५॥ कबित॥ मैतसबरसकीनुमरीदीर
 धवरजोधनुवात॥ गोहुंवरणगातलइकौहोयदियाणै॥ जि
 समृष्टपरिनीचूरहै॥ पेटचितरामसबोर॥ जिसीसूरतिकेई
 नही॥ नैनअफुप्रणियोर॥ नीजरिहणजिसेसरकी॥ दि
 लदलेलअरमणी॥ सूरसाचतकहीयजिसा॥ सोबोअज
 णचणै॥ ७७॥ कबित॥ जिसकीवैठकसुणै॥ शेहप्रिकं
 चनबैठाई॥ कंचनकीवैठकसुणै॥ कंचनबजुडेदुवल
 कनकषेनकोरगाछई॥ वैहेममईसबठोरहै॥ पंडछांहां
 डावाईबणवाटका॥ सतषणै॥ धोलहरकलसजडीयाघ
 रेघंटका॥ जाहैजुडेदरबार॥ सांवतमीलसमीपनूपहै॥ सर
 वाफमंडलीअमीयणी॥ जिसकैचहडीरूपहै॥ ७९॥ सव
 ईया॥ रणवासमांहेमाणसमुधसुदरी॥ धायबडारणिदेवीअ
 सी॥ रनाकैरूपणिबसी॥ चालचलगजराजसी॥ नानातनअ
 वरचचलचातुरी॥ वीरबहुठीकैरगतिमीअमघणीरअ

अदवलीया॥ फिरि मूडक मूडकामिनी की सी॥ ८२॥ स
यईया॥ तालकी तीर मै नीर नै॥ पणिरारी सव रूपवती न
ली॥ जउवांत न नृमणची रयटंबर॥ हे मघडा सिरले न
चली॥ ते पौलि छती ससवे मुषीया॥ श्रीया एक सौ एक नली
त तो गाबह सविनोद करै॥ जाव मंड अमंड अरआपाली॥
॥ ८३॥ दौ सचवे आणी आणी॥ मोहल मोहल जालि॥ राति रु
विजगा जो तिघणी ज्येवली है॥ जाहां की रति मिमा स होय
मंमंमको तिग जोय॥ जाच्य दे देवी नोया॥ मूरति जो अंग
है॥ देहरा बाजार माह॥ चकचौ धिलागी रहै लफलाव माह दे
मि नृमना गहै॥ ८४॥ सवईया॥ बांकी जागानुची अमी॥ चोगाड
निस्त जो गहै॥ ८५॥ सवईया॥ बांकी जागानुची अमी॥ चोगाड
दाष्टे लाको राजसा॥ बण्ण है कुदरी कोट की गीपी वीध
जागहै॥ नपरि मुक्ता नीर बरसा जो बह है मीर॥ अमिमा
मिपाणी नुंदा प्रवत नमंगहै॥ चारों दरा माह अटि विक
ट चोरा सी घाटी दोल पहाड॥ घणी विकट बनी आंगहै॥
रण थन गाछ लंकाम मतुल्य बण्ण॥ जाके आंगे आगाछ
गाछी सी लात है॥ ८६॥ सवईया॥ असोही नत गाछ रण थन
गाछे जोर॥ जाके आंगे आगाछा छी सी लात है॥ वेस्व
वागीचा बाणै॥ देव लदे अवास बास मूनर सी बाणीति
वासी वन मात है॥ नोव तिति सांन अरु ठोणन मंमंम
दंषे प्रमन दुम मण के प्राक्रम दिगत है॥ असोही रण
थन गाछ गाछे जोर॥ जाके आंगे आगाछा छी सी लात है॥
॥ ८७॥ चोपई॥ पाति साहं अलुखान बुलाय॥ होय कोय
रवात कहय रण थन परिकरी चणई॥ ८८॥ छिपान
मराव साग कांकी ज्ये॥ मोहोला॥

अदी बिदाद सदि साकी न्ह ॥ पाति साह ॥
 ५॥ दोहा ॥ अलख जीरइ कछानये ॥ ते मिलि वृक्ष साहि ॥ दे
 मिरदारी बिदा कीये ॥ रुकम करो अवताहि ॥ ६॥ पाति सा
 हि जीस कहै ॥ हम आपच लै न सठाम ॥ होय निसकी सी
 मेन मैही ॥ मुहु बिन सरेन काम ॥ ७॥ अरज करे अलखान
 ले देखो न मन को ज पठये गो मपर ॥ आवै न सहै देखि ॥ ८॥
 ८॥ जो आपिर होय है काम तो ॥ तूम त सती या को करो ॥ क
 मन होय बिठाम जब चछ इतुम करो ॥ ९॥ साहि कहै अल
 खान ॥ तुम जावो न सठो ॥ तुम तो तलब यग ॥ हया काम न
 ही की सा प्रोरा ॥ १०॥ अलखान पत्री लिखी ॥ पठई दिस दि
 सत ॥ जीन्ह साहि सौ काम धै ॥ सो आपो वे गितुरंत ॥ ११॥ क
 चित ॥ प्रथम चछे अलखान प्रार प्रथी करौ गौ ॥ पूरब को
 पठौ ॥ प्रार घोषर पुर सां गौ ॥ चछीय सैद मरद कयर हर च
 लदल मांही ॥ सेम मुगल सब चछे ॥ मिली तुरी लाष दलाही ॥ क
 नच ज प्रार बैराठ ॥ ठगोरी न रिआये ॥ नुदिसा प्रार पदार बल
 पपर बलौ आये ॥ १२॥ चो पई ॥ अलखान कंच कराया ॥ ते कुं
 च दरि कुंच मलारण आया ॥ जाहा सौ एक नाम सप्रिदा
 या ॥ सो जासु सगन प्रिआया ॥ जिन हडबड कही न देखी
 सील सोय तिसा देखी ॥ १३॥ सो फिरि जासु समलारण आ
 या ॥ अलखान सौ आया मुनाया ॥ जिह कीष बरि राव जी प
 ई ॥ जब करवाला गो आपच छई ॥ सो महमा साहि मनह
 कराया ॥ कही साहि आवै तब तुम नी चछीयो ॥ राव कह
 कुण नेजु सोई ॥ रुकम होय जायगा सोई ॥ जब राव कहै
 यांही चिछि जावौ ॥ करि कारिज प्रार वेगा आवै ॥ इतसुम
 हमा बिदा कराये ॥ सो तीजे पह रिग छं चछि अये ॥ साधि

असवारसहेसदमलीन्हों॥वैतेनचीमरहाजसोई॥ज
 यागाफिलजामसाजोय॥येच्यास्यौतरफसैंजायक
 रिलाग्या॥तेककरीनुकटालोहोयगयेन्यारा॥वांमिसं
 चीमारामारिरेनिअधरीषवरिनुयात्रीकैआयासमेनदि
 नडिमरईदेसदेसकाआयासोई॥कोईहेऐपछांऐको
 ई॥पडीजरजरिचोगडदासैं॥अलखाननागातिह्यारो॥
 ॥१०॥मरबावालातेमरिहीगया॥ओरयेथआपणंस्ती
 या॥साहणबाहणघोडाचरा॥हाथीडिरतेवक्रतहथीया
 रा॥दास्तालिपडीसवरही॥ओरमतासबहीफिरिही
 सोमहमासाहिआणिममाली॥तुरकगायाहीदूवाल्पा
 ज्यांमारीवस्तेअरिकैलीन्ही॥सोमबहीबस्तगाळ्कैच
 नतीकीन्ही॥जोजायराजाकीनिजरिगुदराई॥जवरान
 ननाटपचास्यो॥महमासाहिकिसारजपूता॥जीपरिकं
 मकीयाअदन्ता॥जीसौराजअतिहीराजीकुवा॥उतथें
 मनेनाटहकालजुवा॥११॥बोहेचावक्रुवौतुरका॥बति
 जभेमनणीजाऐपे॥वसंतयतरफडंगा॥पडीयामारमंगोल
 जीनषाघैराषत्रीयांफरासलदीयां॥महाजीमहमासाहिल
 ग्यो॥नरीयामारमंगोलजिम॥महमामंगोलकैवांणत
 लै॥अलखानदलनीठकरि॥अदीबहमीरसो॥सोवंध्यो
 वेरुअवसिकरि॥१२॥सकलमतामहमाहेदीनी॥करिम
 लांमजेनुपरिलीन्ही॥क्यौतोचह्मणनाटहेदीनी॥ओ
 रबकसीससियांहोदीन्ही॥अबअरजकरीसारीरजधा
 णी॥रोपालघोपलहैदोपरधाणी॥राजामानिअरयोडुक
 मकरायो॥जिदिनप्रधाननयादोउनाई॥१३॥जेपई॥सगलो
 कामसोपिकेदीन्हों॥

नींदरवानबुलायो॥ जासैवातअसैसमजायो॥ अठैसहैस
 घोडाअकोईआवै॥ ताकौचछताजिनमनहैकरावै॥ अत
 रासौअधिकआवैजकोई॥ ताकौचछवाद्योमतिकोई॥
 २०॥ दोहा॥ गयोअतूषाननजागि॥ नईषवरिपतिसाहिकौजे
 तनलागीआगि॥ हाथमिसलअरमिरधुरा॥ २१॥ कबित
 ॥ अतनीसनतपरजस्यो॥ मानौधतगावकमैडर्यो॥ अच
 नजीरलीयोबुलाय॥ आबोइकमंत्रविचारो॥ वेदकित
 चकुलिअणि॥ नलीनलीसायतछूछो॥ जदिचछरण
 थनपरि॥ श्रीनिहठकरैमतिछील॥ चारिषूटचक्रचक्र
 दसोदिसाकागादफेरो॥ चछतदिलीपतिसाहि॥ तेजति
 कुलीकजकंपै॥ २३॥ दोहा॥ मंडितचडाबुलाइया॥ कजी
 मुलाओर॥ पुस्तगदेषेआपण॥ सबबैठोइकठोर॥
 २४॥ जीगणीचक्रबिचारि॥ पाछैकलचक्रबिचारो
 दिसासूलहैटालि॥ राहादेषिपीछिडारो॥ नइकोकरि
 ग्यान॥ चंदसूरजिबलहस्यो॥ मुननचत्रमधिलेईतिथ
 अरवारनबेडो॥ नोग्रहअरबारारासिमेषि॥ मुनमास
 बैसाखलीयो॥ पहरघडीपलपललग्न॥ सोसिधिजोगम
 धिगमणकीयो॥ कीयोप्रसतानूसहि॥ इतरादलएक
 ठाहुवा॥ अचवरणैकबिराय॥ २५॥ चंदमोतीदाम॥ चणो
 नूपमहादेसइत॥ कहुतोससुपसुपसंघसोरैजितैच
 छरावनाषैनसबदोयदिनसुनौतासनावै॥ सबैठोरकित
 गाजदेसकाबिलनचादेसठग॥ मध्यदेसकासीजते
 घानजटा॥ एकछदेससोरठचछरावमारु॥ चछेजारषंड
 मेवातमारु॥ चछेदेससूरतगुजरातसारी॥ चछेपछफेज
 चीतोडनारी॥ अर्मरिदेसजेतारावसबै॥ चछेबज्जीनोम

जुं

उजहड़ यूँ ॥ चउकं मा पाहड़ी जेता नो मजा दौ ॥ लई
जाकं चेतन मी दौ ॥ पूरव व्याल व कोरु जाक ॥ नेते जा पा
हाड वा बल घबोका ॥ चउइंदोर नजी रि आस नो मी
रोहोता सग बाले चउगाँछ जामी ॥ देव गोर तिले गाक
रनाटक जेती ॥ चउछे चारि पंड जेती नो मिसारी ॥ कहलौ
पछिये लो वार चारि ॥ चलेरणि दिति नं घलावे ॥ चउ
फूल फूलै अमोमं हिमाही ॥ जेती दीप दिन तते लोन प
ही ॥ जेती साहि स कै तेती फेज मी ला ॥ इमो माहित पेच
आ घान दिनी ॥ ॥ ॥ ॥ दोहा ॥ नमराव मकल एक ले एक
गढ़वा ॥ सोपू छै सुरतान ॥ तेर हल य दिनी ऊवा ॥ चोदह
लघतुर कांण ॥ ॥ ॥ ॥ फौज इमडी ऐकठी नई ॥ पातिसाम
हिबुलाय ॥ नलट्टादल ज्यौनादवा ॥ इसडादल आवै
मेहनडी घुरता ॥ सरज अंवर धाये ॥ जामधिधजा फरह
रो ॥ चफर चिम कावै ॥ घुड नगार चवंकी ॥ घणघेर करावै
॥ अलचता अराकी या ॥ नमराव नैचावै ॥ पाणी पया
घोडिला ॥ नडिडाण जरावै ॥ ताती तुरकी आफले ॥ तेई
घुरीर लावै ॥ हाथ्या हल कै मदाल ॥ तेई पटाऊरावै ॥ के
ईतंगा टोटीयां ॥ करै सेलर लावै ॥ पावन गाग पावै जेह
नालि रुलावै ॥ धवल पाघनु पया ॥ राजताहि धिकावै
करह सोन पावजे ॥ मुत्रनालि चलावै ॥ धूलि धालि
गबं बुरा तेवांण कौंण गिणवै ॥ जामधि वैठा आदम
केइमण गोलाघावै ॥ पैदल पारन पावै ॥ जेपंथ नव
ध्यावै ॥ जापे बंदूक रसि धूणी किई पारन पावै ॥ नवर
दहोयाग ॥ चलतातीर चलावै ॥ सकल फौज
ऊई ॥ कहीही समावै ॥ चलेरणि ॥ दिति वो कहै

एथनागच्छाव॥४४॥कबिल॥षडोगचरांजरी
 लीसमांणी॥षडोषेनाइचदेमषगेषोषरदिसांणी॥
 षडोवालोतिलंगा॥षडोवहप्रादेसा॥षडाकश्कावर
 ॥षडोइडरनंदसा॥इततेप्रलावदीनषडो॥रणधंनदु
 रामधैषडो॥हमीरावबोगेहसे॥मांनूएकटांडोपडो॥
 ॥४५॥दोहा॥पांचसहेमगाजराजचलतएकमोर
 कसवारि॥तेहसमसाहिते॥चण्णोकोपमाछसे
 अडो॥चुहांनरावहडहडहसे॥मांनूएकटांडोपडो॥
 ॥४६॥दसौदसाकेमले॥षरेआयेपतसाहि॥कह
 हमीरमुहदिसा॥असोसोदागिरसोसाहि॥४७॥
 चौपडो॥इसडोसाहिनकूचकरायो॥तेचल्योचल्योटेड
 मआयो॥जठआइमुकासोजकीन्दा॥आखुलायनोमी
 योलीन्हा॥जोजाहपृष्ठवातकहावो॥रणतनवरकीरा
 हवतावो॥जहहोयकरिलसकरसाराजावो॥गाडीना
 लिनहीअटकवो॥सोनोमीयांसाथिलगावो॥तेसू
 धोलीयांलापेरीआयो॥जीकैदरैनुतासोसोईछाणि
 आयपजोहोजोई॥पूछेसाहिअबैगाछहेकेता॥ज
 वनजीरकहैकोसपांचहेजेता॥४८॥नयोचिहाणज
 बसूरजनायो॥पातिसाहप्रधानबुलायो॥कहौक
 रोचछाईगाछकौमारो॥यहापडेपडेक्याबातबिचारो
 फिरिनजीरयहअजकराई॥फेरिकबारबिशाला
 षिनाई॥कैमिलेकैमांतसोई॥नहत्रीकरणमतैकरै
 सोई॥तवअत्रीयकबोल्योतिहठाई॥हुकमहोयतो
 हुंवांहांजाई॥कैमिलेकैबसकवूला॥मिलानुहायवां
 धिसगलीगलनूल॥४९॥जबसाहिनहुकमकरायो॥

सकलचातकहेकेसमजाये॥ सोविदाहोयअहलादय
 रआये॥ राजामेतीअणिमिलाये॥ ॥ ५३ ॥ क्षत्रीक
 हछे॥ कविताकरिपयजक्षीत्रीमयकेगछपमियाये॥
 मुणिहमीरतुज्यासिसाहियगये॥ कुणसादिअनादीन
 काफरदलनेजण॥ चरुदिसाथेअणेंडंडलेकाड्येअं
 लिकेचण॥ तोमातमथनजागेदमीरत॥ देदंडंतकज
 डिकर॥ अनादीनदठकस्विअ॥ मुणतगाछेरिया
 जायपडि॥ रचदमीरकदछ॥ कविता॥ देवगिरमैमै
 जणि॥ जणिमैमजादोनरव॥ गुजरातमैमजाणि॥ का
 णचात्रकन्हइये॥ दोडोममजाणि॥ सोतोदलासागर
 हीये॥ चीतोडमैमजाणि॥ सोतोकुडकरिगदीया॥ तेम
 अनाकलीवदीतहमीर॥ जडिकिवाडअडापडा॥ र
 णथंनदुदुरगलातही॥ सूअवजंणिवापटतर॥ ॥ ५४ ॥
 क्षत्रीकह॥ कविता॥ कहैहिलीप्रतिसादि॥ इयागादी
 णपांचनये॥ रणथंनगाछलेअराछपाछेल॥ अ
 हंकारपड्योहेपेल॥ नमरावकुलवै॥ गडवडवैहातक
 राय॥ सकलसेणमिलाये॥ मताइमलाघटनमोजि
 रि॥ मत्तिसाहिगाज्योअडो॥ जंतदीयोनहमीर॥ सोमां
 नूकचंडोपड्यो॥ ॥ ५५ ॥ राजाक्षत्रीमैकदछ॥ कविता॥
 जुधरांमरावण॥ जुधवालिसुग्रीव॥ जुधंकरणमुग्रीव
 अजुन॥ जुधदसामगनीवा॥ तोपैहिम्परायणमुपां
 जुधसोकलिवीत्पाचोहाण॥ धीरजमकटीहे॥ अज
 प्रमोताण॥ तोपरिहंमीयचितिके॥ अडमनीपुडम
 ण॥ गडोपुराणुचम्यो॥ अहमीरनंदिमूले॥
 क्षत्रीकहै॥ कविता॥ मैकअमं॥ तोतनातीमी

कविता

गणदी २

नघरघर॥रूमस्यामसिरनाय॥उहसाहिरहधडकडराअ॥
 सोमषडेददजोर॥तिलेगकरनाटकनरैकरै॥दुवारि
 काजगनाथल्योहस॥संखजबूदीखलौहदसोसरकी
 यो॥तोमणजनेनुकासीलई॥देहरादीयाहहस॥तुममे
 मुतलबहोयचुकै॥जबसेतबंदहजाय॥प५॥सजाव
 है॥कबित॥नावरहोनावैजावौ॥अठक्योकाप्रमहोषो
 साहिकरैतेचाहि॥सोअष्टपावहीकोई॥अठरुडमीसा
 रा॥कीसोमुक्तालेपाथरा॥घेरघोकडारुषगीषीबधित्यो
 अजाय॥हुआकोडरायोनडस॥थाकोमतोसोहीकरो
 रावकहपोहोमरायमुणि॥सोथेबीचिकाफिरिस्किमरो
 ५॥५॥दोहा॥जतीबातचत्रीकही॥राजनमानी॥
 जाकुमारबालागोजीवसो॥जबगयोअहोरोहोय॥
 ६॥॥बचनक॥चत्रीपतसहिसोअर॥५॥५॥
 करी॥हजरतिसुणै॥बातहीदूनहीमांनै॥मैअहोरसोरस
 वहीकही॥मेचहैदिलेमेसंकहीआशे॥नुसकाप्रम
 मेमैभीबजन॥मोगंमैनहीमावै॥अजिकालहलिकरो
 जुधलडोगेकौमममुफ्रावे॥तुमकरैमतेमोहीकरो॥
 परपचअनेकनुपावै॥दीयाकरलेदेपीसो॥॥॥॥
 सोनाहीलागीलाई॥६॥॥सुणिन॥कबित॥सुणिनन
 क्योसुरताया॥घडेहोयकमरिबंधाई॥कहोलोगसौजा
 ई॥बोगदेकरोचअई॥मारेलोगलसकरले॥को
 पिदलआपकेअईयो॥नयोनुधमास्थ॥तीहेदिन
 नस्तरघामेपडीया॥तहाच्यारिपहरबीतीबिषमअ
 मूरजिनयेअस्त॥जबसहदेरायो॥सोप्योधरणीसर
 त॥६॥॥दोहा॥परादातनयासाहिका॥मोस्योनती

जोईह्ना॥ हाथमरोमीसधुण॥ कहैमुफिटीकाआयालीली
 साहिपरपंचधण॥ हीकरिहरो॥ बसनलगाकोय॥ जहांहु
 कमइणविधिहुवै॥ चोगडदधरोहोय॥ ६६॥ राधातरक
 आपणैनधै॥ हीदूत्रफआंयुण॥ पाहाडवेज्जमस्तकीयो
 कहुंघालीरहै॥ नकुण॥ स्तलगायाचनासम॥ हुजीवि
 डदोडाय॥ सबलोगरह्रापातिमाहनधै॥ ज्योकोषेवजेध
 डारि॥ अबघाय॥ गाक्य॥ सचपहाडतोबंधकीया॥ ऐता
 अंदरिका॥ मैवरमौबठारहै॥ ६७॥ दोदा॥ नतरेलोगपहा
 डसं॥ दिनकैदेरतिहावै॥ मारिमरिडूगचछै॥ राजाकरैसराहै
 ॥ ७०॥ जितरीमाहीआरती॥ बवैधरो॥ किंसाण॥ सकलज
 रायतनुपजै॥ जहांपाणीजहांपाण॥ ७१॥ जवैकरैसाहिमस
 लति॥ लीयेनुमरावबुलाय॥ सचनरचैठप्रयै॥ जिनसौ
 यातचलाई॥ जिसकैवडेसूबैर॥ आदिहमसौचलिआई
 जीनोमरकेईधैर॥ उननीनोतषीपाये॥ दिलीमृदीयेनिका
 लिकै॥ दीयोअजमेरिसूकाछि॥ तनुछताटैनही॥ फिरि
 बधिगयाबाधि॥ ७३॥ कवित॥ आरमुणैफिरिबात॥ येजु
 दंदीबादारमेर॥ एकहमीरदूजारांम॥ इणदुषदीयेघणैर॥
 आनजनममैसराय॥ ऐहोतेदोउकांनकलीला॥ मगल्यहि
 यालैजाई॥ ऐनीसाधिगलिनयादुषीला॥ जवतोकरणाकै
 करछेडैनही॥ अबकैराडिकरमेरकरो॥ अबगहीचमिटीमि
 मसलं॥ तोअलावदीननांममेरधरो॥ ७५॥ दोदा॥ अबनिम
 लातालाजोकरै॥ तोतोइछातीफिरी॥ जमीपरिगमैनही॥
 मारुंजाहातहांधैरि॥ मपरदुरीकहीछीगैनही॥ निजरेनअ
 वैठाम॥ जोकहुंआपिनदेघहुं॥ तोकसंध॥ कोम॥
 ७८॥ माराडूगकीहू

लोगाछनुपरिह॥ जहांसंगोलानालिकाबाहे॥ तेकोस
 कोसहीहिरिदावे॥ इगारकीजडकोईनहीआयो॥ इणठि
 डताबरसदोइतया॥ जबसाहिमतआरहीव्या॥ याति
 दोदुतबुलाया॥ जेपणिवरसमोलहकीआया॥ इतक्रम
 सैजांणै॥ नारातोडिसराकाआण॥ रोवतआदमीहतुरत
 वैं॥ क्यहैजेफलमाहिमतनै॥ तेसुपवतविद्याबजनेरी
 अतिचातुरगावैघनेरी॥ ६६॥ चोपई॥ जोपतिमाहैअ
 मतवै॥ तुमदेवलदेकुंल्योवोजाई॥ जोदेवलदेकौंआ
 मिलावै॥ तोतुममागोसोहीपावै॥ लगेदामअरचीजय
 ई॥ ऐहतुमसौकांमपडाहैआई॥ आजिकोदिनकुंतुमस
 पांणनिमकजरणकरोतेई॥ ६७॥ ज्यामुक्तीहेरघस्वीहै
 तेगछकौंचल्यामफुरतसाधि॥ ज्येपूछेज्यासंबातकह
 हमअतीतनीबाइबुलाई॥ वाईकनावनरोकैकोईज
 पफुतीगछपरिसोई॥ जाकीषबरिदेवलदेपाई॥ वाइन
 पेबुलाई॥ आसीखचनज्यादीन्हैजाई॥ तेदोनकरजो
 गीपाय॥ इकमकीयोजोवैगेजासं॥ अतिहीचस्वाकी
 तासं॥ फिरिवाइजदिअसैकहौ॥ कोठजावोकोठरहै
 तबाहीयाकोठजाई॥ इसादिनक्योनेषधराही॥ सुए
 तीबोलीबेहसाई॥ कहांबातजोमानंबाई॥ पूरबमैज
 वाज॥ जठमहाकोपिताविराजे॥ हांकापितादेनुछ
 ई॥ पूरबकोवैराजकराई॥ जिहैकैपुत्रनयेनहीकोई
 कैकन्यानइहमदोई॥ बरसबारात्यौलाडलडायो॥
 छेम्हांकोव्याहकरायो॥ संजोगगतअसोनयो॥ माहां
 पीवनीपरिकेगयो॥ अबहमतीतरथकरस्यासारा॥
 कहुंमिलेपीवपीयारा॥ तोतोअपूरीघरहैजास्या॥ नह

माता तीरथ न्यास ॥ एक पंथ दोय का म कहवै ॥ तीर
 थ सारा फिरि आवै ॥ मां हां को जीव वसै पीव माहि ॥ कुल
 धक निट कांछा है ॥ १६४ ॥ जब बाई पुछै जा है ॥ प्रबसुरति
 कोटी की थां ह ॥ कौ इ दिन तो अठरहु ज्यौ ॥ माह दिन दरम
 ण दीज्यौ ॥ थां ह सीख देस्यौ जदि जास्यौ ॥ पहली जाय दुवारी
 का न्यास ॥ गोमती माहिकरां असनां ॥ फिरि गिरनारि
 पिस्या आनि ॥ १६५ ॥ जब तीरथ करै देव ह मारा ॥ नेमनाथ जी
 घरा पीयारा ॥ अनेक देहरां तीनाती ॥ ज्या परमन की कं
 रोपाति ॥ आनूसि घर दे पिस्या थां ॥ जाम मारग करों अस
 नां ॥ गोदावरी अरसे तबंध जांवां ॥ अछ सटि तीरथ सगल
 हांवां ॥ १६६ ॥ मेहे अतरी असंगि निवस्यो सोई ॥ दोय मै फ
 ल ऐक तो होई ॥ यो जीव कलप्यौ अतरा काज ॥ पै कहुं राम
 आवसी छांजै ॥ जदि वाइन ठिबोली अैसे ॥ दवध्या माहि प
 हाथ कैसै ॥ तीरथ को फल कौ करि पावै ॥ थां को जीव
 तो पीव वसावै ॥ थां तो बात कहैया बाई ॥ पीव विनाना
 र कौ करि मुख पाई ॥ देवगनाराज की कन्या ॥ रावरं क
 मसूं पीसै न्या ॥ हंस सखन लोज कैसै ॥ मां न अोर वता
 तावै तसौ ॥ अगली घोष पाछिली पास्यौ ॥ अब देषा थ
 पारि रह जास्यौ ॥ १६७ ॥ मां कैयो तो मुख रादि नही छै ॥
 इतो बात थां कांई कह्यौ ॥ मां कैयो सुप दिन कोई ॥ थां
 की बात इबरज होई ॥ मां कैयो पण जीव सौ जासी ॥ थाम
 न मै करि जाण्यौ हांसी ॥ इती कहै ऐती निते नही कोई ॥ गुज
 रीवा लोजेवन होई ॥ इती जव बोली अैसे ॥ जहका घर मै
 कन्या जमै ॥ विनां व्याही बरस चारा आगै ॥ जीका पिताने
 दुषण लागै ॥ येरा खरं कजां ए सब कोई ॥ थां सुं अचिर ज

सवारण जुडेन जात कावटा ॥ तो

देप्रिकरै लपेटो ॥ १००५ ॥ चौपई ॥ देवल देव कहयौ जासौ
थातो वातन समजो कामे ॥ ऐक पडित यावात कहाई म
हाका पितामौ ग्यादिछाई ॥ थावाइन कही नदी ज्यो ॥ बर
सती सपछे व्याह करी ज्यो ॥ यो पणि सोच करछे ज्यो ही ॥ म्हा
र पणि चाहै छे कोई ॥ बह काय गयो छे वा ब्रह्मण कोई ॥
यो तो वात कही नही होई ॥ धनि था माता पिता को ही यो ॥
सोही पावत का देखो की यो ॥ १०१ ॥ ज्यामून ठिबोली बाई
इसी वात था कोई चलाई ॥ बरसती सन परि हो जासी
जो तो ज बल गारा मजि वासी ॥ जदि चाहनां बर की कर
म्यां ॥ म्हात्र पदेष्यो बर कर म्यां ॥ जब लग कोठन चित
चलावां ॥ गछ है छे डि कोठन जांवां ॥ इतरो पण ही छह
जो पिता करै तो मरणौ माडै ॥ बरसती सन पर को हो सी
याही वात कही छे जो सी ॥ १०१० ॥ चौपई ॥ जब लगतु मव
ठी हो जासी ॥ जदि परणां कोई सुष पासी ॥ बरसती मलौ
जो ब न त्रीया ॥ पाछे कोई करै पीया ॥ धनि छे बाई था को
ही यो ॥ बो होत कठोर पथर मो की यो ॥ अवर स मोर स नही
ज पाछे ॥ ऐदि न था का मा बा का छे ॥ छत्री कुल नर नारी
आवै ॥ वरीत जै अर नली मुणवै ॥ अर जो सन मंध कर
स्यो मोई ॥ म्हा र पीव का पट तर होई ॥ था का पिता सो दुगाने
देखो ॥ क न वज को राजा पेयो ॥ जिहै कै बेरा राज कवार ॥
कोई देली यो अंतर ॥ बर सबी सकी न मरि छे मोई ॥ ल
छिमण राम कुवर ज होई ॥ चैसी स्मृति देखी नही कोई
सारी प्रथी देखा मोई ॥ १०११ ॥ जो म्हा संरुख कहावौ ॥ तो सा
रा तीर थ अ बिर था न्हावौ ॥ अदि र च्या हा व जो कर लौं से

ई॥ तोयोओसरनिजचूकोकोई॥ वाइकहैथावहक्य
 फिरो वारवारऐवातनकरो॥ मससक्रमहहोयससो
 ॥ सोतोदेजेबणरहोसोई॥ नजोएरांमकरसीकोई॥
 योवांणिकदीयोबणई॥ हेतोथानदीयोजवावो॥
 फिरिफिरिकोईवातकहावो॥ २५॥ थांतोचुरोजिनमानूव
 ॥ हातोअतीतप्रदेसणीआई॥ दिनदसथांमृजेतार
 ॥ जीमंसबदऐतलाकहा॥ अरहानमहाकीपिरजा
 ॥ जीमंवातथांपणिवुही॥ म्हांकाजीवकरणआई
 ॥ म्हांऐवातचलाई॥ थांजिवोकोइनोजवतावो॥ वो
 ॥ हांकीजोडीकोकीसाकोआयो॥ म्हांकोबडोजचंदवु
 ॥ यो॥ जीहैकीबेटीमोसिरल्ययो॥ जोथांकेजीधारज
 ॥ होई॥ तोमहाकोकहरोकरोथासोई॥ चालोजबलगाती
 ॥ रथहांवां॥ थांनैप्रथीकोबेलवतावां॥ इराजाकीकन्य
 ॥ कवारी॥ नलीकुहायअबकरस्योपुवारी॥ थांकीसा
 ॥ थिचलिसीमोइ॥ होयबिगडायलजीकेनहीकोई॥
 २२॥ दाहा॥ योपातिमाहिधेरोआई॥ वोमोएथारेंताई
 ॥ जोथारापिताकामनमैनहीआवै॥ तुनाहनठपड्याव
 ॥ जबतूकांवरईजोरकरसी॥ जीमोकहापुसांथिन
 ॥ ठिचालो॥ इहठसेतीदीजेटालो॥ वोतुरकछेहठपार
 ॥ काजै॥ ऐतानिसांणतोनुपरिबाजै॥ माहारीमनैपचरि
 ॥ छेअसीरामजोकरसीपूर्णहोसी॥ जीवतजेपणेत्रोर
 ॥ एकरसी॥ २३॥ वोजीवतज्योकुणीपेजाई॥ जीवबराव
 ॥ रिअोरनकाई॥ जीवकाजिए ॥ जीवक
 ॥ जिएहीणतिनाये॥ जीवकाजियनितन ॥ जीव
 ॥ काजितोनीचनवी ॥ दे ॥ जीव

रावरिओरनकाई॥३॥जीवतोछैकोयोनैपारो॥मृ
 तोतिणकरडारो॥श्रीजीवहैपलमत्पागो॥बुरीबिच
 कालोलागो॥महारपितानैधांकाईजांण॥कैमारैकै
 धांसमरुतेकदेनकरै॥२॥धातोवांतनमानैके
 कीवारपडछैआईजबबेटीवेटीआडादीज्ये॥ना
 सेतीकारिजकीज्ये॥योतुरकबडैहठआयो॥कैर
 वेटील्यायो॥वैराजापहलीईमूलडीया॥पाछेवेटीत
 पडीया॥वैराजावैसाहीजांणि॥वाकैपडंतरिमहा
 म्हाकाबडांतपातिस्याहजीपकडा॥बांधिबांधि
 जडा॥जीवतमेल्पाघरमुकलाया॥हातोछवांही
 या॥जईजांणम्हाकैताई॥इसातुरकांकीगिणतिव
 ॥३॥धातोगिणतिराघोबाईवातोलागोघरैताई
 दिवसियोजोहरहोईजबतबतनैनेसीसोईजब
 आघोजामी॥यागठसारोजबमुषपासी॥धांसंहास
 रामझुवाजीकोसोचकरांहेजुवा॥गठवसीअराज
 वै॥महारोपितामृतैहीदेवा॥कहुमतजोपछलीकत
 आवै॥धूरेधूमपछलीबहकावै॥जैकायरताईम
 धरै॥तोमूनदेवोअरेकरै॥तोहुअपघातकरिमरि
 अठ॥बोजिनजांणैजीर्ननुठ॥महारोपिताकायरहोज
 ॥हुतोकायरहीछूमाया॥अमीबातजोहुमणिपां
 यजहरजबहीमरिजांनु॥अमाणकरैआवैजेजो
 छिहथीथारमारिमरुसोई॥अमीबातजांणैजीध
 देपिबातदेवलदेकरी॥अमीबातकौच्योतोबाई
 जावैओरघरिपणिजाई॥ऐतोवातसमृतीछे॥अस
 धियांकाईकहीछे॥३॥धांतोरह्यापुत्रकीनाई

विचार करो छोकोई करो बुधि पांको घर रहै ॥ नो गति पा
 रे मुष लहै ॥ पिता बचम अरराज कु मावै ॥ थापणि आपमहा
 मुष पावै ॥ थां दुष पायो तो कोई दुष्यो ॥ नाय लो गमरे लो जुवो
 ॥ ६० ॥ कहुं न हो मपूती कि मडी करो ॥ कहो तो जाय पहली
 हीमरो ॥ हाका वडा गकुर स्याणं छाके ॥ धणी हल बुधिक
 रांशतेई ॥ छत्री हल डबो फुरमायो ॥ ॥ मरवो वटि छत्री कि
 आयो ॥ हाको माय दिन कै दिन लडै ॥ मरवो मेती कोई ड
 रो ॥ ॥ वै एक बात हां कै चिति आई ॥ जो थां वुगे न मां नं वाई
 अतो लो गमरे लो मारो ॥ यो को थां संहोय नुवो ॥ अर म
 माद लो जड जपर है ॥ था को राज मदी निर नै रहै ॥ था करो
 दया अर लेह न लाई ॥ तो अरराज थां को रहै ॥ १०८ ॥
 कि हि विधि अरराज रहै ॥ सोय एवा न कहो समझाई ॥
 दुती कहै पिता न घें जावै ॥ अरया वां मूवान कदावै ॥ पिता
 जीव जिन थापणो घोचै ॥ अरराज सो क्यो नवोवै ॥ रुंजि
 ण ही का जतुर का कै नई ॥ थां की छां सूं मारी गई ॥ जब थां
 हपाति माह पा मिदिषामी ॥ वामारी राडि जिदिही मिदि नामी
 ॥ थां देषि माहि अति मुष पायी ॥ इण विधि नां व अचल रह
 मी ॥ थां पणि जाता डर पो कोई ॥ थां हपाति माह चाहै वाई
 ॥ थाकी मरति अमडी बणी ॥ थापटत अर न जनी थैवो
 थां सं मया अमी ही मांडै ॥ एक घडी नी छी ली छड ॥ ५० ॥ जव
 मुणि मुणि चान वाई जनकी ॥ जिहै कै तन अग्नि जालागी ॥ थां
 नया वृधिकुंणी दीन्ही ॥ हासूं मडी बातां कीन्ही ॥ मां मां मा
 तपिता अर नाई ॥ काका वां वा मोह ठकराई ॥ मारै मूछ नै
 पडै कोई ॥ थां रुंवात अमी ही विगोई ॥ हातो जांणि अतीत
 नली राखी ॥ थां की जी नय रह ॥

" तो कहुं प्रमा

तामाता॥ याच्योर्कादेषोवाता॥ माहारातुरकहेअंग
 निरावे॥ बडकुलअपग्रिथाजावे॥ महकैबाबिलि
 षोहैतेहोई॥ होएहारमेठहीकोई॥ येगुणकाजिमुह
 डेलगाई॥ यातोइसडीवातचलाई॥ पहलांतोबुंगोरब
 ताये॥ पाछेसंगअपणैंगायै॥ इसीवातरायअवे॥ अ
 एमोनअोरबतावे॥ कचचीसीतोनुठिकैजाती॥ मैतो
 करीबजरकीछाती॥ ५९॥ मेकाहनडरस्योबाई॥ त्रहं
 कीवातांनुलटीजाई॥ कैलागस्योअपणैयथा॥ जोगी
 हैकाईरजसुकथा॥ असानागाछैयांकाकाई॥ पाति
 स्याहपरणयांकेथताई॥ कैमरिसीकैजासीनुंथि॥ या
 कैनलीवातवाइहीबैठै॥ ६०॥ याराडंडंकईजाणी॥ ज्यो
 बजैज्योवाहीचाणी॥ कचारीकन्यांकौयेबहकवे॥ मो
 सतवंतीअैबलगावे॥ पातिसाहपरणैअपणीदाय
 फिरिवोलीतोषीजैजीवै॥ झुवकलदेदेबीओतार॥ महा
 रहीचाहिनरतार॥ जसैघतवैसादरडरै॥ वाध्योसंधजो
 देहीषोडि॥ ज्योकालकीपुडडीमरोडी॥ मानूसूरकैचे
 टजलागी॥ जैसैरुइमैपडीजअगी॥ अतिहीचीपजला
 गीवाई॥ जिनसषीसहलीअनंतबुलाई॥ ६१॥ चयकलीः
 ओरचंबेलीआई॥ राइचेलिनागलीधाई॥ कुंजकलीरु
 सौदादोडी॥ रामरषीराइलीलूडी॥ रामदासीहरदासीसा
 मां॥ किसनदासीसांचलीसांमां॥ बीरांदेहीरांदेदासी॥
 किसनकलीनाथीओरग्यामी॥ ६२॥ बीसतीसबाईकां
 ठडुई॥ ज्यासूबातकहीकरिजुई॥ यांदोन्याहेमारोकाठी
 ॥ बोलिनसकैअरमूछंदोछाठी॥ सोरहीहोईइसीबिधि २१
 कीज्यो॥ केसमायाकलैचिरलीज्यो॥ हाथबांधिकैमारो

॥७॥ वाईरांमतिदेवोयही॥ फिरिचोमेधीकरिदेईछला
 शीपीअजरबअरमाचबुलाय॥ जमधरणातीमाहिअ
 डाय॥ कहौसोचथाकुणीषीनाई॥ डरपीदूतीपरागसाय॥
 पा॥ पातिस्याहजीनेजीथापै॥ जदीमुडमुडाईनाउजोकी
 नही॥ तुरतनुतारि॥ छमैदीही॥ ७४॥ चोपड॥ जबदासहिवा
 इसमज्जे॥ जिनकोठयावातचलावै॥ कुजाणकैथाही
 जाणौ॥ हांपाछैतोबाबडीजबमारी॥ बिनपुण्याकीगषीन्य
 री॥ अदसावधानरहस्योबाई॥ रावमुनतोअतिदुषपाई
 ॥७५॥ देवलदेधीरजकीवाई॥ फिरिनकोठवातचलाई
 असीसीलवततेपूरीसुरी॥ जीहनकामकुस्योचकचुरी
 ॥ जेतामैपरमतीछीताई॥ ज्योमंतईदेवलदेअधिकाई
 जीकैतनितूरकोकलागै॥ देवलदेननांमहैधीवोत्या
 गै॥ ७६॥ चोपड॥ जबपातिस्याहपैदूतीगई॥ हाथजोडिकै
 यानही॥ कहौहमतोईलाजबकुनैराकीया॥ नमना
 रीकावजरहीया॥ हमकोटिनुपावबिचारउठाया॥ उ
 सकीयातरहीकनअया॥ च्यारिमासहमहठकीया
 नसनतनकबहुनीदीया॥ ७७॥ अनेकवातनोकरि
 यांकीरसनां॥ ऐदेघोमारीहजसन॥ हमघरावकरि
 अरमुडमुडाई॥ ओरवातकधूकहीनजाई॥ जबपा
 तिस्याहमुणिचुयकिरहरा॥ फिरिचकनगोहोतानी
 कहरा॥ रोमकरिअरडुगजायलागा॥ कुइमारजवन
 लदानागा॥ ७८॥ चोपड॥ इराविधिलडतावाराबर
 सनया॥ इराकनातवैसवैगलिगया॥
 यचाकोठनहीरसाजे
 पछाडीनार

असीयेसानीसकलकरै॥ घांमपाणीठंछिनपरिपडे॥ ७७॥ यदि
 कीयेयोसाहिविचार॥ सकलनमरावलीयाबुलाया॥ कहमो
 हलणसौबात॥ राहाकोईअसीबतावै॥ तुमदेसीसबठोरअ
 बक्याबारलगावै॥ क्याकरूंवसपहुंचेनही॥ किमिवि
 धिगाछयोट्टिदै॥ मोल्हणकहसुणैसाहि॥ पाहाडकुल
 सबबाधे॥ सबनरीआई॥ देदौचसैसजमंधा॥ अंदरनरा
 चार॥ देषोकेसीमाजदेहै॥ सिपाईधडकिलेबीच॥ घो
 रीसीचोटजलेहै॥ औरअफकलिविकटै॥ एकदराज
 धृष्टिहै॥ तोहलंदरागतलजाई॥ सीबिधिगाछयोट्टे
 ॥ ७८॥ चोपशैलसकरमागिरांतीनई॥ चलीचलीबातन
 रनैघाई॥ नजीरमाहिसूंअजकराई॥ मारीहकीगतिव
 वणाई॥ पातिमाहअसैफुरमाई॥ अहदिसारदेहपठाई
 मजागांवावसीयावै॥ जाहांसेतीमिलसूतमगावै
 ॥ ७९॥ तवअहदोंकीलागीगारेज॥ चोगडदाहैचींभीने
 मकरदौल्योगावन्ही॥ कोसबीसल्योपावन्ही॥ एक
 बूंदीकोगरीसोजायबनकरदीया॥ जिनकागदम
 लीयाचछाई॥ अहदीडेरदीयोचताया॥ ८०॥ जब
 करयाअजकराई॥ गेट्टीटुकडात्योतुमघाईह
 डोदिलीसाअवै॥ सोवातुहसूतदिवाचै॥ तादासूल
 आपनुघाई॥ लिषाजमासबदेयपुजाया॥ गांवग
 कदिवाअवै॥ जबलगाहमहैछीलपडाचै॥ ८१॥
 सदिलीकदिगया॥ तुमनअमीरावसकालीय
 जिगयाअरअजिहीअवै॥ मुचातुमारैकदम
 ॥ ८२॥ सीमजायक्यातुमकीज्योहमदकोबहव
 ने॥ नमक्याकधूपांयलगाई॥ दिनकेदिन

हम असे करौ॥ लमे मुत प्रदुना नै॥ और लालच अ
कामति की ज्यो॥ चाह मा फक म बल म करली ज्यो
॥११०२॥ जदि अह द्यो आप म मै कहौ॥ यत्नी तमा मादे
घोसही॥ ऐनी कोई वली कहावे॥ पायू दिली आवे जावे
॥ एक को लह मारो मोरी जो इस से कछू काम न होई ते
हुनौ मूत लयो आई॥ तकी सिर मा फिकरो जंमि वा
वाय॥ घोस वचा तक बुली हम ते॥ संधा डामीर घ
दइ ह तुम न॥ जव अह दी ल म कर मै आये॥ पहली
आप एगार मा बनाये॥ अधो एगो म निकल्यो जा मा
ही॥ घतरी बात फेरि जांणी ज्यो ही॥ जल ले करवौ मा
त स्याह न घेग या॥ हाथ जोड़ि के पाज नया॥११०३॥
एक अरज मुलौ माहि हमारी॥ कही हकी गति जब
ही मारी॥ हम मूत के बुदीग या॥ एक बली या बंधन
दीया॥ कही यम से मारा को म करवौ॥ और ऐतिहे
को इस मति मतावौ॥ और इस बंधन का मुछा मुलन
नयावै॥ अना मत हमारी हम ये आवै॥११०४॥ जव या
त स्याह हम करायौ॥ तुम करो जो बुही नली फुरमावौ
पहली मर कार का म बनावौ॥ पाछे ल म कर मा फि
चनवौ॥ दोय तवारी जी परिगया॥ जी सं माहि अ
सी बिधि नाया॥ आजि से तीघ दर वै दिन जानु॥ न
पचा न दिन अस्त मां न॥ डेर तवू सब न डिघ डौ॥ अ
र आंधी आवै रोष गिर्य डौ॥ वह पचन जब अंनिक रि
जवौ॥ जव कछू शाट मेह की आवै॥ मच के डेर गिर्य
डुछ है॥ नन के डेर काय म रहे॥११०५॥ और चिराक किं
सब कोरी जलती चिराक नन के होई॥ तुम नन के

जे आपन जावो ॥ जब पछता कुरा ननु नू को पावो ॥ द
 ज्ये बुजर की बो होत बनाय ॥ वैफते करे गो गछ को आ
 ई ॥ आरफने यो व्योत बनायो ॥ पाति स्याह ८ नुठि डेर
 आयो ॥ अति आतुर पति पाहिकरायो ॥ कदि आस
 रव सदि तको आवै ॥ बीत्यो पाषवो ही दिन आयो ॥ ति
 मामा मिचो पदार बुलायो ॥ यो कहै हजार प्रयास लेक
 रियायो ॥ इम जागो सब घरे रहावै ॥ इती करही अधी
 आ ई डिरागो घसब दीये गहाई ॥ पंती पोत अरबुंद
 पराई ॥ तब मान पयादा संकहौ बुलाई ॥ सब लम
 करै मै फैलि जावै ॥ देषा जलती चिराक कहाँ थो पा
 वौ ॥ जिम डेर की घचरि हम पावौ ॥ कमे दो डो बाग नै
 वौ ॥ चोग डहा हवार करावौ ॥ जलती चिराकै एकै
 पाई ॥ १६ ॥ देपि पयादानु लटागाया ॥ पाति स्याह सं
 आ निरक हरा ॥ मद घी लचनी जाम धिअ स्नीया ॥ जि
 न कै डेर देषा दीया ॥ वै बैठे कुरा नचांचत है दौनु ॥
 और न डेर चिराक न कोनु ॥ जब साहिनु ठिछा छे नये
 जिन डेरया लो गारे ॥ १७ ॥ दोनु नुली साहिन पल बैठा
 या ॥ पाछे आफ आराम कराया ॥ दैत वडाई पल पल ते
 ई ॥ दैषा डे थो डे होत है ते ई ॥ दोनु ममै सोच कराई ॥ आ
 जि इस के दिल मै क्या आई ॥ हम जू सरिकै जाते जब
 ही ॥ नरिनि जरियो दैषे कबही ॥ आ जि डेरया कुं करि
 आया ॥ हम वैया करी योजत न मुह बल एन पावै ॥
 मामा मदिन हम पै आवै ॥ १८ ॥ मकर
 मवनायो ॥ जदि पा
 हदी हजु बुलाया ॥ पा

च

वीसिक आदमी और साथिलीया॥ ते छि घौ डै बुदी म
गया॥ नाव शिपाय मि पाही कहाया॥ परदेसी काना व
ध गया॥ २३॥ पातिसाह बुदी पढ़ चो मोई॥ जदी गइ
अगम आरफ न मोई॥ मोच लि कै घर संसाह मूं आयो
पातिसाह का दर सण पाया॥ करि सलो म सब बतला
यो॥ हजरतिय हां कहा कुं आयो॥ मै तो कमी नगरी बं दुते
रा॥ तुम कि सी बस्त छोड़ा डेरा॥ २४॥ जब पातिसाह अ
सै बतलाया॥ हम तुम्हारा दीदार कीषात्री आया॥ इहां
हमारे जमीतिन कोई आगे॥ यह मुलक गली मकी जा
गे॥ तुमारे दीदार केन फाहम पाये॥ चले डेर चाह बतल
यो॥ जब आरफ डेर ले गया॥ जाय विशेषे न गुद डीया
बहतो घर म निरगुण होई॥ मोच करै मन मै पिष्टता
ई॥ अति ही साहि को बितती कैरे॥ मेरे वडेर ना ठाक्य
तुम धरे॥ करि मतुहारि अमे बतलाये॥ कहे कां मति
सिंह जरति आगे॥ २५॥ जब पातिसाह जी इण बिधिक
ही॥ तुम से बली इस जागे रहे॥ बाराबर सहम को इह ग
यो॥ तो नीचे ही दूग छहा थिन नये॥ ओर नीग छतिज
रि न आया॥ पाहाडु मै लड लोग पिपाया॥ और इलज
को इअ साबता यो॥ यह गछहा छि हमारे आवो॥ ज
आ बरफ यो साहि सों कहे॥ बली दाय तुम ल मकर
रहे॥ ये गछले देव गो तुम को॥ असी गम आब है हम
को॥ जब साहि कह कछु ना बवता यो हम को॥ तो
मता इस लाघ मै छि मगाउ॥ जब आरफ कहै मना
चन पांते॥ उन की सम निरे कबत लो न॥ तेज कअ
पणे बगई॥ पातिसाह जब न छि बोले जया ही॥ अ

वतं ईतु मजा ग्या नही॥ माफकी ज्यौत कसी रहमारी
 अतिही माहिको मनुहारी॥ जब दोनु मरद बोले अ
 षत आहम है कौतुम दे फुवडाई॥ ३३॥ हम तो तो क
 रपी ना जाद तुहारा॥ तुम इतरी दूरि कदम क्यो धरे
 जो इमुतल बहम सौ आया॥ चोपदार तुम कौतुम
 या॥ बार बार तुम दे फुवडाई॥ हम लग काम पत्रा क
 आई॥ अच करी बात बोहीत वतल प्यो॥ वाक हो को म
 हजरतियो॥ ३४॥ जब माहि असे फुरमाया॥ हम
 तो इम गछ के मुतल किय आया॥ तुम से नली इम ल
 म कर रहे॥ तुम अत बराबरि स की मरा॥ तुम से मुर
 वी हमारा सिर पेरै॥ ऐह ही इकुं बैठान परा॥ अब इल
 ज अमा हो इकोई॥ इह गछ हाथि हमारे होई॥ ३५॥
 जब नाणि जायेती मां मूक है॥ मछ की चाहि इत कुं
 रहै॥ कै गछ ही हो गे कहम ही हो गे॥ दोनु मै स एक ह
 ल्यो गे॥ तुम यो प्रति जाण होय हे दोनु॥ जाणो बस
 एक ल्यो को न॥ माहिक हम मुग गछ ही नावे॥ तुम न
 बचो अगछ नी आवे॥ ३६॥ जब हजरत कह अतो
 र जावे॥ सो बात करो सो ही फुरमावे॥ जब पातिसाह
 जी डेर आये॥ खुसी फुवन या मन नये॥ जब दोनु मरद
 त डकै ही जागीया॥ नहा इधोय कै त सबी लागे॥ पछ
 न कुरा न गत मूर जन लक्या॥ जिस को देधि दोनु मर
 द किल क्यो॥ गठिया जतया अर कुरा न सिमटाई
 मेरातिकरी सब दीया नुटाई॥ पातिसाह को एक द
 ने ज्यो॥ तुम करो चिदाग्र अच ते ज्यो॥ पातिमा
 वसाथ पिदायो॥ ते करि निवाजे

हे

सुडीगनरमछीया॥११४५॥दोहा॥दोनमरदस
धमागिकै॥लगादरासैआय॥११४६॥छंदनुजै
॥दोनमरदचछेजबडेदिलसौ॥दिलसोचधरेजुनरेव
लमै॥लीयानांमअल्हाजूनलवधतै॥चछेनूरजदू
रदिपमुषतै॥अलैडेजायलडेजंगमै॥कीरवानमै
कछीजोमछीरंगमै॥इतजाजनवीरमडेरणमै॥नड
साकतमीरसवैतनमै॥महनायनफीरीअनेकबजै
महदानेमिंधूकरनालिगजै॥बहनालिंगोलाह
यनालिषटै॥मानूमेघकीधारअपारवुट॥सतुरना
तिवटुकनाडाकिनडै॥बहदेगिजंबूरधडाकिधडै
पडैतीरसरीसकौछेदकरै॥तरवारिफुडाकिफुडाकि
फुडै॥पडैलोधिदडाकिदडाकिदडै॥बोलहाडक
डाकिकडाकिकडै॥पडैमीसदडाकिदडाकिदडै
॥लोहीयाहप्रतालवरसात्वचलै॥दोनदीनलडज
नडैबलमै॥वहसारअपारमुचेनहीकोइ॥धमाध
मिगाजिधमाकिधमो॥नलीआपणोंमीसनतारि
लीयो॥नरूरचकमारसुमारकीयो॥दोनपीरसुरिड
चछीजबघाटी॥रणअनलीयोजदिमारिआटी॥
नलीआगोधसेजदरादुटीया॥हीडुयाछैनयेजदर
छुटीया॥दोनमरदचछेरणनपरकै॥राचलोगधमे
गछनपरिकै॥रणनपरिमरदफिरबहमे॥गछमां
हिलीनारिसबदरमे॥छेणनइजुगरिगिरमै॥दोन
लेदिगायेजमहीदूनये॥जाहांजायकैसाहिनडै
नीयो॥गाहोपाहदेवेदीयाचबही॥नईमारब

रथनया॥ लडीयाय . . . जीदिनलोप्योपुन
 बंधी॥ नइवराभैमारा॥ ५७॥ चोपई॥ जवदोनमरदले
 दिक्काया॥ पातिम्याहगछदोन्योनया॥ जिहदिन
 किवाडलगायागछका॥ माहीसंमरदीईचठिकै
 योपरियेडंगारसोई॥ दोनअफमारबराबसिहोई॥
 तीरगोलीपडुचैन्हीकोई॥ जहोनाल्यासेतीलडा
 होई॥ तेननकारगरकोइजया॥ पातिम्याहडंगारव
 छिगया॥ बछेजायधराकैसांमे॥ जुडैदरबाररावकै
 जांमे॥ मारोलेमाजयांमदीस॥ दैषिदरबारमाहिदां
 तपीमै॥ जहांअघाडोरोमतिहोई॥ पातिसाहियणि
 दैषैसोई॥ ११५२॥ कंबित॥ बल्लोछेहचोगान॥ मडा
 दरबारतिरंतर॥ जहांघायघायपरजपूत॥ आफआप
 नहीजअंतर॥ मानुपेकजफूल॥ कीध्योंअहीफूलफु
 ल्यो॥ जहांवैठैसवतसर॥ तोनाविधिवस्यपुन॥ म
 नतराखनजगामो॥ अकसरवीडदराजीयो॥ जिम
 डोदियैसनरिधसी॥ सुवियोचंदविगजीयो॥ ११५३॥
 धंदनुजंगी॥ योसाहिपहाडमवआयनीया॥ जदसु
 रजिवणायंतियरकीया॥ जिननुपरिमैसंचाना
 लिप्यी॥ दिनरैनिनइअरमरकुपी॥ छंदेमवअर
 डाटहोयअसो॥ मानुजादयांमोमधरडाटैजमो न
 डकैजिमदांमनीगालाचले॥ नडकैअतिमारयहा
 डहले॥ रणथंनकीजरुजोजायलगा॥ कोननुपरिहो
 यजपडजअगो॥ बहवांगबंदकअमा
 गठपरिमडुचैनजायकदी॥ जंब
 घाई॥ गजेजुषदाअरडाटहाई॥

नालिचहै॥ जूहूलेमतिवालाअपारकहै॥ सरकै
मिलापाथरलाघांपडै॥ जिनहोयधमाककीरादि
महै॥ अरतीरजंबुकअपारचलै॥ कोईआईसकन
हीगछतलै॥ घमाघमहुवैधमकारमचै॥ जसेनारथ
रो॥ वणरोमरचै॥ होयगाजसुणोनहीकोईबतीयां॥
पडैसांयसामकिफटैथतीया॥ रजपेहनडैरनुडै
जेधुवो॥ दबिगयोजसूरअंधारहुचै॥ दोनुअफसै
आगिहीआगिरुडै॥ मानूप्रसरांमांगोचलडै॥ कि
धौकिसतचांणामुसुडमंड्रै॥ वहनालिगोलीमघ
धमरुड्रै॥ मानूकैरबोपांडवांषेतहुड्रै॥ हाथजोडि
पातिसाहिअसी॥ बणीवकिआषिनादेवीतिसी॥ अ
थैजांमदिनरहसी॥ तोनुनकारगरहोईकीसी॥ ७२
॥ दोहो॥ अमेलो॥ गोलामारफुकै॥ पथरमारदस
बीस॥ लोगअजांयांहोर
७३॥ कहानलागसुस्ती॥ जडपाहनतडतीरको
टिकराइबिकटकुल॥ पाथरपरवततीर॥ ७४॥ द
यित॥ फिरचोलपतिसाहि॥ लोगमतिकरोअजा
यां॥ तीरोकरहोदूरी॥ निजरिबंकराषीदवायांदे
निकसितहीजाई॥ घेरिकरोचोगडदाडैरो॥ जोक
हुआवहाथि॥ करुंजोमनमैमेरो॥ नाल्यौराडिकर
बोकरो॥ मरोमतिगछतलैजाय॥ पोघुस्योरहक
बलगाकिले॥ फिरमरहुंवरसौलगछाय॥ कीब
तसुणैप्राकमहमीरा॥ सकलाछबोकसतलो॥
जीतामरीचाकोदरैतिदिनआपसंनलो॥ अछैनो
मरहोकडाचूर॥ कदेनहीकमरिषुलावौ॥ सोबोई

करणीजवअईवीरसंतावे॥ज्मोकेनोडेरमीमतिक
रो॥तेहरधिहरधिइमवुलीहिदेघोडेरारांकातां॥
प्रवतसकलफुलीहे॥११७॥कवित॥कोईझेली
पोपहाड॥कहोपाठक्योकरिलेरी॥इकैकोठनहील
गावाजीतोअदृष्टपणरहमी॥घोटीड्यादलपडो
आया॥मोनाहारोपाठलेमी॥योपुराणंमदुरंग
मम्याचलमदे॥इकैकोईआरनगाठतुलहे॥नीर
श्रीकैमाहहमीसोतटी॥मताईमलाघदल
लिहेमी॥राववैठोदरवारासावतआयाजवही
जहा॥जहैअनंतहोयअर॥कीयाअघाडापातु
रो॥११८॥धाम्करतसिंगार॥बामहावनीरनी॥
आघोडमसाजिमंगार॥जडेनाकंचनताईतह
पवंतरतीरा॥चीरनांनोविधियहरो॥तनपरमल
बहुलाय॥हारफूलनकेगहरो॥बनिटकिआयठ
जेमे॥अरलीअघीरागनंचारी॥कोयलकंयुंम
धुरधुति॥सबमघीगावतला॥नोचैनाचैमानज
आवे॥पातिमाहिदिमियावजुचावे॥देघमाहिप
छिनाकअतिही॥देघोईमंडीकीगतिही॥हेकोईअ
मानुवांनहमी॥ईमंडीकैकहबरमार॥योवात
कैलसबलमकयाई॥जडणमीलोप्राप्तुई॥११९॥
चोपई॥सावदीवानचंदिमरहे॥गलैताषया
बेरीरहे॥तेमुलीवातअमुकरवाल्या॥मैमाम्जामु
रहेयोले॥याकोयाकहीमाहिमूजाय॥जवमाहि
जीमफुरमाया॥जेपुमीहोयसाहिजीमूलीयाबुला
या॥जायनडणमीसोमनवाया॥

मेरा तो वो होत गुण मानू गा तेरा ॥ जब धारें डी पावन
 चावे ॥ नमही पग मै तीर लग आवै ॥ जो अमा अच धृतु
 न पै आवै ॥ कहं चडा मांगे सो पावे ॥ तो अब ही को न
 रह काम ॥ जद से महने आवै जो म फिरि नुइ एसी
 अरज कराई ॥ मै पतर हचर मता मन ही घाई ॥ राति
 दिवसियो जकड़ौ रहै ॥ नृषय्या सम मगली स
 हो ॥ मुझ मै कुचति कहै सहाय ॥ यौ मफुसि पांन
 गा सोई ॥ ॥ ॥ ते तुरत बंदि सूदीया छूडाई ॥ पाति
 साहिब से फुरमाई ॥ वो मांगे सो ची जघुचावे ॥ इ
 सकी दस्त घुब करावौ ॥ जाव तो करत मही नृगये ॥
 बधि फुलते ता जा जयो ॥ वाकै तो वो ही रह चाले ॥
 जब पाति साहत फेरि सतालौ ॥ बुलाय कहौ ईस
 घेरें डी को ॥ तेरा मुजर मानू मारि रें डी को ॥ नुइ ए
 सी कहै कबोण जो ल्यावौ ॥ मेरा चल की छछिम
 मगावौ ॥ जब साहिक है अब लावो मासा ॥ देषो
 जिस का अजित मासा ॥ बड़ी बड़ी जिन छछि मा
 शी दम बारा जिन अतिरघाई ॥ नले दिधि नुछाय
 कै ली नही ॥ सो कसी सनुइ एसी बी नही ॥ ये चतप्र
 माण वटि सो गरी ॥ जब साहिक है अर लोको सोई
 दजी पणि वटि गाईवान ॥ जब नीजि नयाय दाय के
 देसोई ॥ सो नी पणि वटि गाई अरघी ॥ दम बारा सबत
 दि कै तां घी ॥ ॥ २०३ ॥ जब ही साहिब से हो गया ॥
 क्यावै तेरा फे मां मो को नया ॥ ईसी बात कया मनी नृ
 अज एक एक चाहिजे मुझ ॥ मै तो पिला फनी करि क
 हौ ॥ जब साहिक है तेरा ॥ रुक जा ॥ नुइ एसी कह दि

[illegible]

जवसाहिजडणसीलीयाबुलाई जायनडण
 यो॥ मनमोहीनस्ताजनवायो॥२४॥ कबिता
 मीरप्रषणौ॥ तरणनोचैरायअंगण॥ सीस
 वलदीन॥ आवटैषिणषिण॥ पगनेवरणम
 यगयपषडपगडकै॥ चळीयाचीडुवनर॥ व
 वांण॥ लगाजीकरश्चसामंतारं॥ नडणम
 लैण॥ सोद द्येदधीरीदहपडंग॥३१॥ ज
 तुरायानकीनांईअलंगनलैपडीजग्राई
 हसाहिदोडिकैजावौ॥ इसहैरेलिअथ
 ॥ कहतप्रमाणनदोडग्राकैईजीहपेम
 ३० मुवा॥ तगाछतैजगसाहिदाडुवा॥३२॥
 रीराजामुरमयो॥ सोजिहकाजीवमैसोचय
 बमहमासाहिवोलिउग्रात्रैसै॥ तुमदल
 श्रोकैसै॥ रावकहैयोषैलमिठायो॥ दु
 वलीअसइग्राप्रा॥ जिहकोतीसअठाल
 जितकोईअोरकैचोटलगवै॥ वोलम
 रहमारा॥ उसवदीवाननोणजाडरा॥ वा
 म्पागडदहमारा॥ मैतसधायामारिधपेडा
 होयसाहिकौमारो॥ उसकासिरसोपरह
 वकहउसहन्हीमारो॥ योविगडिजायत
 मारो॥३७॥ अलूषानफिरिवातकहवै॥ व
 जारश्पालकहवै॥ डुकमहोयइसकैद
 नदोनपुमैमारोकोई॥ पानधिजायगादुच
 इसीहीकीज्येजोउठिकैजाई॥ अतोअपज

मिरमपरहाडारो॥ अरकहयेवोहीतनजीकी॥ अ
 वथापाईमहाराजीवकी॥ अत्रमास्योतोवोहीमास्यो
 अरधास्यकोवैरुतारो॥ वैरमधैअरखेतरहेसारो
 इमवैरजिनउसहेमारो॥ ४२॥ उरकोएकइनचिधि
 लिषयो॥ योधास्यकोवैरकडीयो॥ यात्रावचोटअ
 त्रकैताई॥ योजणिजाणोंकरीवाई॥ त्रीयाकोवैरु
 हीमास्यो॥ अबकैशारेजीवबचायो॥ इनचिधिलि
 पिक्केतीरकैचाथ्यो॥ करिचोटडाख्योमाधी॥ ४३॥
 ॥ किबत ॥ अत्रधरतिहीनई॥ सारबज्योमीरनुपौ
 करगहीरहीवडंडा॥ जानिकेंगोरषधानधगे॥ रावरण
 नडहैडंग॥ अवरसुरतानयुनीगो॥ आयोतीरकंच्ये
 लिष्योमहमामोइदीगो॥ तोमनवधरोसधास्यमारो
 सोनहीहमीरनोजनकीयो॥ ताकारिणअमपति
 रायण॥ सोईहतीरमहसामुकीयो॥ तीरडंडाफोडि
 ब्रषजायअडै॥ अत्रनडदूरिजायियडै॥ सा
 रोदरबारअचिसजरहीयो॥ योअत्रदूरिक्योजाय
 पडीयो॥ जबनिजस्योतीरआयो॥ हायहायनई
 साहडरायो॥ नठिकैसाहिदूरोतयोजाय॥ तीरकू
 मोलीयोमगाय॥ ४४॥ कहीआजिकेरोजतोपर
 गुदारी॥ जबसाहिनैअरबिचारी॥ नलटिअरण
 कडागिरिआयो॥ जहैपरपंचेकनुठायो॥ कहैको
 ईति॥ जइहाअसाकीजे॥ योषदकहैमोनरिके
 लीजे॥ चोगडदासबषवरिकराई॥ रुपयातोवैर
 गारिउगाई॥ ४५॥ रातिहोयजवगारिनावादी
 सरालबैनहीपावै॥ बहमीफगोल्ह

नीगारिनरालैकोई॥ महारतोचरागा
तोषजानूं सोदीयोपुलाई॥ जिहकीहू
वै॥ आरवलपुरीतेमहोरलेआवै॥ जव
पुलदीयोबंकाय॥ १२५॥ रावकहआ
मेती॥ पातिसाहितैकीन्हीऐती जोव
रोहोजाय॥ अरुनयासेतीवचिछिआवै
वधानहोनाइ॥ पुलपरिकिसडीकरे
तोजीवमैनाहीडरै॥ देघारांमअवकां
रै॥ ० रावहैमयनूआवै॥ पदमस्तदर
यो॥ ज्यानकहगौरावसैंअसैं॥ थामो
सांकोकैसै॥ पदमतलावकीमोरीछेड
पुलहै॥ एविधिफोडै॥ एकबुछतेलीन
वै॥ छेमोरीवादेसीबताय॥ १२६॥ दोह
मदनोसेनदी॥ एतीमोमैसीर पुलपेल
की॥ फिकरनकरोहमीर॥ १२७॥ कवित
साअरसूरुगायो॥ सोरावदरवारिजव
तेमनसोचैकहतःसरवामै॥ जिनकोई
सीकरावै॥ कहोलातातिणावीणछेसा
वमैइतीकांईसकलाई॥ काठोकरिमन
ई॥ एकचातकहैंजोमानूंकोई॥ १२८॥ वोल
वकहोमहाराज॥ रुकमकरोसोहीकर
सपनांकीबातकहैवताई॥ सकलसन
सुनाई॥ सपनूसोचोकिमोहोजाई॥ म्माए
सोचीकरिमोती॥ तेनछिवोल्याइसडीबां

जदिवुजेतेलीकोकिषनायो॥ज
धो॥गमवतायो॥जब्जायगायनारदधी॥निकसी
नोरीसवहीपेधी॥जहैकैमूछेतवोजग्राडो॥चाली
समएलोहकोजडो॥१२६॥बकरोबाकुलादा
रुमगाई॥जोकोवलदेधारचणई॥कैसांमिलिक
रितबोधिकायो॥जहगसेतीनीरचलायो॥गहरोप
लीउमपौअमे॥धेडेसिलानाकीनादजैमो॥फटो
पुलसबदीयोबुहाय॥धकैपडोमोदीयोधकाय
॥६६॥दांतआगुलीसाहिदेरहो॥अरमुपतैवौत्या
असाकह्यो॥गछमैअमीनदीकहामूंआई॥जिन
बंधापुलसबदीयाबुहाय॥जमिगछनुपरिअम
याणी॥तोमैनीकरोंगाआपणोंजाणी॥मैअमाबंध
करोंगामोई॥जिमकारगरओरहीकोई॥६७॥दरघ
तहाडोकाठिमंगाया॥वीचिवीचिदेपथरचुलाया
॥जिममैअमीमंधिरषावो॥याणीचीचिपडाबहा
वो॥पहलीपथरमादिनुठायो॥माथेधरिकरिजा
यहुलायो॥अदमीजितनोछापडा॥मताइमला
यइकमसचैपड्या॥१२७॥पथरकीफिरियालिव
धोई॥जदेकीषबरिावनपाई॥जदिनोगसेतीअ
मेकहेजाधि॥पहलीतोरजपदमलैरधी॥अवन
ठामूंधमैजमोई॥अठामूंथाधमैमोई॥पुलपरिक
सामंडिकरिजावो॥मारितवाभ्यांपरहोधिकावो
॥कनाटकहैदेपुहुजाई॥जोवणिजाइतोमनद
कगोन॥१२८॥रावकहैयांकोईजावो॥कांईकहक
रिमनदकराई॥गजाई॥मोनीमहा

न कह सुणवौ॥ पछे किव न अरचौ पल गान॥ अठ
पेती पर हो न गाने॥ ऐक टकर करौ लौ अमी॥ जो नैं ते
मन जाइ हयै मी॥ १२७५॥ दोहा॥ जाय जाइ उजोर
हो॥ बुर जियौ कह्यो पचारि॥ तुम अलख दीछ
पति॥ कांई छोड़गारि॥ १२७५॥ किवत॥ जी सिर क
न कम रीर है॥ मोड मंणि क कामंड्यो॥ जी सिर बा
स कुसम निवास॥ छिन ऐक नही छंड्यो॥ जे सिर सिर
हन ही नय्यो॥ तम सिर छत्र बड्यो॥ जे सिर पंच नूपा
ल ए॥ मांही॥ छदवो तो दीयो॥ तोह मीर राव गाछे क
पण॥ दहन रां मजी देव गिर॥ पाह ए बहते गठ वकरी
सुमडी चोदि मुल तांन मिरि॥ १२७६॥ दोहा॥ धिम न
टको सब दसुणि॥ बोल्या साहिद कालि॥ कहोर
बसौ जाय कै॥ हम न छिंजौ कै कालि॥ १२७६॥ दुक
म होय सोही कह्यो॥ जो मांन छेरावै॥ तुम पातिसाहि
सब मुल कके॥ न सताइ क्य जाव॥ १२७७॥ किवत
॥ सुन्यो पातिसाहि नयो दल गीरज दिल मो॥ कछू तो
धिम कम देजा॥ अर फि रिजान पल मै॥ बोहो तन ही
यह ल्याव॥ ऐक घोडो ऐक चाक॥ देखि आलम क
रुप॥ क्या धु सिर ह्राज का वक्रमे॥ बिना लीयो जा
नही॥ मुक्त अलख दीनो वै॥ तेरा बक स्या गुनाह सब
॥ तुह एग छदीया विश्राम॥ १२७८॥ दोहा॥ नाटक
ह जाय राव यो॥ ऐक घोडो राव दिवाय॥ यो नाक न
व ए लाघांगिण॥ ज्यो ले कै पर हो जाई॥ १२७८॥ कि
वत॥ मेरु चले धूर ले॥ सह साय रजल मूके॥ राम चंद्र
दलि जाई॥ टेकै राव ए जो भुके॥ नीम चुचै नारथ॥ गाजल

पविमदुके॥ सदमचिक्रमजोतजाय॥ नोजविद्याऽसु
 के॥ बलिरायवाचापरिहरै॥ अरसतश्रद्धमीरदठ॥
 अणीआकासहोयएकठे॥ तोवनतजदमीरदठ॥
 २८॥ जोयई॥ रावकौनाटफरिसमजावै॥ रावैकैदा
 यकनहीआवै॥ ऐतीअडनदीकीजिराजा॥ धाही
 कीविगडेलोकजा॥ कांईबुनादियोडाकीआई॥
 नाटचारणहैदेहुदिवाइ॥ ईनदीजोफिसादमित
 बोफेरिदसहरअमलकरावै॥ २९॥ किहना॥ रावकन
 मुणिनाट॥ तूजाणअजाणकौहोई॥ अतरादिनको
 माया॥ कांईअविरथाघोया॥ मैकाआमुपकचन॥ ज
 दकीपछिहानदीटाल॥ होणीहोयसोहोय॥ अवका
 अलालकाल॥ मैजीवकलप्योआयकौ॥ जीकेवाटे
 सोआवै॥ थैकचीवातजिनकरै॥ फेरिअसोसोसर
 पानकवै॥ ३०॥ जुबावलेयकेजायनाटवुरजिमैवो
 ल्ये॥ मुणिअलावदीनसाहि॥ रावमैबहातदवाव
 ॥ कहैपरिचस्तनहीइसी॥ सोपातिसाहिकौदेउ॥ माह
 तोकरावांकीआसा॥ मागिकअसाहियेलेउ॥ जोवस्त
 होयघरप्यारकी॥ जीकेसुरतोनीजीये॥ जीवनपरा
 निकोनही॥ सोजवजाएँतवलीजीये॥ ३१॥ सणिक
 रिनाटकीअन॥ तोहिलअसाहिविचार॥ जीकीहम
 कचिहि॥ मुलकजोअयासारी॥ आगाजोगड
 गोषि॥ मुलकहमअरसनाल॥ मकुयदहुआअरक
 मा॥ कामविनादिनकोगाले॥ इसगणसाहिरहचोकि
 रो॥ अदरधुम्पाक्याघायगा॥ परकाटिकुदिकपिछो
 डया॥ किसविधिलडऐजाइगा॥ ३२॥ मवदना
 रकोहिरदेधसो॥ पातिसाहिजवअहोदोफिल्यो॥

मूरवातनपरेदगारी॥ जहठेनंउरोदीयोनाई॥ राजाकह
कष्टयादिहोनियो॥ लोगकहतुरकतेगयो॥ रावक
हऐजावादीज्ये॥ आपणोदेसयोसिकेलीज्ये॥
रावकाप्रधानश्याहदगोबिचाम्ये॥ गदछमप्र
धानगगवालबांणो॥ जीमिलिमतेअरहीठाणो॥
॥ जोकोईसमयहीबैरनलीयो॥ तोधकपडोआप
णोकोजीयो॥ अवइसडोपरपंचजकीज्येकोइ॥ पा
तिसाहिफिरिआवसोइ॥ ऐकसाहिकौजायमिली
या॥ दुजअमारमेचामविशया॥ पातिसाहियूव
तलाया॥ कहबेवणीयांकौकरिआया॥ हजरति
पडूरावपठाय॥ रावनतरितलहठीआया॥ अर
असेरावकहीहैसोईअरेणगाठनुमकौममारघहो
इ॥ जोहजरतियहोलाअहोटाआवे॥ दिनादोइअ
रोहेरिकरावे॥ १३३॥ सुकैकरिपातिसाहअसेक
ह॥ हमतोबहातेरावरमैरहे॥ अवदिनदसपाच
आरोनीचले॥ हमनीचाहनसकेमिले॥ जियदि
नहमगाठनुप्रजानु॥ तोसारेनुपरितोहिरघांनु॥
हमकोचलतफेरिक्यालागो॥ हमनीचाहतदेष
वाजागो॥ १३४॥ पुछैसाहिहमक्यालागोतेरा॥ इम
वातकादेहुनिबेरा॥ वाअतरदिगुमिमिल्याकौ
नोही॥ अवकजबैठानुसदिलमांही॥ रोपलकह
वाअनमिलवै॥ लडतमिलैतोहारिकहवै॥ अव
हजरतिवडिचालादिली॥ जवदेकझीझूकीपली
॥ १३५॥ इमअरकरिहीइयेआवे॥ मरोडनष्टुदेमरि
हीजावै॥ जबलगआपलडशम्हासु॥ लवलगलड
ईमघांसु॥ अवघांघरकौगवनकरायो॥ जवराव

